

मई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 8 1983/पौष 18, 1904 NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 8, 1983/PAUSA 18, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ शंक्या की जाती है जिससे कि मह अलग संकलन के कप में रसा जा सके Separate puging is given to this Fart in order that it may be filed as a separate compilation

# मात II--खण्ड 3--उर-अण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंद्रालय को छोड़कर) मारत सरकार के मंद्रालयों द्वारा जारी किए गए साविधिक ग्रावेश भीर प्रधिसुचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

> विस संत्रालय (राजस्य विभाग)

> > श्रावेश

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1982

स्ट(स्प

का० मा०. 238 -- भारतीय स्टाम्य ग्रधिनियम. 1899 (1893 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) हारा प्रदन्त शिक्तयों का प्रयोग करते हए श्रीर दिनांक 14 श्रगस्त 1982 के भारत के राजपन के - भाग II, खण्ड 3 डमखण्ड (ii) के पूष्ठ 29 11-12 पर प्रत कर्त भारत सरकार राजस्व विभाग के दिनांक 31 🤏 🌉 82 के ग्रादेश सं० 26/83 स्टाम्स फा० सं० 🎞 📆 82-बि०क० (का०म्रा० 2868) का ऋधिलंघन धरते · बेल्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्रहमदाबाद मैन्युफेक्वरिंग एंड ः खुको प्रिटिंग कम्यनी लि० को मान्न एक लाख चालीस हंजीर भाठ सी रुपये पञ्चीस पैसे के उस समेकित स्टाम्प गुल्क की भ्रदायगी करने की भ्रनुमति देती है जो उनत कम्पनी द्वारा ऋण पत्रों के रूप में जारी किए जाने वाले 1116 G.I /82 -1

एक करोड़ सत्तासी लाख सत्तर हजार दो सा रुपये के प्रकित म्ल्य के वंध पत पर प्रभार्य है।

> [सं. 37/82-स्टाम्प/फा०सं० 33/23/82-बि०क०] भगवान दास, अवर सचिव

> > MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 15th December, 1982

**STAMPS** 

S.O. 238.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), and in supersession of the Order of the Government of India in the Department of Revenue No. 26/82-Stamps F. No. 33/23/82-ST (S.O. 2868), dated the 31st July, 1982, published at page 2911-12 of the Gazette of India, Part-II Scotion 3 Sub-section (ii), dated the 14th August, 1982, the Central Government hereby permits the Ahmedabad Manufacturing and Calico Printing Company Limited to pay consolidated stamp duty of one lakh forty thousand eight hundred thirtyone rupees and twenty-five paise only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures of the face value of one crore eighty seven lakks seventy seven thousand two hundred rupees to be issued by the said Company.

> [No. 37/82-Stamps F. No. 33/23/82-ST] BHAGWAN DAS, Under Sec

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1982

#### ग्राय-कर

का०भ्रां २,39.— केन्द्रीय प्रत्यक्ष-वर बांड श्राय-वर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्रारा प्रदत्त शिव्तयों का प्रयोग करते हुए समय समय पर यथासशीधित अधिसूचना स० 4501 (फा०म० 187/41/81-धाई टी (ए० श्राई०) नारीख 3-3-82 में निम्नलिखिन सशीधन करना है। श्रनुसूची की अम स० 23-अ के सामने स्तंभ 1,2,3 के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखन प्रविष्टियां रखी जाएगी।

श्राय-कर ग्रायुक्त	मुख्यालव	श्रीधकारिता
1	2	3
23-श पश्चिम वंगाल-	XI कलकत्ता	(1) जिला I(1),
		कलकत्ता।
		(2) जि <del>ला</del> <b>I(</b> 2),
		कलकता ।
		(3) जिला <b>I</b> (3),
	•	कलकत्ता।
		(4) जिला <b>[(</b> 4),
		कर्लकता ।

यह अधिस्चना 1-9-19 82 में प्रभावी होगी। [म॰ 49 26/फा॰म॰ 187/36/82-आई॰टी॰ (ए॰आई)]

#### CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 29th September, 1982

#### INCOMF-TAX

S.O. 239.—In exercise of the powers conterred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Notification No. 4501 F. No. 187[41]81-IT (AI) dated 3-3-82 as amended from time to time. The entries under Column 1, 2, 3, against SI, No. 23-J of the schedule shall be substituted by the following entries.

Commissioner of Income Tax	Headquarte	ers .	Jurisdic	tion
	2		3	
23-J West Bengal-XI	Calcutta	(1) Dist. (2) Dist. (3) Dist. (4) Dist.	I(2). I(3),	Calcutta. Calcutta. Calcutta. Calcutta.

This notifications shall take effect from 1-9-1982.

[NO. 4926 F No. 137]36[82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 17 नवस्थर, 1982

#### श्राय-कर

का॰ आ॰ 240.—नेन्द्रीय सरकार ग्राय-कर ग्रिधिनयम. १९६१ (१९६१) का ४३) की धारा 80% की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त गिनित्यों का प्रयोग करते हुए "श्री बेंदन।राजण पेष्टलनन मिन्ट मुगीरी तालुक (जिला तिह्नी) निमलनाहु" को निमलनाहु राज्य में नर्बत बुद्धा लोक पूजा का स्थान अधिस्वित करनी है।

[मं० 49 74 (फा॰म॰ 176/74/82---সা॰व॰ (ए०<del>স</del>

#### New Delhi, the 17th November, 1982 INCOME-TAX

S.O. 240.—In exercise of the powers conferred section (2)(b) of Section 80-G of the Income tax. Ac (43 of 1961), the Central Government hereby notifically Vedansrayana Perumal Temple, Musiri Taluk (Tiruchis, Tamil Nadu" to be a place of public worship of throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 4974]F. No 176[74]82-朝口市で

का॰ न्ना॰ 241. — केन्द्रीय सरकार न्नायकर न्ना 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उ. (ख) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए "श्रीलंड, नर्रासंह स्वामी मन्दिर, गोरावनहल्ली, ब्रिन्दूपुर नालुक्क जिला अनंतपुर (आन्ध्र प्रदेश) "को, आन्ध्र प्रदेश राज्य में सर्वंब विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिस्चित करती है।

[सं० 49 71/फा॰ म॰ 176/20क/82-आ॰क॰(ए॰आई)] मिलाप जैंन, अवर सचिव

#### INCOME-TAX

S.O. 241.—In exercise of the powers conferred by subvection (2) (b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Lakshmi Narasimhaswamy Temple, Gorvanhalli, Handupur Taluk, Anantpur Distt. (Andhra Pradesh)" to be a place of public worship of renown throughout the State of Andhra Pradesh.

> [No. 4971|F. IJo. 176|20A|82-IT(AI)] MILAP JAIN, Under Secy

# (म्राधिक कार्य विभाग)

गुद्धि-पव

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1982

का०था०242 -- भारत के राजपत्न, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 11 अक्तूबर, 1982 में प्रकाणित भारत सरकार के वित्त संवालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूत्रता स० का०आ० 725(अ) तारीख 7 अक्तूबर, 1982 में, उपप्रा (खं) के तीचे दी गई सारणी में, "दस पैमे" सद के सामते स्तम्भ "आकार और बाह्री व्यास" के तीचे "25 मिलीमीट॰" के स्थात पर "26 मिलीमीट॰" पढ़े।

[फा०स० 1/28/II/79-सिक्का] मीं जी ० पथरोज, प्रवर सचिव

# (Department of Economic Affairs) CORRIGENDUM

New Delhi, the 7th December, 1982

S.O. 242.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), No. S.O. 725(E), dated the 7th October, 1982 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 11th October, 1982, in the table given below sub-paragraph (b), against item "Ten Paise", under column "Shape and outside diametre", for "25 millimetre" read "26 millimetre".

[No. 1. 1/28/(II)/79-Coin] C. G. PATHROSE, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 दिमम्बर, 1982

का॰ आ॰ 243.—केन्द्रीय सरकार, राज भाषा (सघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में वित्त मत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के निम्नलिखित अधीनस्थ कार्यानय को जिसके कर्मचारीबंद ने हिन्दी का कार्यसाधव ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसुचित करती है:—

भारत मरकार टकसाल, बम्बई।

[सं०ई० 11011/40/82-हि०का०क०] पी०एन० सकरवान, उप सचिव

New Delhi, the 16th December, 1982

S.O. 243.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following subordinate office of the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi —

India Government Mint, Bombay

[No E 11011,40,82-HIC] P. I. SAKARWAL, Dy Secy

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 1982

का॰ आ॰ 244.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक ग्रिधिनियम 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शिवनयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक ग्रीर भारतीय स्टेंट बैंक के परामर्श से निग्नलिखिन नियम, बनाती है, अर्थान् —

- 1. मक्षिप्त नाम श्रोर प्रारम्भ :--(1) इन नियमो का नाम काकतिया ग्रामीण बैंक (बोर्ड के श्रिधिवेशन) नियम 1982 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से लाग् होंगे।
- 2. परिजाषा --इन नियमीं मे, जब तक कि सदर्भ संग्रन्थथा अपेक्षित न हो ---
  - (क) "ग्रीधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैक श्रीधिनियम, 1926. (1976 का 21) श्रीभिप्रेन है।
  - (ख) ''बैंक'' में काकतिया ग्रामीण वक ग्रिभिन्नेत ह।
  - (ग) ऐसे शब्दों और पदौं को, जो इन निश्वमों म प्रयुक्त है और परिभाषित नहीं है किन्तु प्रधि-नियम में परिभाषित है वहीं अर्थ है जो उनके प्रधिनियम में है।

- 3. बोर्ड के श्रिधिवेशनों की न्यूनतम सख्या :—एक वर्ष म बार्ड के कम मे कम छह श्रिधिवेशन होंगे श्रीर हर तिमाही मे कम मे कम एक श्रिधिवेशन होंगा।
- 4 प्रधिवेशना का सयोजन प्रधिवेशनो का सयोजन बाई के प्रध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. अधिवेशनो ना स्थान वार्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय मे अथवा अधिसूचित क्षेत्र मे किसी गेसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. ग्रिधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची .—
  (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
  प्रध्यक्ष द्वारा विनिध्चित किया जायेगा।
- (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक का अधिवेशन की नारीख से साधारणतः कम मे कम पन्द्रह दिन को सूचना दो जायेगा और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके. द्वारा इस निभिन विनिदिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार
   की मूची उक्त सुचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारबार के सित्राय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अध्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उनस्थित निदेशकों की बहुस ख्या की सहमति के बिना तब तक नही किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे मे अध्यक्ष को एक मण्नाह की लिज्विन सूचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपान अधिवेशन बुलाना आव-श्यक हो तो प्रत्येक निदेशक की पर्याप्त समग्र पूर्व सूचना दी जार्जे में।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन .—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशको मे माग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।
- (2) इस माग मैं उस प्रयाजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए ऋधियेशन बुलाने की ऋपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिबेशन माग प्राप्त हान की नारीख से 21 दिन के भीतर हो बुलाया जायेगा।
- 8. बोर्ड के ग्रिधिबेशन के लिए गणपूर्ति निदेशको की कुल सख्या के एक निहाई या चार की इनमें से जो ग्रिधिक हो, होगी।

परन्तु जहा इस प्रक्षितियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निरेणक बोई के प्रधिवेशन में विवार विमर्ग में भाग लें। के प्रभवा मन देने, में प्रसम्बर्ध हो, वहा गणपूर्ति तीन की होगी।

मणपूर्ति न हाने के कारण अधिवशन का स्थगन .— यदि बोर्ड का अधिवेशन गणपूर्ति न होने के कारण नही हो सुरा हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह मे उसी दिन, उसीं स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्व-जनिक अवकाश दिन हो, तो उससे अथले दिन, जो सार्व-जनिक अवकाश दिन न हो, उसी समय और स्थान के लिये स्थातः स्थिगत हो जायेगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिगत प्रधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थिगत हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेंगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार :—(1) यदि प्रध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गर्य निदेशकों से भिक्ष) को विनिर्दिण्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसते उपनियम (1) के प्रन्तर्गत परिचालित किया गया हो ग्राँर उन निर्देशकों के बहुमत द्वारा श्रनुमोदित किया जा चुका है, किरहोंने श्रपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी ग्रांर श्राबद्धकार होगा मानो ऐसा कारबार श्रीधवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख की पारित किया अया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर प्रतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हो।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाभ से सभी निदेशकों को संधूचित किया जायेगा।
- (5) कागचों के परिचालन द्वारा किसी प्रशन पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।
- 11. कारबार के श्रभिलेख:—(1) (क) बार्ड के श्रिधिवेणनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्ता पुस्तक कहा गथा हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, वथास्थिति, प्रध्यक्ष प्रयवा निदेशक, जिसने प्रधिवेशन की प्रध्यक्षता की हो, द्वारा भाद्यक्षरित या हर्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक भाधिवेशन की कार्यवाहियों के प्रभिनेख के भन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा शीध इन कायन्त्रों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जामेंगी।
- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के श्रीकिस

की प्रध्यक्ष द्वारा हुम्ताक्षरित किया जायेगा भीर कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।

- (4) प्रत्येक श्रविवेशन के कार्यकृत्त पृष्टि के लिये अगले श्रधिवेशन से रखें आर्येने।
- (5) श्रधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन निजमों के उनवंशों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें प्रभिलिखित कार्य-वाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं॰ एफ॰ 12-5/81-সাবে সাবে সাঁও (II)] New Delhi, the 22nd November, 1982 (Banking Division)

- S.O. 244.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of India hereby makes the following rules, namely:—
- 1, Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Kakathiya Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette,
- 2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires—
  - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
  - (b) "bank" means the Kakathiya Grameena Bank.
  - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be hold at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a): The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
  - (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
  - (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
  - (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director,
  - 7. Special meeting of the Board:
    - (1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
    - (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
    - (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quoram shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum,—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned all the same day in next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeding day which is not a public holiday, at the same time and place.

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned, or want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

#### 10. Business by circulation:

- (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary, to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A busines, passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

### 11. Records of husiness.

- (1) (a) The minutes of the meetings of the Board shell be kept in book (hereinafter referred to us the Minutes Book).
  - (b) Every page of the Minutes Book shall be installed or signed by the Chaliman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and the last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein

(No. F. 12-5/81-RRB(II)]

का० था० 245.—प्रादेशिक प्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 26 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय म कार, भारतीय रिजर्ब बैंक थाँर सेन्ट्रल बैंक था,फ इण्डिया के परामर्ज मे निम्नलिखिन नियम बनाती है, प्रयति:—

मिक्षिण्त नाम फ्रीर प्रारम्भ :---(1) इन नियमों का नाम हाडौती क्षेत्रीय प्रामीण बैंक (बार्ड के प्रधिवेणन) नियम, 1982 हैं।

- (2) यं राज्यस में प्रकाशन की नारीख से लागृ होंगे।
- 2. परिभाषा : इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्दर्था अपेक्षित न हो ---
  - (क) 'अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) श्रभिप्रेत है।
  - (2) "बैंक" से हाडौती क्षेत्रीय ग्रामीण डैंक अभिन्नेत है।
  - (ग) ऐसे शब्दों श्रीर पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं भीर परिभाषित नहीं हैं किन्तु ध्रिध-नियम में परिभाषित है वहीं अर्थ है, जो उनके श्रिधिनयम में है।
- 3 वोर्ड के श्राधवेशनों का न्यूनतम संख्या —एक वर्ष में बोर्ड के कम भे कम छह श्राधवेशन होंगे श्राप हर तिमाही में कम में कम एक श्राधवेशन होगा।
- अधिवेगनों का नयोजन . --अधिवेगना का मंद्रोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारः किया जायेगः ।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :—बोर्ड के आधिवेशन बैक के मुख्य कार्यालय मे अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिस बार्ड विनिश्चित करे।
- 6. आधवेशन की सुचना तथा कारवार की सूची :--(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान श्रद्यक्ष द्वारा विनिध्चिम किया जायेगा।
- (ख) बोर्ड के अधिवशत के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की नारीख से उत्थारणत. कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायोगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्र विनिद्दिट पने पर भेजी अधिगी।
- (ग) अधिवेण: में किये जाने के लिए प्रस्तावित कार-ग्रार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारवार के रिवाय जिसके लिए अधिवेशन धुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमिति के विना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक मन्ताह का लिखित सूचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो ता प्रहरेक निदेशक की पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जासेगी।
- 7. बोर्ड का विणेष श्राधिवेशन :--(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम में कम चार निदेशकों से मांग श्राप्त होते पर, बोर्ड का अधिवेशन बुनायेगा।
- (2) इस माग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, 'जियक लिए ग्रधिवेशन कुलाने की प्रयेक्षा की गयी है।

- (3) अधिवेशन सांग प्राप्त होने की गारीज में 21 दिन के भीतर ही बुलाया भाषेगा।
- 8. बोर्ड के अधिबेशन के लिए गणपूर्त निदेशकों की कुल संख्या के एक निहाई या चार की. इनमें म ना अधिक हा, होगी
- परन्तु जहा इस अधिनियम की धारा 14 की उपवास (4) के उपवंध के कारण काई निदेशक वोई के अधि-बेशन में विचार-यिमर्श में भाग लेने के अपवा मत देने में असमर्थ हो, यहा गणपूर्ति तीन को होगी।
- 9 गणपूर्णि न होने के कारण अधिवेशन का स्थान .--पदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्णि न होने के कारण नहीं हा
  मका हो तो अधिवेशन अगले मध्नाह में उपी दिन, उपी
  स्थान एवं सम्ब के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजिनक
  अवकाश-दिन हो, तो उसने अगले दिन , जो सार्वजिनक
  अवकाश-दिन न हो, उसी सम्ब श्रीर उसी स्थान के लिये
  स्वतः स्थानिन हो जायेगा

परन्तु जहा गगर्रित न होते के कारण स्थानित श्राध-बेशन में कोई निरेशक अनुपस्थित रहा हो, वहा श्रध्यक्ष जिस नारीख तक कि लिरे अधिबेशन स्थिति हो, उससे पूर्व उस निरेशक का तह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होते के कारण उस ताराख का अधिबेशन नहीं हुआ।

- (0) परिचाल इ द्वारा कारवार :--(1) यदि अध्वक्ष ऐसा निदेश दें; तो बोई द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारा से बाहर गर्ये निदेशकों से सिन्न) की निदिष्ट (भिया जा सका। है।
- . (2) कोई भी कारबार जिसे उपनिषम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हा आर उन निदेशकों के बहुमन हारा अनुमादिन किया जा चुका हो, जिन्होंने आने विचार लेखबद्ध निष्टे हों, उसी प्रकार प्रभावा और आबद्धकर होगा मामों ऐसा नारवार अधिवेंगन में उपस्थित निदेशकों के बहुमन हारा विनिधिचन किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया माना आयेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हहाक्षरकर्ता ने हलाक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिवालित किया जाता है तो उस परिवालन परिणाम से मनी निदेणकों को संसूचिन किया जासेगा।
- (5) कामजों के पर्रचालन द्वारा हिसी प्रधन पर किये गये सभी निर्णयों का अभिनेख के लिये अभिने अधिवेशन में रखा आयोगा।
- 11. कारवाश के श्रीमलेख :--(1) (क) बार्ड के श्रीधवेशनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिहे इसमें इसके प्रकाल नार्यवन प्रकार है। गया हो ) मे अवा जारोगा।

- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ट प्रवास्थित, प्रव्यक्ष अववा अतिवृश्यक जिसने अधिवेशन का अध्यक्षता की हा द्वारा प्राचकारित या हत्ताक्षरा किया जायेगा तथा ऐसो पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन का कार्यवाहियों के अभिलेव के अस्तिम पृष्ट पर नारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्नेक अधिवेशन की सनाहन के पश्चान् यथा गीघ इन कार्यश्रुत्तों की प्रतिया पन्नेक निदेशक का भेजी नार्यगा।
- (3) जब काई कारवार या कागजों के परिवासन द्वारा विद्या जाये तो इष्ठ प्रकार किये गये कारवार के श्रिभिलेख को श्रध्यक्ष द्वारा है-।।भारित किया जायेगा श्रोर कार्यबृत्त १स्तक मे उसकी प्रविष्टि की जायेगा।
- (4) प्रत्येक प्रत्येक्षणान के कार्यकृत पुष्टि के स्पर्व श्रमत ग्राधिवेणन में रखें जायेंगे।
- (5) श्रधिषेशनो के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के श्रनुसार रखे जायेगे उनमे श्रभिलिखित कार्य-वाहियों का साक्ष्य हींगे।

[एफन० 12-5-81 श्रार ग्रार वी (111)]

- 5.0. 245—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Central Bank of India hereby makes the following rules, namely:
- 1. Short title and commencement,—(1) These rules may be called the Hadoti Kashetriya Gramin Bank (Meeting of Board) Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definition. In these rilles, unless the context otherwise requires-
  - (a) Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
  - (b) "bank" means the Hadoti Kashetiiya Gramin Bank.
  - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one receting in every quarter.
- 4. Convening of meetings -- Meetings o the Board shall be convened by the Chairman
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be hold at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a): The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
  - (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf
  - (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be of culated along-with the notice

- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
  - 7. Special meeting of the Board :
    - (1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors
    - (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
    - (3) The meeting shall be called not later than (wenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a niceting of the Board shall be one-third of the total number of directors or our whichever is higher

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place.—

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned, for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum

- 10. Rusiness by circulation
  - (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
  - (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitutes quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
  - (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
  - (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
  - (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record
- 11 Records of business.
  - (1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (herelunfter referred to as the Minutes Book)
    - (b) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated
  - (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

- (2) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. 1'.12-5/81-RRB(III)]

का० आ१०246.—प्रादेशिक प्रानीण वैक श्रिधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 हारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रोप सरकार, भारतीय रिखर्ब बैंक श्रीर मेन्ट्रल वैंक श्राफ इण्डिया के परामर्श से निम्नलिखिन नियम बनाती है, श्र्यान:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का नाम मांडला-बालाघाट क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के श्रिधियेशन) नियम 1982 है।
  - (2) ये राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- परिभाषा: इन नियमों मे, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, ---
- (क) 'श्रीधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) श्रीभन्नेत हैं।
- (ख) 'बैंक'' से मांडला-आसाघाट क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक শ্रमिप्रेस है।
- (ग) ऐसे शब्दों श्रीर पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त है ग्रीर परिभाषित नहीं है किन्तु श्रीधनियम में परिभाषित हैं वहीं शर्थ हैं, जो उनके श्रीधनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिषेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर निमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- अधिवसनों का संयोजन: अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. प्रधिनेशनों का स्थान :--वोर्ड के अधिनेशन धैक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी एसे प्रस्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
  - 6. ग्रिधियेशन, की सूचना क्षथा कार्दार की. सूची .~(1)
- (क) बोर्ड के प्रत्येक ग्रधिवेशन का समय एवं स्थान श्रध्यक्ष क्षारा विनिश्चित किया जायेगा।
- (ख) नोर्ड के अधियेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधियेशन की नारीख से माधारणन कम से कम पम्प्रह दिन की सूचना दी जायेगीं और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिदिष्ट पने पर भेजी जायेगी।

- (ग) अधिवेशन में कियेजाते के लिएप्रताबित कारबार की सुची उक्त सूचना के साथ ही परिवालित की जायेगी।
- (घ) उस कारवार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बुलामा गया है, कोई अन्य कारवार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निर्देशकों की बहुसंक्षा की सहमति के बिता तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उन कारतार के बारे में अध्यक्ष की एक सन्ताह को लिखिन स्वना नहीं ने दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का भ्रापात अधिवेशन बुलाना श्रायश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।
- 7. बार्ड का विशेष श्रिधिवेशन:——(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निवेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन क्लाएगा।
- (2) इस माग में उस प्रयाजन का उन्लेख होगा, जिसके सिए ग्राधियेणन बुलाने की अपेका की गर्या है।
- (3) प्रधिवेशन माग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8. बोर्ड के अधिय गन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो. होगी।
- परन्तु जहा इस अधिनियम की धारा 14 की उनधार।
  (4) के उपबंध के कारम कोई निर्देशक बोर्ड के अधिवेशन
  में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मन देने में असमर्थ
  हो, यहां गणपूर्ति नीन की होगी।
- 9. गणपूर्ति न होने के कारण श्रिधिवेशन का स्थान !

  यदि बोर्ड का श्रिधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो 'श्रिधिवेशन श्राम्में सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक श्रवकाश दिन हो, तो उससे अगने दिन, जो सार्वजनिक श्रवकाश दिन हो, तो उससे अगने दिन, जो सार्वजनिक श्रवकाश दिन नहीं, उसी समय श्रीर उसी स्थान के लिए स्वत स्थान हो जायेगा।

परम्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिति ग्रिधिवेशन
में कोई निर्देशक श्रनुपस्थित रहा हो, वहां श्रध्यक्ष जिस
तारीख तक के लिए श्रिधिवेशन स्थिति हो, उससे पूर्व उस
निर्देशक को यह सूचना भेजेंगा कि गणपूर्ति न होने के कारण
उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार:——(1) यदि श्रध्यक्ष ऐसा निदेश दें, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वासे कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिण्ट किया जासकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिमे उपनियम (1) के शंतर्गत परिचालित किया गया हो ग्रान्डन निवेशकों के बहुमत द्वारा श्रनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्हों। श्रपने विचार लेखबढ़ किये हों, उनी प्रकार प्रभावी और श्रावद्धकार होगा मानो

्रेसा कारबार अधिबेणन में उपस्थित तिरेणकों के बहुमा द्वारा वितिष्टिचन किया गया हो।

- (3) धरिचालत हारा पारित कोई मामला बाई हारा उस तारीख का पारित किया गया माता जायेगा जित तारीख को उस मामले पर मन्तिम हस्ताजरकर्ता तिहस्ताजर किये हों।
- (4) यदि कोई मामना परिचालित किया जागा हैतो उपापरिचालन परिणाम से सभी निक्रेणकों को संभूचित किया जायेगा।
- (5) कामजों के परिवालन द्वारा किसी प्रण्न पर किमें यस सभी निर्णयों का स्रिभिनेख के लिए समले ऋधिवेशन में रवा जायेगा।
- 11 कारबार के अभिलेख: --(1)(क) बोर्ड के अधि-बेशनों के कार्यवृक्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृक्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृक्त पुस्तक का हर पूष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथया निदेशक, जिसने अधिवेशन को अध्यक्ष की हो, हारा आद्यक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येत अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पूष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक श्रिधिवेशन की समाप्ति के पश्वात् यथाशी घ्र इस कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निवेशक को भेजो जाएंगी।
- (3) जब काई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गय कारबार के घाभिलेख को प्रध्यक्ष हारा हस्ताक्षरित किया जायेगा खीर कार्यवृत्त पृस्तक में उनकी प्रविष्टि की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधियेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अपने ग्रधियेशन में रखे जार्योंगे।
- (5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपवंघों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिनिधित कार्य-याहियों का साक्ष्य होंगे।

[स॰ एफ॰ 12-5/81-म्रार॰म्रार॰वी॰ (iv)] दिनेश चन्द्र, निदेशक

- SO. 246.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Central Bank of India hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Mandla-Balaghat Kashtriya Gramm Bank (Meetings of Board) Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires—
  - (a) "Ac" means the Regional Rural Banks Act," 1976 (21 of 1976)

and the second s

- (b) "bank" means the Mandla-Balughat Kshetriya Gramin Bank.
- (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be hold at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
  - (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
  - (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
  - (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
  - 7. Special meeting of the Board :
    - (1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
    - (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
    - (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one third of the total number of directors or four whichever is higher

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or it that day is a public holdiay, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place.—

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned, for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation:
- (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitutes quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were

- decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

#### 11. Records of business:

- (1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to us the Minutes Book).
  - (b) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/81-RRB(IV)]
DINFSH CHANDRA, Director

मई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1982

का०आ० 247.---वैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की घारा 53 द्वारा प्रदत्त गमितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि (क) उक ग्रिधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग के उपवाण्ड (i) श्रीर (ii) के उपवन्ध 25 ग्रगस् 1983 तक भान्ध्र बैंक पर उस मीमा तक लागू नहीं हो जहां तक ये उपबन्ध इसके अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक भ्रान्ध्र प्रदेश इन्डस्ट्रियल एण्ड टेक्नीकल कन्सलटेंसी भ्र ना**इजे**शन त्रिमिटेड तथा उडीसा इन्डस्टियल । सन्सलटेंसी श्रार्गेनाइजेशन लिमिटेड के मिं होने पर इसलिए पाबंदी लगाते हैं कि वह, कम्पती ५ नियम, 1956 (1956 का 1) के ग्रन्तर्गम पंजीकृत कम्पनी है; ग्रीर (ख) उक्त ग्रधिनियम की धारा 19 उपधारा (3) के उपबन्ध 25 अगस्त, 1983 तक बैंन पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे, जहां तक ये उक्त बैंक के आन्ध्र प्रदेश इंडस्ट्रियल एण्ड टेक्नोकल टेंसी श्रार्गेनाइजेशन लिमिटेड तथा उड़ीसा इंडस्ट्रियर टेक्नीकल कन्सलटेंसी आर्गेनाइजेशन लिमिटेड की ज्ञेयर पर पाबंदी लगाते हैं।

[संख्या 15/34/82-बी०श्र

New Delhi, the 15th December, 1982

S.O. 247.—In exercise of the powers conferred by suction 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that (a) the provisions of sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of sub-section (1) of se tion 10 or the said Act shall not apply to Andhra Bank upto 25th August, 1983 insofar as the said provisions probibit its Chairman and Managing director from being the Director of the Andhra Pradesh Industrial Consultancy Organization Ltd., and Orissa Industrial and Technical Consultancy Organisation Ltd. being companies registered under the Companies Act. 1956 (Fof 1956), and (b) the provisions of subsection (3) of section 19 of the said Act shall not apply to Andhra Bank unto the 25th August, 1983 insofar as the said provisions prohibit from holding shares in the Audhra Pradesh Industrial and Technical Consultancy Organisation Pradesh Industrial and Technical Consultancy Itd., and Orissa Industrial and Technical Consultancy Orgamisation Ltd.

INO. 15/34/82-BO IIII

का०मा० 248 -- बैककारी विनियमन प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतबद्वारा घोषणा करती है कि उक्त ग्रधिनियम की धारा 10 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के उपखण्ड (i) श्रीर (ii) के उपबन्ध 20 दिसम्बर, 1983 तक की श्रवधि के लिए बैंक ग्राफ ग्रमरीका पर उस मीमा तक लागु नहीं होगे. जहां तक ये उपबन्ध भारत में इसके मुख्य कार्यपालक श्रधिकारी के भारतीय श्रीसोगिक ऋण तथा निवेज निगम लिमिटेड के निदेशक होने पर इसलिए पायंदी लगाते है कि वह, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के श्रन्तर्गत पंजीकृत एक कम्पनी है, श्रोर (ख्र) उंक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (3) के उपबन्ध 20 दिसम्बर, 1983 तक की श्रवधि के लिए बैंक आफ अमरीका पर उस मीमा तक लागू नही होंगे, जहा तक ये उपबन्ध उक्त बैंक के भारतीय ग्रीद्योगिक ऋण तथा निवेश निगम विमिटेड की गैयर धारिता पर पाबंदी लगाते हैं।

मिख्या 15/30/82-बी०श्रो० III]

i.O. 248 .-- In exercise of the powers conferred by Sec-1 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) Central Government, on the recommendation of the erve Bank of India, hereby declares that (a) the provis of sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of sub-section (1) he said Act shall not apply to Bank of America for a nd upto the 20th December, 1983 insofar as the said isions prohibit its Chief Executive Officer in India to ion as a Ductor on the Board of the Industrial Credit nvestment. Corporation of India Itd, being a company ered under the Companies Act 1956 (1 of 1956) and that e provisions of sub-rection (3) of section 19 of the said hall not apply to Bank of America for a period upto 1th December, 1983 insofar as the said provisions prot from holding shares in the Industrial Credit and In nt Corporation of India Ltd.

नई दिल्ली, 20 विगमार, 1982

का० था० 249.--बैंककारी विनियमन ग्रिधिनाम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवत शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व वैंक की सिफारिण पर एतदहारा घोषण। करती है कि उकत ग्रधि-नियम की धारा 10ख की उपधारा (1) और (2) के उपवन्ध, पजाब को-ग्रापरेटिव बैंक लि०, ग्रमतसर पर ा जनवरी, 1983 से 31 मार्च, 1983 तक के 3 महोनों के वास्ते प्रथवा उक्त बैंक मे धगले पूर्णकालिक धन्यक्ष की नियुचिन होने तक, इनमें से जो पहले हो, लागु नही होंगे।

> [संख्या 15/18/82-बी०श्रो० [[[] · एन० डी० बना, श्रवर मचिव

#### New Delhi, the 20th December, 1982

SO, 249.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949). the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) and (2) of Section 10B of the said Act, shall not apply to Punjab Co-operative Bank Ltd. Amritsar for 3 months from 1st January, 1983 to 31st March, 1983 or till the appointment of the next whole-time Chairman of that bank whichever is earlier.

> [No. 15/18/82-B.O.HI] N. D. BATRA, Under Secy.

## नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1982

का अा 250 .--- बेन्द्रीय सरकार, श्रीद्योगिक विस निगम श्रधि-नियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उप-धारा (2) के अनुसरण में भारतीय भौद्योगिक वित्त निगम के संचालक बोर्ड की सिफारिश पर, जनवरी, 1983 में उक्त निगम बारा निर्गमित किए जाने वाले और पहली जनवरी, 1984 को परिपक्त होने वाले बांड पर देय ब्याज की दर को एतद्द्वारा 10% वाषिक (दस प्रतिणत) निर्धारित करती है।

> सिं0 2(22) श्राई० एफ 0 1/82] के०पी० पाण्डियन, श्रवर मचिव

#### New Delhi, the 17th December, 1982

S.O. 250.—In pursuance of Sub-section (2) of Section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) the Central Government, on the recommendations of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India. hereby, fixes 10 per cent (Ten per cent) per annum as the rate of interest payable on the bond to be issued by the said Corporation in January, 1983 and maturing on 1st January, 1984.

[No. 2(22)1FI|82]

R. P. PANDIAN, Under Secv.

# वाणिज्य मंत्रालय

# (वाणिज्य विभाग)

नई: दिल्ली, 8 अनवरी, 1983

का० आ० 251 — निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रिविनयम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्- हारा मैससं एस० जी० एस० इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, 26-26-24, हरबर एप्रांच राड, विशाखापस्तम् 530001, का निम्तिलिखित सदों के धूमीकरण के लिए मिन्यता देती हैं :—

- । तेल रहित चावल की भूसी ग्रौर
- 2. हड्डो का चूरा खुर और मीग।

[स॰ 5 (7)/82-ई० म्राई० एण्ड ई०पी०]

#### MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)
New Delhi, the 8th January, 1983

S.O. 251.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby tecognises for a period of one year M/s. S.G.S. India Private Limited 26-26-24, Harbour Approach Road, Visakhapatnam-530001, as an agency for the fumigation of following items:—

- 1. De-oiled Rice Bran; and
- 2. Crushed Bones, Hooves and Horns,

[No. 5(7)/82-EI&EP]

# (वाणिज्य विमाग)

का० था० 252.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण थ्रार निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा 17 द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करने हुए, पीठ बी० गो० वर्ष कपड़े का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण थ्रोर निरीक्षण) नियम, 1981 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थान् :—

- (1) इन नियमां का सक्षिप्त नाम पी० बी० सी० चर्म कपड़े का निर्यात (क्वालिटी नियन्नण श्रौर निरीक्षण) संशोधन नियम, 1983 है ।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2 पी० बी० सी० चर्म कपड़े का निर्मात (क्वालिटी नियलण और निरीक्षण) नियम, 1981 में नियम 7 के स्थान पर निम्मलिखित नियम रखा जाएगा, श्रथीत् :---
  - "7. निरीक्षण फीस :---निर्यात कर्ता द्वारा श्रिकरण यो निरीक्षण फीस का सदाय यथा निम्नलिखित किया जाएगा :---
  - (i) (क) उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण स्कीम के अधीन निर्यात के लिए प्रति परेषण स्यूनतम 20 क्षण के अधीन रहते हुए, पीत पर्यन्त नि. शुल्क भूल्य के 0.2 प्रतिशत की दर से .

- (ख) परेषणानुसार निरीक्षण के अधीन निर्यात के लिए प्रति परेषण न्यूनतम 20 रुपए के श्रधीन रहते हुए, पात पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की देर स.
- (1i) उन निर्यातकर्ताम्रा के लिए जो राज्यो/सघ राज्य क्षेत्रों की सर्वाधित सरकारों के साथ लघु उद्योग विनिर्माण एककों के लिए रिजर्म्ट्राकृत है, प्रति परेषण न्यूनतम 20 रुपए के अधीन रहते हुए, उप-नियम (1) के खड़ (क) तथा (ख) के लिए क्रमणः 0 18 प्रतिणत स्रीर 0.36 प्रतिणत (पात पर्यन्त निःशुल्क मृह्य के) की दर से।"

[6 (7)/82- ই০ সাই০ ড়েড ই০ পী০]

पाद टिप्पण '— \* का. आ. 49 नारीख 3-1-1981

- S.O. 252.—In exercise of powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act. 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby makes the tollowing rules to amend the Export of P.V.C. Leather Cloth (Quality Control and Inspection) Rules, 1981,\* namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Export of P.V.C Leather Cloth (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1983.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
- 2 In the Export of P.V.C. Leather Cloth (Quality Control and Inspection) Rules, 1981, for rule 7, the following rule shall be substituted namely:—
  - "7 Inspection Fees.—Inspection fee shall be paid by the exporter to the Agency as under :--
    - (i) (a) for exports under in process quality control scheme at the rate of 0.2 per cent of the FOB value subject to a minimum of Rs. 20/- per consignment;
    - (b) for exports under consignment Inspection at the rate of 0.4 per cent of the FOB value subject to a minimum of Rs. 20/- per consignment;
    - (ii) subject to the minimum of Rs. 20/- per consignment the rate payable under clauses (a) and (b) of sub-rule (i) shall be 0.18 for cent and 0.36 per cent (of the FOB value) respectively, for exporters who are registered as Small Scale Manufacturing Units with the concerned Governments of States/Umon Territories."

[6(7)/82-EI&EB]

Footnotes : -- \*S.O. 49
Dated : 3-1-1981.

काश्याः 253.—केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्वालिटी नियंद्रण मीर निरीक्षण) श्रिधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, विनयल फिल्म तथा चहरों का निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण श्रीर निरीक्षण नियम, 1969 का संशोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम बनाती है, श्रर्थान् :—

(1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम विनियल फिल्म नथा चहुरों का निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण श्रीर निरी-क्षण) मंगोधन नियम, 1983 है।

- (2) ये राजपव में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होगे।
- 2. विनयल फिल्म तथा चहुरों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1969\* में नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :--
  - "6. निरीक्षण फीस:——निर्यातकर्ता द्वारा ग्रभिकरण को निरीक्षण फीस का मंदाय यथा निम्नलिखित किया जाएगा :——
  - (1) (क) उत्पादन के बौरान क्वालिटी नियंत्रण स्कीम के अधीन निर्यात के लिए प्रति परेषण न्यूनतम 20 रुपए के अधीन रहते हुए, पोत पर्यन्त मि: णहक मृत्य के 0.2 प्रतिणत की देर से ;
  - (ख) परेषणानुसार निरीक्षण के भ्रधीन निर्मात के लिए प्रति परेषण न्यूनतम 20 रुपए के भ्रधीन रहते हुए, पोत पर्यन्त नि: णुल्क मूल्य के 0.4 प्रनिशत की दर में ;
  - (2) उन निर्यातकर्ताग्रों के लिए जो राज्यो/संघ राज्य क्षेत्रों की संबंधित सरकारों के साथ लघु उद्योग विनिर्माण एककों के लिए रिजस्ट्रीकृत हैं, प्रति परेषण न्यूनतम 20 रुपए के ग्रधीन रहते हुए, उप-नियम (1) के खंड (क) तथा (ख) के लिए क्रमशः 0.18 प्रतिशत और 0.36 प्रतिशत (पीत पर्यन्त निःशृहक मूल्य के) की दर से।"

[सं० 6 (7)/82-ई० आई० एण्ड ई० पी०] सी० बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

पाद टिप्पण :--का. आ. 457 तारीख 1-2-1969

- S.O. 253.—In exercise of powers conferred by Section 17 of the Export, (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963). The Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Vinyl Film and Sheetings (Quality Control and Inspection) Rules, 1969.\*

  \*\*\*mamely:—
- 1. (1) These rules may be called the Export of Vinyl Film and Sheetings (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1983.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
- 2. In the Export of Vinyl Film and Sheetings (Quality Control and Inspection) Rules, 1969 for rule 6, the following rule shall be substituted, namely:—
- "6. Inspection Fee.—Inspection Fee shall be paid by the exporter to the Agency as under:—
  - (i) (a) for exports under inprocess quality control scheme at the rate of 0.2 per cent of the FOB value subject to a minimum of Rs. 20/- per consignment:
  - (b) for exports under consignmentwise inspection at the rate of 0.4 percent of the FOB value subject to a minimum of Rs. 20/- per consignment,
  - (ii) subject to the minimum of Rs. 20/- per consignment the rate payable under clauses (a) and (b)

of sub-rule (i) shall be 0.18 percent and 0.36 percent (of the FOB value) respectively for exporters who are registered as Small Scale Manufacturing Units with the concerned Governments of States/Union Territorics."

[No. 6(7)/82-EI&EP] C. B. KUKRETI, Jt. Director

Footnotes :—
\*S.O. 457
Dated : 1-2-1969.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक श्रायात तथा निर्यात का कार्यालय

#### मद्रास

#### श्रादेश

मद्रास, 2 सितम्बर, 1982

का॰ ब्रा॰ 254 :--सर्वश्री सन ट्रैडिंग कम्पनी, 14, ब्रारीयन लेन, मद्रास-600007 की रुपये, 10,000 तक सूखे फलों का श्रायात करने के लिए ब्रायात लाइसेंस संख्या पी-जेड/1935922/सी/एक्सएक्स/82/एम/81 दिनांक 26-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व ग्रायात के प्रमाणपक्ष जारी करने के ग्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपक्ष के ग्रवास्तिकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण कतांग्रों नोटिस जारी किया गया था कि 22-7-82 को ग्रवस्तगत सुनवाई का श्रवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। ग्रपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न ग्राने के कारण, मैं इस बात से सन्सुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपक्ष के ग्राधार पर प्राप्त किया गया है ग्रीर एतद्दारा लाइसेंस की रह करने की एक-पक्षीय निर्णय लेता हं।

ं मै, धायात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9(1) (ए) के अन्तर्भत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वेश्वी सन ट्रेडिंग कम्पनी, 14, धारीयन लेन, मद्रास-600007 को, अप्रैल-मार्च 1982 ध्रवधि के लिए रुपये 10,000 तक सूखे फलों का ब्रायात करने के लिए जारी किये गये आयात लाइसेंस संख्या पी/केड/1935922-सी/एक्सएक्स/82/एम/81 दिनांक 26-2-82 को एतव्हारा रह करता हूं.

[संख्या डीएफ/969/एएम/82/एय 3]

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Export)

#### ORDER

# Madras, the 2nd September, 1982

S.O. 254.—M|s. Sun Trading Co 14-Ariyan Lane Madras-600007 were granted a Licence No. P/Z/1935922/C| XX|82|M|81 dated 26-2-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genume, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving on opportunity for a personal

hearing on 22-7-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case. I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the heence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P|Z|1935922|C|XX|82|M|81 dated 26-2-82 issued to M|s. Sun Trading Co., 14-Ariyan Lane Madras-600007 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April-March 1982 period.

[No DF/969/AM 82/AUJII]

#### ग्रावेश

### मद्रास, 15 अन्तूबर, 1982

का० श्रा० 255.—सर्वश्री चन्द्रीका स्टार्स, 143, पुलियानतीप हाई रोड़, मद्रास-600 012 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का श्रायात करने के लिये श्रायात लाइमेंस संख्या पी-जैट-1936104/सी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनाक 6-3-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइसेंस गनदी लेखापाल द्वारा भूनपूर्व आयात के प्रमाणपत्न जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है । उन प्रमाणपत्न के अवास्तविक्षणा के वारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने में, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 23-9-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का श्रवसर देने के पश्चात् उनकों जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाये । अपने मामले को स्पष्ट करने हेतु व्यक्तिगत सुनवाई के किये पार्टी के न श्राने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलन सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के श्राधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्वारा लाइसेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेना हूं।

मैं, श्रायात (नियंत्रण) श्रादेश 1955 की धारा 9(1) (ए) के श्रन्तर्गत श्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री चन्द्रीका स्टोर्स, 143, पुलियांनोप हाई रोड. मद्रास-600012 को, अप्रैल-मार्च 1982 की श्रवधि के लिये छपये 10,000 तक सूखे फलों का श्रायान करने के लिये जारी किये गये लाइमेंस मंख्या पी०-जेड-1936104/मी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनाक 6-3-82 को एतद्द्रारा रह करता है।

मिख्या डी एफ/ 1257/ए एम० 82/एय- रासी

#### ORDER

#### Madras, the 15th October, 1982

S.O. 255.—M/s. Chandrika Stores. 143 Pulianthope High Road, Madras-600012 were granted a licence No. P/Z/1936104|C|XX|82|M|81 dated 6-3-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the recence Holder to Show cause why acron should not be taken to cancel heence giving an opportunity for a Personal Hearing on 23-9-82. As the Party did not turn up for a Personal

Hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the ficence ex-parts.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No P/Z/1936104/C|XX|82|M|81 dated 6-3-82 issued to M|s. Chandalika Stores, 143, Pulianthope High Road, Madras-600012 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No DF/1257/AM 82/AU. [H]

#### श्रावेश

#### मद्रास, 16 नवम्बर, 1982

का॰ आ ॰ 256 — सर्वश्री भारती स्टोर्म, मंख्या-6, मुनियप्पन स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक स्खे फलों का आयात करने के लिये आयात लाइमेंम मंख्या पी/जैंड/1936093/मी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनाक 6-3-82 जारी किया गया था।

उपर्युवत लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्न जारी करने के श्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्न के श्रवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत मुनवाई का श्रवसर देने के पश्चात् उनको जारो किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाये। श्रपने मामले को स्वष्ट करने हेसू व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी को न श्राने के कारण, में इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस मलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के श्राधार पर प्राप्त किया गया है भार एतद्हारा लाइसेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हं।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेण 1955 की धारा 9(1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्बंश्री भारती स्टोर्स, संख्या-6, मुनियप्पन स्ट्रीट, मद्रास-600001 को, अप्रैल-मार्च, 1682 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करते के लिये जारी किये गये लाइसस संख्या पी/जैंड-1936093/मी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनांक 6-3-82 को एनद्द्रारा रह करता हूं।

[सख्या डी एफ/1273/ए एम०82-एयु-III]

#### ORDFR

#### Madias, the 16th November, 1982

S.O. 256.—M/s. Bharathi Stores, No. 6 Muniappan St. Madras-600001 were granted a Licence No P/Z/1936093/C|XX/82/M/81 dated 6-3-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the Licence Holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal Hearing on 29-10-82. A the Party did not turn up for a hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Likence No. P/Z/1936093/C/XX/82/M/81 dated 6-3-82 issued to M/s. Bharath Stores, No. 6 Muniapan St. Madras-600001 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DI-/1273/AM 82/AU HL]

का॰ आर॰ 257—सर्बक्षा धोरज कुमार एण्ड्र कस्पती, सख्या-7, कासी चेट्टा लन, मद्रास-600001 को रूपये 10,000 तक सृखे फलो का आयात करने के लिये आयात लाष्ट्रमेस संख्या पी/जैंड/1635849/सी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनाक 18-2-1982 जारी किया गया था।

उपर्यक्त लाइसे स सनदी लिखापाल ढारा भूतपूर्व श्रायात के प्रमाणपत जारी करने के प्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत के प्रवास्तिकता के वारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बनाओं नीटिए जारों किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिन सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाये। श्रपन मामले की स्पष्ट करने हेनु व्यविधान सुनवाई के लिये पार्टी मामले की कारण, में इस बात से संतुष्ट ह कि उपर्युक्त लाइसेंस गला सनदी लेखापाल प्रमाणपत के श्राधार पर प्राप्त किया गया है और एनद्हारा लाइसेंस को रह करने का एक-पर्शिय निणय लेता है।

मै प्रापान (नियल्लण) श्रादेण, 1955 की धारा 9(1) (ए) के अन्तर्गन प्रदल श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री धीरज कुमार एण्ड कुम्पनी, सख्या-7, कासी चेट्टी लेन, महाम-600 001 की, अप्रैल-मार्च 1682 की श्रवधि के लिये कपये 10.000 तक मूखे फला का श्रायात करने के के लिये जारी किये लाइमेस सख्या पी/जैड/1635849/सी/एक एक्म/82/एम/81 दिनांक 18-2-1982 की एनद्हारी रह करना हो।

[सन्त डी एफ/ 869/ए एम० 82/ए यु-[11]

8.0. 257.—M.s. Dhirat Kumqt & Co. No 7 Kasi Checty Lane Madrax-600001 were granted a Licence No. P[Z] 1935849 $^{1}C[XX]$ 82[M]81 dt. 18-2-1982 for import of dry fruits for Rs. 10000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show case notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29-10-1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

t, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the import (Control) Order, 1955 hereby cancel the import licence No. P/Z/1935849/CIXX[82]M[81] dt. 18-2 1982 pseud to M/s. Dhiraj Kumar & Co. No. 7 Kasi Cretty I tree. Madres-600001 for import of dry finits, for Rs. 10000 for April-Majch 1982 period.

INO. DF/869/AM. 82/AU. III.

का॰ आ॰ 258.—सर्वथी चन्दन ट्रेडमँ, मख्या-32. कामी चैट्टी स्ट्रीट, महास-600 001 की रुपये 10.000 तक सृत्रे फलों का धापान करने के लिये खायान लाइसेस संख्या पी/जैंड/1635819/मो/एतस एक्स/82/एम/81 दिनांक 8-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाहमेंस मनदो लेखापाल द्वारा भूतपूर्व स्रायात के प्रमाणपत्र जारी करने के प्राधार पर प्राप्त किया गया है। उम् समाणपत्र के प्रवास्त्रविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देते से, पार्टी से यह पृथ्वते हुए एक कारण बतायां नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 का व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पण्तात् उरको जारी किया गया लाइसेंस क्यों त रद् कर दिया जाये। अपने मामले को स्वप्ट करने हेतु व्यक्तिगत सुनवाई के लिये पार्टी न श्राने के कारण, में इस बात से सतुष्ट हू कि उपयुक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमण्णपत्र के भाधार पर प्राप्त किया गया है स्रीर एतद्हारा लाइसेंस को रह करन की एक-पक्षीय निणय लेता ह।

मैं, ब्राधान (नियत्रण) ब्रावेण, 1955 की धारा 6(1) (ए) के अन्तर्गन प्रदेस अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मुर्वेशी चंदन ट्रेडमें, सहात-32, कामा बेट्टी स्ट्रोट, मद्रास-600 001 की, श्रुप्रैल-माच 1982 की अवधि के लिये कपने 10000 तक सूखें फलों का ब्रायान करने के लिये जारी किये गये लाइसेस संख्या पां/जैंड/1635819/सां/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनाक 8-2-1982 की एतद्द्वारा रह करता हूं।

[सक्या डा एफ/ 812/ए एम० 82-ए यु-111]

SO, 258.—Mis Chandan Traders No. 32 Kasi Chetty street Madras 600001 were granted a licence No. P/Z/1935819/C|XX|82|Nr/81|dt. 8-2-1982 for import of dry fruits for Rs 10,000.

As there was a reason to behave that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past majorits which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29-10-1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1) (a) of the imports (Control) Order, 1955 here by cancel the import licence No. P/Z/1935819/C/XX[82]M[81] dt. 8-2-82 issued to M/s. Chandan Traders No. 32, kasi Chetty Street Madras-600001 for import of dry fruits for Rs. 10000 for April—March 1982 period

[No DF:8]2]AM. 82]AU. [II.]

कार ग्रार 259.—सर्वश्री करुमारी एंटरप्राइजस. सख्या-4. तंव नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 की रुपये 10,000 तक सूखे फलो का ग्राधात करने के लिए ग्राधात लाइसेंस संख्या पी/जैंड/1935818/सी/एक्स , एक्स/82/एम/81 दिनांक 8-2-1982 जारी किया ग्या था।

उपर्युतन लाइसींन रानकी लेखानाल हारा भृत्यूर्व आयात के प्रमाणपत जारी करने के आधार गर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत के अवस्तिकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिशाई देने थे. पार्टी ये यह पूछते हुए एक कारण बनाओं नीटिस जारी किया गया था कि 29-10-1982 का व्यक्तिगत मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसोंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत मुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, में इस बात से संतुष्ट हं कि उपवृंक्त लाइसोंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एनद्द्वारा लाइसोंस को रह करने की एक-पक्षीय निर्णय केता ह।

भैं, श्रायात (नियवण) श्रावण 1955 को बारा 9(1) । (ए) के अन्तर्गा प्रदत्त श्रीधकारों का प्रयोग करते हुए. सर्वश्री करमान एटरप्राइजेस. मंख्या-4 तस्व नाइक्कन स्ट्राट, मद्रास-1 को अप्रैल-मार्च 1982 की अप्रधि के लिए रुपये 10,000.तक मूखे फलों का श्रायात करने के लिए जारी किये गये लाइसोंस संख्या पी-इजट-1935818-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 8-2-1982 को एत्ट्डारा एट करना हूं।

[नह्या : इतिएफ- 815-एएम 82-एयु 3]

S.O. 259.—Mis, Karumari Enterprises No 4 Thambu Natken Street Madras-1 were granted a licence No. P/Z/1935818| C/XX/82/M/81 dt. 8-2-1982 for import of dry fruits for Rs. 10000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29-10-1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte

1, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the import (control) order 1955 hereby cancel the import licence no. P/Z/1935818/C/XX/82|M|81 dt. 8-2-1982 issued to M/s. Karumari Enterprises No. 4 Thambu Naicken Street Madras-1 for import of dry fruits for Rs 10000 for April—March 1982 period.

[No. DF|815'AM. 82|AU. HIL]

का० ग्रा० 260.— मर्बक्षी कुशल एन्टरप्राइजेस. 90. नारायण मुदली स्ट्रीट. मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक मूखे फलों का ग्रीयात करने के लिए ग्रायान लाइसोंस संख्या पी-इजट-1935780-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 1-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल ढारा भतपूर्व श्रायात के प्रभाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के श्रवास्तिविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से,पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोदिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का श्रवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद कर दिया जाए। श्राने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी त आने के कारण, मै इस बात में मंतुष्ट हूं कि उपर्वत लाइसेंस गळत सनदी

ेरबादान प्रमाणका के प्राधान पर प्रापत किया गया है भीर एतद्द्वारा लाइमोंस की रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हो।

मैं, ब्रायात (नियंत्रण) ब्रादेण 1955 की धारा ०(1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयंग करते हुए, सर्वश्री कुशल एटरप्राइजेस, 90 नारायण मुदली स्ट्रीट, मद्रास 600001 को अप्रैत-नार्च 1982 की खबधि के लिए क्यों 10,000 तक सूखे फलों का ब्रायात करने के लिए जारी किये गर्म लाइमी सख्या पी-टजट-1935780-मी-एक्स एक्स-82 ए.स-81 दिनाक 1-2-82 को एनद्हारा रह करना है।

[संख्या: डीएफ-791-एएम 82-एय 3]

S.O. 260.—M.s. Kusal Enterprises, 90, Narayana Mudali Street, Madras-600/01, were granted a licence No. P/Z/1935780/ClXX/82 M 81 dt. 1-2-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above Import Licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to Show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29-10-82. As the party did not turn up for personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935780/C/XX/82 M/81 dt. 1-2-82 issued to M/s, Kusal Enterprises, No. 90, Narayana Mudali Street, Madras-600001 for import of Dry Frutts for Rs. 10.000 for April—March, 1982 period.

IF. No DG/791/AM. 82/AU III.]

का० आ० 261 — मर्तृश्री णिवाजी एण्ड कंपनी, संख्या-15, कृष्ण ऐयर स्ट्रीट, मद्रास-1 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935829-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 12-2-1982 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व ग्रायात के प्रमाणपत्न जारी करने के ग्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्न के ग्रवास्तिविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण वताग्रो नोटिस जारी किया गया था कि 30-10-1982 को व्यक्तिगत सुनवाई का ग्रवमर देने के पश्चात् उनकी जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। ग्रयने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न ग्राने के कारण, में इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गला सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के प्राधार पर प्राप्त किया गया है ग्रीर एतद्द्वारा लाइसेंस को रह करने का एक-प्रजीय निर्मुय लेता हूं।

मै, ग्रायान (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9(1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वर्थी शिवाजी एण्ड कपनी, संख्या-15, कृष्ण ऐयर स्ट्रीट. गदाय । तो. पर्येल-मार्च, 1982 की चक्छि के लिए रुपये 10 000 तक सूखे फलों का ब्रायान करने के लिए जारो किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935829-मी-एक्सएक्स-१2-एस-81 दिशक 12-2-1982 का एत्रदृशास रह करना है।

मिं॰ डी एफ-837-ए एम 820 एयू 3]

S.O. 261.—M|s. Shivaji & Co. No 15 Krishna Iyer Street. Madras-1 were granted a licence no. P/Z/1935829/C/XX|82/M/81 dt. 12-2-1982 for import of dry fruits for Rs. 10000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 30-10-1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the imports (control) order 1955 hereby cancel the import licence no P/Z/1935829/C/XX|82|M|81 dt. 12-2-1982 issued to M/s. Shivaji & Co. No. 15 Krishna Iver Street, Madras for import of dry fruits for Rs. 10000 for April—March 1982 period.

[No. DF[837]AM, 82]AU, HI.]

का० भ्रा० 262.—सर्वश्री सूपर सेल्म कार्पोरेशन, संख्या-11, कृष्ण ऐयर स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का श्रायान करने के लिए श्रायान लाइसेंस संख्या वी-इजट-1935846-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 18-2-82 जारी किया गया था।

उपयुंकत लाडमेंस सनदी लेखापाल हारा भ्तपूर्व प्रायात के प्रमाणपत जारी करने के धाधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत के प्रवास्तिविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताग्रो भीटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का श्रवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाडसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। श्रपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न श्राने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनवी लेखापाल प्रमाणपत्न के श्राधार पर प्राप्त किया गया है श्रीर एतदक्षारा लाइसेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हं!

मैं, झायात (निलंबण) श्रादेश 1955 की धारा 9(1) (ए) के श्रन्तर्गत प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए सर्बंशी सूपर मेल्स कार्पोरेशन, मझास-600001 को, श्रप्रंत-मार्च 1982 की श्रवधि के लिए रुपये 10000 तक सुखे फलों का श्राप्तात करने के लिए जारी किये गये लाइसोंस मंख्या पी-इजट-1935846-मी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 18-2-82 को एनद्दारा रह करना हूं।

[संख्या : डीएफ/873-एएम 82-एयु 3]

S.O. 262.—M/s. Super Sales Corporation, No. 11, Krishna Iyer St., Madray-600001 were granted a Licence No. P/Z/1935846/C/XX|82|M|81 dated 18-2-1982 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import became has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not gennine, a Show Cause Notice was issued calling upon the Licence Holder to Show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal Hearing on 29-10-82. As the Party did not turn up for a Personal Hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the Powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935846/C/XX/82|M|81 dated 18-2-82 issued to M/s. Super Sales Corporation, Madras-600001, for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DF|873|AM. 82|AU. 111]

का० श्रा० 263.—सर्वश्री जे एंटरप्राइजेस, 62, नारायण मृदली स्ट्रीट मद्रास-600001 को कपये 10000 तक सूखे फलों का ग्रायान करने के लिए श्रायात लाइसेंस संख्या पी-इजट 1935874-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 22-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइमेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व श्रायात के प्रमाणपत जारी करने के श्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत के श्रवास्तिकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण वनाश्रो नोटस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत मुनवाई का श्रवसर देने के पण्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिशा जाये। श्रपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न श्राने के कारण में इस बात से सतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखाणाल प्रमाणपत्र के श्राधार पर प्राप्त किया गया है श्रीर एतद्द्वारा लाइसेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हं।

मैं स्रायात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9(1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री जे एटरप्राइजेस, 62, नारायण मुदली स्ट्रीट, मद्रास-600001 को अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए एपये 10000 तक भूखे फलों का आयात करने के लिए जारी किये लाइमेंस संख्या पी-इजट-1935874-मी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 22-2-82 को एनट्डारा रहे करता ह।

[संख्या : डीएफ-908-एएस 82-एस्3]

SO. 263.—M/s. Jay Fnterprises 62, Natayana Mudali Street, Madras-600001 were granted a Licence No. P/Z/1935874/C/XX/82/M/81 dated 22-2-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the Licence Holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal Hearing on 29-10-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P|Z|1935874|C|XX|82|M|81 (1)(cd 22-2-82 issued to M|s. Jay Enterprises 62, Narayana Mudali St. Madras 600001 for import of Dry Fruits for Rs. 10,009 for April—March 1982 period.

INO. DF/908/AM. 82/AU IIII

का॰ भा॰ 264.—- पर्वश्री जैनरल ट्रेडिंग कम्पनी, 26, मादियप नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 को एवये 10,000 तक्त सूखे फलों का श्रायाल करने के निए श्रायात नाइसेंग संख्या पी-जैंट-1935919-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 26-2-82 दिनांक जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस ननको लेखासल द्वारा भूतूर्व श्रायात के प्रमाणपत जार्ग करने के श्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत के श्रवस्तिविकता के वारे में विश्वान करने का बारण विखाई देने से, पार्टी से यह प्छते हुए एक कारण बताश्रो नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का श्रवसर देने के प्रजात उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर विया जाए। श्रपने मानने को स्पष्ट करने अपित्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी य श्राने के सारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उत्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के शाक्षार पर प्राप्त दिया गया है श्रीर एनद्बाण लाइसेंस का रह करने का एक-पर्याप निर्णय लेता हूं।

मैं, श्रायास (नियंत्रण) श्रादेश 1955 की धारा 9(1) (ए) के श्रन्तर्गत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, मर्वेश्वी जेनरल द्रेडिंग कम्पनों, 26, श्रादियम नाइन्छ स्ट्राट, मद्रास-600001 को, अप्रैल-मार्च 1982 की अपिध के निए रुपये 10,000 तक सूखे फलीं का सायान करने के लिए जारी किये गये लाइमेंस संख्या पी-जैड-1935919-सी-एक्सएक्स-82-एम81 दिनांश 26-2-82 की एनद्द्राण रह करना हूं।

सिं॰ डी एक -968-एएम-82-एय 3

S.O. 264—M|s. Gener 1 In ding Co., 26, Audiappa Naicken St. Madras-1 were granted a Licence No. P/Z/1935919/C/NX/82|M<sub>1</sub>81 dated 26-2-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by preducing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine. a Show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal hearing on 29-10-82. As the party did not turn up for personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import I icence has been obtained by Frandulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935919/C/XX/82/M/81 dated 26-2-82 issued to M/s General Trading Co., 26, Audipppa Naicken St Medras-600001 for import of Dry Eruits for Rs 10,000 for April-March 1982 period.

[No. DF/968/AM '82/AU, 111]

का॰ शा॰ 265.— मर्जश्री प्रभू द्रेडर्स, संख्या-24, श्रादियप्प नाइकतन रद्रीट, मद्राम-600001 को रुपये 10,000 तक मूखे फलों का श्रायान करने के लिए श्रायात लाइमें स संख्या पी-जैंड-1936113-सी-एक्मएक्म-82-एम-31 दिनांक ६-3-82 जारी किया गया था।

उभपूक्त लाइमेंन सनदी लेखापाल हारा भूतपूर्व प्राधान के प्रमाणपत्र जारी करने के प्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवस्तितिकता के नारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी सेयह पूछते हुए एक कारण बनाओं नोटिन जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के गरवात उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उन्धुक्त लाइसेंस गलत सनदी नेखायाल प्रमाणपत्र के प्राधार पर प्राप्त किया गया है और एनद्द्वारा लाइसेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय नेता हूं।

में, श्रावात (नियंत्रण) श्रादेश 1955 की घारा 9(1) (ए) के श्रन्तार्गत प्रदर्भ श्राधिकारों का प्रयोग करते हुए, मर्वश्री प्रभू टेड्सें, संल्या-24, श्रादिवण नाइक्कन स्ट्रीट, मद्राम-600001 को, अप्रैल-मार्च 1982 की श्राधि के लिए रुपये 10,000 सम सुखे फलों का श्रायात करने के लिए जारी किये गये नाइमेंस सं पो-जैंड-1936113-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 6-3-82 को एतद्द्वारा रह करना हूं।

[सं० डीएफ-1271-एएम 22-एयु 3]

S.O. 265.—M/s. Prabhu Traders No. 24, Audiappa Naicken Street, Madras-600001 were granted a Licence No. P/Z/1936113/C/XX|82|M|81 dated 6-3-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Caure Notice was issued calling upon the Licence Holder to Show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal Hearing on 29-10-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(n) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1936113/C/XX[82]M[81 dated 6-3-82 issued to M/s, Prabhu Traders No. 24 Audiappa Naicken Street, Madras-600001 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DF/1271/AM. 82/AU. III

का॰ आ॰: 266.—सर्वेशी वैसाली एण्ड कम्पनी, संख्या 62 ए, नत्रायण मुदली स्ट्रीट, मुद्रास-1 को रूपमें 10,000 नक्ष सूखे-फलीं का भायान करने के लिए आयात लाइसेंस मं॰ पी-औउ-1935778-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांस 1-2-82 जारी किया गया था।

जपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखानाल द्वारा मताूर्व आयात के प्रमाणपत जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत के सवास्तियिकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी सेयह पूजते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिथा जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से सनुष्ट हूं कि जर्य्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखागल प्रमाणपत के आधार पर प्राप्त किया गया है और एनद्दारा रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेना हूं।

मैं, श्रायात (नियंत्रण) बादेश 1955 की धारा 9(1) (ए) के अन्तर्गन प्रदत्त सधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री बैनाली एण्ड कस्पनी संबंधा-62 ए, नारायण मुदली स्ट्रीट, मझास-1 की अप्रैल-मार्च 1982 की अविधि के लिए कामें 10,000 तक सूखें फलों का भ्रायात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंत संख्या पी-भौड-193 778-सी-एक्सएक्स-82-एन-81 को एयद रह करता हूं।

[सं॰ डीएफ-790-एएम 82 एयु 3]

S.O. 266.—M/s. Valsali and Company, No. 62/A Narayana Mudali street, Madras-1 were granted a Licence No. P/Z/1935778/C/XX/821M/81 dt. 1-2-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the Licence Holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29-10-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1) (a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935778/C/XX/82|M/81 dated 1-2-82 issued to M/s. Vnisali and Company, No. 62/A-Narayana Mudali street, Madras-1 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[F. No. DF/790/AM. 82/AU. III.]

का॰ मा॰ 267.—सर्वश्री मोती सेल्स कार्पोरेशन, सं०-25, केल्लप मुदली स्ट्रीट, कीसप्पेट, मद्रास-12 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का श्रायात करने के लिए श्रायात लाइसेंस पी-जैंड-1935845-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक-18-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखानल द्वारा भत्युर्व आयात के प्रमाणात्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उप प्रमाणात्र के अज्ञासनितिनता के बारे में विस्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी सेयह पूछते हुएएक कारण बनाओं नीटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगम सुनबाई का अवसर देने के पश्चात उनको जारी किया गया लाइलेंस क्यों न रह कर दिया जाए। आने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनबाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंभ गनत सनदी लेखामाल प्रमाणपत्न के घाधार पर प्राप्त किया गया है भीर एनव्हारा लाइसेस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हूं।

मैं, श्रायात (नियंत्रण) श्रादेश 1955 की घारा 9(1) (ए) अन्तर्गत प्रदत्त श्रधिकारो का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री मोती सेल्स कार्पोरेशन , संख्या-25, केल्लप्प मृदली स्ट्रीट, मद्रास-12 की, श्रप्रैल-मार्च 1982 की प्रविध के लिए रुपये 10,000 तक सुल्ले फली का श्रापात करने के निए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-जैड-1935845-सी-एक्सएक्स-82 एम-81 दिनांक 18-2-1982 की एतद् द्वारा रह् करता हू।

[सं॰ डीएफ-872-एएम 82-एयु 3]

S.O. 267.—M|s. Moti Salts Corporation No. 25 Chellappa Mudali Salect Losapet Madras-12 were granted a licence no. P/Z/1935845/C/XX|82|M|81 dt. 18-2-82 for import of dry fruits for Rs. 10000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genume. A show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the heence giving an oppoortunity for a personal hearing on 29-10-1932. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant mean and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in versize of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the imports (control) order 1955 hereby cancel the import licence no P/Z/1935845/C/XX[82]M[81] dt. 18-2-1982 issued to M/s. Moti Sales Corporation 25 Chellappa Mudali Street Madras-12 for import of dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No DF/872/AM '82/AU, III.]

का॰का॰ 268 — पर्वश्री मंगल ट्रेडर्स, 31, स्ट्राट्टन मुख्या मुक्की, स्ट्रीट, मद्राग-600001 को रुपये 10,000 तक सूखें फलों का शायात करने के लिए शायात लाडमेंग सं० पी० जैड-1935848-सी-एक्यएक्स-82-एन-81 दिनांच 18-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनकी लेखापाल ब्राग मूनपूर्व प्रायात के प्रमाणपत जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गा। है। उस प्रमाणपत के अवस्तानिकता के बारे में विष्वास करने का कारण विद्यार्थ देने मे, पार्टी से यह पूछते हुए एक बारण बलाओं नीटिम लारी किता गा। था कि 29-10-1982 को ध्यक्तिगत सुन्यार्थ का अवसर देने के परवान उनको जारी किता गया लाइसेंग क्यों न रह कर दिया जाए। प्राने मामले की उत्कट करने व्यक्तिगत सुनाई के लिए पार्टी न धाने के का ग, भी इस बात से संमुख्य हूं कि उत्युक्त लाइसेंग मलत सनको लेखायल प्रवाणपत्र के बाधार पर प्राप्त किया गया है है और एतद्वारा साइसेंस को रह करने क एक-पक्षी। निर्णय सेता है।

र्म, ग्रायात (नियंत्रण) भावेश 1955 की धारा 9(1) (ए) के भन्तर्गत प्रदश्च भ्रधिकारों का प्रमोग करते हुए, सर्वश्री मंगल द्रेडसं, 31, स्ट्राट्टन मुख्या मुदला स्ट्रीट मजास-600001 को, अप्रैल--मार्च 1982 की अविधि के लिए रुपये 10,000 तक सूखें फलों का आवात करने के निए जारी किने गये लाइसेंन संबन्ध पो-जड-1935848-की-एक्सएक्म-82 एम-81 बिनांक 18-2-1982 को एतद्द्वारा रह करता है।

[तं० को एक-870-एएम 82-एयु 3]

S.O. 268.—M/s. Mangal Traders 31, Strotten Muthia Mudali Street Madras-600001 were granted a licence no. P/Z/1935848/C/XX/82/M/81 dt. 18.2.1982 for import of dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29-10-1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the import (control) order 1955 hereby cancel the import licence no. P|7|1935848|C|XX|82|M|81 dt. 18-2-1982 issued to M/s. Mangal Traders 31 Strotten Muthia Mudali Street Madras-600001 for import of dry fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

[No. DF/1270/AM.82/AU. III]

का० ग्रा० 269.—सर्वश्री रामवेव एन्टरप्राइजस, संख्या-59, नारायण मुदली स्ट्रीट, मद्राम-1 की रुपए 10,000 तक सूखे फलों का ग्रायान करने के लिए ग्रायात लाइसेंस संख्या पी-जैंग-1935806-मी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 5-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसें स सबो लेखागान द्वारा मृत्यून आगात के प्रमाणपत्न जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्न के अवास्तविकता के बारे में विश्वास वरने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारो किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत नुनवाई का अग्नार देने के पश्यात् उनको जारो किया गया लाइसेंल क्यों न रह कर लिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत मुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इम बात से संपुष्ट हूं कि उनर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्दाण लाइसेंस की रह करने का एक-पक्षीय निर्णय नेता हं।

में, श्रायात (नियंत्रण) भाषेग 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री रामदेव एन्टरप्राइजस, संख्या-59, नारायण मुदली स्ट्रीट, मदास-1 को अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए रुपए 10,000 तक सूखे फलों का श्रायात करने के लिए जारी (किए गए लाइसेंस संख्या पी-जैंड-1935806-सी-एक्सएक्स-82-एम-81 दिनांक 5-2-82 को एनद्बारा रह करता हुं।

[संख्या : डी॰ एफ॰ -803-ए एम 82-एयु 3]

S.O. 269.—M/s. Ramdev Enterprises, No. 59, Narayana Mudali street, Madras-1, were granted a licence No. P/Z/1935806/C/XX/82/M/81 dt 5-2-82 for import of dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29-10-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P|Z|1935806|C|XX|82|M|81 dt. 5-2-82 issued to M/s. Ramdev Enterprises, 59, Narayana Mudali street, Madias-I for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[F. No. DF/803/AM. 82/AU. III.]

का॰ मा॰ 270.—सर्वभी रामनलाल एण्ड कम्पनी, 29, चेल्लप्प मुवली स्ट्रीट, घोट्टेरी, कोसप्पेट, मद्राय-600-012को रुपए 10,000 तन सूखे फलों का श्रायात करने के लिए प्रायात लाइसेंस संख्या पी-चैंड- 1935831-सी-एक्स-एक्स-82-एस-81 दिनांक 16-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व भायात के प्रमाणपन्न जारी करने के प्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपन्न के अवास्तविकता के बारे में विश्व स करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 30-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी के न आने के कारण, मैं इस बाव से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपन्न के भाषार पर भाष्त किया गया है और एनव्दार लाइसेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय सेता हूं।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदक्त श्रिष्ठकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री रामनलाल प्रण्ड कम्पनी, 29, चैल्लप्प मुदली स्ट्रीट, मद्रास-600 012 को, अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए रुपए 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आरी किए गए लाइसेंत संख्या थी-चैंड 1935831-सी-एक्सएन्स-82-एम-81 दिनांक 16-2-82 को एसद्द्रारा रह करता हूं।

[संख्या: की एफ-847 ए एम-82-ए यु 3]

S.O. 270.—M/s. Ramanlal and Company, 29, Chellappa Mudalis Street, Medras Ottery, Kosapet, Madras-600012, were granted a licence No. P/Z/1935831/C|XX|824|M|81 dt. 16-2-82 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence had been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate Certifying their past imports which was not genuine, Show cause Notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken

to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 30-10-82. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the hience ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the import licence No. P|Z|1935831|C|XX|82|M|81 dt. 16-2-82 issued to M/s. Ramanlal and Company, 29, Chellappa Mudali Street for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.

IF. No. DF/847/AM. 82/AU. III.]

कां आः 271.—सर्बंश्री कोहीन्र सेल्स डिपो, संख्या-7, कासी चट्टी लेन, मद्रास-600 001 को रुपए 10,000 एक सूखे फलों का श्रायात करने के लिए श्रायात लाइसेंस संख्या पी-औंड-1935847-सी-एक्स-एक्स-82-एम-81 दिनांक 18-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयान के प्रभाणपत जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उप प्रमाणपत के अवास्तविकता के वारे में विश्वाम करने का सारंण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 की व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने सामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी के न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंय गलत सन्धी लेखापाल प्रमाणपत के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतत्हारा लाइसेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हं।

मैं श्रायात (तियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री कोहीनूर सेस्स डिपो, संख्या-7, वासी चेट्टी लेन, मद्रास-600001 की, अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए रुपए 10,000 तक सूखे फलों का श्रायात करने के लिए जारी किए गए लाइसेंस संख्या पी-खेंड-1935847-सी-एक्स-एक्स-82-एम-81 दिनोक 18-2-82 को एतव्दारा रह करता हूं। संख्या-डी एफ 871-एएम-82-एयू 3]

S.O. 271.—M/s. Kohinoor Sales Depot, No. 7 Kasi Chetty Lane, Madras-600001 were granted a Licence No. P/Z/1935847/C/XX/82|M|81 dated 18-2-82 for import of Dry Frults for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the Licence Holder to Show Cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal Hearing on 29-10-82. As the Party did not turn up for a Personal Hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Imports Licence No. P[Z]1935847[C]XX[82/M/81 dated 18-2-82 issued to M/s. Kohinoor Sales Depct, No. 7 Kasi Chetty Lane, Madras-600001 for import

of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March 1982 period.
[No. DF|871|AM. 82|AU. III.]

का० आ० 272.—सर्वश्री वेंकटेश्वरा ट्रेडर्स, संख्या-18, वेस्ट कलमण्डवम रोड़, रायपुरम, मद्रास-13 को कपए 10,000 तक सूखें फलों का श्रायात करने के लिए श्रायात लाइसेंस संख्या पी-जैंड-1935834-सी-एक्स-एक्स-32-एम-81 दिनांक 16-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व प्रायात के प्रमाणपत्न जारी करने के श्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्न के श्रवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिश जारी किया गया था कि 39-10-1982 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चत उनकी जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाए। अपने मामुले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी के न श्राने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनवी लेखापाल प्रमाणपत्न के ब्राधार पर प्राप्त किया गया है श्रीर एतब्द्वारा लाइसेंस की रद्द करने की एव-पक्षीय निर्णय लेता हूं।

मैं, भ्रायात (नियंत्रण) श्रादेश 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत अदस अधिकारों का प्रयोग करते हूए, सर्व-श्री वेंकटेक्वरन ट्रेडर्स, संख्या-18, बेस्ट कलमण्डबम रोड़, रायपुरम, मद्रास-13 को अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए रुपए 10,000 तक सूखे फलों का प्रायत करने के लिए जारी किए गए लाइसेंस संख्या पी-जैंड-1935834-सी-एक्स-एक्स-82-एम-81 दिनांक 16-2-1982 को एतब्द्धारा रह करता हूं।

[संख्या : डी एफ - 851-ए एम 82- ए यु 3]

S.O. 272.—M/s. Venkateswara Traders No. 18 West Kalmandapam Road Royapuram Madras-13 were granted a licence no. P/Z/1935834/C/XX/82|M|81 dt. 16-2-82 for import of dry fruits for Rs. 10000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon—the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29-10-1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order 1955 hereby cancel the import licence no. P|Z|1935834|C|XX|82|M|81 dt. 16-2-1982 issued to M/s. Venkateswara Traders No. 18 West Kalmandapam Road Royapuram Madras-13 for import of dry fruits for Rs. 10,000 for April 1981—March 1982 period.

[No. DF|851|AM, 82|AU, III.]

का॰ भा॰ 273.—सर्वेश्री चम्पक एन्टरप्राइजस, संख्या-3, तम्बू नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-600 001 को रुपए 10,000 तक सुखे फलों का भायात करने के लिए भ्रायात लाइसेंस संख्या धो/जैंड-1936103/सी/एक्सएक्स/82/एम/81 दिनांक 6-3-82 जारी किया गया था ।

उपर्युक्त लाइ तेंग ननदी लेखापान द्वारा भूतपूर्व न्यायान के प्रसाणपत्र जारी करने के ब्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के प्रवास्तिकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई दे। से, पार्टी में यह पूछने हुए एक कारण बताओं नोटिस जारो किया गया था कि 29·10·82 को व्यक्तिगत सुननाई का अशार देने के परवात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुननाई के लिए पार्टी के न आने के कारण, मैं इप बात से संनुष्ट ह कि उपर्यूक्त लाइसेंन गयत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतव्हारा लाइसेंस का रह करने को एक-एकोप निर्णय लेना है।

मै, आयात (नियत्नण) आदेश, 1955 की घारा 9 (1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, सर्वश्री चम्पक एन्टरप्राइजस, सं० 3, तम्बू नाइक्कन स्ट्रीट, मदास-ि 600 001 की, अप्रैल-मार्च 1982 की श्रविध के लिए स्पए 10,000 तक सूखे फलो का ग्रायात करने के लिए जारी किए गए लाइसेंग संख्या थी-जैंड/1936103/मा/एक्प-एक्स/82/एम/81 दिनांक 6-3-82 को एतद्वारा रह करता हूं।

[संख्या : को एफ/1270/एएम. 82/ एयु. III]

S.O. 273.—M/s. Champak Enterprises No. 3, Thambu Nai ken St., Madras-600001, were granted a licence No. P/Z/1936103/C |XX|82|M|81 dated 6th March, 1982 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not geniune. A show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity tor a personal liearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order 1955, hereby cancel the Import Incence No. P/Z/1936103/C|XX|82|M|81 dated 6th Match, 1982 issued to M/s. Champak Interprises, 3 Thambu Naicken St., Madras-600001 for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1270/AM. \$2/AU. HI]

का० श्रा० 274---- गर्वश्री सुन्दर ट्रेडिंग कम्पनी, सख्या 32 वासी चेट्टी स्ट्राट, सद्धात-600001 को रुपये 13,000 तक सुखे फलों का श्रापन करने के लिए श्राजात लाइसेंस संख्या पी-जैंड/1955816/सी/एक्सएक्स/82/एस/81 दिनाक 8-2-1982 जारी निस्ता गया था।

उपर्युक्त लाइसेस सनर्दा लेकापाल द्वारा भूतपूर्व धाणात के प्रमाणपत जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के प्रवास्तिवकता के बारे में विश्वास करन का कारण दिखाई देते से पार्टी से यह पूछते हुए एक वारण बताधा नाटिस जारी किया गया था कि 30-16-1982 को काकितगा मुलाई का प्रवस्तर देने के परचान् उतको जारी िता गया लाइमेस क्यों न रह तर दिता जाए। प्रयन्ने सामके का स्मण्ट करने कायनगर मुलाई के लिए पार्टी न आग के करण मैं इस दात से मंजुष्य हूं कि उपर्युक्त ताइसेंग गला प्रात्ते गिंखाताल प्रधाणपत्र के प्रायत पर प्राप्त किता गया है ग्रीट एउट् ब्रास्त लाइनेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता है।

मैं .9(1) ग्रायात (नियवण) श्रादेश, 1955 की धारा (ए) के प्रत्यंत प्रवत प्रिक्षकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री पुन्दर है डिंग कम्पनी सदाा-32 कार्ना चंद्री स्ट्रीट, मदाय-600001 का प्रयोश-मार्च 1982 की श्रवीध के लिए रूपने 10,000 तक सूख्ने फलों का प्रायात करने के लिए रारो कि गिये लाइनेंग संख्या पी-जैंड/1935816/सा/एक्य-एक्स/82/एम/81 दिनाक 8-2-1932 का ए द्वारा रह कर ग हूं।

# [नवसः, इंट्फ/814/एएम-82/एयू.III]

S.O. 274.—M/s Sundai Trading Co No. 32, Kasi Cheby Street. Madrae-600001, were granted a licence No. P/Z/1935816/C|XX|82|M|81 dated 8th February, 1982 for import of Dry frants for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence his been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was usued calling upon the income horder to show cause why action should not be taken to cincel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 30th October, 1982. As the party did not turn up in a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence his been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence exparte

I, in exercise of the powers vested on me in terms of chaise 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby can el the import heence No. P/Z/1935816/C|XX|82|M|81 dated 8th February, 1982 issued to M/s Sundar Trading Co., No. 32 Kasi Cherty Street, Madras-600001 for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/814/AM. 82/AU. III]

#### मदास, 23 नदम्बर, 1982

का० आ० 275.—सर्वश्री साद्राक एम्पोरियन संवता-4 मलद्रप्त स्ट्रीट मणाबी मद्रास-600001 की रुपमें 10,000 नह सुत्रों फलों का श्रादात करने के लिए श्रादान लाइमेंच मध्या पी-जैंड/1935) 65/सी/एमपुरक्स/82/एम/81 दिनाक 1-3-82 जारी किता ग्राह्म था।

उपयुंक्त लाइसेंस सावी लेखानाल द्वारा भूनपूर्व आयात के प्रमाणाल जाने कारों के प्राचार पर प्राप्त किया गया हैं। इस प्रमाणका के ध्रत्रास्तविकता के बारे में ध्रियास करते का कारण विखाई देने से पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताप्री निध्या आरी किया था गया कि 30-10-82 को विक्तयन सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको आरी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अवन मामले को स्वप्ट करने व्यक्तिगत सुनवाध के लिए पार्टी न धाने के कारण मैं इस बात से संनुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंड गसन धनदी नेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किस गया है और एनट् इत्या ला**इ**मेंग्र को रह् करने का एक-प्रक्रीय निर्णय लेखा है।

में आयात (नितंतण) आदेण, 1955 की धारा (1) (ए) के धन्तमें। प्रदत्त अवकारों का प्रमीन करते हुए सर्वधी साहार एम्मेरियन, संबत-4 मान स्वा स्ट्रीट मणाडों मझास-600001 की अर्जेल-मार्च 1982 का अर्जाध के लिए स्वये 10,000 तर सूत्रे फलों का आवान करने के लिए यारी निये गये नाइनेस संबत्त मी जैंड 1935 965/सा/एक्स एक्य/82/एम-81 दिनाल 1-.-82 का ए द् द्वारा रद्द करता हूं।

विवार अं (फ/1020-एएम 82-एयू 111]

Madras, 22nd November, 1982

#### ORDER

S.O. 275.—M/2 Suntrak Emporium, No. 4, Malayappan St., Mannudy, Madras-600001, were granted a Licence No. P/Z/1935965/C|XX|82|M181 dated 1st March, 1982 for Introduct of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to crincel the hearing and 30th October, 1982. As the party did not turn up for a re sonal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and heroby decide to cancel the heence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935965/CIXX/82|M|81 dated 1st March, 1982 issued to M/s Suntrak Emporium, No. 4, Malay ippan St., Midias-600001 for import of Dry finits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1020/AM. 82/AU. III]

का॰ आ॰ 276. — प्रवंशी भगती सेच्स कार्पोरेशन, संख्या-59, नागदण मुदली स्ट्रीट, महास-600001 को क्यें 10,000 लग्न सुत्री काची का भाषात करने के लिए श्राया। लाट्वेंग संग्या पी/जैंड/19 3 609 5/सी/एक्पएक्स/82/ए०/31 दिनांक 6-3-83 जारी जिस नाम था।

उन्युक्त लाइमें छ सन्दी लेखा तल हारा भूतपूर्व प्राप्त के प्रमाण्याय जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गता है। उस प्रमाणनंत्र के प्रवार विकास के बारे में विश्वास करने कारण दिखाई देने से, पार्टी से गह पूछने हुए एक कारण बनाओं नोटिस जारी किया गया था कि 2)-10-82 को व्यक्तियन मुनवाई वा आसार देन के प्रयत् उत्ता जारी किया गया मुनवाई वा आसार देन के प्रयत् उत्ता जारी किया गया मुनवाई वा आसार देन के प्रयत् उत्ता जारी किया गया मुनवाई व अविचार मुनवाई के लिए पार्टी प्रधान के कारण मैं इस बात में संसुष्ट हूं कि उत्युक्त लाइमें स्मानवादी लेखालाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है प्रीर एतद् हारा लाइमें मुनवाह को रह करने का एक प्रसीय निर्णय लेता हूं।

में, आयात (शिवण) हादेश, 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अनार्गत अवत अविकारों का अवीप करते हुए, रावंथा भागी सेहत कार्पोरेणा, संख्या 59, नारायण मुदली रहीड, मधाउ 600001 का अतील मार्च 1932 की अववि के लिए रापी 10,000 तक सूखे फलों का भागात करने के लिए जारी किये गये लाइ हिंस संख्या पी/जीड/1936095/मी/एक्टएका/82/एम/81 दिलांक 6-3-82 की एतद् द्वारा रह करता हूं।

[संखा: डीएफ/1272/एएम 82/एय् III]

S.O. 276—M/s Bhavam Sales Corporation, No. 59, Narayana Mudali St., Madras-600001, were granted a Licence No. P/Z/1936095/C|XX|82|M 81 dated 6th March, 1982 to import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import leade has been obtained by producing a chartered accountant contineate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to concel the licence giving an opportunity for a personal nearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No P/Z/1936095/C|XX|82|M|81 dated 6th March, 1982 issued to M/s. Bhavani Sales Corporation, No. 59, Narayana Mudali St., Madras-600001 for import of Dry fruits for Rs. 10000 for April-March, 1982 period.

[No. DF/1272/AM. 82/AU. III]

का० भा०277. --- पुर्वश्री राजेश्वरी स्टोर्स, 9 बेलू नाइक्कन स्ट्रीट, बेस्ट माम्बलम, मद्राय-600033 को रुपये 10,000 तक मूखे फलों का भाषात करने के लिए भाषात लाइसेंस संख्या गी/जैड/1636075/मी/एक्सएक्स/एम/82/81 विनांक 6-3-82 जारी किया गया था।

उपगुंकत लाइनेंस सनदी लेखानान द्वारा भूतपूर्य प्रायात के प्रमाणपत जारी करने के जासार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के प्रवासनिकता के वारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बनाओं नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को दिक्तान सुनवाई का धवसर देने के प्रचात् उनकी जारी किया गया वाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाए। थपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिमन सुनवाई के सिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बार से संपुष्ट हूं कि उपर्युव्य लाइमेंस गना सनदी लेखाना प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्य किया गया है और शद्दारा लाइसेंस की रह करने की एक पत्रीय निर्णय लेला है।

मैं, आजार (निजन,ण) आदेण, 1955 की धारा 9 (1) (ए) के प्रत्योंन प्रदत्त खांधकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वर्था राजेश्वरी स्टांसं, 9, बेलू नाइक्कन स्ट्रीट, बेस्ट माम्बलम-मजात-33 की, प्रश्रीत—मार्च 1982 की अवधि के लिये रापये 10,000 रह सूर्वे फलों का आयात करने के लिए जारी

किये गये लाइसेंस संख्या पी जींड 19 3 60 7 5/सी/एक्स एक्स/ 82/एम/81 विनोक 6-3-82 की एतव्हारा रह करता हूं।

[संबराः डीएफ/ 119 7/एएम. 82-एयु III]

S.O. 277.—M|s. Rajeswari Stores, 9, Velu Nacken St, West Mambalam, Madras-600033, were granted Licence No. P/Z/1936075/C|XX|82|M|81 dated 6th March, 1982 for import of Dry fruits for Rs. 10.000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P|Z|1936075|C|XX|82|M|81 dated 6th March, 1982 issued to M/s Raieswari Stores, 9, Velu Naicken St., Madras-33, for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1197/AM. 82/AU. III]

का॰ मा॰278 — मर्बन्नी यूनियन ट्रेडर्स, 25, मादिगण नाइक्तन स्ट्रीट, महास-600001 को रुपये 10,000 तक सुखे फलों का भागात करने के लिए खायात लाइगेंस संख्या पी/जैड/1936094/सी/एनसएक्स/82/एम/81 दिनांक 6-6-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाहसेंस मनदी लेखायाल द्वारा मूनपूर्व आधार के प्रमाणपत्न जारी करने के आबार पर प्राप्त किया गया है। उन प्रमाणपत्न के अवास्तिकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी में यह पूछते हुए एक कारण बताओं मोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पण्चात् उत्तां जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने सामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के आधार पर प्राप्त किया गया है और एनद्वाण लाइतेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता है।

मैं, प्रावात (नियंतण) ग्रादेश, 1955 की धारा 9(1) (ए) के भन्तगंत प्रदक्त भक्षिकारों का प्रयोग करते हुए, सबंश्री पूनियन ट्रेडर्ग, 25, ग्रादियण नाइक्कन स्ट्रीट, मद्राय-600001 का, भन्नेल-मान 1982 की भन्निय के निए सपने 10,000 तक सूखे फलों का भायात करने के निए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी/जैंड-1936094/सी/एक्सएक्स/82/एम/81 विनांक 6-3-82 को एतस्द्रारा रह करता हूं।

[सेंब्या: डोएफ/1268/एएम 82-एयु III] .

S.O. 278.—ZM|s. Union Traders, 25, Audiappa Naicken St., Madras-600001, were granted a Licence No. P/Z/1936094/C|XX|82|M|81 dated 6th March, 1982 for import of Dry fruits for Rs. 10.000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import License No. P/Z/1936094/C|XX|82|M|81 dated 6th March, 1982 issued to M/s. Union Traders, 25, Audiappa Naicken St, Machas-600001 for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1268/AM. 82/AU. III]

का॰ आ॰ 279.- -सर्वश्री जैन इम्पैक्स 5/28-सी, मलयप्पन स्ट्रीट, मण्णकी, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/जैड/1935963/सी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनांक 1-3-82 जारी किया गया था।

उपिक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व प्रायात के प्रमाणपत्र जारी करने के पातार पर प्राप्त किया गता है। उस प्रमाणपत्र के अनास्तिकता के बारे में त्रिकाम करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बनाओ नोटिम जारों किया गया थी कि 30-1'0-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारों किया गया ल इसेंस क्यों न रह कर दिया लाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगन सुन्नाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात में मंतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाण-पन्न के आधार पर प्राप्त किया गया है और एनद्द्वारा लाइपेंस को रह करने का एक-प्रतिय निर्णय लेगा हूं।

भैं, स्रायात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9(1) (ए) के अन्दर प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री जैन इम्पेक्स, 5/28-सी, सलयप्पलन स्ट्रोट, मद्राय-1 को, अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए काये 10,000 तक सूखे कलों का आयात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी/जैड/1935963/सी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनांक 1-3-82 को एनद् द्वारा रद्द करना हूं।

[संख्या डो॰ एफ॰/1018/ए एम. 82/एयू॰ 3]

S.O. 279.—M/s. Jain Impex, 5/28 C. Malayappan St. Maunady, Mudras-600001, were granted a Licence No. P/Z/1935963/C|XX|82|M/81 dated 1st March, 1982 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not gruine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cencel the licence giving an opportunity for a personal he ring on 30th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby

cancel the Import Licence No. P/Z/1935963/C|XX|82|M|81 dated 1st March, 1982 issued to M/s. Jain Impex, 5/28C, Malayappan St, Madras-1, for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1018/AM. 82/AU. III]

का० धा० 280.—सर्वेश्री नैनेक्स एम्पोरियम, 64, नारायण मुक्ती स्ट्रीट, मद्रास-600001 की रुपये 10,000 सक सूखे फलों का धायात करने के लिए धायात लाइसेंज संख्या पी/जेंड/1936122/सी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनांक 6-3-82 जारी किया गया था।

जपर्युवत लाइसेंस सनदी लेखानल द्वारा भूनपूर्व भायान के प्रमाणपत्न जारी करने के श्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्न के भ्रवास्ति विकास के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पृष्ठते हुए एक कारण सताथो नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को ध्यक्तिगत सुनवाई का श्रवसर देने के पत्रवात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए । श्रवने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संनुष्ट हूं कि उत्पृक्त साइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के श्राधार पर प्राप्त किया गया है थीर एनद्द्वारा लाइमेंस को रह करने क्या एव-पद्तीय निर्णय लेना हूं।

मैं, श्रायात (नियंत्रण) श्रादेण, 1955 की धारा 9(1)(ए) के श्रन्तर्गन प्रवत्त धिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री नैनेक्स एम्पोरियस, 64, नारायण भुदली स्ट्रीट, मद्रास-600001 को, अप्रैल-मार्च 1982 का श्रविध के निए रुपये 10,000 तक सूखे फर्ना का श्रायान करने के निए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी/जैड/1936122/सी/एक्सएक्स/82/एम/81 दिनांक 6-3-82 को एनव्द्रारा रह करता हं।

[संख्या:डी एक/1016/एएम. 82-ए यु-ाा]

S.O. 280.—M|s. Ninex Emporium, 64, Narayana Mudali St., Madras-600001, were granted a Licence No. P/Z/1936122/C|XX|E2|M|81 dated 6th March, 1982 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imper's (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1936122/C|XX|82|Ml81 dated 6th March, 1982 issued to M/s. Ninex Emperium, 64, Narayana Mudali St., Madras-600001 for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1016/AM. 82/AU III]

का॰ झा॰ 231.—सर्वश्री भारत कुमार एण्ड कम्पनी, 34, चेल्लप्प मुदली स्ट्रीट, मद्रास-12 को द्यये 10,000 तक

सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस मंख्या पी/जैड/1935828/मी/एक्स एक्स/82/एम/81 दिनोक 12-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखपाल द्वारा भूतपूर्व भ्रायात के प्रमाणपत जारी करने के ब्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत के अवास्तिविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी में यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 30-10-1982 को व्यक्तिगन सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइमेंस क्यों न रह कर दिया जाए। ब्राने मामने को स्पष्ट करने व्यक्तिगन मुनवाई के निए पार्टी न ब्राने के कारण, मैं इम बान से संगुष्ट हूं कि उार्युक्त लाइनेंग गलत सनदो लेखाल प्रमाणपत्न के ब्रावार पर प्राप्त किया गया है ब्रीए एगद्वारा लाइसेंन को रह करने का एक-प्रकार निर्णय लेता हूं।

मैं, श्रायात (नियंत्रण) स्रावेश, 1955 की धारा 9(1)(ए) के प्रन्तर्गत प्रवस स्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री भारत कुमार एण्ड कम्पनी, 34, चेल्लप्प मुदली स्ट्रीट, मद्रास-600012 को, सप्रैल-मार्च 1982 की श्रवधि के लिए रूपये 10,000 तक सूखे फलों का स्रायात करते के लिए जारी किये गये लाइमेंग संख्या पी-जैंड/1935828/सी/एक्स एउन/82/एम/81 दिनांक 12-2-82 को एतद्दारा रह करता हं।

[संख्या: डीएफ०/836/ए एम/82/एय-III]

S.O. 281.—M/s. Bharat Kumar & Company, 34, Chellappa Mudeli Street, Madras-600012, were granted a Licence No. P/Z/1935828/C|XX|82|M|81 dated 12th February, 1982 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 30th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of cleuse 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935828/C|XX|82|M|81 dated 12-2-82 issued to M/s. Bharat Kumar & Company, 34, Chellappa Mudali Street, Madras-600012 for import of Dry Fruits for Rs 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/836/AM. 82/AU. III]

का० ग्रा० 282.—सर्वश्री शिवा एम्पोरियम, संख्या-59, नारायण मृदली स्ट्रीट, महास-600001 को रुग्ये 10,000 तक मृश्वे फलों का श्रायान करने के लिए श्रायात लाइसेंग सब्या पी/जैड/1935920/मी/एक्स एसन/82/एम/81 दिनांक 26-2-82 जारी किया गया था।

जपर्युक्त लाइसेंग सनदी लेखाताल द्वारा भूतपूर्व स्नायात के प्रमाणपत्न जारी करने के ग्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्न के ध्रवास्तिथिकता के बारे में थिश्वास करने का कारण विखाई देने में, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताधो नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर विया जाए । अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न झाने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपयुक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्द्वारा लाइसेंस को रह करने का एक-पक्षीय निर्णय लेता हूं।

मैं, श्रायात (नियंत्रण) श्रादेश 1955की धारा 9(1)(ए) के श्रन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री शिवा एम्पोरियम, संख्या-59, नारायण मृदली स्ट्रीट, मद्रास-600001 को, ग्रप्रैल-मार्च 1982 की श्रवधि के लिए रूप्ये 10,000 तक सूखे फलों का श्रायान करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935920-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 26-2-82 को एतद्दारा रह करता हूं।

[संख्या : की० एफ०-967-ए० एम०-82-ए० यु०-3]

S.O. 282.—M|s. Siva Emporium, No. 59, Narayana Mudali St., Madras-600001, were granted a Licence No. P/Z/1935920/C|XX|82|M|81 dated 26th February, 1982 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the heence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the imports (control) order 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935920/C|XX|82|M|81 dated 26th February, 1982 issued to M|s. Siva Emporium, 59, Narayana Mudali Street, Madras-600001 for import of Dry fruits for Rs, 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/967/AM. 82/AU. III]

का० आ० 283.--सर्वश्री डीलनम सेल्स, कारपोरेशन, संख्या, 9, कृष्ण ऐयर स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक सूखों कलों का प्रायात करने के लिए ग्रायात लाइसेंस संख्या पी-इक्षट-1935923-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 26-2-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व श्रायास के प्रमाणपत्न जारी करने के श्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्न के श्रयास्तिकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बसाओ नोटिस जारी किया गया था कि 30-10-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का श्रवसर देने के पश्चात् उनकी जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंप गलन 1116-GI/82—4.

सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के आधार पर प्राप्त किया गया है भौर एतद्द्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक-पक्षीय निर्णय लेता हं।

में, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9(1)(ए) के अन्तर्गत प्रवस्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वेश्री छीलक्स सेल्स कारपोरेशन, संख्या-9, कृष्ण ऐयर स्ट्रीट, मद्रास-600001 को अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिये रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935923-सी-एक्स एक्स-82-एम-81 दिनांक 26-2-82 को एतद्द्वारा रह करता हूं।

[संख्या : डी० एफ०-866-ए० एम०-82-ए० यु-3]

S.O. 283.—M|s. Delux Sales Corporation, No. 9, Krishna Iyer Street, Madras-600001, were granted a Licence No. P/Z/1935923/C|XX|82|M|81 dated 26th February, 1982 for import of Dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 30th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the imports (control) order 1955, hereby cancel the Import Licence No. P|Z|1935923|C|XX|82|M|81 dated 26th February, 1982 issued to M/s. Delux Sales Corporation, No. 9, Krishna Iyer Street, Madras-600001 for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/866/AM. 82/AU. III]

का० आ० 284--ंसर्वथी कृष्णा स्टोसं, 11, जुबिली रोड़, वेस्ट माम्बलम, मद्रास-33 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी०-इजट-1936038-सी० एक्स० एक्स०-82 एम०-81 दिनांक 4-3-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनवी लेखापान द्वारा भूतपूर्व श्रायान के श्रमाणपत्र जारी करने के श्राधार पर श्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के श्रवास्तिविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत मृतवाई का श्रवसर देने के परचात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। श्रपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत मुनवाई के लिए पार्टी न द्याने के कारण, मैं इन बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलन सनवी लेखापाल प्रमाणपत्न के श्राधार पर प्राप्त किया गया है श्रीर ए इद्वारा लाइसेंस को रह करने का एकपक्षीय निर्णय लेता हूं।

मैं, स्रायात (नियंत्रण) स्रादेश 1955 की धारा 9(1) (ए) के स्रन्तर्गत प्रदत्त स्रक्षिणारों का प्रयोग करते हुए, सर्वेश्री कृष्णा स्टोर्स, 11, अुबिली रोड, मद्रास-33 को

ग्रप्रैल-मार्च 1982 की प्रविध के लिए रुपये 10,000 तक भूखे फलों का ग्रायात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी०-इजट 1936038 सी० एक्स० एक्स०-82 एम०-81 दिनांक 4-3-82 को एनद्दारा रह करता हूं।

[संख्या डी० एफ०-1164-ए० एम० 82-एयु० 3]

S.O. 284.—M|s. Krishna Stores, 11, Jubilee Road, West Mambalam, Madras-33, were granted a Licence No. P/Z/1936038/C|XX|82|M|81 dated 4th March, 1982 for import of dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the imports (control) order 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1936038/C|XX|82|M|81 dated 4th March, 1982 issued to M/s. Krishna Stores, 11, Jubilee, Road, Madras-33 for import of Dry fruits for Rs. 10.000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1164/AM. 82/AU. III]

का० मा० 285.—सर्वश्री पार्वनी स्टोर्स, 13, महादेख ऐयर स्ट्रीट, मद्रास-600033 को रुपये 10,000 तक सुखे फलों का म्रायात करने के लिए भ्रायान लाइसेंस संख्या पी०-इजट 1936014 सी० एक्स० एक्स-82 एम०-81 दिनांक 3-3-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व भायात के प्रमाणपत्र जारी करने के भ्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के श्रवास्तविकता के वारे में विश्वास करने का कारण विखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताश्रो नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को ध्यक्तिगत सुनवाई का भ्रवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रइ कर दिया जाए। श्रपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न मानले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न माने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के भ्राधार पर प्राप्त किया गया है भीर एतव्हारा रह करने का एक पक्षीय निर्णेय लेता हैं।

मैं, घायात (नियंत्रण) घ्रादेश 1955 की धारा 9 (1)(ए) के अन्तर्गत प्रदक्त ग्रिधकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री पार्वेती स्टोर्स, 13, महादेव ऐयर स्ट्रीट, मद्रास-600033 को, अप्रैल-मार्च 1982 की घ्रवधि के लिए कारी 10,000 तक रूखे फलों का धायात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी०-इजट 1936014 सी० एक्स० एक्स०-82-एम०-81 दिनांक 3-3-82 को एतद्द्रारा रह करता हूं।

[संख्या क्षी० एफ०-1111ए०एम०-82-एयु० 3]

S.O. 285.—M|s. Parvath Stores, 13, Mahadeva Iyer St., Madras-600033, were granted a Licence No. P/Z/1936014/C/XX|82|M|81 dated 3rd March, 1982 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(3) of the imports (control) order 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1936014/C|XX|82|M|81 dated 3rd March, 1982 issued to M|s. Parvathi Stores, 13, Mahadeva Iyer St., Madras-600033 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1111/AM. 82/AU. III]

का० था० 286.—सर्वेश्वी मूर्ति स्टोर्स, 11, जुबिली रोड, वेस्ट माम्बलम, मद्रास-600033 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयान लाइसेंस संख्या पीं०-इजट 1935975-ती० एक्प० एक्प०-82-एम०-81 दिनांक 2-3-82 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व धायात के प्रमाणपत्न जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्न के अवास्तविकता के वारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने में, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बसाओ नोटिस जारी किया गया था कि 29-10-82 को व्यक्तिगत मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत मुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्न के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्वारा लाइसेंस का रह करने का एक पक्षीय निर्णय लेता हं।

मैं, श्रायात (नियंत्रण) झादेश 1955 की धारा 9 (1)(ए) के भ्रन्तर्गत प्रवत्त भ्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री मूर्ति स्टोसें, 11, जुबिली रोड, मद्रास-600033 को भ्रप्नैल-मार्च, 1982 की श्रवधि के लिए रुपये 10,000 तक मूखे फलों का भ्रायात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी०-इजट 1935975-सी० एक्स० एक्स० 82-एम०-81 दिनांक 2-3-82 को एतद्दारा रह करता हूं।

[संख्या की० एफ०-1073-ए० एम०-82-एयु० 3]

S.O. 286.—M|s. Murthy Stores, 11, Jubilee Road. West Mambalam, Madras-600033, were granted a Licence No. P/Z/1935975/C|XX|82|M|81 dated 2nd March, 1982 for import of dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken

to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 29th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the imports (control) order 19.55, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935975/C|XX|82|M|81 dated 2nd March, 1982 issued to M/s. Murthy Stores, 11, Jubilee Road, Madras-600033 for import of Dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1073/AM. 82/AU. III]

का० ग्रा० 287—सर्वेश्वी श्वी राम ट्रेडसं, 84, नारायण मुदली स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का ग्रायात करने के लिए श्रायात लाइसेंस संख्या पी०-इजट-1935964-सी०-एक्स० एक्स०-82-एम०-81 दिनांक 1-3-1982 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूनपूर्व शायात के प्रमाणपत्र जारी करने के श्राधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के श्रवास्तिवकता के बारे में विश्वास करने का कारण विखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताश्रो नोटिस जारी किया गया था कि 30-10-1982 को व्यक्तिगत सुनवाई का श्रवसर देने के पश्चान् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाए। श्रपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न श्राने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस गलत सनधी लेखापाल प्रमाणपत्र के श्राधार पर प्राप्त किया गया है श्रीर एतद्दारा लाइसेंस को रद्द करने की एक पक्षीय निर्णय लेना हैं।

मैं, भाषाव (नियंत्रण) धादेश 1955 की धारा 9 (1) (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्बंधी श्री राम ट्रेड्स, 84, नारायण मुदली स्ट्रीट, मझास-600001 को भन्नेल-मार्च, 1982 की अवधि के लिए रुपये 10,000 तक सूखें फलों का आयात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी०-इजट 1935964-सी०-एक्स० एक्स० -82 एम०-81-दिनांक 1-3-82 को एउद्धारा रह करता हूं।

[संख्या श्री० एफ०-1019 ए० एम०-82-एयु० 3] सी०जी० फेरनान्डीज, उप मुख्य नियंद्रफ, श्रायात तथा निर्यात

S.O. 287.—Ms. Sree Ram Traders 84, Narayana Mudali Street, Madras-600001, were granted a licence No. P/Z/1935964 C|XX|82|M|81 dated 1st March, 1982 for import of dry fruits for Rs. 10,000.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine, a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 30th October, 1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the imports (control) order 1955, hereby cancel the import licence No. P/Z/1935964/C|XX|82|M|81

dated 1st March, 1982 issued to M/s. Sree Ram Traders, 84, Narayana, Mudali Street, Madras-600001 for import of dry fruits for Rs. 10,000 for April—March, 1982 period.

[No. DF/1019/AM, 82/AU, III]

C. G. FERNANDFZ, Dy. Chief Controller Imports and Exports

#### इस्पास और खान मंत्रालय

#### (खान विमाग)

कां आ 288—: केन्द्रीय सरकार, सरकारीं स्थान (ध्रश्राधिकृत स्रिक्षिणीगियों की वेदखनी) स्रिक्षितियम 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त सिक्त्यों का प्रयोग करते हुए नीचे धी गई सारणी के स्वस्त 1 में विणित प्रिक्षिकारी को, जो सरकार के राज्यवित प्रिक्षिकारी के रेंक के समतुत्य प्रिक्षिकारी है, उक्त प्रिक्षित्यम के प्रयोजनों के लिए संपदा खिकारी के रूप में विपुक्त करती है और धार्ग निदेश करती है कि उक्त धिकारी उक्त सारणी के स्तस्म 2 में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत ध्रपती स्थानीय की स्थानीय सीमाश्रों के भीतर उक्त ध्रिक्षियम द्वारा या उसके ध्रधीन संपदा ध्रिक्षारी को प्रवत्त प्रिक्तियों का प्रयोग भीर ध्रिक्षीपित कर्तथों का प्रयोग भीर ध्रिक्षीपित कर्तथों का प्रयोग करेगा।

#### सारणी

भोधकारी का पदाभिधान	ऋम स०	संस्कारी	स्थानों के प्रवर्ग भौ की स्थानीय सीमार	
·		<b>खा</b> ता सं०	प्लाट सं०	क्षेत्र (एकड़)
1	2	3	4	5

# ग्राम दामनजीवो, पुलिस थाना सेमलीगुडा,

		সিল	<i>कोरापुट</i>	
उपप्रबन्धक (प्रशासन)	1.	1	82	0.88
नेणनल ऐलूमिनियम	2.	1	218	1.54
कंपनी लि॰ नोटी-	3	1	222	1.09
फाइड एरिया कभेटी	4.	1	451	1.09
भवन सून(बेडा-	5.	2	76	0.69
763003 जिला	6.	2	213	1.11
कोरापुट, उड़ीसा	7.	2	212	0.61
	8.	3	2	1.82
	9.	3	8	1.10
	10.	3	10	0-30
	11.	3	417	2.42
	12.	3	419	1.13
	13.	4	41	8.80
	1 4.	4	4 4	0.44
	15-	4	93	1.83
	16	4	94	1.62
	17.	4	110	0.01
	18.	4	112	1.41
	19.	4	32	3.88
	20.	4	34/1	1.70
	21.	4	21	1.76
	22.	4	39	2,08
	23.	4	107	3.05
	24.	5	5	0.98
	25.	6	111	0.53
	2β-	7	319	1,18

1	2	3	4	5	1	2	3	4	
	27.	7	114	4.06		8 2.	18	389	1.3
	28.	7	151	1'. 68		83.	18	393	0.3
	29.	7	175	0.25		84	19	12	1.7
	30.	7	239	1.41		85.	20	13	0.8
	31.	7	255	0,58		86.	20	103	0.0
	32.	8	81	1.71		87.	20	256	1.3
	33.	8	369	0.88		88.	20	263	2.2
	34.	8	374	1.12		89.	20	263	3.0
	35.	8	65	3.21		90.	20	264	3,4
	36.	8	440	1.11		91.	20	266	2.2
	37.	9	125	1.32		92.	20	130	2.5
	38.	72/1	441/476	0,11		93.	20	134	4.7
•	, 39.	9	231	2,62		94.	20	450	0.2
	40.	9	235	1.13		95.	21	172	0,6
	41.	10	85	1.72		96.	21	282	0.8
	42-	10	90	0,85		97.	21	283	1.1
	43,	10	368	0.61		98.	22	284	0.1
	4 4.	10	441	1,99		99.	22	286	0,5
	4 5.	11	102	0,13		100.	22	292	0.8
	46-	11	116	1.21		101.	22	156	1.0
	17.	11	217	1.96		102: 103.	22	161	1.5
	48.	11	261	2.31		103.	22 22	166	0.0
	49.	12	333	0,35		104.		307	0.:
	50.	12	446	0.11			22	311	0
	51.	12	402	0.61		106	2,2	347	0,
•	52.	12	408	1, 11		107.	22	348	0.
	5 3.	13	17	7.50		108. 109.	23	285 293	0.
	5 4.	13	22	2,31		110.	23	294	0.
	5 5.	13	28	0,79			23	295	1
	56.	13	29	0.29		1 1 1: 1 1 2.	23	207	0.
	57.	13	35	3, 98			23		0.
	58-	13	25	1.72		113.	22 23	306	0.
	59.	13	40	4.18		114.		7 <i>7</i> 79	0.
	60.	13	42	3.39		115	23		0.
	61,	13	46	0,71		116	23	168	0.
	62.	13	48	1.01		117.	23	169	0.
	6 <b>3</b> .	13	56	2.79		118.	23	370 375	0.
	64.	13	31	1.85		1 1 9. 1 2 0.	23	380	Ι.
	65.	13	92	2.66		121.	24	153	1.
	66-	13	108	4.45		122	24	187	1. 2.
	67.		51/471	4.82		123	24	204	1.
	68.	13	47	0.68		124	24	230	2.
	69.		22/479	1.86		125.	24	272	2.
	70.		57	1.41		126.	24	317	0.
	71-		119	2,00		127.	24	360	1.
	72.		137	1.57		128.	24	456	3.
	73-		312 .	2.82		129.	25	87	0.
	7 <b>4.</b>		331	0.67		130.	25	205	0.
	75.		64	2.13		131.	25	171	0.
	76.		437	1.74		.132.	25	384	1.
	77.		455	3, 49		133.	25 -		1.
	78.		180	1.81				138	1,
	79.		324	3.25		134.	26		
	80.		207	0,40		135.	26	196	0. 0.
	8 1.	18	66	1.52		136.	26	203	0

1 2 3 4 5 1 2 3 4 5 1 2 3 4 5 1 1 3 3 4 5 1 1 3 1 3 1 1 4 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		·					<del></del>	=		231
138, 26   233	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
138, 26   248   2.53   1.41   194, 30   105   1.182     139, 28   248   2.77   1.60   195, 32   113   1.13     140, 26   277   1.60   195, 32   117   1.182     141, 26   159   0.42   197, 32   117   1.182     142, 26   325   1.56   198, 32   150   1.17     144, 26   338   1.40   200, 32   162   0.20     144, 26   338   1.40   200, 32   162   0.20     145, 26   349   0.76   201, 32   201   1.52     146, 26   351   0.44   202, 32   201   1.52     147, 26   355   1.89   203, 32   254   0.44     148, 26   80   1.40   204, 32   304   0.21     149, 28   124   2.20   208, 32   309   3.14     150, 36   126   7.88   206, 32   310   3.00     151, 26   132   1.41   207, 32   100   1.98     151, 26   154   0.73   208, 32   335   1.07     151, 26   154   0.73   208, 32   335   1.07     152, 26   104   0.28   209, 32   335   1.07     153, 26   104   0.28   209, 32   335   1.07     154, 26   250   0.84   211, 33   334   0.42     156, 26   230   0.84   211, 33   334   0.42     157, 26   352   0.80   211, 33   334   0.42     158, 26   123   1.48   213, 33   334   0.42     159, 26   250   0.84   211, 33   334   0.42     159, 26   250   0.84   211, 33   334   0.42     151, 27   384   0.89   214, 33   339   1.70     158, 26   239   0.46   214, 33   339   1.70     159, 26   239   0.46   214, 33   334   0.42     161, 27   384   0.89   214, 33   344   0.89     161, 27   384   0.89   214, 33   344   0.89     161, 27   385   1.42   218, 33   442   1.31     161, 27   384   0.89   217, 33   442   0.88     168, 27   394   0.28   220   34   226   1.42     169, 27   406   0.78   228   224   35   208   0.85     169, 27   407   0.88   220   34   240   0.88     169, 27   407   0.89   0.38   220   34   240   0.88     169, 27   407   0.49   0.28   220   34   240   0.88     169, 27   407   0.81   0.23   221   34   240   0.88     169, 27   407   0.28   228   224   35   208   0.85     170, 27   408   0.78   0.78   227   36   36   3.38     171, 28   245   1.42   229   36   60   3.38     171, 28   30   0.15   228   33   34   34   34     171, 28   2		137,	26	229	2.76		193.	30	104	0.98
140.		138.	26	233	1.41		194.	30	105	
141. 28 159 0.42 1197, 32 117 1.82 142. 28 325 1.586 198, 32 121 0.68 143. 28 337 1.39 198, 32 150 1.17 144. 26 338 1.40 200, 32 162 0.26 145. 26 349 0.76 201, 32 201 1.52 146. 28 351 0.64 202, 32 232 2.41 147. 26 355 1.89 203, 32 254 0.44 148. 28 60 1.40 204, 32 304 0.21 149. 28 124 2.20 205, 32 309 3.14 150. 28 126 7.88 206, 32 309 3.14 151. 28 122 1.41 207, 32 100 1.98 151. 26 152 1.41 207, 32 100 1.98 151. 26 154 0.73 208, 32 309 3.14 151. 28 258 0.69 201, 32 309 3.14 155. 26 258 0.69 210, 32 309 3.14 156. 28 258 0.69 210, 32 309 3.14 157. 26 352 1.00 210, 32 89 0.86 155. 26 322 1.00 210, 32 89 0.86 155. 26 322 1.00 210, 32 89 0.86 155. 26 352 1.89 0.84 211, 33 302 0.35 157. 26 352 0.80 211, 33 302 0.35 157. 27 385 1.48 21, 31 21, 33 302 0.78 159. 28 329 0.48 21, 33 332 0.79 159. 28 329 0.48 21, 31 31 31 31 30 0.94 161. 27 384 2.11 31 21, 33 309 1.70 160. 28 242 1.31 21, 33 309 1.70 160. 28 242 1.31 21, 33 309 1.70 160. 28 242 1.31 21, 33 309 1.70 160. 28 242 1.31 21, 33 401 0.51 161. 27 386 1.42 21, 33 401 0.51 162. 27 372 1 12 217, 33 401 0.51 163. 27 386 2.81 219, 34 444 0.22 165. 27 394 0.28 220, 34 26 1.42 166. 27 386 1.42 218, 33 42 26, 34 161. 27 386 1.42 218, 33 42 26, 34 162. 27 386 1.42 218, 33 42 26, 34 163. 27 386 1.42 218, 33 42 26, 34 164. 27 386 1.42 218, 33 42 26, 34 165. 27 396 0.77 222, 34 26 8, 1.53 169. 27 406 0.75 228 220, 34 26 8, 1.53 169. 27 404 2.28 220, 34 26 36 24 13.0 171. 27 289 0.39 226, 36 22, 36 36 36, 37 174. 28 246 1.42 228 220, 36 50 3.38 169. 27 405 0.39 226 36 24 13.0 177. 28 30 0.10 0.23 233, 36 36, 37, 27 178. 29 426 3.72 222, 36 6 6 4 1.58 189. 30 14 1.91 2.94 39 188 1.44 180. 29 439 0.55 233, 36 34/2 1.21 180. 29 439 0.55 233, 36 34/2 1.21 180. 29 439 0.55 233, 36 34/2 1.21 180. 29 439 0.55 233, 36 34/2 1.21 180. 29 439 0.55 233, 36 34/2 1.21 180. 29 439 0.55 233, 36 34/2 1.21 180. 29 439 0.55 240, 37 4 2.44 180. 30 14 1.91 2.94 180. 30 14 1.91 2.94 180. 30 14 1.91 180. 30 26 1.21 180. 30 30 4.81 180. 30 14 1.91 180. 30 30 4.81 180. 30 14 1.91 180. 30 40 1.72 244. 3		139.	26	248	2.33		195.	31	23	1.80
142, 26			26				196.	32	113	1.13
143. 26						•	197.	32	117	1.82
144. 26 338 1.40 200. 32 102 0.20 145. 26 349 0.76 201. 32 201 1.52 146. 26 351 0.64 702. 32 202 2.41 147. 26 355 1.89 203. 32 254 0.64 148. 28 60 1.40 204. 32 304 0.21 149. 28 1124 2.20 20 20. 32 309 3.14 150. 26 126 7.88 206. 32 310 3.09 151. 26 136 0.73 206. 32 310 3.09 151. 26 136 0.73 206. 32 335 1.07 153. 26 194 0.28 209. 32 337 3.40 154. 26 256 0.69 209. 32 337 3.40 155. 26 322 1.00 28 210. 32 59 0.86 155. 26 322 1.00 211. 33 302 0.73 158. 26 123 1.48 211. 33 302 0.73 158. 26 123 1.48 211. 33 302 0.73 158. 26 123 1.48 211. 33 302 0.75 158. 26 123 1.48 211. 33 302 0.75 158. 26 320 0.84 211. 33 302 0.75 158. 26 123 1.48 211. 33 304 0.42 159. 26 322 0.60 212. 33 334 0.74 161. 27 364 0.89 214. 33 39 1.70 160. 26 242 1.31 215. 33 400 0.84 161. 27 364 0.89 216. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 216 33 442 1.30 165. 27 394 0.28 281 219. 33 442 1.31 164. 27 364 0.89 213 33 400 0.84 161. 27 364 0.89 213 33 400 0.84 161. 27 364 0.89 216 33 422 1.89 165. 27 394 0.28 281 219. 33 442 1.30 168. 27 385 1.42 218. 33 400 0.84 161. 27 386 0.77 211 34 234 1.46 165. 27 366 0.77 211 34 234 1.46 165. 27 386 1.03 222 34 226 1.42 165. 27 394 0.28 281 229 34 226 1.42 177. 29 30 0.39 226 35 35 225 0.41 177. 29 30 0.39 226 36 59 227 36 50 3.38 188. 27 405 0.98 223 36 50 33 2.37 174. 28 246 3.72 223 3.36 36 36 47 1.41 179. 29 406 0.75 223 324 36 6 6 1.41 171. 27 290 0.39 226 33 36 36 47 2 1.21 179. 29 407 0.61 3.30 222 33 36 36 24/2 1.92 177. 29 300 0.16 223 323 36 36 36/42 1.19 180. 29 447 0.81 3.92 223 36 6 6 1.41 180. 29 447 0.81 3.92 223 36 6 6 1.41 180. 29 447 0.81 3.92 223 36 6 6 1.41 180. 30 4 4 1.72 224 38 8 15 5.66 181. 29 447 0.81 38 1.14 180. 30 4 1 1.14 224 39 1							198.	32	121	0.66
145. 28 349 0.76 201. 32 201 1.52 146. 26 351 0.64 202. 32 232 2.41 147. 26 355 1.89 203 32 254 0.64 148. 26 60 1.40 204. 32 304 0.21 149. 28 124 2.20 205. 32 309 3.14 150. 26 126 7.88 206. 32 310 3.09 151. 26 132 1.41 207. 32 100 1.96 151. 26 132 1.41 207. 32 100 1.96 151. 26 134 0.28 209. 32 309 3.14 153. 26 194 0.28 209. 32 307 3.40 155. 26 322 1.00 2.8 209. 32 307 3.40 155. 26 322 1.00 2.8 209. 32 307 3.40 155. 26 322 1.00 2.10 32 59 0.86 155. 26 322 1.00 2.10 32 59 0.86 155. 26 352 0.80 211. 33 302 0.35 157. 26 352 0.80 211. 33 302 0.35 159. 26 329 0.48 214. 33 399 1.70 180. 26 242 1.31 215. 33 400 0.84 161. 27 364 0.89 216. 33 62 0.82 162. 27 372 1 12 217. 33 401 0.51 163. 27 394 0.89 216. 33 444 0.22 162. 27 372 1 12 217. 33 401 0.51 163. 27 385 1.42 218. 33 444 0.22 165. 27 386 2.81 219. 33 444 0.22 165. 27 386 0.77 211. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 366 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.77 221. 34 226 1.42 165. 27 386 0.98 223. 34 246 0.88 168.] 27 405 0.98 223. 34 246 0.88 168.] 27 405 0.98 223. 34 246 1.63 169.] 27 404 0.75 228 224 35 208 0.85 170. 27 408 0.75 228 224 35 208 0.85 170. 27 408 0.75 228 224 35 208 0.85 170. 27 408 0.75 228 224 35 208 0.85 170. 27 408 0.75 228 224 35 36 50 3.38 1714. 28 246 1.42 229 36 50 3.38 1717. 28 330 0.16 232 323 36 36 57 3.83 1718. 29 448 1.14 227 386 6 1.41 1719. 29 301 0.23 33 30 0.16 182. 29 448 1.14 227 386 6 1.41 183. 30 9 0.55 242 33 36 36 57 0.68 182. 29 448 1.14 227 386 6 1.41 183. 30 9 0.55 242 33 36 36 57 0.68 182. 29 448 1.14 227 386 6 1.41 183. 30 19 0.55 242 33 36 36 57 0.68 182. 29 448 1.14 227 386 44 39 195 1.08 187. 30 52 4.23 224 39 186 1.44 189. 30 14 1.81 224 39 195 1.08 189. 30 20 1.121 245 39 129 195 1.08 189. 30 20 1.121 245 39 129 195 1.08							199.	32	150	1,17
146, 26 351 0.64 202, 32 222 2.41 147, 26 355 1.89 203, 32 254 0.64 148, 26 60 1.40 204, 32 304 0.21 149, 26 124 2.20 205, 32 309 3.14 150, 26 126 7.88 208, 32 310 3.00 1.96 151, 26 132 1.41 207, 32 100 1.96 151, 26 132 1.41 207, 32 100 1.96 151, 26 134 0.28 209, 32 335 1.07 153, 26 154 0.73 208, 32 335 1.07 153, 26 154 0.73 208, 32 335 1.07 155, 26 322 1.00 28 209, 32 337 3.40 155, 26 322 1.00 210, 32 59 0.86 155, 26 322 1.00 210, 32 59 0.86 155, 26 322 1.00 210, 32 59 0.86 155, 26 322 1.00 210, 32 59 0.86 155, 26 329 0.46 211, 33 302 0.35 157, 26 352 0.80 213, 33 344 0.42 159, 26 329 0.46 211, 33 334 0.42 159, 26 329 0.46 211, 33 389 1.70 160, 26 242 1.31 215, 33 400 0.94 161, 27 394 0.89 217, 33 401 0.51 192, 27 372 1 12 215, 33 400 0.94 161, 27 386 2.81 217, 33 442 1.31 164, 27 386 2.81 221, 33 3442 1.31 164, 27 386 2.81 2.81 2.91, 33 444 0.22 18, 33 442 1.31 164, 27 386 2.81 2.81 2.91, 33 444 0.22 186, 27 386 0.77 222, 34 244 0.89 166, 27 386 0.77 222, 34 244 0.89 166, 27 386 0.77 222, 34 244 0.89 166, 27 386 0.77 222, 34 244 0.89 166, 27 404 0.28 220, 34 226 1.42 1.81 166, 27 386 0.77 222, 34 244 0.88 166, 27 404 0.98 223 223, 34 268 1.53 166, 27 405 0.98 223 223, 34 268 1.53 166, 27 404 0.98 228 224, 35 208 0.85 169, 27 404 2.28 229, 36 60, 33 2.37 174, 28 246 1.42 229, 36 60 33 3.39 177, 29 300 0.16 232, 36 30 30, 41 171, 27 299 0.39 226, 36 24 13.00 172, 27 361 1.07 227, 36 30 30, 41 177, 29 300 0.16 232, 36 30 30, 41 177, 29 300 0.16 232, 36 30 30, 41 179, 27 408 0.75 223, 36 30 37 2.37 174, 28 246 1.42 229, 36 60 33 3.39 177, 29 300 0.16 232, 37 36 30 37 2.37 174, 28 246 1.42 229, 36 60 33 3.39 177, 29 300 0.16 232, 37 36 30 30 30 4.4 130, 29 427 0.42 224 33 36 36 37 2.37 174, 28 246 1.42 229, 36 60 33 3.39 177, 29 300 0.16 232, 37 36 30 30 30 44 130, 37 37 174, 28 246 1.42 229, 36 60 33 3.39 177, 29 300 0.16 232, 37 36 36 37 2.27 36 30 30 40 41 1.91 2.94 29 427 0.42 224 234 36 61 1.41 2.97 30 0.16 232, 39 38 442 1.92 1.92 1.92 1.92 1.92 427 0.42 224 234 36 61 1.41 1.91 2.94 2.99 30 1.03 1.91 30 45 1							200.	32	162	0.20
147, 26 355 1.89 203, 32 254 0.64 148, 26 60 1.40 204, 32 304 0.21 149, 26 124 2.20 205, 32 309 3.14 150, 26 126 7.88 266, 32 310 3.09 151, 26 132 1.41 207, 32 100 3.09 152, 26 154 0.73 206, 32 335 1.07 153, 26 104 0.28 209, 32 337 3.40 155, 26 332 1.00 210, 32 59 0.86 155, 26 332 1.00 210, 32 59 0.86 155, 26 332 1.00 210, 32 59 0.86 155, 26 332 1.00 210, 32 59 0.86 155, 26 332 1.00 211, 33 302 0.35 157, 26 352 0.80 212, 33 332 0.79 158, 26 123 1.48 213, 33 334 0.42 159, 28 129 0.46 215, 33 400 0.84 161, 27 320 0.89 216, 33 62 0.82 1621, 27 372 1 12 217, 33 401 0.51 1631, 27 332 1 1.2 217, 33 401 0.51 1632, 27 334 0.89 216, 33 444 0.22 1631, 27 386 2.81 220, 34 226 1.42 1642, 27 386 2.81 220, 34 226 1.42 1652, 27 386 2.81 220, 34 226 1.42 1653, 27 386 1.62 2.81 220, 34 226 1.42 1654, 27 386 1.63 2.81 220, 34 226 1.42 1655, 27 386 0.77 221 34 234 1.00 167, 27 386 1.03 222 34 234 1.00 167, 27 386 1.03 222 34 249 0.88 1683, 27 405 0.98 223, 34 268 1.53 1693, 27 404 2.28 224, 35 208 0.85 170, 27 406 0.75 225 35 225 0.41 171, 27 299 0.39 2.36 36 36 24 13.00 172, 27 381 1.07 227, 36 30 30, 41 171, 27 299 0.39 2.36 36 36 24 13.00 172, 27 361 1.07 227, 36 30 0.41 173, 28 449 0.51 2.28 224, 35 208 0.55 170, 27 406 0.75 225, 35 225 0.41 171, 27 299 0.39 2.36 36 36 24 13.00 172, 27 381 1.07 227, 36 30 0.41 173, 28 449 0.51 2.28 224, 35 208 0.55 170, 27 406 0.75 225, 35 225 0.41 171, 27 391 1.00 2.3 231, 36 87 3.09 177, 29 330 0.16 2.22, 36 36 37 3.09 177, 29 330 0.16 2.22, 36 36 37 3.09 177, 29 330 0.16 2.22, 36 36 57 2.25 179, 29 427 0.42 2.24, 36 30 37 3.76 184, 30 19 2.16 2.38 2.24, 36 33 3.77 174, 28 246 1.42 2.29 36 56 1.41 180, 29 448 1.14 2.27 2.29 36 56 1.41 180, 29 448 1.14 2.27 2.29 36 57 2.25 184, 30 19 2.16 2.38 2.22 2.33 36 36 57 2.69 187, 30 24 242 224 36 1.67 188, 30 19 4.72 2.21 2.44 38 7 0.35 187, 30 22 4.23 224 23 38 181, 1.41 189, 30 14 1.91 2.44 39 195 1.08 189, 30 20 1.21 2.44 39 195 1.08 180, 30 20 1.21 2.44 39 195 1.08							201.	32	201	1.52
1.48.       2.8       60       1.40       2.04.       32       304       0.21         1.49.       2.8       124       2.20       205.       32       309       3.14         1.50.       2.6       126       7.88       208.       32       310       3.09         1.51.       2.6       132       1.41       207.       32       100       1.96         1.53.       2.6       194       0.28       209.       32       335       1.07         1.54.       2.6       258       0.69       210.       32       597       3.40         1.55.       2.6       2250       0.84       211.       33       302       0.35         1.57.       2.6       325       0.80       212.       33       332       0.79         1.58.       2.8       123       1.48       213.       33       334       0.42         1.59.       2.6       329       0.46       212.       33       334       0.42         1.59.       2.6       329       0.46       213.       33       302       0.79         1.59.       2.6       329       0.46       213.								32		2.41
149.   26							203.	32	254	0.64
150, 26										
151. 26										3.14
152. 26				,						3,09
153, 26										
154. 26 258 0.69 210. 32 59 0.86 155. 26 322 1.00 211. 33 302 0.35 156. 26 250 0.84 211. 33 302 0.35 157. 26 352 0.80 212. 33 332 0.79 158. 26 329 0.46 211. 33 309 1.70 160. 26 242 1.31 215. 33 400 0.94 161. 27 384 0.89 216. 33 62 0.82 162. 27 372 1 12 217. 33 401 0.51 163. 27 386 2.81 2.21 217. 33 401 0.51 163. 27 386 2.81 2.21 218. 33 442 1.31 164. 27 386 2.81 2.21 218. 33 442 1.31 164. 27 386 2.81 2.21 219. 33 444 0.22 18. 33 442 1.31 164. 27 386 2.81 2.21 219. 33 444 0.22 18. 33 442 1.31 164. 27 386 2.81 2.21 219. 33 444 0.22 18. 33 166. 27 405 0.98 223. 34 268 1.53 166. 27 405 0.98 223. 34 268 1.53 166. 27 406 0.75 0.98 223. 34 268 1.53 166. 27 406 0.75 0.98 223. 34 268 1.53 166. 27 36 0.88 1.30 1.20 172. 27 36 30 0.41 171. 27 289 0.39 0.39 226. 36 24 13.00 172. 27 36 30 0.41 171. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 28 246 1.42 229. 36 50 33 1.23 174. 29 181. 29 448 1.14 227. 36 64 1.42 229. 36 66 1.44 1.58 180. 29 448 1.14 227										
155.       26       322       1.90       210.       32       59       0.86         165.       26       250       0.84       211.       33       302       0.35         157.       26       352       0.80       212.       33       334       0.42         158.       28       123       1.48       213.       33       334       0.42         159.       26       329       0.46       214.       33       399       1.70         160.       26       242       1.31       215.       33       400       0.84         161.       27       384       0.89       216.       33       401       0.51         162.       27       372       1       12       217.       33       401       0.51         163.       27       385       1.42       218.       33       442       0.81         164.       27       386       2.81       219.       33       444       0.22         165.       27       394       0.28       220.       34       234       1.06         167.       27       398       1.03       222.       3							209.	32		3.40
156.								32		0.86
157.       26       352       0.80       212.       33       332       0.79         158.       26       123       1.48       213.       33       334       0.42         159.       26       329       0.46       214.       33       399       1.70         180.       26       242       1.31       215.       33       400       0.94         161.       27       364       0.89       216.       33       62       0.82         162.       27       372       1.12       217.       33       401       0.51         163.       27       386       2.81       219.       33       442       1.31         164.       27       396       0.28       220.       34       226       1.42         166.       27       398       1.03       222.       34       226       1.42         167.       27       398       1.03       222.       34       249       0.88         168.       27       405       0.98       223.       34       266       1.53         169.       27       404       2.28       224.       35 <t< td=""><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td>0.35</td></t<>										0.35
158.       26       123       1.48       213.       33       334       0.42         159.       26       329       0.46       214.       33       399       1.70         160.       26       242       1.31       215.       33       400       0.94         161.       27       364       0.89       216.       33       62       0.82         162.       27       372       1       12       217.       33       401       0.51         164.       27       386       1.42       218.       33       442       1.31         164.       27       386       2.81       219.       33       444       0.22         165.       27       394       0.28       220.       34       226       1.42         166.       27       398       0.77       221.       34       234       1.02         167.       27       398       1.03       223.       34       249       0.88         168.       27       405       0.98       223.       34       249       0.88         169.       27       406       0.75       225       35										
159.       26       329       0.46       214.       33       369       1.70         160.       26       242       1.31       215.       33       400       0.94         161.       27       384       0.89       216.       33       62       0.82         162.       27       372       1       12       217.       33       401       0.51         163.       27       385       1.42       218.       33       442       1.31         164.       27       386       2.81       220.       34       226       1.42         165.       27       394       0.28       221.       34       226       1.42         166.       27       396       0.77       221.       34       234       1.66         167.       27       398       1.03       222.       34       249       0.88         168.       27       405       0.98       223.       34       266       1.53         169.       27       404       2.28       224.       35       205       0.41         171.       27       299       0.39       226.       3										
160.       26       242       1.31       215.       33       400       0.84         161.       27       364       0.89       216.       33       62       0.82         162.       27       372       1 12       217.       33       401       0.51         163.       27       385       1.42       218.       33       442       1.31         164.       27       386       2.81       219.       33       444       0.22         165.       27       396       0.77       221.       34       226       1.42         166.       27       396       0.77       221.       34       234       1.06         167.       27       398       1.03       222.       34       249       0.88         168.       27       396       0.75       221.       34       268       1.53         169.       27       405       0.98       223.       34       268       1.53         169.       27       406       0.75       225.       35       225       0.41         171.       27       299       0.39       226.       36 <t< td=""><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></t<>										
162. 27 372 1 12 217. 33 401 0.51 163. 27 385 1.42 218. 33 442 1.31 164. 27 386 2.81 219. 33 444 0.22 165. 27 394 0.28 220. 34 226 1.42 166. 27 396 0.77 221. 34 234 1.06 167. 27 398 1.03 222. 34 249 0.88 168. 27 405 0.98 223. 34 268 1.53 169. 27 404 2.28 224. 35 208 0.55 170. 27 406 0.75 225. 35 225 0.41 171. 27 299 0.39 226. 36 24 13.00 172. 27 361 1.07 227. 36 30 0.41 173. 28 143 3.20 227. 36 30 0.41 173. 28 143 3.20 227. 36 30 0.41 173. 28 143 3.20 227. 36 30 0.41 173. 28 143 3.20 227. 36 30 0.41 173. 28 143 3.20 228. 36 33 2.37 174. 28 246 1.42 229. 36 50 3.38 175. 28 449 0.51 230. 36 53 1.23 176. 29 301 0.23 231. 36 83 3.99 177. 29 330 0.16 232 331. 36 83 3.99 177. 29 330 0.16 232 36 106 2.60 178. 29 426 3.72 233. 36 36/472 1.21 179. 29 427 0.42 234. 36 6 1.41 180. 29 439 0.55 235. 36 15 2.65 181. 29 447 0.81 236. 36 37 0.69 182. 29 448 1.14 237. 36 64 1.58 183. 30 19 2.16 238. 36 55 1.79 184. 30 26 0.59 239. 36 55 1.79 185. 30 49 1.72 241. 38 7 0.36 187. 30 52 4.23 242. 39 181 1.70 188. 30 98 1.88 243 39 188 1.44 189. 30 14 1.91 244. 39 195 1.08 190. 30 20 1.21 245. 39 228 2.37 191. 30 45 1.78										
163.1       27       385       1.42       218.       33       442       1.31         164.1       27       386       2.81       219.       33       444       0.22         165.       27       394       0.28       220.       34       226       1.42         166.       27       396       0.77       221.       34       234       1.06         167.       27       398       1.03       222.       34       249       0.88         168.2       27       405       0.98       223.       34       268       1.53         169.2       27       404       2.28       224.       35       208       0.55         170.27       406       0.75       225.       35       225       0.41         171.1       27       299       0.39       226.       36       24       13.00         172.2       27       361       1.07       227.       36       30       0.41         173.2       28       143       3.20       228.       36       33       2.37         174.2       28       246       1.42       229.       36       50		161.	27	364	0.89					
164, 27 386 2.81 219, 33 444 0.22 164, 27 394 0.28 220, 34 226 1.42 166, 27 396 0.77 221, 34 234 1.06 167, 27 398 1.03 222, 34 268 1.53 169, 27 405 0.98 223, 34 268 1.53 169, 27 404 2.28 224, 35 208 0.55 170, 27 406 0.75 225, 35 225 0.41 171, 27 299 0.39 226, 36 24 13.00 172, [27 361 1.07 227, 36 30 0.41 173, 28 143 3.20 228, 36 33 2.37 174, 28 246 1.42 229, 36 50 3, 38 175, 28 449 0.51 230, 36 53 1.23 176, 29 301 0.23 231, 36 83 3.99 177, 29 330 0.16 232, 36 106 276 178, 29 426 3.72 233, 36 36/472 1.21 179, 29 427 0.42 234, 36 6 1.41 180, 29 439 0.55 235, 36 15 2.66 181, 29 447 0.81 234, 36 6 1.41 180, 29 439 0.55 235, 36 15 2.66 181, 29 448 1.14 237, 36 64 1.41 180, 29 439 0.55 235, 36 15 2.66 181, 29 448 1.14 237, 36 64 1.58 183, 30 19 2.16 238, 36 37 0.69 182, 29 448 1.14 237, 36 64 1.58 183, 30 19 2.16 238, 36 55 1.79 184, 30 26 0.59 239, 36 34/2 1.92 185, 30 27 1.05 240, 37 4 2.47 186, 30 49 1.72 241, 38 7 0.36 187, 30 52 4.23 242, 39 181, 1.70 188, 30 98 1.88 243, 39 188 1.44 189, 30 14 1.91 244, 39 195 1.08 190, 30 20 1.21 245, 39 228 2.37 191, 30 45 1.78		162.	27	372	1 12					
164, 27       394       0.28       220.       34       226       1.42         166. 27       396       0.77       221.       34       234       1.06         167. 27       398       1.03       222.       34       249       0.88         168. 27       398       1.03       223.       34       268       1.53         169. 27       404       2.28       224.       35       208       0.55         170. 27       406       0.75       225.       35       225       0.41         171. 27       299       0.39       226.       36       24       13.00         172. [27       361       1.07       227.       36       30       0.41         173.] 28       143       3.20       228.       36       33       2.37         174. 28       246       1.42       229.       36       50       3.38         175. 28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176. 29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177. 29       330       0.16       232.       36       106       216		163.	27	385	1,42					
166.       27       396       0.77       221.       34       234       1.06         167.       27       398       1.03       222.       34       249       0.88         168.       27       405       0.98       223.       34       249       0.88         169.       27       404       2.28       224.       35       208       0.55         170.       27       406       0.75       225.       35       225       0.41         171.       27       299       0.39       226.       36       24       13.00         172.       [27       361       1.07       227.       36       30       0.41         173.       28       143       3.20       228.       36       33       2.37         174.       28       246       1.42       229.       36       50       3.38         175.       28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176.       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       1		164.	27	386	2.81					
167.       27       398       1.03       222.       34       249       0.88         168.       27       405       0.98       223.       34       268       1.53         169.       27       404       2.28       224.       35       208       0.55         170.       27       406       0.75       225.       35       225       0.41         171.       27       299       0.39       226.       36       24       13.00         172.       [27]       361       1.07       227.       36       30       0.41         173.       28       143       3.20       228.       36       33       2.37         174.       28       246       1.42       229.       36       50       3.38         175.       28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176.       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       106       2.60         179.       29       427       0.42       234.       36		165.	27	394	0.28					
168.]       27       405       0.98       223.       34       268       1.53         169.]       27       404       2.28       224.       35       208       0.55         170.       27       406       0.75       225.       35       225       0.41         171.]       27       299       0.39       226.       36       24       13.00         172.       [27]       361       1.07       227.       36       30       0.41         173.]       28       143       3.20       228.       36       33       2.37         174.]       28       246       1.42       229.       36       50       3.38         175.       28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176.]       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       106       2.60         178.]       29       426       3.72       233.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36			27	396	0.77					
169.       27       404       2.28       224.       35       208       0.55         170.       27       406       0.75       225.       35       225       0.41         171.       27       299       0.39       226.       36       24       13.00         172.       [27       361       1.07       227.       36       30       0.41         173.       28       143       3.20       228.       36       33       2.37         174.       28       246       1.42       229.       36       50       3.38         175.       28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176.       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       106       2.60         178.       29       426       3.72       233.       36       36/472       1.21         179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36						,				
170. 27 406 0.75		_								
171.1       27       299       0.39       226.       36       24       13.00         172.       [27]       361       1.07       227.       36       30       0.41         173.]       28       143       3.20       228.       36       33       2.37         174.1       28       246       1.42       229.       36       50       3.38         175.       28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176.]       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       106       2760         178.]       29       426       3.72       233.       36       36/472       1.21         179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36										
172.       27       361       1.07       227.       36       30       0.41         173.       28       143       3.20       228.       36       33       2.37         174.       28       246       1.42       229.       36       50       3.38         175.       28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176.       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       106       2760         178.       29       426       3.72       233.       36       36/472       1.21         179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55 <td></td>										
173.]       28       143       3,20       228.       36       33       2,37         174.]       28       246       1,42       229.       36       50       3,38         175.       28       449       0,51       230.       36       53       1,23         176.]       29       301       0,23       231.       36       83       3,99         177.       29       330       0,16       232.       36       106       2,60         178.]       29       426       3,72       233.       36       36/472       1,21         179.       29       427       0,42       234.       36       6       1,41         180.       29       439       0,55       235.       36       15       2,65         181.       29       447       0,81       236.       36       37       0,69         182.       29       448       1,14       237.       36       54       1,58         183.]       30       19       2,16       238.       36       55       1,79         184.]       30       26       0,59       239.       36										,
174.       28       246       1.42       229.       36       50       3.38         175.       28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176.       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       106       2.60         178.       29       426       3.72       233.       36       36/472       1.21         179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4 <td></td>										
175.       28       449       0.51       230.       36       53       1.23         176.       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       106       2.60         178.       29       426       3.72       233.       36       36/472       1.21         179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7		•								
176.       29       301       0.23       231.       36       83       3.99         177.       29       330       0.16       232.       36       106       2.60         178.       29       426       3.72       233.       36       36/472       1.21         179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181										
177.       29       330       0.16       292.       36       106       2:60         178.       29       426       3.72       233.       36       36/472       1.21         179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181       1.70         188.       30       14       1.91       244.       39       195										
178.       29       426       3.72       233.       36       36/472       1.21         179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181       1.70         188.       30       98       1.88       243.       39       188       1.44         189.       30       14       1.91       244.       39       195										
179.       29       427       0.42       234.       36       6       1.41         180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181.       1.70         188.       30       98       1.88       243.       39       188       1.44         189.       30       14       1.91       244.       39       195       1.08         190.       30       20       1.21       245.       39       228										
180.       29       439       0.55       235.       36       15       2.65         181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181       1.70         188.       30       98       1.88       243.       39       186       1.44         189.       30       14       1.91       244.       39       195       1.08         190.       30       20       1.21       245.       39       228       2.37         191.       30       45       1.78       246.       39       326							234.	36		
181.       29       447       0.81       236.       36       37       0.69         182.       29       448       1.14       237.       36       54       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181       1.70         188.       30       98       1.88       243.       39       188       1.44         189.       30       14       1.91       244.       39       195       1.08         190.       30       20       1.21       245.       39       228       2.37         191.       30       45       1.78       246.       39       326       0.81							235.	36	15	2.65
182.       29       448       1.14       237.       36       64       1.58         183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181.       1.70         188.       30       98       1.88       243.       39       186       1.44         189.       30       14       1.91       244.       39       195       1.08         190.       30       20       1.21       245.       39       228       2.37         191.       30       45       1.78       246.       39       326       0.81							236.	36	37	0.69
183.       30       19       2.16       238.       36       55       1.79         184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181       1.70         188.       30       98       1.88       243.       39       186       1.44         189.       30       14       1.91       244.       39       195       1.08         190.       30       20       1.21       245.       39       228       2.37         191.       30       45       1.78       246.       39       326       0.81							237.	36	54	1.58
184.       30       26       0.59       239.       36       34/2       1.92         185.       30       27       1.05       240.       37       4       2.47         186.       30       49       1.72       241.       38       7       0.36         187.       30       52       4.23       242.       39       181       1.70         188.       30       98       1.88       243.       39       188       1.44         189.       30       14       1.91       244.       39       195       1.08         190.       30       20       1.21       245.       39       228       2.37         191.       30       45       1.78       246.       39       326       0.81							238.	36	55	1.79
185.     30     27     1.05     240.     37     4     2.47       186.     30     49     1.72     241.     38     7     0.36       187.     30     52     4.23     242.     39     181     1.70       188.     30     98     1.88     243.     39     186     1.44       189.     30     14     1.91     244.     39     195     1.08       190.     30     20     1.21     245.     39     228     2.37       191.     30     45     1.78     246.     39     326     0.81							239.	36	34/2	1.92
186.     30     49     1.72     241.     38     7     0.36       187.     30     52     4.23     242.     39     181.     1.70       188.     30     98     1.88     243.     39     188     1.44       189.     30     14     1.91     244.     39     195     1.08       190.     30     20     1.21     245.     39     228     2.37       191.     30     45     1.78     246.     39     326     0.81								37	4	
187.     30     52     4.23     242.     39     181     1.70       188.     30     98     1.88     243.     39     188     1.44       189.     30     14     1.91     244.     39     195     1.08       190.     30     20     1.21     245.     39     228     2.37       191.     30     45     1.78     246.     39     326     0.81			30					38		
189.     30     14     1.91     244.     39     195     1.08       190.     30     20     1.21     245.     39     228     2.37       191.     30     45     1.78     246.     39     326     0.81		_			4,23					
190.     30     20     1,21     245.     39     228     2.37       191.     30     45     1,78     246.     39     326     0.81		188.]	30	98	1.88					
191. 30 45 1,78 246, 39 326 0.81		189.	30	14	1.91					
		190.	30	20	1,21					
192.] 30 95 1.44 247. 39 328 0.78			30	45	1,78					
		192.	30	95	1,44		247.	39	328	0.78

.38	THE GAZE	115	OF INDIA	1	6, 1965/FAUSA	10, 1504		_,	
1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	248,	39	167	0.54		303.	45	152	1.51
	249.	40	170	0,38		304.	45	259	3,20
	250.	40	300	0,30		305.	45	291	0.15
	251.	40	366	0.88		306.	45	342	0.48
	252.	40	395	0.97		307.	4 5	353	0.71
	253.	40	403	0.73		308.	45	354	0.88
	254.	40	410	1.40		309.	46	11	3.50
	255.	41	99	2,09		310.	46	74	1.00
	256.	41	197	0.59		311.	46	275	0.64
	257.	41	202	1,39		312.	46	279	0.46
	258.	41	216	9,10		313.	46	280	0.74
	259.	41	223	1.48		3 I <b>4</b> ,	46	363	1.18
	260.	41	227	2.65		315.	47	1	0,17
	261.	41	81/475	2.65		316.	48	267	3.40
	262.	41	250	1.76		317.	48	327	1,08
	263.	4 (	321	1.89		318.	49	273	0.43
	264.	41	391	2.06		319.	49	274	0.93
	265.	41	425	2.79		320.	49	381	0.66
	266.	41	458	3.48		321.	49	421	4,25
	267.	41	136/474	0.59		322.	49	422	0.21
	268.	42	86	1.31		323.	50	183	5.23
	269.	42	198	1.02		324	50	186	1,96
	270.	42	199	2.78		325.	50	245	1,01
	271.	43	160	0.69		326.	50	270	1.09
	272.	43	316	3.22		327.	50	278	2.35
	273.	43	453	7.21		328.	50	305	0,32
	274.	34	135	2.18		329.	50	435	1,55
,	275.	43	148	1.20		330.	50	436	0,93
	276.	43	215	5,22		331.	51	303	0.10
	277.	43	257	2.66		332.	51	438	0.72
	278.	43	123	2.97		333.	51	443	1,48
	279.	43	139	1.42		334.	51	461	2,02
	280.	43	122	1.27		335.	52	67	4.48
	281.	44	173	0.71		336.	52	127	3,00
	282.	54	383	0.49	٩	337.	52	131	4,31
	283.	44	411	2.26		338.	52	174	1.01
	284. 285.	44	428	0.80		339.	52	243	1.08
	286.	44	429	1,71		340.	52	289	2.02
	•	44	430	0.81		341.	52	358	1.78
	287. 288.	44	470	6.61		342.	52	71	1.90
	289.	44	432 433	1.01		343. 344.	53	365	3.05
	290.	44	434	0.41		344.	53	. 367	2.09
	291.	44	465	0.56 0.42		346.	54	415	0.66
	292.	44	468	7.08		347.	55 55	251 265	1.65
	293.	44	209	0.19		348.	55	265 454	1.88
	294.	44	224	0.18		349.	56	276	2.52
	295.	44	431	1.11		350.	56	462	0.23 1.98
	296.	44	211/477	0.69		351.	57	101	
	297.	44	63	1.18		351. 352.	57		0,11 1,41
	298.	45	9	0.52		353.	57	118 220	1.41
	299.	45	61	2.70		354.	5 <i>7</i>	260	
	300.	45	69	1.35		355.	57	313	0.81
	301.	45	72	1.60		356.	57		2,88
	302.	45	147	1.55		357.	5 <i>7</i>	314 318	0.96 0.51

2	3	4	5	1	2	3	4	5
 358.	58	58	0.71		412.	72/6	340	2.0
359.	58	211	1.70		413.	68	392	1.9
360.	59	3	0.41		414.	68	413	1,1
361.	59	206	0.92		415	68	423	2,63
362.	60	16	10.00		416.	68	457	2.38
363.	61	1 3 3	3.03		417.	68	464	0.40
364.	61	144	1.83		418.	68	70	0 89
365.	61	184	0.81		419.	69	214	1.7
366.	61	240	1.30		420	69	287	0.19
367.	61	296	0.39		421.	68	296	0,92
368.	61	336	1.79		422.	69	376	1.71
369	61	339	4,63		423.	72/5	387	0.64
370	61	341	2.67		424.	69	463	0.60
371.	61	164	1.79		425.	69	465	0.58
372.	62	80	1.71		426.	69	467	0.93
373.	62	371	0.66		427.	69	469	2.58
374.	62	378	0.62		428.	69	108/473	0.39
375.	63	219	1.86		429.	70	68	1,58
376.	63	238	1.93		430.	70	84	0.93
377.	63	459	4.13		431.	70	120	1.41
378.	63	460	5.37		432.	70	146	0.60
379.	64	356	1.88		433.	70	157	1.63
380.	6 <b>4</b>	362	2.75		434.	70	244	1.25
381.	65	129	4.11		435.	70	315	2.38
<b>3 ₱ 2</b> .	65	145	2.72		436.	70	357	2.68
383.	66	73	0.69		437.	70	381	0.06
384.	66	176	1.77		438.	71	89	0.69
385.	66	177	0,98		439.	71	377	1.35
386.	66	179	2.69		440.	71	382	1.82
387.	66	290	6.38		441.	71	390	1.3€
388.	66	344	0.44		442.	71	407	0.48
389.	66	346	0.34		443.	71	416	2.42
390.	66	452	0.91		444.	71	445	0.31
391.	66	241	22.50		445.	72	414	3.32
392.	66	288	0.33		446.	72	418	0.48
393.	66	343	0.44	•	447.	72/3	200	0.84
394.	66	345	0,63		448.	73	253	0.28
395.	67	75	0,80		449.	73	140	0.72
<b>39</b> 6.	67	373	0.80		450.	73	142	1.11
39 7	6 <b>7</b>	78	0.68		451.	73	82/481	0.09
3 9,8.	67	379	0.82		452.	74	359	35,90
399.	68	96	1,88		453.	74	149	0,1
400.	68	97	1,21		454.	74	158	60.90
401.	62	115	1.62		455.	74	185	10.00
402.	62	155	0.59		456.	74	237	14.8
403.	68	163/1	1.29		457.	74	424	25.24
404.	68	178	1.74		458.	74	308	0 47
405.	68	182	0.43		459.	74	420	1.41
406	68	193	0.97		460.	74	18	0.82
407.	68	221	1.03		461.	74	38	2.45
408.	68	247	0.82		462.	74	43	3.97
409.	68	252	0.50		463.	74	51	1.21
410.					464.	74	165	0.31
410.	68	269	1.54		404.	/ 4	100	1.38

	<del></del>			<u></u>					
1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	466.	75	192	1.08		43.	11	86	0.25
	467.	76	91	0,73		44.	12	10	1.44
	468.	76	141	0.66		45.	12	39	2.94
	469.	77	271	1.28		46.	12	61	0.08
	470.	77	83	50.00		47.	12	63	1.37
	471.	77	109	14.50		48.	12	123	0.32
	472.	77	189	2.77		49.	12	149	0.30
	473.	77	190	0.89		50-	12	155	0.20
	474.	77	236	10.00		51-	13	111	0,31
	475.	77	409	11.60		52.	13	136	0,17
	476.	77	412	4.72		53.	14	9	0.77
	477.	77	209/480	0.36		54.	14	15	0.98
	ग्राम बारंगापुट पु	लस बान	। सेमजीगुडा जिला			5 5.	14	18	1.58
	1.	1	4	2.51		56.	14	24	2.47
	2.	1	6	1.90		57.	14	52	0.40
	3.	1	35	0.37		58,	14	58	0.70
	4.	1	31	0.20		59.	14	62 77	0.99
	5.	1	75	1.65		60. 61-	14 14	125	0.79 0.32
	€.	1	124	0.21		62.	14	133	0.32
	7.	1	150	0.30		63.	14	145	0.19
	8.	1	152	0.16		64.	14	156	0.20
	9.	2	121	0.27		65.	14	164	0.41
	10.	2	170	0.43		66.	1 5	53	0.23
	11.	3	16	2.49		67.	15	119	0.12
	12.	3	40	0.60 2.00		68-	15	174	0.43
	13.	3	72	0,21		69.	15	131	0.37
	14.	3 3	140 153	0.20		70-	16	85	0.26
	1 5. 1 6.	4	130	0.11		71.	17	19	2.09
	17.	5	5	1.07		72.	17	20	0.42
	18.	5	30	0.29		73.	17	26	0.18
	19.	5	36	2.35		74-	17	46	2.69
	20.	5	47	0.77		75.	17	79	1.18
	21.	5	65	1.20		76.	17	92	0.33
	22.	5	68	1.32		77.	17	122	0.31
	23.	5	74	0.68		78.	17	134	0.07
	24.	5	100	0,09		79.	17	151	0.32
	25.	5	113	0.29		80-	17	157	0.19
	26.	5	115	0.08		81.	. 17	44	1.90
	27.	5	137	0.29		82.	18	99	0,19
	28.	5	143	0.19		83.	18	107	0.30
	29.	5	139	0.29		84.	18	117	0.17
	30.	6	112	0.36	•	85.	18	118	0.26
	31.	7	7	3,39		86.	19	83	0.12
	32.	7	8	1.30		87.	20	88	0.96
	33-	7	13	0.82		88-	21	11	1.10
	34.	7	25	1.66		89.	21	17	1.89
	35.	7	116	0.20		90. 91.	21 21	33 34	0,26 0,27
	36.	7	139	0.29		91.	21	38	2.02
	37.	7	142	0,17		93.	21	45	1.33
	38-	7	158	0,18		94.	21	54	
	39.	8	173	0.14		94.	21	70	0,89 1,27
	40.	9	208	0.98					1.27
	41.	9	180	0.28		96.	21	7 l	1.19
	42.	10	93	0.41		97.	21	73	1.77

1	2	2 3	4	5		1	2	3 4	5
	98	21	96	2,80			153	28 9	7 1.50
	99	21	101	0.15			r 154	29 9	4 3.21
	100	<b>2</b> 1	104	0.19			155	30 1	20 0.38
	101	21	132	0.35			156		63 0.61
	102	21	135	0.34			157		79 1.43
	103	21	138	0.32		•	158	31 8	
	104	21	141	0.17			159	31/1 3	
	105	21	146	0 . 30			160	31/1 9	
	106	21	147	0,24			161	31/1 8: $31/1$ 10	
	107	21	177	1.70			162 163	31/1 16 31/1 16	
	108	22	55	0.45			वासं <b>भन्ना</b> गन		0.13 । सैमलीगुढा जिला कोरापुट
	109	22	57	0.70				2000 400	
	110	22	128	0,21	क ० सं •	चाता सं •	प्लाट सं०	भोव (एकड़)	मीमा
	111 112	22 22	129 163	0.33 0.68	1	2		<del></del> -	5
	112	22	176	0.84			<del></del>		उ० मैगाइन गोडा द०
	114	23	91	0.90	1	1	785	2.34	उठ अनाइच गाडा वर्ण अन्योखा
	115	24	90	1,11	2	r	789	1.04	
	116	25	3	2.26	2	г 1	802	1.78	उ॰ मुलीजानी व∙ गुरमूकेटा
	117	25	14	0.68	4	1	796∤ <b>967</b>	2.84	उ० धानुगोडा द० वामन
	116	25	21 '	1,40	*	•	701900	2.04	जोडी गांव
	119	25	22	0,00	5	9	865	2.00	छ० पहाचाद० वेंगा <b>नुद</b> शी
	120	25	23	1.37	6	2 8	901	0.90	- <b>इ० स्वयं द० मुलिमाजानी</b>
	121	25	27	1.92	7	5	902	0.30	उ० मगतिया भोई द० स्वयं
	122	25	28	2.56	8	10	962	1,07	उ० बुदूभोई द० पाविका
	123	25	29	0.28	9	10	852	1,21	उ॰ गोदिया भोषे द०
	124	25	49	O.78	-	- •		-,	बांबुलू
	1 25	25	50	0.37	10	10	857	0.74	उ॰ विगू <b>ष्</b> षिया <b>प+ वा</b> रा
	126	25	59	0.71					<u>भा</u> तन
	127	25	64	1.11	11	15	884	3.25	अ <b>० पहाडाद०</b> ना <b>न</b> ा
	126	25	66	1.63	12	15	480	0.86	उ॰ बोरापालन द॰
	129	25	67	1.57					डोराचासन
	130	25	69	1.07	13	16	<b>8</b> 3 <b>7</b>	1.00	<b>उ० मुबूने</b> डिया द० डोरा
	131 132	25	76	3.52					चालन
	133	25 25	105 114	0.06 0.25	14	13	851	0.87	उ० मंगीतीभीई द० कैसाचा
	134	25	138	0.46					भोई
	135	25	144	0, 19	15	16	896	0.39	उ० डींगरूमीई द०
	136	25	148	0.24	10		0.00	0.14	दामनजोडी गांव उ० पटीटा द० पटीटा
	137	35	154-	0.34	16	16	830		
	138	35	30/181	0.24	17	17	867	_ 1,29	उ∙ वैंगामुङली व० वॉबूक् चासन
	139	2.5	160	0.20	18	10	071	7. 44	च।लग उ० बोड्मोई द∙ <b>चैतुमोई</b>
	140	25	1 # 6	0.58	19	19 20	871 922	0.63	उ० मुलियाभोई द० मुरुणा
	141	26	56	0.72	15	_0	V 4 2	0.03	भोई
	142	26	102	0.08	20	25	872	2,03	i
•	143	26	103	0,46				-, -,	भोर्ड
	144	26	109	0.20	21	25	957	0.7E	उ॰ मगतियाभोई द॰ गाँडा-
	145	26	110	0.44					भोई
	146	26 26	127	0.20	22	26	910	0,24	उ० पटीटा <b>व०पाटिया</b>
	147	26	167	0.31	23	26	965	0.33	उ० स्वयं द० स्वयं
	148 149	26 26	16 <b>6</b> 169	0.11 0.23	24	27	775	0.99	उं० स्वयं द० दामनजोशी
	150	26	171	0.37	25	30	791	1,58	उ० मगतिया गो <b>डा च</b> ०स्वय
	151	26	175	0.78	26	30	792	0,91	उ॰ स्वर्ग व॰ नासा

	<del></del> .				- 12			
1	2	3	4 5	1 -	2	3	4 4	<u>5</u>
			40 ~ make a make	66	52	818	1.48	उ० पहाँडा ६० स्थ्य
28	30	797	1.48 छ० सुकूनोई द० धानूभोई	67	5.2	846	0 38	उ॰ नामा द० पहाडो
34	30	803	0.63 उ <b>० ग्रलकागोडा द० धा</b> नू-	68	52	858	1.11	उ॰ पहाडा द० माध् चालन
			गोडा	67	62	853	0 80	उ० कोमबाभोई
30	32	895	2.42 उ॰ मानूसोडा द० गंगा-					द० डोगमुद्भूली 🧸
			श्र <b>रमोर्ड</b>	70	52	868		ত্ত নালা <b>হ</b> ০ তাম <b>খানন</b>
3.1	32	912	0.30 उ॰ पटीटा द॰ पटीटा	71	52	900	2.25	उ० नामा द० म लिया आर्मी
32	32	915	०.82 प्र∙स्तरंद∙दामनजोडी	72	52	839	1.73	उ० गम्ब्रुकानी द० नाला
33	3 4	913	० 22 स्त∙ पाक्रिया व∙पठीटा	7 3	52	957		उ० पहाडा ६० पाडिया
34	34	91 🕈	1.26 उ० दारामुकुनी द∙वामन-	74	54	876	2,02	उ० मन <b>िमो</b> र्षि - —- ेर
			जो <b>डी</b>					द० मुकुरसीर्ष
35	40	860	1.15 उ॰ बंडाका भारत द॰	75	54	880	2.26	उ० नाला द० सुकुराभोटि 
			, गंगावर मासी	76	54	934	1.82	उ० डॉरा मुड्नी 
36	40	869	1.86 उ० मदिकूचालन व०					द्रुप्रेणी भीडी जन्मीच्या स्टूटन जन्म स्टूटन
			<b>बुरू</b> यामोई	77	54	958	1.48	उ० नैननमाई द० लाडाभोई
37	40	888	1.38 उ≁ केसबामाई द॰ धानू~	78	56	786	2 19	उ० नोडिया जानी
			मोई	20	<b>.</b>	700		य॰ श्रलका गोडा उ० पहाडा त० आसूनोडा
38	40	823	०. <b>५</b> ० उ० गुरज् <b>दामीय∙पविया</b>	79	56	790 , 801		उ० पहाडा द० जामूगाः। उ० प्रलका गोडा
39	40	546	●.85 उ॰ स्वयं व॰ पहासा	80	56	801	0 20	
40	41	897	0, 11	<b>8</b> 1	56	828	Λ μφ.	द० हानू गोडा उ० वाराज्ञामी द०मुक्त कोई
41	41	829	0.15 उ• पटीटा द॰ पर्टिमा	82	58	849		उ० नामा द० संगीतियां भी है
42	42	854	। ৫০ ও০ শবিক্ৰাজন হ০বামন	83	58	886		उ० पहाडा द० क्षेत्रवा <b>मा</b> ई
			जोडी गांव	84	60	768	4 21	उ० च्याडा द० स्पर्ध
4.3	42	891	1.14 ७० जासूभीई दण्ह्वय .	85	60	769	2,30	उ० स्थयं कु० स्त्रय
44	42	892	2 19 उ० स्वयं <b>प०स्वय</b>	86	60	770	2.13	उ० स्वय द० स्वय
4.5	42	893	2 25 ड० स्वयं द०स्वय 1 31 ड० स्वयं द० धामनजोक्षी	87	60	771		उ० स्त्रयं द० गांचर
46	1.2	894	•	88	60	772/1		उ० स्था देश प्रिया जानी
			गान	89	60	776	0.74	उ० µवर द० राध
47	4.2	929	4.15 उ <b>॰ पहासा द०</b> नाला	40	60	781		उ० स्त्रयं द० गांत्र दामनकांडी
18	42	935	0 84 उ <b>० मुलियाजा</b> नी	91	6.0	782	1 74	उ० गाचर व० स्वयं
			व॰ गोंडामोर्ड	92	61	777	0,89	उ० गोचर द० दामनजीकी
19	4 2	940	0.41	93	61	778	0.81	उ० गांचर द० डामनजीडी
50	42	548	0 85 उ० नाला द०जयरामभोई 1.60 उ० स्वय द० टोम्बूभोई	94	. 66	822	0 50	उ० डोंग छात्रत ६० पडिया
51 52	4 <u>-</u> 4 4	918 890	1.60 उ० स्मय द० टोम्मूभीई 3.31 उ० खेराजालन द० डोरा	9.5	66	827	1, 59	उ० बर्गा जानो द०
2.5	44	670	उ.त. ३० आसमानम ४० अस म् <b>बु</b> र्ना					गगाबर माजो
53	46	834	सुद्वार ७.०५ उ० वाराझ डामी द०	96	66	832	2 0 \$	उ० पडिया द० पडिया
.,,	10	00-1	गंगा <b>बार मा</b> झी	97	66	833	2 81	उ० मुरू ज्ञानी द० स्वर्ष
5 1	48	783	। 65 उ० <b>धन</b> कागेडा द०	48	66	845	1 30	उ० नोया द० पहाडा
	.,.	700	दासत्तवाडी गांध	99	66	693	1 51	उ० माभना द० स्वयं
5.5	48	788	0.66 उ०वर्तका गोडा	100	66	692	1.24	उ० स्वय द० <b>अनाबा</b> दी
- 1,	(.,		द० लक्षियाजानी	101	66	691	1,00	उ० स्वयं ६० प <b>हि</b> या
56	48	796	1.74 उ० बानु गोडा व० धनमा गींडा	102	68	838	0 72	उ० बानड्कू चालन
57	48	799	3,67 उ॰ सुकुक मोर्ड					द० बासडुकू भोई
	•		द० मिलयाजामी	103	66	820	2.10	उ∙ हेमोगुडिया द० नाला
58	48	805	0 63 <b>उ० वेंगी</b> टी गीडा	104	66	690	0.05	उ० नीदिया जानी द० स्वयं
			द॰ लीविया जानी	105	70	870	1.35	उ० डोरा चालन द० गोडा <b>फो</b> ।
59	48	807	2 01 उ० स्थवं द० दामनजोड़ी	106	70	874	2 14	उ• मुलियाभोई द०
60	50	758	1.76 उ० रेली कोई द०रैं ली भो					मगीतिया भोई
61	50 50	760	1:26 ड० रेली भोई द० रेली भोई 1:26 ड० रेली भोई द० रेली भोई	107	71	923	0.87	
62	50	761	0.97 उ० रेली मोई द•रेली मोई					द० धासनजोडी
63	50	816	0.97 ३० रना माद <b>५०</b> रना माह 1 28 ३० मुलिया जानी <b>४० नाजू</b> ।	108	72	806	1 03	उ० बीडाभोई
64	50 50	939	1 28 3० मुलिया जीना <b>व० नाजू</b> 0.48 3० अंग्राम् <b>ब्रुली द० मुक्</b> मोई					द० गॅग खर बुक्किया
			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	109	72	905	2 58	उ० लाजाभोई द० सगनाभोई
65	52	817	1,26 <b>उ॰ स्वयंद॰</b> नाला	110	72			उ० मगानाभोई व० पंडिया
65		817 	1,26 उ०स्वयं द०नालाः 	110	72	907	1.54	उ० मगः।ताभोई ४० प

	l 			4 ~	<b>&gt;</b> –	1	-	<u> </u>	4	<u> </u>
	111	78	456	1 13	उ॰ मोनामाई दः	149	93	826	1 50	उ० पडशाँद श्राह्म जानी
					चैतनमाई द०	150	101/1	772/2		उ० बिनज् द० बिनज्
	113	74	155	3 24	न्०नारिलाभांई द•	151	101/1	773	0 21	उ० सुनावः चालन द० स्वय
					मगूनिया भाइ	152		914	1 50	उ० ग⊤।धर सजहो
	113	8.2	790	_ 21	<b>७०</b> पश्चिमा					द० मापा जोना
	Ŀ	4.3	500		ৰ্০ <u>ব(म†ज(ट)</u> भृमि	153		847	3 48	उ० नाव। दः नाता
				3 51	भान( नाडा दे० अनेका गाडा	154	101/1	927	2 68	उ० पटाडा र० पगूलिया
	115	4.2	513	1 55	च० पराडा द० हे <b>म् ग्रि</b> ना	155	101/1	928	3 84	
	116	9.2	565	1 29	•	156	101/1	779	1 15	उ० मुनिया आनी द०
	117	4.)	436	1 26	उ०प(इश द० डाग स <b>डनी</b>					मुलिया जानी
	118	90	703	0 60	उ०मुलि प्राचिता द०	157	104/2			- उ० स्त्रयः <b>द० पा</b> डुकू जाना
					युरुष डामी	158	101/2		0 97	उ॰ मुलिया ऋानी ६०नाला
	[1]	54	511	s 40	उ०पहाडा द० नामा	159	101/2		2 14	
	120	84	873	1 71	उ० चैतनभाई व०	160	101/6	8 1 1	0 39	उ॰ बुरुब अति। ६०
					बुरुजी भाई					मृण्जी'जोनीः
	1 + 1	53	909	0 37	उ० पाइया ४० पा(उवा	161	101/12	704	0 20	उ० पहाडा द० निश्चिम जाना
	122	87	914	0 20	उ॰ पटोटा द <b>० प</b> टाटा					भीरभन्त्र
ř	123	٩7	920	0 19	ड०मृतिशाचान र∙	162	101/13	908	1 36	उ० काबी भ <i>तिरा</i> फ्रोर <b>ग्रन</b> ्य
					डाम 📆 । डा					द० डम्ब्री भाई श्रीर श्रन्य
	134	80	960	0.74	उन चेड सार्व द० डुड सार्व	163	101/12	911	073	उ० दामनजाही गाव
	135	80	406	2 60	उ० ताडामार्ट २०					व द्वांगुर साई
					हैगा मृज्या	164	101/33	926	0 10	उ० प्रनाप चालन ६० सुकुरा
	12n	43	7 - 7	1 37	ত ৰাৰা নাহ ২০					भाई धीर धन्त्र
					ৰা <i>ল</i> ে <b>দা</b> ৰ্ছ	165	101/33	30	0 14	उ० गुरा <b>मुङ</b> ्की <sup>के</sup> ब्रौर <b>म</b> न्य
	127	83	759	1 11						४० प्रभाप चा पन
	128	85	712	176	उ०वा १। स.इ.६० पशुद्धा	166	104/44	989	1 56	उ० पुनिया जाना
	129	58	581	1 47	ভি৯ প্ৰতি হৈও নাক্।					द० दामाजाडी गाव
	130	89 .	> <del>1</del> 7	) 10	उ०कार मार्वद० पहाडा	167	101/44	899	0.88	। उ० बोड्डकू चालन
	131	90	843	0 06	ৱত নাশা হিত নাশ।					उ० मुलियाजानी और प्रत्य
	132	911	787	9 10	उ० मुधिया जाना द <b>ेपछिया</b>	168	101/44	916	0 61	उ० द्वागुलिया भाई
	133	90	794	1 20	उ० बागिभवा गाडा					द०मायनीपाडा
					५० नाला	169	101/44	917	0 47	उ० दीरा भ <b>ुडु</b> ल।
	134	90	806	کے ا	उ० धानू गाडा ६०					द० प्रागृरिया भाई
	*				रामनेजाधा गाव	170	101/44	921	0 54	उ० मुलिया जानी
	135	310	9119	() 9)	उ० पहाड़ा च० पहाड़ा					द० समनाजाहा
	136	91)	844	1 05	इ∙ नाला द० पहाडा	171	101/44	925	0 92	ड० <b>मृ</b> णिया जानी
	137	90	545	1 14	उ० बाला बाई २० पहाडा					व <b>० दामन ज</b> ांडी
	135	91)	863	2 06	उ० पहाडा द० साहाभाई	173	i 7	932	0 79	उ० बाया भाई ४० बागाभाई
	139	92	403	± 67	उ० सुकु€ माई	173	15	961	1 20	उ० मगास् भोई
			-		द० मागृह भाई					द० केशचा भाई
	140	9.3	404	, 78	उ० लुकुक भाई ४०	174	6	841	0 81	उ० पहाडा द० पहाडा
	170	0.			बेगा <b>स्</b> ग्रुली	175	1 5	314	0 71	
	141	9.2	464	1 23	ड <b>े बेहा भा</b> ई <b>द</b> े	176	78	850	1 96	उ० नाला द० गोटिया भाई
	.,.	-	-		मागृतू भाई	177	78	875	172	उ० मुख्जू भाई द०
	144	97	7)5	3 66	उ० पहाडा द० पडिया					वोदा भोई
	146	97	877	1 50	उ० बोडा सार्व ४०	178	78	879	1 32	उ० नामा द० बङ्कू <b>मा</b> लन
	• • •		ă T		लडा माई	~				
	1 4 1	47	478	ئەد 1	उ० गाडा भाइ द० लाडामाई	41,	विविषापाः	इर पुलिस थाना	क्रीयसं =	जिला कोरापुट
				0 96	उ० कुरुतृताद चन⊓भाइ	"-				
		47	404	17 27	- ·			कमसं ०२	बाता स० प	स्वाटम० मजितक्र
	145	47 47	964 938	0 81	उ० बाता भाई द० पाक्षिया				*********	
	145	97	938	0 81			<b>-</b>	_	#1/11 X(0	(एकक्)
	145				उ० मुलिया जानां द०		<b>u</b> _	- <u> </u>	- 3	
	145 146 147	97 79	938 9 <sub>~</sub> 4	0 81	उ० मुलिया जानाव० बु <b>रज्ञोभा</b> ई		·		3	<u>(एक</u> क्)
	145	97	938	0 81	उ० मुलिया जानां द०		· _ ,	- 1 2 1 1 1 2 2 1 1 2 2 1 1 2 1 1 2 1 1 2 1	3	(एक इ) 4 0 97

 1	2	3	4	1	2	3	4
3	1	53	3.30	58	11	192	1.89
4	1	54	1,04	54	11	202	1,57
3	1	82	0.98	,60	11	238	4,98
6	1	95	1,48	61	11	241	1.67
7	1	111	0.91	62	12	<u> </u>	0.31
8	1	180	0.32	63	13	204	2.54
9	1	181	3.14	64	14	5	0.60
10	2	85	0.37	65	14	6	3.33
11	2	96	1.05	66	14	13	1 .40 7
12	3	9	3.21	67	14	20	3.45
13	3	19	2.68	68	14	23	3.21
14	3	25	1.63	69	14	45	4.72
15	3	58	1.19	70	14	64	4.28
16	3	122	2,73	71	14	65	3,55
17	3	169	8.00	. 72	14	67	2,28
18	3	178	0.94	73	1.1	68	3 61
19	3	183	2,93	74	14	73	0.7
20	4	163	0.64	7.5	14	81	1 3
21	5	156	0.31	. 76	14	114	0.8
22	6	24	0,76	77	14	117	5 19
23	6		2.99	78	14	126	1.5
24		48	0,93	79	14	128	1,30
24 25	6	87 · 104	0.23	80	14	142	0,6
	6	<del>-</del>	2.30	81	14	149	5.0
26	6	113	2.60				
27	6	118	0.31	82	15	68	1.2
28	6	138		, 83	15	84	0.3
29	6	151	3.52 2.29	84	15	90	0.2
30	6	166	0,96	85	15	147	0.5
31	6	173		86	15	150	0.7
32	6	177	0.93	87	15	152	0.4
33	6	197	1.32	88	15	179	0.2
34	6	201	1.75	89	15	205	0.4
35	6	235	3.72	90	16	44	2.4
36	7	94	0, 21	91	16	171	1.6
37	7	239	0.88	92	17	49	4. 1
38	8	234	0.62	93	17	188	<b>3</b> 5.
39	9	29	1.83	94	17	200 .	3.5
40	9	38	1.16	95	17	214	3.4
41	9	60	3.56	96	17	218	1.6
42	9	115	0.58	97	18	7	8.3
43	9	193	1.88	98	18	8	2.3
44	9	194	3.46	99	18	1.2	2.0
45	9	208	5.13	100	18	13	3.0
46	9	213	2.20	101	18	28	5.1
47	9	121/249	1.41	102	18	40	3.3
48	10	207	0.08	103	18	59	4.0
49	11	11	0.77	104	18	63	4.9
50	1 I	30	2.09	105	18	74	0.7
51	11	80	1.75	106	18	76	0.4
52	11	83	0.98	107	18	92	0.7
53	11	120	3.77	108	18	106	0.6
54	11	171	2.03	109	18	116	2.0
55	11	186	3.04	110	18	125	3.9
56	11	187	3.04	111	18	146	3, 9
	11	190	1.30	112	18	196	4. 9

1	2	3	4	5	1		<u>.</u>	3	4	· -
		·			•	-	-	ŭ		
	113	19	79	0 35			167	20	74,	1 77
	114	19	154	0 23			165	, 0	1 11/148	0 29
	115	19	155	0 50			169	'0	, in	0 19
	116	19	77	1, 44		,	170	20	97	0 47
	117	20	17	0.21			171	20	157	1.09
	118	20	21	5.71			173	20	233	0 80
	119	20	27	1.47			173	0.	433	0 52
	120	20	31	1. (4			171	20	: 36	: 06
	121	20	13	0 81			175	30	3 3 7	0 56
	122	20	35	5 70			176	2.0	140 *	υ 40
	123	20	37	2 23			177	20	244	1 06
	124	20	41	3 65			178	20	2 \$5	U 31
	1.25	20	43	2.49			179	40	16	2 40
	128	20	63	1 58	_	_				
	127	20	72	2 97		गाव	<b>र द</b> ्नुष्णुष्टा	प्रिन	याना सेवलीगुडा	जिला कोरापुट
	128	20	88	1 21				- <del>-</del>		<del>,</del>
	129	20	99	0 65			क्रम स०	आति म	। व्याटस	भोत्र (एक इ)
	130	20	100	0.47	_	1	.2	3	4	5
	131	20	101	0 46			1	 1	4	0 08
	132	20	102	1,59			3	2	* 87	0 08
	133	20	105	0 33					37/3	
	134	20	107	0 40			3	,		1 03
	135	20	103	0.50			1	3	I ()	3 76
	136	20	110	1 20			ə	3	5 4	1 54
	137	20	131	1 34			(	-	31	1 19
	138	20	123	7.78			7	3	; t	1 58
	139	20	121	2 40			3	2	47	1 45
	140	20	129	196			()	;	41	0 93
	141	20	132	3 15			10	۲	23	3 4 1
	142	20	136	4 32			11	1	79	0 36
	113	20	140	3 S I			1.2	3	<b>‡ £</b>	1 58
	114	40	111	1 10			13	3	78	3 91
	145	10	144	7 15			1 4	3	84	0 28
	146	70	148	2 61			1 5	3	5/3	1.5.
	147	20	160	. 50			16	ł	37/1	6 46
	148	20	163	2 56			17	3	80/2	0 51
	144	3.0	163	4 1 I			18	3	80/3	0 5.
	150	20	165	11 55			19	4	27/ t	6 09
	151	20	168	6 30			30	4	3	3 7.
	15.	30	173	2.55			31	Æ	1 /رد	4 14
	153	20	181	2 92			3.3	4	1 7	17 0
	154	٠,0	191	1 '7			23	1	1.1	1 0
	155	20	199	1 03			24	4	1	1 6;
	156	20	203	3 49			25	5	18	0 9
	157	20	310	U 58			.6	5	7 3	0 30
	158	10	315	3 50			7	5	4	1 4
	159	20	320	3 11			38 ,	5	<b>u</b> 1	3 7
	160	20	441	J 58			29	5	7.4	2 0
	161	20	222	4 01			30	5	<b>; ;</b>	3,3
	162	'0	225	, 21			31	ο	77	3 5
	163	;0	227	7 0 6			42	5	71	3.8
	164	30	118	6 14			33	5	77	0.3
							34	b	<b>†</b> 9	0.8
	165	20	229	_ 38			35	6	31	4.9
	160	* ( )	230	, ,,)			16	6	641	1,3

246	G	AZETT	OFENDIA	: JIANUARY	8, 1983/PAU	ISA 18, 190	4	[PART II-	-Sec. 3(ii)
   	2	3	4	5	1		3	4	5
	37	. 7	<b>s</b> 0/1	1,06	•	3	 l		0.1
	38	. 7	<b>ង</b> :	3 36		4	1	71	3.0
	39	7	83	4.45		3	1	100	0.2
	10	7	13	7.65		6	l	110	2.3
	11	8	5.5	0.93		7	1	35	2.2
	4,2	8	6	1 81		8	1	39	3.3
	43	8	15	6.60		9	1	183	0.6
	4 4	8	16	3.00		1.0	3	96	2.2
	4.5	9	<b>4</b> 11	0.31		[1]	4	1 <b>₩</b> ‡	0.1
	16	9	3	3.70		13	3	171	0,2
	47	9	30	4.39		13	;	175	0.4
	18	9	3 5	1.66		1.4	3	#5	1.3
	4.9	9	4.5	0 51		15 16	3 3	$\frac{26}{27}$	0.0
	50	4	56	1.81		17	3	29	2.9
	51	9	63 63	1.53		18	3	33	1 - 1 : 5 - 1
	52	9 17	27/5 7.6	2 <b>6</b> 5 0.76		19	,	34	3.8
	53 54	10	7.6 4.3	0.65		20	3	54	. 0.4
	55	10	9	1.16	•	2 I	J	63	6.2
	56	10	29	1.73		32	3	9.1	$0.7^{\circ}$
	5.7	10	3 <b>8</b>	2,25		23	3	131	2.1
	5%	10	70	1.49		24	3	144	0.2
	59	15/1	61	4.06		25	3	145	ភ. ភ
	60	11	39	1.40	-	26	3	187	1.2
	<b>6</b> 1	11	50	, 0.38		27	3	158	0.9
	62	1 [	1 4	4.08		28	1	45	0.3
	63	11	20	2,82		29	4	178	0.89
	6 1	11	36	0 67		30.	4	182	0.42
	65	11	37	1.18		31.	1,	188	1.00
	<b>6</b> 6	1 1	62	2.14		3 2.	4	189	0.39
	67	12	68	0.329		33	4	184	1.88
	68	1.3	73	2.28		34.	5	2	0.79
	69	13	7 4	0.91		35. 36.	5 <b>8</b>	8 12	1.57
	70	13	46	0.27		37.	5	8S ,	4.47
	71 72	13 13	8 12	3,88 0, <b>86</b>		38.	5	89	0.15 $1.33$
	7# 73	13	51	1.16	•	39.	5	90	5,02
	74	13	52	1.58		40.	5	114	0.83
	75	13	60	2.87		41.	5	125	6.92
	76	13	53	2,27		42.	5	126	1.69
	77	14	4 4	0.32		43.	5	127	9.89
	78	1 4	86	0.77		14.	5	131	0.24
	79	i 4	27/2	10.02		45.	5	134	1.90
	60	1 4	25	2,98		46.	อั	152	1.39
	81	14	26	2.62	-	47.	5	156	0.08
	82	14	54/2	1.26		48.	5	161	0.15
	83	15	69	1.30		49.	5	166	0.60
	गांव सुगरी	पुडा पुलिस	ा बाना कोरापृट	जिला कोरपुट		50. 51.	5 5	135/195 138	0.64 $2.48$
			··			52. 53	5 5	$\frac{112/200}{139}$	2.89
,	त्रम् स्० 	- स्थानासः	्रह्मा <b>ट सं</b> ०	क्षेत्र (एकड़)		53 54.	อ 5	139	6,03
1	2	3	1	5		5 <del>1</del> .	ວ 5	168	0.12
	1	1	38	1.55		5 <del>6</del> .	5	4	0.60 1.56
	ı	•	***	1.00		5 0.	_	т	1.30

1			-		<u></u>		7			••
5	1	:	3	1	5	l		3	1	5
5			_	_					_	
No										
1										
According   Acco										
ht										
R4   5   22   2   18   119   14   42   111   16   16   7   10   1   4   42   111   16   16   7   17   18   17   17   18   19   19   19   19   19   19   19										
60   5										
A60   5										
10										
66   s   75										
69   5   144										
70   5   141										
77   5   150   0   19   129   16   21   0   87     72   5   154   0   10   127   16   28   0   17     74   5   164   0   19   129   16   72   1   15     74   5   164   0   19   129   16   72   1   12     75   5   169   0   12   130   16   72   1   12     76   6   14   0   18   131   17   194   0   30     77   6   44   0   18   132   18   49   0   37     78   6   140   1   79   133   18   66   2   71     78   6   174   1   20   134   18   91   7   9,										
72   5   154   0 20   127   1b   78   0 16   74   7   1b4   0 52   128   10   67   1   51   74   7   1b4   0 19   129   16   72   1   22   25   5   169   0 12   130   16   74   0 33   77   15   144   0 13   17   194   0 33   77   15   144   0 15   142   18   43   0 17   78   144   0 17   79   133   17   194   0 33   78   6   140   1 79   133   18   66   2 71   79   133   18   66   2 71   79   133   18   66   2 71   79   79   6   174   1 20   134   18   94   1 79   79   79   79   79   79   70   78   133   18   94   1 79   79   79   79   79   79   79										
7										
74 5 164 0 19 129 16 72 1 22 75 5 169 0 12 110 15 48 0 11 76 6 13 0 8b 131 17 194 0 2 2 77 7 6 144 10 15 179 133 17 194 0 2 2 77 7 6 144 10 15 179 133 17 6 6 2 71 79 6 174 1 20 114 15 81 1 79 133 17 6 6 2 71 79 6 174 1 20 114 15 81 1 79 81 6 129 0 62 1150 17 18 91 17 19 19 19 19 17 19 19 19 17 19 19 19 19 17 19 19 19 17 19 19 19 19 19 17 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19										
75 5 169 0 12 139 16 98 0 13 76 6 13 76 6 13 76 6 14 79 0 86 731 17 194 0 23 77 6 44 0 35 132 18 48 49 0 37 78 6 110 174 1 20 134 18 18 11 179 9 1134 18 11 179 9 1134 18 11 179 18 6 12 71 174 1 20 134 18 18 11 179 18 6 12 71 174 18 6 12 179 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18										
76										
77										
78										
79 6 174 1 20 134 1 91 95 95 80 6 92 0 78 13 18 91 1 79 95 80 6 92 0 78 13 18 91 1 79 95 80 6 6 92 0 78 13 18 91 1 79 95 82 6 01 1 09 137 18 62 2 30 82 82 6 153 0 52 136 18 18 18 91 172 0 12 85 7 59 1 69 140 20 1 1 1 6 6 8 7 77 1 1 12 1 141 20 15 1 1 12 87 7 99 0 15 143 20 23 0 92 88 7 101 0 12 144 20 23 0 37 0 97 89 7 101 0 12 144 20 5 6 0 20 90 7 114 0 88 145 20 98 0 170 0 47 146 20 108 2 12 92 95 95 95 145 20 98 0 170 0 47 146 20 108 2 12 92 7 125 1 72 147 20 100 1 0 1 0 70 149 149 149 21 181 0 67 7 93 7 142 1 49 149 20 170 0 49 49 40 201 1 149 21 181 0 67 7 95 7 95 7 93 2 27 150 21 192 0 95 98 1 152 2 10 1 1 6 98 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1										
80 6 92 0 78 130 18 91 179 91 6 129 0 62 116 19 96 2 3 7 82 6 91 1 0 9 137 18 62 3 96 83 6 353 0 32 118 18 95 105 0 48 84 7 21 4 67 139 19 172 0 12 85 7 39 1 69 140 20 1 1 60 86 7 77 1 12 141 20 15 1 14 87 7 97 0 14 142 20 23 0 93 88 7 9 99 0 15 143 20 37 0 97 89 7 101 0 12 144 20 55 0 26 90 7 113 0 88 145 20 95 0 37 91 7 119 0 47 146 20 109 1 97 93 7 142 1 49 149 20 109 1 97 93 7 142 1 49 149 20 170 0 49 94 " 40 2 01 149 20 170 0 49 94 " 40 2 01 149 21 181 0 57 95 7 83 2 37 150 21 192 0 35 96 0 1 25 151 2 2 16 19 0 35 96 7 60 1 25 151 2 2 16 19 0 35 97 8 102 0 59 152 22 146 1 60 98 9 132 0 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 154 23 160 0 08 101 10 11 2 39 155 24 160 0 08 101 10 10 11 2 39 155 24 160 0 08 101 10 10 11 2 39 155 24 160 0 08 101 10 10 11 2 39 155 24 160 0 08 101 10 10 11 12 39 155 24 160 0 08 101 10 10 11 12 39 155 24 160 0 08 101 10 10 11 12 39 155 24 160 0 08 101 10 10 10 17 2 148 4 156 24 135 181 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 24 156 0 09 104 10 50 0 94 160 23 197/198 0 49 107 11 179 0 11 156 23 176 0 21 108 11 191 0 29 178 3 4 676 60 21 109 12 10 172 778 3 4 676 676 68 ((rec)) 100 12 17 172 778 3 4 676 676 68 ((rec)) 100 12 17 172 778 3 4 676 676 68 ((rec)) 100 12 172 778 3 4 676 676 68 ((rec))										
81       6       129       0       62       116       13       96       2       35         82       6       91       1       0.99       147       18       62       2       96         83       6       453       0       32       138       18       95 195       0       48         84       7       21       4       67       119       19       172       0       12         85       7       59       1       69       140       20       1       16       16         86       7       77       1       12       141       20       15       1       12         87       7       97       0       15       143       20       37       0       87         88       7       99       0       15       143       20       37       0       87         89       7       101       0       12       144       20       55       0       26         90       7       111       0       88       145       20       108       2       12         92       7										
83 6 91 1 0 9 1 137 18 62 2 96 83 6 153 0 32 138 18 95 195 0 48 84 7 21 4 67 139 19 172 0 12 85 7 59 1 69 140 20 1 1 65 86 7 77 1 12 141 20 15 1 42 87 7 97 0 14 142 20 23 0 92 88 7 99 0 15 143 20 37 0 97 89 7 101 0 12 144 20 55 0 26 90 7 111 0 88 145 20 95 0 37 91 7 114 0 47 146 20 100 1 97 91 7 114 0 47 146 20 100 1 97 93 7 142 1 72 147 20 100 1 97 94 7 40 2 91 149 21 181 0 57 95 7 83 2 37 150 21 192 0 38 96 7 97 8 102 0 59 151 22 146 1 60 98 9 132 0 61 151 22 146 1 60 98 9 132 0 61 151 22 146 1 60 98 9 132 0 61 151 24 3 0 82 99 10 5 0 97 124 23 11 1 21 100 10 13 2 39 155 24 3 0 82 99 10 5 0 97 124 23 11 1 21 100 10 13 2 39 155 24 160 0 08 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 151 0 10 104 10 93 0 29 - 107 11 179 0 11 158 3 176 0 21 108 11 191 0 29 71 48 3 46 676 67 110 12 47 0 20 1 72 71 110 12 47 0 20 1 72 71 111 12 51 0 18										
83 6 153 0 32 138 18 95 195 0 48 84 7 21 4 67 139 19 172 0 12 85 7 59 1 69 140 20 1 1 6 6										
84       7       21       4       67       139       19       172       0       12         85       7       59       1       69       140       20       1       1       65         86       7       77       1       12       141       20       15       1       132         87       7       97       0       14       142       20       23       0       92         88       7       99       0       15       143       20       37       0       97         59       7       101       0       12       144       20       55       0       26         90       7       114       0       88       145       20       95       0       37         91       7       119       0       47       146       20       109       1       97         92       7       125       1       49       143       20       170       0       43         94       7       40       2       91       149       21       181       0       57         95       7       8										
85 7 59 1 69 140 20 1 1 6 6 6 7 77 1 1 12 141 20 15 1 42 67 7 97 0 14 142 20 29 0 97 0 97 6 97 6 97 7 101 0 12 144 20 55 0 26 99 7 114 0 88 145 20 95 0 37 99 7 114 0 88 145 20 95 0 37 99 7 114 0 88 145 20 95 0 37 99 7 114 0 88 145 20 95 0 37 99 7 114 0 87 142 1 146 20 108 2 12 92 7 123 1 72 147 20 10) 1 97 93 7 142 1 49 149 20 170 0 48 94 7 40 2 01 149 21 181 0 57 95 7 83 2 37 150 21 192 0 35 96 7 60 1 25 151 22 10 1 57 97 8 102 0 59 152 22 146 1 60 98 98 9 132 9 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 154 23 11 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1										
86 7 77 1 1 12 141 20 15 1 12 87 97 97 97 99 0 15 143 20 37 0 97 88 7 99 0 15 143 20 37 0 97 99 7 111 0 88 145 20 95 0 37 99 7 111 0 88 145 20 95 0 37 91 7 119 0 47 146 20 108 2 12 92 7 123 1 72 147 20 109 1 97 93 7 142 1 49 149 20 170 0 48 94 17 40 20 170 0 48 94 181 0 57 95 7 83 2 37 150 21 192 0 35 96 7 8 102 0 59 152 22 146 1 60 98 98 9 132 0 61 155 24 3 0 82 99 10 5 0 97 154 23 11 1 21 100 10 13 2 39 155 24 160 0 08 101 10 10 10 13 2 39 155 24 160 0 08 101 102 10 32 0 80 155 24 160 0 08 101 103 10 52 0 41 158 23 166 0 98 101 10 30 52 0 41 158 23 166 0 98 100 10 52 0 41 158 23 166 0 98 100 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10										
87 7 97 0 11 142 20 29 0 9 0 97 111 10 10 10 15 143 20 37 0 97 111 10 16 0 84 155 21 160 0 08 101 101 10 16 0 84 155 23 135 1 81 102 10 32 0 80 155 23 176 0 21 105 10 65 0 94 106 10 93 11 172 110 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10				77						
88       7       99       0 15       143 20 37       0 97         89       7       101       0 12       144 20 55       0 26         90       7       111       0 88       145 20 95       0 37         91       7       119       0 47       146 20 108       2 12         92       7       123       1 72       147 20 10       1 97         93       7       142       1 49       148 20 170       0 48         94       40       2 01       149 21       181       0 57         95       7       83       2 37       150 21       102       0 35         96       7       60       1 25       151 22       10       1 52         97       8       102       0 59       152 22       146       1 60         98       9       132       0 61       153 24       3       0 82         99       10       5       0 97       124 23       11       1 21         100       10       11       2 39       155 23       160       0 08         101       16       0 84       156 23       135       1 81			7	97						
59       7       101       0 12       144       20       55       0 26         90       7       113       0 88       145       20       95       0 37         91       7       119       0 47       146       20       108       2 12         92       7       123       1 72       147       20       109       1 97         93       7       142       1 49       148       20       170       0 43         94       "       40       2 01       149       21       181       0 57         95       7       83       2 37       150       21       192       0 35         96       7       60       1 25       151       22       10       1 52         97       8       102       0 59       152       22       146       1 60         98       9       132       0 61       153       24       3       0 82         99       10       5       0 97       124       24       11       1 21         100       10       13       2 39       155       24       160       0 08		88	7	99				20		
90 7 111 0 88 145 20 95 0 37 91 7 119 0 47 146 20 108 2 12 92 7 123 1 72 147 20 101 1 97 93 7 142 1 49 149 20 170 0 43 94 7 40 2 01 149 21 181 0 57 95 7 83 2 17 150 21 192 0 35 96 7 60 1 25 151 22 10 1 52 97 9 102 0 59 152 22 146 1 60 98 9 132 0 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 154 23 11 1 21 100 10 13 2 39 155 23 160 0 08 101 10 16 0 84 155 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 166 0 0 8 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 166 0 0 8 101 10 50 0 94 166 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29		89	7	101	0 12			20		0 26
92 7 123 1 72 149 109 109 1 97 93 7 142 1 49 149 20 170 0 48 94 7 40 2 01 149 21 181 0 57 95 7 83 2 37 150 21 192 0 35 96 7 60 1 25 151 22 10 1 52 97 8 102 0 59 152 22 146 1 60 98 9 132 0 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 124 24 11 1 21 100 10 13 2 39 155 24 160 0 08 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 92 104 10 56 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29 174 80 417 179 107 11 179 0 1 1 172 110 12 47 0 30 1 2 3 4 5 111 12 51 0 18 1 142 9 37		90	7	113	0.88			20		
92 7 123 1 72 147 20 10 10 1 97 93 7 142 1 49 149 20 170 0 48 94 7 40 2 01 149 21 181 0 57 95 7 83 2 37 150 21 192 0 35 96 7 60 1 25 151 22 10 1 52 97 9 102 0 59 152 22 146 1 60 98 9 132 0 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 124 23 11 1 21 100 10 13 2 39 155 24 160 0 98 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 93 104 10 56 0 19 158 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/194 0 49 106 10 93 0 29		91	7	119	0 47		146	20	108	2 12
94 7 40 2 01 149 21 181 0 57 95 7 83 2 37 150 21 102 0 35 96 7 60 1 25 151 22 10 1 52 97 9 102 0 59 152 22 146 1 60 98 9 132 0 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 154 23 11 1 21 100 10 13 2 39 155 24 160 0 08 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 92 104 10 56 0 19 156 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/199 0 49 106 10 93 0 29 -  107 11 179 0 41 160 23 197/199 0 49 108 11 191 0 29		92	7	123	1 72					
95 7 83 2 37 150 21 192 0 35 96 7 60 1 25 151 22 10 1 52 97 8 102 0 59 152 22 146 1 60 98 9 132 0 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 124 24 11 1 21 100 10 13 2 39 155 24 160 0 08 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 93 104 10 56 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29 10 107 11 179 0 41 160 23 197/198 0 49 109 12 19 1 72 1 14 16 16 16 172 109 12 19 1 72 1 14 16 16 16 172 110 12 47 0 20 1 2 3 4 5 111 12 51 0 18 1 1 142 9 37		93	7	142	1 49		149	20	170	0 43
96       7       60       1       25       151       22       10       1       52         97       9       102       0       59       152       22       146       1       60         98       9       132       0       61       153       24       3       0       82         99       10       5       0       97       154       23       11       1       21         100       10       13       2       39       155       23       160       0       08         101       10       16       0       84       156       23       135       1       81         102       10       32       0       80       157       23       151       0       10         103       10       52       0       41       158       23       116       0       93         104       10       26       0       19       160       23       176       0       21         105       10       65       0       94       160       23       197/192       0       49         106       1		94	-1	40	2 01		149	21	181	0.57
97 9 102 0 59 152 22 146 1 60 98 9 132 7 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 124 24 11 1 21 100 10 13 2 39 155 23 160 0 08 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 92 104 10 26 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29		95	7	83	2 37		150	21	192	0.35
98 9 132 0 61 153 24 3 0 82 99 10 5 0 97 124 24 11 1 21 100 10 13 2 39 155 23 160 0 98 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 92 104 10 56 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29		96	7	60	1 25		151	22	10	1 5.3
99 10 5 0 97 124 23 11 1 21 100 10 13 2 39 155 23 160 0 08 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 92 104 10 26 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29		97	9	102	0 59		152	2.2	146	1 60
100 10 13 2 39 155 24 160 0 08 101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 92 104 10 26 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29		98	•	132			153	2 +	3	0 82
101 10 16 0 84 156 23 135 1 81 102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 92 104 10 56 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 19 106 10 93 0 29		99	10	5	0.97		1 7 4	23	11	1 21
102 10 32 0 80 157 23 151 0 10 103 10 52 0 41 158 23 116 0 92 104 10 56 0 19 150 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29		100	10	1.3			155	23	160	0 08
103 10 52 0 41 158 23 116 0 93 104 10 56 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 49 106 10 93 0 29 1107 11 179 0 1 1 179 0 11 179 114 पोटियासिन पुलिस थाना कोरापुट जिला कोरापुट 108 11 191 0 29 पम स० बातासं• प्लाट सं॰ केंद्र (एकड) 109 12 19 1 72 110 12 47 0 30 1 2 3 4 5 111 12 51 0 18 1 1 142 9 37		101	10	16	0 84		156	2 }	135	1 81
104 10 26 0 19 159 23 176 0 21 105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 19 106 10 93 0 29							157	23	151	0 10
105 10 65 0 94 160 23 197/198 0 19 106 10 93 0 29			10	5.2			158	23		0 93
106 10 93 0 29							159			0 21
107     11     170     0 1     गाथ पोटियासिल पुलिस थाना कोरापुट जिला कोरापुट       108     11     191     0 29     पम स० खातास० व्लाट म० क्षेत्र (एकड)       109     12     172							160	23	197/199	0 49
108 11 191 0 29 पम स० खातास • प्लाट म० क्षेत्र (एक ह) 109 12 19 1 72 110 12 47 0 20 1 2 3 4 5 111 12 51 0 18 1 142 9 37			-			_	— गाय पोटिस	तसिन प्रा	— – लेस थाना कीरावट	—— जिला कोरापट
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					•		_ ~ -			——————
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$						÷		_	-~	
111 12 51 0 18 1 1 142 9 37		110	12			1 -		3_	4	
112 12 177 0 31 2 1 145 3 25		111	12	51	0.18		1	1	142	9 37
	<u> </u>	112	12	177	0 31		~ <u> </u>	1	145	3 22

":	=	<del></del>	==		. <u> </u>	a <del>tablean</del> arres				
	1	2	3	4	5	, 1	2	3	4	5
•			-			- <del>-</del>	 58	14	114	1 76
		3.	1	1 19	1 44		59	14	124	n 65
		4 <del>3</del>	1	150/2	1 52 1 81		60	14	125	1.27
		ე ნ	$\frac{2}{3}$	148	0.74		61	1.4	132	4,40
		7	,	11	1 44		62	1 4	134	1 57
		8	3	15	3 10		63	15	129	0 60
		, 9,	3	22	3 24		6.4	15	126	0.28
		10	3	27	1 30		65	15	126	1 27
		1 !	3	37	0 45		66	15	30	7 41
		12	3	61	0 11		67	15	bΩ	0 0 9
		13	3	٩7	2 06		68.	15	65	2 44
		14	4	81	0.33		69	15	64	6.1
		15	5	10	2,28		70	17	52	0 22
		16.	5	3 9	0.03		71	17	78	0 21
		l 7.	5	4. 3	0 17		7 2.	18	151/1	1.11
		18	5	66	4 40		7%	19	4	0 60
		1 9.	5	86	0.33		74.	19	21	11 0
		20.	6	8.5	0 27		75	19	25	0.77
		21	7	ı	1.92		76	19	64	0 21
		22	7	ь	4 27		77	19	7.2	1 29
		23	7	9	5 26		78	19	75	0 91
		24	7	16	4.30		79.	19	91	1.81
		25	7	35	0 76		80.	19	119	0 19
		26	7	<b>\$7</b>	4 88		81.	19	137	1 86
		27.	7	41	0 51		82	19	116	0.34
		28	7	71	0 48		83	20	98	1 19
		29	7	93	t <b>7</b> 9		84	20	92	1.88
		30.	7	144	4.52		85	20	97	1 65
		31.	7	36/153	0.97		86.	20	99	1 41
		32.	8	16 156	1 39		87.	20	101	2.17
		33	8	14	2 25		88	20	103	1 30
		31	8	51	1.51		89.	20	106	6 17
		<b>\$</b> 5	9	146	1.12		90	20	138	2 75
		16.	10	12	0,93		91.	20	139/2	2.59
		37.	10	23	0.58		92.	21	1,29	0.48
		38	10	33	0.99		93-	21	151/2	1 37
		39	10	3.4	0.43		94	21	152	1,96
		40	10	56	7 1 س		95	22	103	6.99
		41.	10	59	0 05		96	22	104	5 8 3
		42,	10	7 1	0 27		97.	$2\dot{2}$	133	1,92
		43,	10	150/1	2.96		98.	22	130	3.39
		44	10	108	1.72		99	22	131	5.98
		4 5.	10	89	0 26		100	23	32	1 36
		46.	10	112	7.57		101	23	58	0.18
		47	12	2	2 79		102	23	110	2,71
		4 9	12	17	3 07		103	23	115	0.35
		49.	12	19	5 25		104	24	16	0.06
		50	12	38	0 19		105	24	83	0.12
		51	12	40	0 35		106	25	62	0.08
		52	12	4.4	1.30		107.	25	69	5.50
		53	12	50	0,44		108	26	88	0,17
		54.	13	49	0 33		109.	26	82	0.34
		5 5.	13	77	0,23		110	26	28	2 <b>G</b> 5
		56.	14	111	2.07		111.	27	29	3.33
	<del></del>	57.	14	113	1.51		112.	27	43	0,43

		=_		· =		<del>-</del>		_= -=		<u></u>
1 – –		2	3	4	5 —	1	3	4	5	6
			יז זנ	5 1 7 0	1 57	18	39	141	0-64	उ॰ कृपुली द॰ पटीटा
		115	27 27 27	97 31	7 10	19	41	186	0-33	उ० झोला द०समीर नायक
			27	55	1 18	20	42	214	0-70	ापना उ० वस्ती व० स्व
			27	67	0 50	21		215	3 90	<b>उ० सदासिका खा</b> र
			27 27	76 94	1 64 1 39					व॰ सुतृग
		121	27	109	5 72	2 2		156	1 52	उ० समारा नामक द० स्वय
			27	7	4 81	23		161	6-00	च० स्थय द० कुपुर
			27 28	4 Z 4 R	0 20 0 33	24	45	126	0-13	उ० नादी व० स्व
			28	117	0 19	25		127	0 11	<b>उ</b> ० स्वयं द० स्व
			28	47	0 31	26		128	5-52	उ० रंग" २० पहाड
			28	80	, 0 13	27	56	190	0 54	उ० स्वयं द० सिवाबीस
	_					28		148	4 37	उ० स्त्रय द० समस्
	गाव छ। गन ——	तहमील	नवापुर ( — ~	(पोक्टि⊤) —	जिला को रापुट	29	56	146	7 11	नायक उ० समग नायक
	कम	ख(ध			मीमा	***	30	140	7 11	द० स्वयं
_	 	· # ° -	स ॰	(ग्यक्ड ——	_	30	66	183	3-28	उ० मिवाखोरा द०
1	<b>2</b>	1	4	5	6	31		179	1-2.2	पानी नात उ० स्त्रयं द०
	1	7	198	1-32	उ० सूगोखोरा द० सिवाखोरा					कुपुली
	2		187	0 16		32		189	0-52	उ० सिंगखारा <b>व</b> पाना नाला
	j	1.2	206	1-15	द <i>० खाल</i> पाडी उ० सिवासारा द०	33		194	1-50	उ० स्वय द०
	-		- •		कृपुली	- 4				सिवाखारा — सम्बद्धाः
	1		138	0-29	उ० कुपुली व० तिबोहाम्था	34		190	1 38	उ० स्वय ४० -ट डाम्बा -
	5	1 4	131	<b>7</b> -73	उ० पीटोटा द०	} <b>5</b>		152	5-90	उ॰ सादी द॰ बुद्धू डाम्बा
	6		145	0.77	क्पुली उ० नावी द०	36	•	139	2-73	प० कुपुली द०
	o		141	0 77	स्य स्य					सदागि <b>वा खो</b> रा
	7		144	1-79	उ० मुलिया <b>म्</b> कृतो	37		155		ड॰ स्वय द <b>॰ स्व</b>
	·				द० मदिसवा डोगा	38		142	3 0 2	उ० पहांचा देश 
	8	1 4	135	9 37	उ० स्वय ४० कृपुनी					सरकारा भूमि
	9	15	fья			39		147	0-10	उ॰ स्वय व॰ मुक्कुनी
	10	20	178	8 21	<b>उ० पानी नाला</b>	40		191	0-43	ड० सिवाखोरा द० टिको डाम्बो
	11		200	1-66	द० धतिया नाणक उ० स्त्रय द <b>० स्वय</b>	11		149	0-60	७० मुलिया मुक्
	12		201	3-16	उ॰ स्प्रमं द०					द० बुद्दु टाम्बी
					सदसिवा खोरा	4.2		150	0-55	उ० स्वय द॰ मुलिया मू <b>ड्</b> ली
	1 3		137	0 40	उ० धासीपांगी व० स्वर्थ	43		151		उ० नैदी द० स्व
	1 4	2 1	168	0-30	उ० जा <b>दू</b> पांगी ६० गोनिया होनिया	14		1 10 2	<b>4-6</b> 0	उ० स्वय द० सुन्; जानी
	15	? 3	205	, 77	उ० सिशायोग २०	45		154	0-06	उ० पहाडा ६० वि
	1 (	32	173	3-60	पहाडा उ०∭च्यूघोन् द०	16	67	177	0-15	जादमा उ॰ सुकुरा खिन
					धायुली पारजा					बाबी व० मुक्रा
	17	13	208	1-00	उ० सदाखोरा द० स्∡ुरी	47		207	1-2.3	खिनी बादी उ० स्त्रयं द० कुपुण

1	2	3	4	5	6		TABI	.E 		
	48		143	6- <b>5</b> 1	 उ० भावल गोडा द० भोला	Disignation of the officer			es of publ Himits of ju	
	49		202	1-37	ভাগ। ত্বত ৱিৰু চাদ্ধী হত দৰ্ঘ		Serial No.	Khata No.	Plot No.	Area (neres)
	50		181	1-80	उ० स्वयं द०	1	2	3	4	5
	51	67	185	8-64	उ <b>० पैदा</b> द०	•	Village	: Damanj	odı, P.S. S Dist.	emiliguda Korapur
					गुरुमाखोग	Deputy Manager	1,	1	82	0 8
	52		188	4-61	उ० स्त्रय द० पटिया	(Adm.) National Aluminium	2.	i	218	1 5
	53		160	3-20	उ० <b>बुढु डो</b> म्बा द० ममरा नायक	Co. Ltd.	3,	1	222	1.0
	5 1		192	2-82	उ० स्वयं च० नादी	Notified Area Com-	4	1	45 t	1.0
					बेडा	mittee Bhawan,	5.	2	76	0.6
	5.5		196	0-72	उ॰ पटीटा ६०	Sunabeda-763003	6 7	2	213 212	1.1
			- / "		गुनिया ढोरिया	Distt. Koraput, ORISSA.	, 8.	2		0.6
	50		20.4	0-47	उ॰ पटीटा द॰	C/ACIOD/ C	9.	3		i.
	58		204	2-47	धासी परजिया		10.	3	10	0
							11.	3	417	2
	57		132	0-44	उ० नाडी द० पहाडा		12.	3	419	1
	58		133	0-33	उ० नाडी द० स्वयं		13. 14.	4		8.3 0.4
	59	72	172	0-94	उ० कृपुली द०		15.	4		1 :
					कुपुली		16.	4	94	1
	60	76	180	2-15	<b>A</b> .		17.	4		0
					कुपु <u>त्</u> नी		18.	4		1.
	61		164	<b>2-</b> 60	उ० समरा नायक		19. 20.	4		3, 1.
	01		104	<u> 4</u> -00	•		20.	4		1.
					द० जाबू पराजा		22.	4		2.
	62		209	0-48	उ० धामुन् परजा व० मुपनी		23. 24.	4		3. 0.
	63		212	0-36			25.	6		0.
	• • •		212	0 20	पटीटा		26. 27.	7		l. 4.
							28.		151	1.
	6 4		176	1-14			29.	7	175	0.
					कुपुली		30.	7		1.
	65		216	0-13	उ० बुद्द डाम्बो द०		31.		7 255 3 81	0.
					<b>मिवासों</b> ग		32. 33.		8 81 3 <b>36</b> 9	1 . 0
	66	180	210	0-3	4 बिजासन्त्री		34.		374	1
	- <del> </del>						35.		3 65	3.
			ı	गिक्कु० ∺	ि S/37/81 -मैटल-4]		36.		3 440	1
					ए <b>॰ चौ</b> धरी, निदेशक		37. 38.	72/	9 125 1 441/476	1 0
				aj U	५५ च।वरा, ।नदशक		39.		9 231	2
	<b>MINT</b>	STOV A	ip empa	ተ ልእነሱ	MINITO		40	9	235	1
	(4111.4)				MINES		41.	10		1.
		(Depart	iment of	Mine	es)		. 42. 43.	10		0.
	New 1	Delhi, th	e 14th 1	Decemo	or. 1982		43. 44.	10		0. 1.
80	. 5gpf∝	the eve	rojee of	the	owers conferred by		45	1		0.
ection	3 of the Pu	ше ехе iblic Prei	nises (Es	iction o	of Unauthorised Occu-		46.	1:		1.
ents).	Act, 1971 (	40 of 19	71), the	Central	Government hereby		47.	Į.		I
ppoint	ts the office	r mentio:	ned in co	olumn (	1) of the table below,		48. 49.	1.		2.
					of a gazetted officer		49. 50.	1. 1.		0.
or Gov	ernment, to	o be an i	estate of	ncer for	r the purposes of the officer shall exercise		51.	12		0.
he no	owers and	duties	imposed	. hv α	omeer shall exercise or under the said Act		52.	1.	2 408	1
within	the local li	mits of	his juri	sdiction	in respect of the		53.		3 17	7
	nramicae cr	ocified in	n columi	1 (2) of	the said table.		54.	1	3 22	2

,====	<del></del>	<del></del>	<del></del>	<del></del>	<del></del>		<del></del>	<del></del>
1	j	• 3 4	5	1	2	3	4	5
	55.	13 28	0.79		121.	24	153	1.0
	56.	13 29	0.29		122.	24	187	2.6
	57.	13 35	3.98		123.	24	204	1.0
		13 25	1.72		124.	24	230	2.0
	58. 59.	13 40	4,18		125.	24	272	2.0
	59. 60.	13 42	3,39		126.	24	317	0.5
			0.71		127.	24	360	1.6
	61.	13 46	1.01		128.	24	456	3.4
	62	13 48 13 56	2.79		129.	25	87	0.4
	63.		1.85		130.	25	205	0.9
	64.	13 31			131.	25	171	0.7
	65	13 92	2.66		132.	25	384	1.0
	66.	13 108	4.45		133.	25	388	1.3
	67.	13 51/471	4.82		134.	26	138	1.0
	68	13 47	0.68		135.	26	196	0.9
	69.	13 22/479	1.86		136.	26	203	0.3
	70	14 57	1.41		137.	26	229	2.7
	71.	15 119	2.00		138.	26	233	1.4
	72.	15 137	1.57		139.	26	248	2.3
	73.	15 312	2.82		140.	26	277	1.6
	74.	16 331	0.67		141.	26	159	0.4
	75.	17 64	2.13		142,	26	325	
	76.	17 437	1.74		143.	26	337	1.5
	77	17 455	3,49		144.	26	338	1.3
	78	17 180	1.81		145.			1,4
	79.	17 324	3.25			26	349	0.1
	80.	17 207	0.40	•	146.	26	351	0.0
	81.	18 66	1.52		147.	26	355	1.8
	82.	18 389	1.33		148.	26	60	1.4
	83.	18 393	0.34		149.	26	124	2.5
	84.	19 12	1.71		150.	26	126	7.8
	85.	20 13	υ 86		151.	26	132	1.4
	86.	20 103	0.07		152.	26	154	0.1
	87.	20 256	1.31		153.	26	194	0.2
	88.	20 262	2.23		154.	26	258	2.0
	89	20 263	3.04		155.	26	322	1.0
		20 264	3.42		156.	26	250	0.1
	90.		2.22		157.	26	352	0.8
	91.	20 266 20 130	2.57		158.	26	123	1.4
	92.	20 134	4.72		159	26	329	0.4
	93.	20 150	0 24		160.	26	242	J.3
	94.				161.	27	364	0.8
	95.		0.64		162.	27	372	1.1
	96.	21 282	0.81		163.	27	385	1.4
	97	21 283	1.12		164.	27	386	2.8
	98.	22 284	0.16		165.	27	394	0.2
	99.	22 286	0.58		166.	27	396	0.7
	100.	22 292	0.81		167.	27	398	1.0
	101.	22 156	1.09		168.	27	405	0.9
	102.	22 161	1.91		169.	27	404	2.2
	103.	22 166	0.63		170.	27	406	0.7
	104.	22 307	0.22		171.	27	299	0.3
	105	22 311	0 56		172.	27	361	1.0
	106.	22 347	0.41		173.	28	143	3.2
	107.	22 348	0.50		174.	28	245	1.4
	108.	23 285	0.18		175.	28	449	0.5
	109.	23 293	0.59		176.	29	301	
	110.	23 294	1.25		177.	29	330	0.2
	111.	23 295	0.39		178.	29	426	0.1
	112.	23 207	0.17		179.	29		3.7
	113	23 306	0.35		180.		427	0.4
	114	23 77	0.69			29	439	0.5
	115.	23 79	0.70		181.	29	447	0.8
	116.	23 168	0.68		182.	29	448	1.1
	117.				183.	30	19	2.1
	117. 118	23 169	0.20		184.	30	26	0.5
	118	23 370	0.71		185.	30	27	1.0
		22 27-						
	119. 120	23 375 23 380	1.09		186. 187.	30 30	49 52	1.7

				. <del></del>	<del></del>	==		==	
1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	188.	30	98	1.88	,	255.	41	99	2.09
	189.	30	14	1.91		256.	41	197	0.59
	190.	30	20	1 21		257.	41	202	1 39
	191.	30	45	1.78		258.	41	216	9.10
	192.	30	95	1.44		259.	41	223	1 48
	193.	30	104	0 98		260.	41	227	2.65
	194.	30	105	1.82		261.	<b>4</b> J	81/475	2.80
	195.	31	23	1 80		262	41	250	1.76
	196.	32	113	1 13		263.	41	321	1.89
	197.	32	117	1 82		264. 265.	41 41	391 425	2.06 2.79
	192.	32	121	0 66 1. <b>17</b>		266.	41	458	3.48
	199	32	150 162	0.20		267.	41	136/474	0 59
	200. 201.	32 32	201	1 52		268.	42	86	1.31
	202.	32	232	2 41		269.	42	198	1.02
	203.	32	254	0.64		270.	42	199	2.78
	204.	32	304	0.21		271,	43	160	0.69
	205.	32	309	3.14		272.	43	316	3.22
	206.	32	310	3.09		273.	43	453	7 21
	207.	32	100	1.96		274.	43	135	2.18
	208.	32	335	1.07		275.	43	148	1 20
	209.	32	397	3.40		276.	43	215	5 22
	210.	33	59	0.86		277.	43	257	2 66
	211.	33	302	0.35		278,	43	123	2 97
	212.	33	332	0.79		279.	43	- 139	1.42
	213.	33	334	0.42		280.	43	122	1.27
	214.	33	399	1.70		281.	44	173	0.71
	215.	33	400	0.94		282.	44	383	0.49
	216.	33	62	0.82		283.	44	411	2.26
	217.	33	401	0 51		284.	44	428	0 80
	218.	33	442	1.31		285.	44	429	1.71
	219. 220.	33	444 226	0.22 1.42		286.	44	430	0.81
	220. 221.	34 34	234	1.06		287.	44	470	6 61
	222.	34	234 249	0.88		288.	44	432	1 01
	223.	34	268	1.53		289.	44	433	0.41
	224.	35	208	0.55		290. 291.	44 44	434	0.56
	225.	35	225	0.41		292.	44	465	0.42
	226.	36	24	13.00		293.	44	468 209	7.08
	227.	36	30	0.41		294.	44	224	0.19
	228.	36	33	2.37		295.	44	431	0.18
	220.	36	50	3.38		296.	44	211/477	1.11 0.69
	230.	36	53	J.23		297.	44	63	1.18
	231.	36	83	3.99		298.	45	9	0.52
	232.	36	106	2.60		299.	45	61	2.70
	233.	36	36,472	1.21		300.	45	69	1.35
	234.	36	6	1.41		301.	45	72	1.60
	235.	36	15	2.65		302.	45	147	1.55
	236.	36 36	37 54	0.69		303.	45	152	1.51
	237.	36	54 55	1 58		304.	45	259	3.20
	238.	36 36	55 34/2	1 79		305.	45	291	0.15
	239. 240.	3n 37	34/2 4	1,92		306.	45	342	0.46
	240. 241.	38	4 7	2.47		307,	45	353	0.71
	241. 242.	30	181	0 36 1.70		308.	45	354	0.88
	242.	39	188	1.44		309.	46	11	3.50
	244.	39	195	1.44		310.	46	74	1 00
	245.	39	228	2,37		311.	46	275	0.64
	246.	39	326	0.81		312.	46	279	0.46
	247.	39	328	0.31		313.	46	280	0.74
	248.	39	167	0.54		314.	46	363	1.18
	249.	40	170	0.38		315.	47	1 '	0,17
	250.	40	300	0.30		316	48	267	3.40
	251.	40	366	0.88		317.	48	327	1.08
	252.	40	395	0.97		318.	49	273	0.43
	253.	40	403			319.	. 49	274	0.93
	255. 254.	40	410	0.73		320,		417	0.5.

•	7			5 .	1	2 3	4	5
1	2	. 3	4	· <del>-</del>		-		
	321.	7.0	421	4 25		37. 66	290 344	6. 0.
	322.	49	422	0.21	38 38		346	0.
	323 3 <b>2</b> 4.	50 50	183 186	5.23 1.96	39		452	0.
	324. 325.	50	245	1.01	39		241	22.
	325. 326.	50	270	1 09	39		288	0.
	327	50	278	2.35	39		343	0
	328.	50	305	0.32	39		345	o 0
	329.	50	435	1 55	39		75	0
	330.	50	436	0.93	39		373	0
	331.	51	303	0.10	39		78	0
	332.	51	438	0.72	39	<b>98.</b> 67	379	0
	333	51	443	1.48		9. 68	96	1
	334.	51	. 461	2 02	40	00. 68	97	1
	335	52	67	4 48	40	1. 62	115	1
	336.	52	127	3,00	40		155	Ü
	337.	52	131	4.31	40		163/1	1
	338.	52	174	1.01	40		178	1
	339.	52	243	1.08	40		182	0
	340	52	289	2.02	40		193	0
	341.	52	358	1.78	40	7 68	221	1
	342.	52	71	1.90	40	8. 68	247	0
	343.	5,3	365	3 :05	40	9. 68	252	0
	344.	53	367	2.09	41	0. 68	269	1
	345.	54	415	0.66	41	1 72/4	323	0
	346.	55	251	1.65	41	2. 72/6	340	2
	347.	55	265	1.88	41	3. 68	392	J
	348.	55	454	2.52	41		413	1
	349.	56	276	0.23	41	5. 68	423	2
	350.	56	462	1.98	41		457	2
	351.	57	101	0.11	41		464	O
	352.	57	118	1.41	41		70	0
	353.	57	220	1.40	41		214	1
	354.	57 57	260	0.81	42		287	0
	355.	57	313	2.88	42		296	O
	356.	57 57	314	0.96	42.		376	1
	357.	57	318	0.51	42.		387	0
	358. 359.	58 58	58 211	0.71	42		463	0
	360.	59	3	1.70 0.41	42		465	0
	361.	59	206	0.92	420		467 -	0
	362.	60	16	10.00	42		469	2
	363.	61	133	3.03	42		108/473	C
	364	61	144	1.83	42		68	1
	365.	61	184	0.81	43/		84	0
	366.	61	240	1.30	43		120	1
	367.	61	296	0.39	<b>43</b> .		146	0
	368.	61	336	1.79	43		157	1
	369.	61	339	4.63	43		244	1
	370.	61	341	2.67			315	7
	371.	61	164	1.79	43 43		357 381	2
	372.	62	80	1.71	43			(
	373.	62	371	0.66	43		89 377	(
	374	62	378	0,62	44		382	1
	375.	63	219	1.86	44		390	1
	376.	63	238	1.93	44		407	1
	377.	63	459	4,13	44.		407	C
	378.	63	460	5.37	44		416 445	2
	3 <b>7</b> 9,	64	356	1.88	44 44.		443 414	0
	380.	64	362	2.75	44			3
	381.	65	129	4.11	44		418	0
	382.	65	145	2.72			200	(
	383.	66	73	0.69	44		253	C
	384.	66	176	1.77	44		140	C
	385.	66	177	0.98	45	0. 73	142	1
	386.	66	179	2.69	45	1. 73	82/481	O

	2		4		1	2	3		5
1	2	3	4	5		-			
	452.	74	359	35.90		33.	7	13	0.82
	453.	74	149	0.11		34.	7	25	1.66
	454.	74	158	60.90		35.	7	116	0.20
	455.	74	185	10.00		36.	7	139	0.29
	456.	74	237	14.85		37.	7	142	0.17
	457.	74	424	25.24		38.	7	158	0.18
	458.	74	308	0.47		39.	8	173	0.14
	459.	74	420	1 41		40.	9	108	0.98
	460	74	18	0 82		41.	9	180	0.28
	461.	74	38	2 45		42.	10	93	0.41
	462.	74	43	3.97		43.	11	86	0.25
	463.	74	51	1.21		44.	12	10	1.44
	464.	74	165	0.31		45.	12	39	2.94
	465.	75	210	1 38		46.	12	61	0.08
	466.		192	1 08		47.	12	63	1.37
		75 76				48	12	123	0,32
	467.	76	91	0.73					
	468,	76	141	0.66		49.	12	149	0.30
	469.	76	271	1.28		50.	12	155	0.20
	470.	7 <b>7</b>	83	50.00		51.	13	111	0.31
	471	77	109	14.50		52.	13	126	0.17
	472.	77	189	2.77		, 53. ··	14	9	0.77
	473.	77	190	0.89		54.	14	15	0.98
	474.	77	236	10.00		55.	14	18	J.58
	475.	<b>7</b> 7	409	11.60		56.	14	24	2.47
	476.	<b>7</b> 7	412	4 72		57.	14	52	0.40
	477.	77	209/480	0.36		58.	14	58	0.70
			•			59.	14	62	0.99
Village: Barangaput	P.S. Ser	mhguda I	Dist. Korapu	ıt		60.	14	77	0.79
V (1),(1),(2),(1)						61.	14	125	0.32
	S1.	Khata	Plot	Area		62.	14	133	0.11
	No.	No.	No.	(acres)	•	63.	14	145	0.19
	— <sub>2</sub>					64.	14	156	0.20
1		3	4	5		65.	14	164	0.41
	1.	1	4	2.51		66.	15	53	0.23
	2.	1	6	1.90		67.	15	119	
	3.	1	35	0.37					0.12
	4.	1	31	0.20		68.	15	174	0.43
	5.	I	75	1.65		69.	15	131	0.37
	6.	1	124	0.21		70.	16	85	0.26
	7.	1	150	0.30		71.	17	19	2.09
	8.	1	152	0.16		72.	17	20	0.42
	9.	2	121			73.	17	26	0.18
				0.27		74.	17	46	2.69
	10.	2	170	0.43		75.	17	79	1.18
	11.	3	16	2.49		76.	17	92	0.33
	12.	3	40	0.60		77.	17	122	0.31
	13.	3	72	2 00		78.	17	134	0.07
	14.	3	140	0.21		79.	17	151	0.32
	15.	3	153	0.20		80.	17	157	0.32
	16.	4	130	0.11		81.	17	44	1 90
	17.	5	5	1.07		82.			
	18.	5	30	0.29			18	99 107	0,19
	19.	5	36	2.35		83.	18	107	0.30
	20.	5	47	0.77		84.	18	117	0.17
	21.	5	65	1.20		85.	18	118	0.26
	22.	5	68	1.32		86.	19	83	0,12
	23.	<b>5</b>	74	0.68		87.	20	88	0.96
	24,	5	100	0.09		88.	21	11	1.10
		5	113	0.29		89.	21	17	1.89
	25			0.08		90.	21	33	0.26
	25. 26		115						
	26.	5	115			91.	21	34	0.27
	26. 27.	5 5	137	0.29					0.27 2.02
	26. 27. 28.	5 5 5	137 143	0.29 0.19		92,	21	38	2.02
	26. 27. 28. 29.	5 5 5 5	137 143 139 '	0.29 0.19 0.29		92. 93.	21 21	38 <b>4</b> 5	2.02 1.33
	26. 27. 28. 29. 30.	5 5 5 5 6	137 143 139 1	0.29 0.19 0.29 0.36		92, 93. 94.	21 21 21	38 45 54	2.02 1.33 0.89
	26. 27. 28. 29. 30.	5 5 5 6 7	137 143 139 <sup>*</sup> 112 7	0.29 0.19 0.29 0.36 3.39		92, 93, 94, 95,	21 21 21 21	38 45 54 70	2.02 1.33 0.89 1.27
	26. 27. 28. 29. 30.	5 5 5 5 6	137 143 139 1	0.29 0.19 0.29 0.36		92, 93. 94.	21 21 21	38 45 54	2.02 1.33 0.89

2	3	4		5	ViII ge	AM	RAGAI	N P.S.	SEMILIC DIST	TUDA KORAPUT
	98. 99.	21 21	96 101	2,80 0,15		SI.	— Khata	Plot No.	Area	Boundry.
	100.	21	104	0.19		No.	No.		(acres)	
	101.	21	132	0.35			3	4	5	6
	102,	21	135	0 24						
	103.	21	138	0.32		1.	1	785	2 34	N-Bangite Goud
	104,	21	141	0.17		•-				SAnu Gouda
	105.	21	146	0.20		2.	1	789	1 04	N-Pahada
	106.	21	147	0.24						S-Dhanu Gouda
	107,	21	177	J.70		3.	1	802	1.28	N–Muli Jani
	108.	22	55	0.45						S-Gurmo Keuta
	109.	22	57	0.70		4.	1	796/967	2.84	N-Dhanu Gouda
	110. 111,	22 22	128 129	$0.21 \\ 0.33$						S–Damonjodi
	112.	22	163	0.68						village
	113.	22 .	176	0.94		5.	2	865	2 00	N-Pahada
	114.	23	91	0.90						S-Benga Muduli
	115.	24	90	1.11		6.	5	901	0.90	
	116.	25	3	2.26						S-Mulia Janı
	117.	25	14	0.68		7.	5	902	0 45	N–Magtia Bhoi
	118.	25	21	1.40						S-Self
	119.	25	22	0 90		8.	10	962	1.07	N-Dudu Bhoi
	120.	25	23	1.37						S–Padia
	121.	25	27	1.92		9.	10	852	1.21	N–Gotia Bhoi
	122.	25	28	2.56						S–Bandulu
	123.	25	29	0.28		10.	10	887	0.74	N–Bingu Budia
	124.	25	49	0.78						S–Dara Chalan
	125.	25	50	0.37		11.	15	884	3.25	N–Pahada
	126.	25	59 .	0.71						S–Nala
	127.	25	64	1.11		12.	15	480	0.86	N-Dora Chalan
	128.	25	66	1.63						S-Dora Chalan
	129.	25	67	1.57		13.	15	837	1.00	N-Budu Bedia
	130.	25	69	1.07						S-Duara Chalan
	131.	25	76	3.52		14.	13	851	0.87	N-Mangiti Bhoi
	132.	25	105	0.06						S-Kesaba Bhoi
	133.	25	114	0.25		15.	16	896	0 39	N-Danguru Bho
	134.	25	136	0.46						S-Damonjodi
	135.	25	144	0.19						Village
	136.	25	148	0.24		16.	16	830	0.14	N–Patita
	137.	25	154	0.34						S-Patita
	138.	25	30/181	0.24		17.	17	867	1 29	N-Benga Mudu
	139.	25	160	0.20						S-Bonduku Cha
	140.	25	166	0.58		18.	19	871	3 44	N-Budu Bhoi
	141.	26	56	0.72						S-Chaitu Bhoi
	142.	26	102	0.08		19.	20	922	0.63	
	143.	26	103	0.46		20	3.6	070	2.02	S-Burja Bhoi
	144.	26	109	0.20		20.	25	872	2.03	
	145.	26	110	0.44		21	36	0.67	0.73	S-Mulia Bhoi
	146.	26	127	0.29		21.	25	957	0.72	N-Magtia Bhoi
	147.	26	167	0.31		22	37	010	0.24	S-Gonda Bhoi
	148.	26	168	0.11		22.	26	910	0.24	N-Patita
	149. •	26	169	0.82		21	26	0.65	0.22	S–Patia
	150.	26	1 <b>71</b>	0.37		23.	26	965	0.33	N–Self S–Self
	151.	26	175	0.78		24.	27	775	Δ.00	S–Self N-Self
	152.	27	42	2.01		4.	<i>21</i>	175	(1 23	S-Damonjodi
	153.	28	97	1.50		25.	30	701	1 50	-
	154.	29	94	3.21		.دن	טי	791	1.36	N-Magitia Gou S-Self
	155.	30	120	0.38		2.1	30	702		
	156.	30	162	0.61		26.	30	792	0 91	N-Self
	157.	30	179	1.43		3=	30	702		S-Nala
	158.	31	87	1.60		27.	30	793	1.75	N-Bangati Gov
	159.	31/1	37	0.04		80	30	707	4	S-Self
	160.	31/1	95	0.42		28.	30	797	1.48	N-Suku Bhoi
	161.	31/1	89	0.24		**	**	000		S-Dhanu Bhoi
	162.	31/1	161	0 44		29	. 30	803	υ 63	NAlka Gouda
	163.	31/1	165	0.19						S-Dhan Gouda

							. = = -	=			
1	_ 2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6 <del>-</del>
	30.	32	895	2 42	N-Dhanu Bhoi		60.	50	753	1 76	N-Reli Bhoi S-Reli Bhoi
	31.	32	912	0.30	S-Gangadhar Bhoi N-Patita S-Patita		61.	50	760	1.26	N-Reli Bhoi S-Reli Bhoi
	32.	32	915	0.82	N-Self		62,	50	761	0.97	
	33	34	913	0.22			63.	50	816	1.28	
	34	34	919	1 26	S-Patita N-Dara Mudub		64.	50	939	0.48	
	35.	40	860	1.15			65.	52	817	1.26	N-Self S-Nala
				•	Chalan S-Gangadhar		66	52	818	1.48	N-Pahada S-Self
	36.	40	869	1,86	Majhi N-Banduku Chalan S. Durwig Phai		67.	52	846	0.38	N-N da- S-Pahada
	37	40	888	1 38	S-Buruja Bhoi N-Kesaba Bhoi S-Dhanu Bhoi		68	52	858	1.11	N-Pahada S-Sadhu Chalan
	38.	40	823	0.90	N-Gurju Dami S-Padia		69.	52	853	0.80	N-Kesaba Bhoi S-Dora Muduli'
	39.	40	546	0.85	N-Self S-Pahada		70.	52	868	1 59	N-Nala S-Dora Chalan
	40.	41	897	0.11 0.15	N-Patita		71.	52	900	2.25	N-Nala S-Mulia Jani
	41.	41	829		N-Patia N-Banduku		72.	52	839	1.73	N-Buruju Jani S-Nala
	42.	42	854	1 69	Chalan		73.	52	857	1.52	N-Pahada S-Padia
			001		S-Damonjodi Village		74.	54	876	2.02	N-Magatia Bhoi S-Sukuru Bhoi
	43.	42	891		N-Janu Bhoi S-Self		75.	54	880	2 26	
	44.	42	892		N-Self S-Self		76.	54	934	1 82	N-Dora Muduli S-Reli Bhoi
	45.	42	893	2.25	N-Self S-Self		77.	54	958	1,48	
	46.	42	894	1 31	N-Self S-Damonjodi		78.	56	786	2,19	N-Nodia Jani S-Alaka Gouda
	47	42	929	4.15	Village N-Pahada	~	79	56	790	1 64	
	48	42	935	0.84	S-Nala N-Mulia Jani		80.	56	801	0.20	N-Alka Gouda S-Hanu Gouda
	49	42	940	0.41	S-Gonda Bhoi N-Nala		81.	56	828	0.98	
	50 51.	42 42	548 918		N-Naia S-Jayram Bhoi N-Self		82.	58	849	1.30	N-Nala S-Magitia Bhoi
	52.	44	890		S-Dombu Bhoi N-Dora Chalan		83.	58	886	0 54	N-Pahada S-Kesaba Bhoi
		46	834	_	S-Dora Muduli N-Baraju Dami		84.	60	768	4.21	N-Pahada S-Self
	53.	40	034	0.03	N-Baraju Dami S-Gangadhar Majhi		85.	60	769	2.30	N-Self S-Self
	54.	48	783	1 65	N-Dhanaka Gouda		86.	60	770	2.13	
					S-Damonjodi village		87.	60	7 <b>7</b> I	1.99	
	55.	48	788	0.66	N-Dhanaka Gouda S-Ladhia Jani		88.	60	772/1	4 70	N-Self
	56.	48	796	1.74	N-Banu Gouda S-Dhanaka Guda	,	89.	60	776	0.74	S-Mulia Jani N-Gochar
	57.	48	799	3.67	N-Sukuru Bhoi S-Mulia Jani		90	60	781	2 04	S–Self N–Self
	58.	48	805	0.63							S-Village Damonjodi
	59.	48	807	. 2.01	N_Self		91.	60	782	1.79	N-Gochar S-Self
					S-Damonjodi	·		<u> </u>			

	<del>-</del>					<del></del>					
ı	2		4	- 5	ο`	1		3	4	5	6
	91	(1	777	0 39	N Gochar		123	87	920	0 49	N-Mulia Jani
	63,	61	778	0.81	S-Priponjodi N-Gochii		124.	80	$\delta^{0}0$	0.71	S-Dhamonjodi N I oda Bhoi S-Dudu Bhoi
	47.	66	ųγγ	0.50	S-Damonjodi N-Dora Chhaud S-Padia		125	80	906	2 60	N-Lada Bhoi S-Denga Muduli
	95,	66	h27	1 59	N-Buruja Jam S/Ganga Tha		126.	88	757	1 37	N-Bala Bhoi S-Bala Bhoi
	ინ	66	832	2.03	M jhi N-Pa ha		127.	38	759	1 44	B-Bala Bhoi S-Bala Phoi
	97.		833		S-Padia N-Buong i Jani		128,	88	762	1.76	N=Bala Bhoi S=Pahada
	98	66	845		S-S-W N Nala		126.	88	883	3 97	N-Pahada S-Nala
	99,	66	603		S.Pahada N-Sadhu Chalin		J30.	88	547	0.90	N-Bala Bhoi S-Pahada
	100.	66	692		S-Self N-Self		131.	90	812	0 06	N-Nalo S-Nalo
	101,	66	- 691		S-Anaba li N Self	·	132.	90	787	9 10	N -Sudhia Jani S- Padia
	102.	66	838	0 72	S-Padia N-Bonducu Chalan		133.	90	794	1 20	<b>N</b> -Bangia Conda S-Nala
	103.	60	820	2 10	S-Bonducu Bhoi N-Hemogudia		134.	00	806	1 28	N-Dhanu Gauda S-Damonjodi
	104.	66	690 .	0 05	S-Nala N-Ledia Inni		135.	90	809	0 99,	viltage N-Pahada
	105,	70	870	1.39	S-Self N-Dora Chalan		136.	où	844	1 08	=
	106	70	₹74	2 11	S Gonda Bhoi N-N: In tib ii		137	90	545	3 14	S-Pahada N-Bala Bhoi
	107.	71	923	0.87	S–Magitia Bhoi N–Gonda Bhoi S–Damonjedi		138.	90	863	2 06	S Pahada N-Pahada S-Bonda Bhoi
	108.	72	866	1 03	N-Bonda Bhor S-Gangadhar		139,	92	903	2 67	N-Sukuru Bhoi S-Magudu Bhoi
	109	72	905	2 58	Budia N-Lada Bhoi		140.	92	904	3 78	N-Sukuru Bhoi S-Benga Muduli
	110.	72	907		S-Magata Bhoi N-Magata Bhoi	•	111.	-92	969	1.23	N-Benda Bhor S-Magutu Bhol
	111.	78	956		S-Paria N-Bhonga Bhoi		142.	97	798	2 66	N-Pahada S-Padia
	112.	71	955		S-Chaitan Bhoi N-Targla Bhoi		143	97	877	1,30	N-Bonda Bhoi S-Lada Bhoi
	113	82	780	2 21	S-Magutia Bhot N Padia		144.	97	878		N-Gonda Bhoi S-Loda Bhoi
					S-DamoujoJi Land		145.	97	964	0.96	N–Kurumuli S–Chaitan Phoi
	114	82	800		N–Dhana Gouda S–Anaka Gouda		146	97	938		N–Bala Bhoi S–Padia
	115.	82	813	1 88	N-Pahada (S-Hemogudia		147.	79	924		N-Mulia Jani S-Baruju Bhoi
	116.	82	865	1.29			148.	99	812	1.21	N–Mulia Bhoi S–Nala
	117.	90	936	1.26	N-Padia S-Dora Muduli		149.	99	826	1.56	N-Padia S-Berga Jani
	118.	90	703	0.60	N-Mulia Jani S-Buruju Dami		150.	101/1	772/2	5 30	N-Binju S-Binju
	119.	84	811	3.40	N–Pahada S–Nala		151	101/1	773	0 21	N-Sunadhar
	120	84	873	1.71	N-Chaitan Bhoi S-Buruji Bhoi		153		014	1 60	Chalan S-Self
	121.	85	909	0.37	N-Podia S-Podia		152.		814	1 50	N Gangadhar Majhi
	122	87	914	0 20	N-Patita S-Patita		153,		847	3 48	SMulia Jani N-Nala S-Nala

154.	101/1	927	2 68	– – N–Pahada	TILL AGI,	; CHAMPA	PADA.	R P.S	. KORAP DIST, K	UT ORAPUT
124.	101/1	) <u>-</u> /	_ 00	S-Pagutia			Ciol	V1		
155.	101/1	928	3.84				Serial No.	Khata	Plot	Aeguir-
156.	101/1		1.15	N-Mulia Jani			NO.	No.	No.	ed Area
				S-Mulia Jani						(acies)
157.	101/2	774	0 74	N-Self	1		23	3	4	5
				S-Poduke Jani			-, -			
158.	101/2	815	0.97	N-Mulia Jani			1. 2.	1	2	0.97
1.50	101/3	0.64	2.30	S-Nala			3.	ľ	51 53	2.35
159.	101/2		2.39				4.	1	54	3.30 1.04
160.	101/6	831	0.39	N–Buruju Jani			5.	1	82	0 98
				S–Buruju Jani			6.	1	95	1.48
161.	101/12	704	0 20	N-Pahada	•		7.	1	111	0.91
				S-Ladia Jani &			8.	Ī	180	0,32
				Others			9.	1	181	3.14
162.	101/13	908	1-, 36	N-Kobi Bhatra			10.	2	85	0.37
				& Others			11.	2	96	1 05
				S-Dumburi Bhoi			12.	3	9	3.21
				& Others			13.	3	19	2 68
163.	101/12	911	0 73	N-Damonjodi			14.	3	25	1,63
				village			15.	3	58	1 19
				S- Danguru Bhoi			16.	3	122	2.73
164.	101/33	926	0 10	N-Pratap Chalan			17.	3	169	8.00
				S-Sukurı Bhoi &			18.	3	178	0.94
•				others			19.	3	183	2.93
165	101/33	930	0.54	N-Dura Muduli &			20.	4	153	0.64
				others			21.	5	156	0.31
				S-Pratap Chalan			22.	6	24	0.76
166.	101/44	898	1.56	N-Mulia Jani			23.	6	48	2.99
				S-Damonjodi			24.	6	87	0.93 0.22
				village			25.	6	104 112	2.30
167.	101/44	899	0,88	N-Bounduku			26. 27.	6 6	112	2.60
				Challan			27.	6	138	0.31
				S-Mulia Jani &			29.	6	151	3,52
				others		j	30.	6	166	2.29
168.	101/44	916	0.61	N-Donguria Bhoi		•	31.	6	173	0.96
	·			S-Mosanipada			32.	6	177	0.93
169.	101/44	917	0.47	N-Duara Muduli			33.	6	197	1,32
	,			S-Donguia Bhoi			34.	6	201	1.75
170.	101/44	921	0.54	N-Mulia Jani			35.	6	235	3.72
	101/11	721	0.54	S-Damonjodi			36.	7	94	0 21
171	101/44	025	0.00				<b>37</b> .	7	239	0.88
171.	101/44	925		N-Mulia Jani			38.	8	234	0.62
	_			SDamonjodi`			39.	9	29	1.83
172.	37	932	0.79	N-Bonda Bhoi			40.	9	38	1 16
				S-Bonga Bhoi			41.	9	60	3 56
173.	35	961	1,20	N-Magatu Bhoi			42.	9	115	0.58
				S-Kesaba Bhoi			43.	9	193	1.88
174.	6	841	0,81	N-Pahada			44.	9	194	3,46
				S-Pahada			45.	9	208	5 13
175.	15 8	819	0.74	N-Padia			46.	9	213	2,20 1.41
				S-Banduku			47.	9	121/249	0.08
				Challan			48.	10	207	0.08
176.	78 8	350	1.96	N-Nala				11	11	2.09
- , 0,			,0	S-Gotia Bhoi				1J [[	30 80	1 75
177.	78	875	3 77	N-Buruju Bhoi				11	83	0.98
111.	101	U/2	J 14	S-Bonda Bhoi				11 11	120	3.77
178.	78	879 ′	1 32	N-Nala				11	171	2.03
1/0.	, 0	U 1 3	1.34	S-Banduku			5 <b>4</b> . 55.	11	186	3.04
				Challan			5 <b>6</b> .	11	187	3,04

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	57.	11	190	1.30		119.	20	27	<u> </u>
	58.	11	192	1.89		120.	20	31	1 48
	59.	11	202	1.57		121.	20	33	0.84
	60.	11	238	4.98		122.	20	35 💂	5,70
	61.	11,	241	3.67		123.	20	37	2 23
	62.	12	135	0.31		124.	20	41	3.68
	63. 64.	13 14	204 4	3. <b>5</b> 4 0.60		125.	20	43	2.49
	65.	14	6	3.38		126. 127.	20 20	63 <b>72</b>	1.58 2.97
	66.	14	15	1.07		127.	20	88	. 1.21
	67.	14	20	3.45		129.	20	99	0 65
	68.	14	22	3.21		130.	20	100	0.47
	69.	14	45	4.72		131.	20	101	0.46
	70.	14	64	4.28		132.	20	102	1 59
	71.	14	65	3.55		133.	20	105	0.33
	72.	14	67	2.28		134.	20	107	0.40
	73.	14	68	3.63		135.	20	109	0.50
	74.	14	73	0.79		136.	20	110	1.20
	75.	14	81	1.35		137.	20	121	1.34
	76.	14	114	0.81		138.	20	123	3.78
	77.	14	117	5.19		139.	20	124	2.40 1.96
	78. 79.	14 1 <b>4</b>	126 128	1.58 1.90		140. 141.	20 20	129 132	2.15
	79. 80.	14	142	0.67		142.	20	136	4.32
	81.	14	142	5.05		143.	20	140	5,84
	82.	15	69	1.21		144.	20	141	1.10
	83.	15	84	0.35		145.	20	144	7.45
	84.	15	90	0.25		146.	20	148	2.61
	85.	15	147	0 56		147.	20	160	2.50
	86.	15	150	0.74		148.	20	162	2.56
	87.	15	152	0.42		149,	20	163	4.12
	88.	15	179	0.23		150.	20	1.	11.55
	89.	15	205	0.41		151. 1 <b>5</b> 2	20	168 172	6 30
	90.	16	44	2 43		1 <b>5</b> 2	2 <b>0</b> 2 <b>6</b>	184	2.5 <b>5</b> 2.92
	91.	16	174	1,64		154.	20	191	1.27
	92.	17	49	4.18		155.	20	199	1.02
	93,	17	188	3.52		156.	20	203	2.49
	94. 95.	17 17	200 214	3.56		157.	20	210	0.58
	96.	17	218	3.40		158.	20	215	3.50
	97.	18	7	1.63 6.31		159.	20	220	3.11
	98.	18	8	2.34		160.	20	221	2.58
	99.	18	12	2.05		161.	20	222	4.01
	100.	18	13	3.07		162. 163,	2 <b>0</b> 20	225 227	2. <b>54</b> 7.06
	101.	18	28	5.12		164.	20	228	6.16
	102.	18	40	3.38		165.	20	229	2.38
	103.	18	59	4.01		1 <b>6</b> 6.	20	230	2,29
	104.	18	62	4 99		167.	20	242	4.55
	105.	18	74	0.75		168.	20	121/248	0.29
	10 <b>6</b> . 107,	18	76	0.45		169.	20	26	<b>0</b> .19
	107.	18 18	92 106	0.78		1 <b>70</b> .	20	97	0.27
	100.	18	116	0.61 2 08		171.	20	157	1 09
	110.	18	125	3.94					
	111.	18	146	3.94 3.92		172.	20	232	0.80
	112.	18	196	4.62		173.	20	233	0.52
	113.	19	79	0.85		174.	20	236	2.06
	114.	19	154	0.23		175.	20	237	0.56
	115.	19	155	0.50		176.	20	240	0.40
	116,	19	7 <b>7</b>	1.34		177.	20	244	1.06
	117.	20	17	0.21		173.	20	245	0.21
	118.	20	21	5.71		1 <b>7</b> 9.	20	246	2.40

ILLA <b>G</b> 1 : DUMURI	<b>G</b> UDA	P.S. SE	MILIUDA ST. KORAF	ידונכ		_ 2	.3	4 	5 -
		Di.	31. KOKAI	. 01	,	60	11	39	J.
	Seart	Khati	Plot No.	Area		61. 62.	11 11	<b>50</b>	4 (
_	No.	No.		(acres)				14	2.3
			<b>-</b> √ ,	_		63.	11	20	
1	2	3	4	5		64.	<u> </u>	36	0,
	J.	1	4	0 03		65.	11	37	1.
	2.	2	87	0.70		66. 、	. 11	62	2.
	3.	2	27/3	1.03		67.	12	68	0
	4	2	10	3.76		68.	12	73	2.
	5.	2	51	1.84		69.	12	74	0.
	6.	2	22	1.19		70.	13	46	0.
	7.	2	24	3,88		71.	13	8	3.
	8.	2	47	1.46		. 72.	13	1,2	0.
	9.	2	41	0 93		73:	13	51	1.
	10.	2	23	3.84		74.	13	52	١.
	11.	3	7)	0 36		75.	13	60	2,
•	12.	3	34	1 <b>5</b> 3		76.	13	53	2.
	13	3	78	3.91		71.	14	44	0
	14.	3	84	0.28		78.	14	86	0
		3		1,53		79,	14	27/2	10
	15.		5/2 27/1	6.96		80.	14	25	2
	16.	3	27/1			х}.	14	26	2
	17.	3	80/2	0.54		82.	14	54/2	1
	18.	3	80/3	0 53		83.	15	69	i
	19.	4	27/4	6 <b>0</b> )				-	<u>-</u>
	20	4	3	3.72					
	21.	4	5/1	4.19	VILLAGE SUGUR	<b>IG</b> UDA		P.S. KOR	АРИГ
	22.	4	17	17.05				DIST. K	ORAP
	23.	4	64	1.02					
	24.	4	81	1.63		Serial	Khata	Plot No.	Arca
	25.	5	48	<b>0</b> .9t		No.	No.	•	( cro
	26.	5	72	0.30	<u>-</u>	. –	3	4	
	27.	5	19	4.41					
	28.	5	21	2.75		1,	l	38	1
	29.	5	28	2.04		2.	{	118	1
	30.	5	33	3 35		3.	1	50	0
	31.	5	55	3,55		4.	1	71	3
	32.	5	71	2.82		5.	1	100	0
	33.	5	77	0.30		6.	1	110	2
	34.	6	49	0.84		7.	ſ	35	2
	35.		31	4.98		8.	1	39	3
		6				oʻ	1	183	e
	36.	6 ~	∡ <b>5</b> 2	1.30		10.	2	06	. 0
	37.	7	80/1	1.06		11.	2	101	(
	38.	7,	82	1.36	,				
	39.	7	83	2.45		12.	2	171	(
	40.	7	13	7.65		13,	2	175	C
	41.	8	85	0.92		14.	3	25	]
	42.	8	б	1.81		15.	3	26	(
	43.	8 .	15	6,60		16.	3	27	
	44.	8	16	3.09		, 17.	3	29	]
	45.	9	40	.0.31		18.	3	33	4
	46.	9	2	3.70		19.	3	34	3
	47.	9	3 <b>0</b>	4.39		20.	3	54	(
	48,	9	35	1.66		21.	3	63	
•	49.	9	45	0 5)		22.	3	94	(
	50.	ý	<b>5</b> 6	1 81		23.	3	121	
	51.	9	<b>6</b> 3	2.53		21.		144	
	51. ·	9	2 <b>7</b> /5				3		
	<b>5</b> 3	10	27/3 76	2.65		25.	3	145	;
				0.76		26.	3	187	
	54.	10	42	0.65		27.	3	153	(
	55.	10	9	1,16		28.	4	45	(
		10	29	1.73		29.	4	178	
• ,	56.								
	<i>5</i> 7.	10	38	2 25		30.	4	182	

1		2	3	4	 5	1	_	2	3		
-		33.	4	184	1.88	•		97.	8	102	0.59
		34.	5	2	0.79			98.	y	132	0 6
		35	5	8	1 57			99.	10	5	0.9
		36.	8	12	4.47			100.	10	13	2 3
		37.	5	88	0.15			101.	10	16	0.8
		38.	5	89	4.33			102.	10	. 32	0.80
		30.	5	90	5.02			103.	10	52	0.4
		40.	5	114	0.88			104.	10	5 <b>6</b>	0.1
		41.	5	125	6,92			105.	10	65	0.9
		42.	5	126	1.69			106.	10	93	0.2
		43.	5	127	0.89			107	11	179	0.3
		44.	5	131	0.24			108.	11	191	0.2
		45.	5	134	1.90			109.	12	19	1.7
		46.	5	152	1.39			110.	12	47	0.2
		<b>4</b> 7.	5	156	0 08			111.	12	51	0,1
		48.	5	161	0.15			112.	13	177	0.3
		48.	5	166	0 60			113.	13	180	0.2
		59.	5	135/195	0 64			114.	14	7	4.6
		51,	5	138	2.48			115.	14	24	3,5
		52.	5	112/200	2.89			116.	14	41	5.1
		53.	5	139	6.03			117.	14	49	0.3
		54.	5	159	0.12			117.		57	0.2
		55.	5	168	0.60			119.	14	80	2.1
		56.	5	4	1.56						
			5	. 73	2.31			120.	14	<b>.</b> 82	1.1
		57.	5	75	4 11			121.	14	111	2.
		58.	5	149	1.13			122.	14	155	0.
		59.						123.	14	186	1.
		60.	5	157	0.11			124.	15	193	0.
		61.	5	162	0.14			125.	16	18	0.
		62.	5	ď.	1 09			126.	16	23	0.
		63.	5	30	2.47			127.	16	58	0.
		64.	5	22	2.13			128.	16	67	1.
		65.	5	3()	1.46			129.	16	72	1,
		66.	5	31	2.41			130,	16	98	0.
		67.	5	68	2,22			131.	17	194	0.
		68.	5	76	1,32			132.	18	48	0.
		69.	5	140	1.20			133.	18	66	2.
		70.	5	141	J.44			134,	18	81	2.
		71.	5	150	0.19			135.	18	84	1.
		72.	5	154	0 20			136.	18	86 .	2.
		73.	5	164	0.32			137.	18	62	2.
		74.	5	165	0.19			138.	18	85/195	0.
		75.	5	169	0 42			139.	19	172	0.
		76.	6	43	0.86			140.	20	l	1.
		77.	6	44	0 35			141.	20	15	1.
		78.	6	130	1.79			142.	20	28	0.
		79.	6	174	1.20			143.	20	37	0.
		89.	6	92	0.78			144.	20	55	0.
		80.	6	129	0.62			145.	20	95	0.
		82.	6	91	J.09			146.	20	108	2.
		83.	6	153	0.32			147.	,20	109	1.
		84.	7	- 2I	- 4.67			148.	20	170	0.
	-	85.	7	59	1.69			149.	21	181	0.
		86.	7	77	1,12			150.	21	192	0
		87.	7	97	0.13			151.	22	10	1.
		88.	7	99	0.15			152.	22	146	1.
		89.	7	101	0.12			153.	23	3	0.
		90.	7	113	0.83			154.	23	11	1.
		91.	7	119	0.47			155.			
		92.	7	123	1.72				23	160	0.
		93,	7	142	1.49			156.	23	135	1.
		94	7	40	2.01,			157.	23	1.51	Ο.
		9,	7	83	2 17			158.	23	116	0.
		96.	7	60)	1.25	,	i	159.	23	176	0,
					ر ښاد			160.	23	197/198	0.

Serial   Khata   Piqt No.   Are a   39, 144   1134   61,	262	THE C	SAZETTE	OF	INDIA : J	ANUARY	8, 1983/PAUSA 18,	1904	[P	art II—S	EC. 3(ii)]
Serial   Kalate   Piot No.   Acca   50.   14   124   6.     No.   No.   No.   Acca   50.   14   125   1.     1   2   3   4   5   62.   14   134   1.     1   1   142   9.37   63.   15   120   0.     2   3   4   5   65.   15   26   1.     3   1   149   3.44   65.   15   26   1.     4   1   150   2.   1.     5   2   148   1.     1.   1.   1.   1.   1.     6   3   3   0.74   68.   15   68   0.     6   3   3   1.   1.   1.   1.   1.   1.	VILLAGE	: : POTI	ASIL				1 -				5 1.76
No.   No.   (Acres)											6.6
1					a Plot No.						1.2
1				No-		(Acres)					4.40
1, 1 142 9.37 64. 15 120 0 0 2. 1 145 3.25 66. 15 26 1. 3. 1 149 3.44 66. 15 30 5. 4. 1 1 150/2 1.52 67. 15 60 0. 5. 2 148 1.81 68. 15 65 2. 6. 3 3 0.74 69. 15 68. 15 65 2. 7. 3 11 1.44 70. 17 52 0. 8. 3 15 3.10 71. 17 78 0. 9. 3 22 3.24 72 18 151/1 1. 10 3 27 1.80 73. 24 72 18 151/1 1. 11 3 57 0.45 74. 19 21 0. 12. 3 61 0.11 75. 19 25 0. 14. 4 81 0.33 77. 19 25 0. 14. 4 88 1 0.33 77. 19 72 1. 15. 5 10 2.28 78, 78, 19 75 1. 15. 5 60 0.33 77. 19 72 1. 15. 5 60 0.08 79. 19 119 11. 17. 5 63 0.17 80 19 119 117. 18. 5 66 4.40 89. 19 119 119 117. 18. 5 66 4.40 89. 19 119 137 1. 18. 5 66 4.40 89. 19 119 119 119. 19. 5 86 0.33 82 20 102 21. 21. 7 1 1. 1.92 85 20 99 1. 22. 7 6 4.27 88. 20 99 1.16 2. 23. 7 9 5.56 87 99 0. 24. 7 16 4.00 88. 20 102 11. 25. 7 7 91 5.66 89. 20 102 2. 26. 7 37 4.88 90. 20 113/2 2. 27. 7 44 0.51 99 1. 28. 7 7 11 0.48 99. 22 11 129 0. 29. 7 93 1.79 99. 21 139 2. 20. 6 85 0.27 88. 20 99 1.1 22. 21. 7 1 1. 1.92 85 20 99 1.1 22. 22. 7 6 4.27 88. 20 99 9. 4. 24. 7 16 4.00 88. 20 102 1. 25. 7 37 4.88 90. 20 103 11. 26. 7 7 7 10 0.48 99. 22 11 129 0. 27. 7 44 0.51 99. 22 1. 28. 7 7 11 0.48 99. 22 11 129 0. 29. 7 93 1.79 99. 21 139 2. 20. 7 93 1.79 99. 21 139 2. 21. 7 1 1. 1.92 85 20 99 2. 22. 7 6 4.27 88. 90. 20 188 2. 23. 7 9 5.56 87 20 100 2. 24. 7 16 4.00 88. 20 100 2. 25. 7 37 4.88 90. 20 106 6. 26. 7 37 44.88 90. 20 106 6. 26. 7 37 44.88 90. 20 106 6. 26. 7 37 44.88 90. 20 118 2. 29. 7 93 1.79 99. 21 131/2 1. 30. 7 144 4.52 99. 22 133 1. 31. 9 1.00 12. 99. 22 131 1. 32. 8 16/156 1.39 96. 22 103 6. 33. 8 14 2.25 99. 22 131 1. 34. 8 14 2.25 99. 22 133 1. 35. 9 16 1.1. 1.1. 1.1. 1.1. 1.1. 1.1. 1.1	1 -		2	3	4	5					1.5
1. 1 145 3.35 64. 15 126 0.  2. 1 145 3.45 65. 15 26 1.  3. 1 149 3.44 66. 15 30 5.  4. 1 1502 1.52 67. 15 60 0.  5. 2 148 1.81 68. 15 65 2.  6. 3 3 0.74 69. 15 68. 0.  7. 3 11 1.44 70. 17 52 0.  9. 3 22 3.24 72. 18 151/1 17 78 0.  9. 3 22 3.24 72. 18 151/1 1.  10 3 27 1.80 73. 19 4 0.  11. 3 57 0.45 74. 19 21 0.  11. 3 57 0.45 74. 19 21 0.  12. 3 61 0.11 75. 19 25 0.  13. 3 87 2.06 76. 19 64 0.  13. 3 87 2.06 76. 19 64 0.  14. 4 81 0.33 77. 19 72 1.  15. 5 10 2.28 78. 19 77. 19 72 1.  16. 5 39 0.08 79. 19 91 1.  16. 5 39 0.08 79. 19 91 1.  17. 5 63 0.17 80. 19 119 0.  17. 5 63 0.17 80. 19 119 119 0.  18. 5 66 4.40 81. 19 137 1.  18. 5 66 4.40 81. 19 137 1.  18. 5 66 4.40 81. 19 137 1.  18. 5 66 4.40 81. 19 137 1.  19. 5 86 0.35 82. 19 116 0.  20. 6 85 0.27 88. 20 97 1.  21. 7 1 1.92 84. 20 92 1.  22. 7 6 4.27 88. 20 97 1.  22. 7 6 4.27 88. 20 99 1.  23. 7 9 5.36 88. 20 10 2.  24. 7 1 1.92 88. 20 99 1.  25. 7 35 0.76 89. 20 103 88. 20 19 119 2.  26. 7 37 4.88 90. 20 118 82. 20 99 1.  27. 7 44 0.51 91 91 92 1.  28. 7 71 0.48 99. 22 1.  29. 7 91 0.48 99. 22 1.  20. 10 6 85 0.27 88. 90. 20 118 2.  20. 10 6 85 0.27 88. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 8. 90. 20 118 2.  20. 10 6 82 0.0 102 1.  20. 11 7 1 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 9. 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90. 11 1.  20. 11 1. 10 90											0.60
3. 1 149 3.44 66. 15 30 5. 15 26 1. 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1											0.98
1-19											1.27
4. 1 1902 1.32 67. 15 60 0.  5. 2 148 1.81 68. 15 65 2.  6. 3 3 0.74 69, 15 68 0.  8. 3 15 3.10 71. 17 78 0.  9. 3 22 3.74 72. 18 131/1 1.  10 3 27 1.80 73. 19 4 0.  11. 3 57 0.45 74. 19 21 0.  12. 3 61 0.11 75. 19 25 0.  13. 3 87 2.06 76. 19 64 0.  14. 4 81 0.33 77. 19 72. 1.  15. 5 10 2.28 78. 78. 19 75 1.  16. 5 39 0.08 79. 19 91 1.  17. 5 63 0.017 80. 19 119 11.  18. 5 66 4.40 81. 19 137 1.  19. 5 66 0.33 82. 19 116 0.  19. 5 66 0.440 81. 19 137 1.  20. 6 85 0.27 84. 20 98 1.  21. 7 1 1.92 85. 20 97 1.  22. 7 6 4.27 86. 20 99 4.  23. 7 9 5.26 87. 20 101 25. 20 1				1							5.41
5. 2   148   1.81   68, 15   65   2, 66   3   3   0.74   69, 15   668   0.7   7. 3   11   1.44   70, 17   52   0.   8. 3   15   3.10   71, 17   78   0.   9. 3   22   3.24   72, 18   151/1   1.   10   3   27   1.80   73, 19   4   0.   11. 3   57   0.45   74, 19   21   0.   12. 3   01   0.11   75, 19   25   0.   13. 3   87   2.06   76, 19   64   0.   14. 4   81   0.33   77, 19   72   1.   15. 5   10   2.28   78, 19   75   0.   16. 5   39   0.08   79, 19   91   1.   17. 5   63   0.17   81, 19   119   0.   18. 5   66   4.40   82, 19   119   0.   19. 5   66   0.39   83, 20   92   1.   19. 5   66   0.39   83, 20   92   1.   20. 6   85   0.27   84, 20   92   1.   21. 7   1   1.92   85, 20   97   1.   22. 7   6   4.27   86, 20   99   4,   22. 7   6   4.27   86, 20   99   4,   22. 7   6   4.30   88, 20   102   1.   22. 7   6   4.27   86, 20   99   4,   22. 7   7   4   0.48   90, 20   138   2.   22. 7   7   4   0.48   90, 20   139   2.   23. 7   7   4   0.48   90, 20   139   2.   24. 7   16   4.30   88, 20   102   1.   25. 7   35   0.76   89, 20   102   1.   26. 7   37   4   8   90, 20   139   2.   27. 7   44   0.48   92, 21   151/2   1.   30. 7   144   4.52   94, 21   151/2   1.   31. 7   36/153   0.97   95, 22   103   3.   32. 8   16/156   1.39   96, 22   131   5,   33. 8   14   2.25   97, 22   133   3.   34. 8   51   1.51   99, 22   131   5,   35. 9   116   1.12   99, 22   131   5,   36. 10   12   0.93   100, 23   32   1.   37. 10   23   0.58   100, 23   32   11,   38. 10   33   0.99   103   44,   39. 10   34   0.48   100, 27   99, 22   131   5,   31. 10   59   0.05   106, 27   79, 21   131/2   1.   31. 10   59   0.05   106, 27   79, 27   107, 2			4.								0.09
6. 3 3 0.74 69, 15 68 0.77 7. 3 11 1 1.44 70. 17 52 0.0   8. 3 15 3.10 71. 17 78 0.0   9. 3 22 3.24 72. 18 151/1 1. 1   10 3 27 1.80 73. 19 4 0.1   11. 3 57 0.45 74 19 21 0.1   12. 3 61 0.11 75. 19 25 0.0   13. 3 87 2.06 76. 19 64 0.1   14. 4 81 0.33 77. 19 75 0.1   15. 5 10 2.28 78 79 19 75 0.1   16. 5 39 0.08 80. 19 19 75 0.1   16. 5 39 0.08 80. 19 119 119 117. 5 63 0.1   17. 5 63 0.17 81. 19 137 1.   18. 5 66 4.40 81. 19 117 117 118 119 127 1.   18. 5 66 4.40 81. 19 117 117 119 72   20. 6 85 0.27 83. 20 98 1.   21. 7 1 1.92 84. 20 92 1.   22. 7 6 4.27 85. 20 99 4.   22. 7 7 6 4.27 85. 20 99 4.   22. 7 7 9 5.36 87. 20 101 2.   22. 7 7 9 4.30 88. 20 102 1.   22. 7 7 4 1 0.51 9.   24. 7 16 4.30 88. 20 102 1.   25. 7 35 0.76 89 90. 20 138 2.   27. 7 4 1 0.51 91. 20 139 2.   28. 7 7 10 0.48 90. 20 138 2.   29. 7 93 1.79 93. 1.79 93. 21 151/2 1.   30. 7 144 4.52 94. 20 92. 21 1.   31 7 36/153 0.97 95. 22 1.   32. 8 10/156 1.39 96. 22 1.   32. 8 10/156 1.39 96. 22 1.   33. 8 10/156 1.39 96. 22 1.   34. 8 51 1.51 99. 22 1.   35. 9 146 1.12 1.00 1.   38. 10 13 3 0.99 103. 23 115 0.   38. 10 13 3 0.99 103. 23 115 0.   38. 10 13 3 0.99 103. 23 115 0.   39. 10 34 0.48 104. 24 46 0.   44. 10 108 1.72 110. 27 28 2.   38. 10 13 3.   38. 10 13 3.   39. 10 34 0.48 104. 24 46 0.   39. 111. 27 75 111. 27			5,	2		1,81					2.98
7. 3 11 1.44 70. 17 52 0.  8. 8. 3 15 3.10 71. 17 78 0.  9. 3 22 3.24 72. 18 151/1 1.  10 3 27 1.80 73. 19 4 0.  111. 3 57 0.45 74. 19 21 0.  112. 3 61 0.11 75. 19 25 0.  113. 3 87 2.06 76. 19 64 76. 19 25 0.  114. 4 81 0.33 77. 19 72 1.  115. 5 10 2.28 78. 19 77. 19 72 1.  116. 5 39 0.08 79. 19 31 1.  117. 5 63 0.17 80. 19 116 0.  118. 5 66 4.40 81. 19 137 1.  119. 5 86 0.35 82. 19 116 0.  120. 6 85 0.27 83. 20 98 1.  21. 7 1 1.92 85. 20 97 1.  221. 7 6 4.27 86. 20 99 4.  23. 7 9 5.26 87. 20 101 2.  24. 7 16 4.30 88. 20 99 4.  23. 7 9 5.26 87. 20 102 2.  24. 7 16 4.30 88. 20 102 1.  25. 7 35 0.76 89. 20 106 6.  26. 7 37 4.88 90. 20 138 2.  27. 7 41 0.48 92. 21 151/2 1.  29. 7 93 1.79 90. 20 138 2.  27. 7 41 0.51 99. 20 138 2.  27. 7 41 0.48 92. 21 151/2 1.  30. 7 144 4.52 94. 21 152 1.  31. 7 36/153 0.97 95. 22 1.  32. 8 16/156 1.39 96. 22 130 3.  33. 8 14 2.25 97. 22 133 1.7  34. 8 51 1.51 98. 22 130 3.  35. 9 116 1.11 0.51 98. 22 130 3.  36. 10 12 0.93 100. 23 32 1.  37. 10 23 0.58 100. 23 32 1.  38. 10 3.3 0.99 103. 23 115 0.  39. 10 34 0.48 104 2.4 46 0.0.  40. 10 56 0.17 105. 24 83 0.0.  41. 10 59 0.05 106. 25 62 0.0.  44. 10 108 1.72 109. 25 110. 27 77 110. 29 1.  30. 17 144 2.25 99. 21 151/2 1.  31. 7 36/153 0.97 95. 22 131 5.5.  32. 8 16/156 1.39 96. 22 130 3.  33. 8 14 2.25 97. 22 133 1.7  34. 8 51 1.51 98. 22 130 3.  35. 9 116 1.12 99. 22 131 5.5.  36. 10 12 0.93 100. 23 32 1.  37. 10 2.3 0.58 100. 23 32 1.  38. 10 3.3 0.99 103. 23 115 0.  39. 10 34 0.48 104 24 46 0.0.  40. 10 56 0.17 105. 24 83 0.0.  41. 10 89 0.26 110. 27 29 4.  42. 10 74 0.27 107. 25 69 5.7  43. 10 150/12 2.96 110. 27 99 4.  44. 10 108 1.72 109. 5.55 116. 27 95 77.  48. 12 17 7.77 111. 2.96 110. 27 79 4.  49. 12 19 5.25 116. 27 77 4.  49. 12 17 7. 70 77 77 77 77 77 77 77 77 77 77 77 77			6,	3	3	0.74					0.39
8. 3 15 3.10 71. 17 78 0 0 9. 3 22 3.24 72. 18 151/1 1. 10 3 27 1.80 73. 19 4 0. 11. 3 57 0.45 74. 19 21 0. 112. 3 61 0.11 75. 19 25 0. 113. 3 87 2.06 76. 19 64 0. 114. 4 81 0.33 77. 19 72 1. 115. 5 10 2.28 78. 19 75 19 19 75 1. 116. 5 39 0.08 80. 19 19 75 1. 117. 5 63 0.17 81. 19 137 1. 118. 5 66 4.40 82. 19 116 0. 119. 5 86 0.33 82. 20 92 11. 120. 6 85 0.27 84. 20 92 11. 121. 7 1 1.92 84. 20 92 11. 122. 7 9 5.36 86. 20 99 4. 123. 7 9 5.36 87. 20 1101 2. 124. 7 16 4.30 88. 20 102 1. 125. 7 35 0.76 89 90. 20 138 2. 126. 7 37 4.88 90. 20 138 2. 127. 7 41 0.51 91. 25 1. 128. 7 7 10 0.48 92. 21 129 0. 129. 7 93 1.79 93. 1.79 93. 21 152 1. 131. 3 8 11 2. 25 94. 21 152 1. 131. 3 8 11 2. 25 94. 21 152 1. 131. 3 9. 116 1. 30 99. 22 11 151/2 1. 131. 3 9. 116 1. 30 99. 22 11 151/2 1. 131. 3 9. 116 1. 30 99. 22 11 151/2 1. 131. 3 9. 116 1. 30 99. 22 11 151/2 1. 131. 3 9. 116 1. 30 99. 22 11 151/2 1. 131. 3 99. 22 11 151/2 1. 131. 3 99. 22 11 151/2 1. 132. 3 11 7 36/153 0.97 95. 22 1103 6. 141. 10 59 0.05 110. 27 111. 100. 23 32 1. 142. 10 140. 112 0.93 100. 23 32 1. 143. 10 159/1 2.96 100. 27 111. 27 2. 144. 10 108 1. 1.79 100. 23 32 1. 145. 10 108 1. 72 110. 27 288 0. 147. 10 24 0.58 10. 27 111. 27 29 3. 148. 10 130 0.99 103. 21 35 80 0. 149. 117. 27 44 0.48 104. 24 46 0.04 10. 27 47 10. 27 29 3. 140. 10 10 56 0.17 105. 24 48 0.48 104. 24 46 0.04 10. 10. 56 0.17 105. 24 88 0.27 107. 27 29 3. 145. 10 108 1.72 110. 27 288 0.04 111. 27 29 3. 146. 10 112 7.57 1112. 27 44 10. 27 107. 25 69 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 27 94 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 99 5. 25 116. 27 9			7.	3	11	1.44					0.22
9. 3 22 3.24 72 18 151/1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	•			3	15	3.10					0.2
10						3,24					1.14
11. 3 57 0.45 74, 19 21 0.0 12. 3 61 0.11 75, 19 25 0.1 13. 3 87 2.06 76, 19 64 0.1 14. 4 81 0.33 77, 19 72 1.1 15. 5 10 2.28 78, 19 75 0.1 16. 5 39 0.08 79, 19 91 19 0.1 17. 5 63 0.17 80, 19 119 0.1 18. 5 66 4.40 81, 19 137 1.1 18. 5 66 4.40 81, 19 137 1.1 19. 5 86 0.33 83, 20 98 1.1 19. 5 86 0.33 83, 20 98 1.1 19. 5 86 0.33 83, 20 99 1.16 0.2 20. 6 85 0.27 84, 20 92 1.2 21. 7 1 1.92 85, 20 97 1.1 22. 7 6 4.27 86, 20 99 4, 21 23. 7 9 5.26 86, 20 99 4, 22 24. 7 16 4.30 88, 20 102 1.2 25. 7 35 0.76 89, 20 106 6.26, 7 37 4.88 90, 20 138 2.2 26. 7 37 4.88 90, 20 138 2.2 27. 7 44 0.51 91, 20 139, 22 28. 7 71 0.48 92, 21 129 0.0 29, 7 93 1.79 99, 21 159, 22 29, 7 93 1.79 99, 21 159, 23 30. 7 144 4.52 94, 21 152 11, 22 29, 7 93 1.79 99, 21 159, 23 31 7 36/153 0.97 99, 21 159, 21 32. 8 10/156 1.39 96, 22 103 6, 33 33. 8 14 2.25 97, 22 103 6, 33 34. 8 51 1.51 99, 22 133 1.3 35. 9 146 1.12 99, 22 131 5.3 36. 10 12 0.93 100, 23 32 11, 29 99, 22 131 36. 10 12 0.93 100, 23 32 11, 29 99, 22 131 36. 10 12 0.93 100, 23 32 11, 29 99, 22 131 37, 10 23 0.58 100, 23 115 00, 24 83 39, 10 34 0.48 104, 27 100, 25 62 80, 44, 10 108 1.72 100, 27 100, 25 62 80, 44, 10 108 1.72 100, 27 100, 25 62 80, 44, 10 108 1.72 100, 27 100, 25 62 80, 44, 10 108 1.72 100, 27 144, 46 0.0 40, 10 56 0.17 105, 24 83 0.1 41. 10 59 0.05 100, 23 32 115 00, 27 34, 48 10, 10 108 1.72 100, 27 38, 50, 50, 50, 50, 50, 50, 50, 50, 50, 50											0.60
12, 3											0.44
13.											0.77
14.       4       81       0.33       77.       19       72       1.         15.       5       10       2.28       78.       19       19       79       19       91       1.         16.       5       39       0.08       80.       19       119       10.         17.       5       63       0.17       80.       19       119       11.         18.       5       66       64.40       81.       19       137       1.         19.       5       86       0.33       82.       19       116       0.         20.       6       85       0.27       84.       20       92       1.         21.       7       1       1.92       85.       20       97       1.         22.       7       6       4.27       86.       20       99       4.         23.       7       9       5.26       87.       20       101       2.         24.       7       16       4.30       88.       20       106       6.         25.       7       35       0.76       89.       20       106 <td< td=""><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td>0.21</td></td<>											0.21
15. 5   10   2.28   78. 19   75   0. 16. 5   39   0.08   79   19   91   1. 1. 17. 5   63   0.17   81. 19   137   1. 18. 5   66   4.40   81. 19   137   1. 19. 19. 116   0. 19. 19. 5   86   0.38   82. 19   116   0. 19. 19. 19. 19. 19. 19. 19. 19. 19. 19											1.28
16. 5 39 0.08 79. 19 91 1. 1. 17. 5 63 0.17 80. 19 119 0. 17. 5 63 0.17 81. 19 137 1. 18. 5 66 4.40 82. 19 116 0. 19. 5 86 0.33 82. 19 116 0. 19. 5 86 0.33 82. 19 116 0. 19. 5 86 0.33 82. 19 116 0. 19. 5 86 0.33 82. 19 116 0. 19. 19. 19. 19. 19. 19. 19. 19. 19. 19											0.91
10.   17.   5   63   0.17   81.   19   137   1.     18.   5   66   4.40   81.   19   137   1.     19.   5   86   0.33   82.   19   116   0.     19.   5   86   0.27   83.   20   98   1.     20.   6   85   0.27   84.   20   92   1.     21.   7   1   1.92   85.   20   97   1.     22.   7   6   4.27   86.   20   99   4.     23.   7   9   5.26   87.   20   101   2.     24.   7   16   4.30   88.   20   102   1.     25.   7   35   0.76   89.   20   106   6.     26.   7   37   4.88   90.   20   138   2.     27.   7   41   0.51   91.   20   139/2   22.     28.   7   71   0.48   92.   21   129   0.     29.   7   93   1.79   93.   21   151/2   1.     30.   7   144   4.52   94.   21   152   1.     31.   7   36/153   0.97   95.   22   103   6.     32.   8   16/153   0.97   95.   22   104   5.     33.   8   14   2.25   97.   22   133   3.     34.   8   51   1.51   99.   22   131   5.     35.   9   146   1.12   1.     36.   10   12   0.93   100.   23   32   1.     37.   10   23   0.58   101.   23   58   0.     39.   10   34   0.48   104.   24   46   0.     40.   10   56   0.17   105.   24   83   0.     41.   10   59   0.05   106.   25   62   0.     44.   10   108   1.72   109.   26   82   0.     44.   10   108   1.72   109.   26   82   0.     45.   10   89   0.26   110.   27   43   0.     46.   10   112   7.57   112.   27   55   1.     47.   12   2   2.79   114.   27   70   2.     48.   12   17   3.07   115.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   75   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75   76   112.   27   75							*			91	1.81
17. 5 0.6 0.4 4.40 82. 19 116 0.  18. 5 66 4.40 82. 19 116 0.  19. 5 86 0.33 82. 19 116 0.  20. 6 85 0.27 84. 20 98 1.  21. 7 1 1.92 85. 20 97 J.  22. 7 6 4.27 86. 20 99 4.  23. 7 9 5.26 87. 20 101 2.  24. 7 16 4.30 88. 20 102 1.  25. 7 35 0.76 89. 20 106 6.  26. 7 37 4.88 90. 20 138 2.  27. 7 41 0.51 91. 20 139/2 2.:  28. 7 71 0.48 92. 21 129 0.  29. 7 93 1.79 91. 21 151/2 1.  30. 7 144 4.52 94. 21 152 1.  31 7 36/153 0.97 95. 22 103 6.  32. 8 16/156 1.39 96. 22 103 6.  33. 8 14 2.25 97. 22 133 1.  34. 8 51 1.51 98. 22 130 3.  35. 9 116 1.12 99. 22 133 1.  36. 10 12 0.93 10. 23 12.  37. 10 23 0.58 10. 23 10. 23 11.  38. 10 33 0.99 10. 23 32 1.  39. 10 34 0.48 104 24 46 0.  40. 10 56 0.17 105 10. 23 3.  41. 10 108 1.72 107 25 69 5.  42. 10 74 46 0.44 10. 24 46 0.45 10. 24 46 0.45 10. 24 46 0.45 10. 24 46 0.45 10. 24 46 0.45 10. 24 46 0.45 10. 24 46 0.45 10. 24 11. 27 29 3. 46. 10 112 7.57 112 2.96 10. 27 38 11. 27 36 10. 27 38 10. 28 10. 28 20 20. 28 20. 28 20. 28 20. 28 20. 28 20.								80.	19	119	0.18
18. 5 00 4.40 82. 19 116 0.  19. 5 86 0.33 83. 20 98 1.  20. 6 85 0.27 85. 20 97 1.  21. 7 1 1.92 85. 20 97 1.  22. 7 6 4.27 86. 20 99 4.  23. 7 9 5.26 87. 20 101 2.  24. 7 16 4.30 88. 20 102 1.  25. 7 35 0.76 89, 20 106 6.  26. 7 37 4.88 90. 20 138 2.  27. 7 41 0.51 91. 20 139/2 2.  28. 7 71 0.48 92. 21 129 0.  29. 7 93 1.79 93. 21 151/2 1.  30. 7 144 4.52 94. 21 152 1.  31. 7 36/153 0.97 95. 21 151/2 1.  31. 7 36/153 0.97 95. 22 103 6.  32. 8 16/156 1.39 96. 22 104 5.  33. 8 14 2.25 97. 22 103 6.  34. 8 51 1.51 98. 22 103 3.  34. 8 51 1.51 98. 22 133 3.  35. 9 146 1.12 100. 23 3.  36. 10 12 0.93 100. 23 32 1.  36. 10 12 0.93 101. 23 58 0.  37. 10 23 0.58 101. 23 58 0.  38. 10 33 0.99 101. 23 58 0.  39. 10 34 0.48 104. 24 46 0.  40. 10 56 0.17 105. 24 83 0.  41. 10 59 0.05 106. 25 62 0.  44. 10 10 56 0.17 105. 24 83 0.  45. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0.  44. 10 108 1.72 107. 25 69 5.  45. 10 89 0.26 111. 27 29 26 82 0.  46. 10 112 7.57 112. 27 43 0.  47. 12 2 2.79 114, 27 70 2.  48. 12 17 3.07 115. 27 55 1.  50 12 38 0.19 117. 27 55 1.  50 12 38 0.19 117. 27 55 1.  51. 12 40 0.35 117. 27 55 1.  52. 12 44 1.30 120. 27 79 55.  53. 12 50 0.44 112. 27 70 5.  54. 13 49 0.33 122. 27 42 60 6.  55. 13 77 0.23 112. 27 79 5.  56. 14 111 2.07 125, 28 117. 27 55 1.									19		1.86
19. 5   86   0.35   83. 20   98   1.											0.34
20. 6 85 0.27 21. 7 1 1.92 85. 20 97 1. 22. 7 6 4.27 86. 20 99 4. 23. 7 9 5.26 87. 20 101 2. 24. 7 16 4.30 88. 20 102 1. 25. 7 35 0.76 89, 20 106 6. 26. 7 37 4.88 90, 20 138 2. 27. 7 41 0.48 92. 21 129 0. 29. 7 93 1.79 93. 21 151/2 1. 30. 7 144 4.52 94. 21 152 1. 31 7 36/153 0.97 95. 22 103 6. 32. 8 16/156 1.39 96. 22 104 5. 33. 8 14 2.25 97. 22 133 1. 34. 8 51 1.51 98. 22 130 3. 35. 9 146 1.12 99. 22 131 3. 36. 10 12 0.93 100. 23 32 1. 37. 10 23 0.58 102. 23 32 1. 38. 10 33. 0.99 102. 23 32 1. 39. 10 34 0.48 104. 21 23 58 102. 23 110 0. 37. 10 23 0.58 102. 23 110 0. 38. 10 33 0.99 102. 23 32 1. 39. 10 34 0.48 104. 24 46 0. 40. 10 56 0.17 105. 24 83 0. 41. 10 59 0.05 106. 25 62 0. 42. 10 74 0.27 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 10 59 0.05 106. 25 62 0. 45. 10 89 0.26 110. 27 112. 27 28 2. 48. 12 17 3.07 115. 27 29 3. 48. 12 17 3.07 116. 27 117. 35 1. 50 12 38 0.19 116. 27 117. 35 117. 35 1. 50 12 38 0.19 116. 27 17. 36 117. 37 112. 37 115. 38 0. 45. 10 33 0.99 103 34 0.48 104. 24 46 0. 40. 10 56 0.17 105. 24 83 0. 41. 10 150/1 2.96 106. 25 62 0. 42. 10 74 0.27 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 116. 27 31 115. 50. 45. 10 89 0.26 1110. 27 28 2. 48. 12 17 3.07 116. 27 31 11. 4. 50 12 38 0.19 116. 27 37 116. 27 39 7. 51. 12 40 0.35 117. 52 117. 55 11. 50. 50. 50. 50. 50. 50. 50. 50. 50. 50											1.19
21. 7 1 1.92 85. 20 97 1.  22. 7 6 4.27 86. 20 99 4.  23. 7 9 5.26 87. 20 101 2.  24. 7 16 4.30 88. 20 102 1.  25. 7 35 0.76 89. 20 106 6.  26. 7 37 4.88 90. 20 138 2.  27. 7 41 0.51 91. 20 139/2 2.  28. 7 71 0.48 92. 21 129 0.  29. 7 93 1.79 93. 21 151/2 1.  30. 7 144 4.52 94. 21 152 1.  31 7 36/153 0.97 95. 22 103 6.  32. 8 16/156 1.39 96. 22 104 5.  33. 8 14 2.25 97. 22 133 1.  34. 8 51 1.51 99. 22 133 1.  34. 8 51 1.51 99. 22 130 3.  35. 9 146 1.12 99. 22 131 5.  36. 10 12 0.93 100. 23 3.  37. 10 23 0.58 100. 23 100. 23 115 2.  38. 10 33 0.99 103. 23 115 0.  39. 10 34 0.48 104 24 46 0.  40. 10 56 0.17 105. 24 83 0.  41. 10 59 0.05 106. 25 62 0.  42. 10 74 0.27 107. 25 69 5.  43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0.  44. 10 156 9. 0.5 106. 25 62 0.  44. 10 74 0.27 107. 25 69 5.  44. 10 10 108 1.72 110. 27 112. 27 19.  48. 12 17 3.07 115. 29 2.  48. 12 17 3.07 115. 29 3.  49. 12 19 5.25 116. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 112. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 112. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 75 76 1.  55. 13 77 0.23 124. 48 0.  55. 13 77 0.23 124. 48 0.  56. 14 111 2.07 126. 28 47 76 6.					85						1.88
22.       7       6       4.27       86.       20       99       4.         23.       7       9       5.26       87.       20       101       2.         24.       7       16       4.30       88.       20       102       1.         25.       7       35       0.76       89.       20       106       6.         26.       7       37       4.88       90.       20       138       2.         27.       7       41       0.51       91.       20       139/2       2.         28.       7       71       0.48       92.       21       129       0.         29.       7       93       1.79       93.       21       151/2       1.         30.       7       144       4.52       94.       21       152       1.         31.       7       36/153       0.97       95.       22       103       6.         32.       8       16/156       1.39       96.       22       104       5.         33.       8       14       2.25       97.       22       133       1.         3											1.65
23. 7 9 5.26 87. 20 101 2. 24. 7 16 4.30 88. 20 102 1. 25. 7 35 0.76 89, 20 106 6. 26. 7 37 4.88 90. 20 138 2. 27. 7 41 0.51 91. 20 139/2 2. 28. 7 71 0.48 92. 21 129 0. 29. 7 93 1.79 93. 21 151/2 1. 30. 7 144 4.52 94. 21 152 1. 31 7 36/153 0.97 95. 22 103 6. 32. 8 16/156 1.39 96. 22 104 5. 33. 8 14 2.25 97. 22 133 1. 34. 8 51 1.51 98. 22 130 3. 35. 9 146 1.12 99. 22 131 5. 36. 10 12 0.93 100. 23 32 1. 37. 10 23 0.58 102 23 110 23 58 0. 37. 10 23 0.58 102 23 110 2. 38. 10 33 0.99 103 23 115 0. 39. 10 34 0.48 104 24 46 0. 40. 10 56 0.17 105 24 83 0. 41. 10 59 0.05 106. 25 62 0. 42. 10 74 0.27 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 108 1.72 109. 27 107. 25 69 5. 45. 10 89 0.26 111. 27 29 3. 46. 10 12 7.57 112. 29 3. 46. 10 112 7.57 112. 27 39. 44. 1. 47. 12 2 2.79 113. 27 43 0. 48. 12 17 3.07 115. 27 95 7. 49. 12 2 44 1.30 122. 27 99. 114. 27 95 7. 49. 12 2 4.79 111. 27 95 7. 49. 12 2 4.79 111. 27 99 5. 50. 12 38 0.19 111. 27 99 5. 51. 12 40 0.35 119. 27 77 107. 25 69 5. 51. 12 40 0.35 119. 27 77 107. 25 69 5. 51. 12 40 0.35 119. 27 77 107. 25 69 5. 51. 12 40 0.35 119. 27 77 107. 27 109. 26 82 0. 55. 13 47 0.27 115. 27 95 7. 59. 12 38 0.19 111. 27 99 3. 50. 12 38 0.19 111. 27 99 5. 51. 12 40 0.35 119. 27 76 111. 27 99 5. 55. 13 47 0.23 122. 27 94 1. 54. 13 49 0.33 123. 27 42 0.05 55. 13 49 0.33 123. 27 42 0.05 55. 13 49 0.33 123. 27 42 0.05 55. 13 49 0.33 123. 27 42 0.05 55. 13 177 0.23 125. 28 117 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 2.07 125 68 47 0.05 56. 14 111 11 2.07			22.	7	6				20		4.84
24. 7 16 4.30 88. 20 102 1. 25. 7 35 0.76 89, 20 106 6. 26. 7 37 4.88 90, 20 138 2. 27. 7 41 0.51 91. 20 139/2 2.3 28. 7 71 0.48 92. 21 129 0. 29. 7 93 1.79 93. 21 151/2 1. 30. 7 144 4.52 94. 21 152 1. 31 7 36/153 0.97 95. 22 103 6. 32. 8 16/156 1.39 96. 22 104 5. 33. 8 14 2.25 97. 22 133 1. 34. 8 51 1.51 98. 22 130 3. 35. 9 116 1.12 99. 22 131 5. 36. 10 12 0.93 100. 23 32 1. 37. 10 23 0.58 101. 23 58 0. 38. 10 31 0.99 103 23 110 2. 38. 10 31 0.99 103 23 110 2. 39. 10 34 0.48 104 24 46 0.4 40. 10 56 0.17 105. 24 83 0.4 41. 10 59 0.05 106 25 62 0.4 42. 10 74 0.27 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 108 1.72 109. 26 82 0.1 45. 10 12 7.57 111. 27 29 3. 46. 10 112 7.57 111. 27 29 3. 47. 12 2 2.79 113. 27 43 0.26 116. 27 29 3. 48. 12 17 3.07 115. 27 29 3. 49. 12 19 5.25 116 27 76 1. 50 12 38 0.19 117. 27 55 1. 50 12 38 0.19 117. 27 55 1. 50 12 38 0.19 117. 27 55 1. 51 12 40 0.35 119 2.77 115. 27 29 3. 51 12 20 0.34 122. 27 43 0.55 1. 52 12 44 1.30 120 2.7 76 1. 53 12 50 0.44 1. 53 12 50 0.44 1. 53 12 50 0.44 1. 53 12 27 76 1. 55 13 77 0.23 1.23 27 77 4. 56 13 49 0.33 1.33 1.23 27 74 4. 51 11 2.77 76 1. 55 1. 12 40 0.35 119 2.77 77 1. 55 1. 12 20 0.35 1. 56 14 111 2.07 1.36 2.28 47 0.			23.	7	9	5,26					2.17
25, 7 35 0.76 89, 20 106 6. 26, 7 37 4.88 90, 20 139/2 2.2. 27, 7 4t 0.51 91, 20 139/2 2.2. 28, 7 71 0.48 92, 21 129 0. 29, 7 93 1.79 93, 21 151/2 1. 30, 7 144 4.52 94, 21 152 1. 31 7 36/153 0.97 95, 22 103 6. 32, 8 16/156 1.39 96, 22 104 5. 33, 8 14 2.25 97, 22 133 1. 34, 8 51 1.51 98, 22 130 3. 35, 9 116 1.12 99, 22 131 5. 36, 10 12 0.93 100, 23 32 1. 36, 10 12 0.93 100, 23 32 1. 37, 10 23 0.58 101, 23 58 0. 38, 10 33 0.99 103, 23 116 0. 39, 10 34 0.48 104, 24 46 0. 40, 10 56 0.17 105, 24 83 0. 41, 10 59 0.05 106, 25 62 0. 42, 10 74 0.27 107, 25 69 5. 43, 10 150/1 2.96 108, 26 88 0. 44, 10 108 1.72 109, 27 107, 25 69 5. 43, 10 150/1 2.96 108, 26 88 0. 44, 10 108 1.72 109, 27 29 3. 45, 10 89 0.26 111, 27 29 3. 46, 10 112 7,57 112, 27 39 113, 27 28 2.4 48, 12 17 3.07 115, 27 29 3. 49, 12 2 2 2.79 113, 27 55 1. 50 12 38 0.19 117, 27 55 1. 50 12 38 0.19 117, 27 55 1. 50 12 38 0.19 117, 27 55 1. 51 12 40 0.35 119, 27 76 1. 52, 12 44 1, 30 120, 27 76 1. 51, 12 40 0.35 119, 27 76 1. 52, 12 44 1, 30 120, 27 76 1. 53, 12 50 0.44 1. 53, 12 50 0.44 1. 54, 13 49 0.33 123, 27 74 20 0. 55, 13 77 0.23 123, 27 77 109 5. 56, 14 111 2.07 125, 28 417 0.			24.	7	16	4.30					1.30
26.       7       37       4.88       90, 20       138 2.         27.       7       4 l       0.51       91. 20       139/2       2.         28.       7       71       0.48       92. 21       129       0.         29.       7       93       1.79       93. 21       151/2       1.         30.       7       144       4.52       94. 21       152       1.         31.       7       36/153       0.97       95. 22       103       6.         32.       8       16/156       1.39       96. 22       104       5.         33.       8       14       2.25       97. 22       133       1.         34.       8       51       1.51       98. 22       130       3.         35.       9       146       1.12       99. 22       131       5.         36.       10       12       0.93       100. 23       32       1.         37.       10       23       0.58       101. 23       58       0.         38.       10       33       0.99       103. 23       115       0.         39.       10 <t< td=""><td></td><td></td><td>25,</td><td>7</td><td>35</td><td>0.76</td><td></td><td>89,</td><td>20</td><td></td><td>6.17</td></t<>			25,	7	35	0.76		89,	20		6.17
27.       7       41       0.51       91.       20       139/2       2.2.         28.       7       71       0.48       92.       21       129       0.         29.       7       93       1.79       93.       21       151/2       1.         30.       7       144       4.52       94.       21       152       1.         31.       7       36/153       0.97       95.       22       103       6.         32.       8       16/156       1.39       96.       22       104       5.         33.       8       14       2.25       97.       22       133       1.         34.       8       51       1.51       98.       22       130       3.         35.       9       146       1.12       99.       22       131       5.         36.       10       12       0.93       100.       23       32       1.         37.       10       23       0.58       101.       23       58       0.         38.       10       33       0.99       103.       23       115       0.			26.	7	37	4.88					2.75
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$				7	41	0.51		91.			2.59
29.         7         93         1.79         93.         21         151/2         1.           30.         7         144         4.52         94.         21         152         1.           31.         7         36/153         0.97         95.         22         103         6.           32.         8         16/156         1.39         96.         22         104         5.           33.         8         14         2.25         97.         22         133         1.           34.         8         51         1.51         98.         22         130         3.           35.         9         146         1.12         99.         22         131         5.           36.         10         12         0.93         101.         23         32         1.           37.         10         23         0.58         102.         23         110         2.           38.         10         33         0.99         103.         23         115         0.           38.         10         33         0.99         103.         23         115         0.								92,	21		0.48
30. 7 144 4.52 94. 21 152 1.  31 7 36/153 0.97 95. 22 103 6.  32. 8 16/156 1.39 96. 22 104 5.  33. 8 14 2.25 97. 22 133 1.  34. 8 51 1.51 98. 22 130 3.  35. 9 146 1.12 99. 22 131 5.  36. 10 12 0.93 100. 23 32 1.  37. 10 23 0.58 101. 23 58 0.  38. 10 33 0.99 103 23 110 2.  39. 10 34 0.48 104. 24 46 0.  40. 10 56 0.17 105. 24 83 0.  40. 10 56 0.17 105. 24 83 0.  41. 10 59 0.05 106. 25 62 0.  42. 10 74 0.27 107. 25 69 5.  43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0.  44. 10 108 1.72 107. 25 69 5.  45. 10 89 0.26 111. 27 28 2.  45. 10 89 0.26 111. 27 29 3.  46. 10 112 7.57 112. 27 43 0.  47. 12 2 2.79 114. 27 29 3.  48. 12 17 3.07 115. 27 28 2.  49. 12 19 5.25 116. 27 31 11.  50 12 38 0.19 117. 27 55 1.  51. 12 40 0.35 119 117. 27 55 1.  51. 12 40 0.35 119 118. 27 76 1.  52. 12 44 1.30 120 121. 27 76 1.  53. 12 50 0.44 1.20 27 79 4.  54. 13 49 0.33 12. 50 0.44 1.  55. 13 77 0.23 124. 28 48 0.  56. 14 111 2.07 125. 28 47 9.											1.37
31       7       36/153       0.97       95.       22       103       6.         32.       8       16/156       1.39       96.       22       104       5.         33.       8       14       2.25       97.       22       130       3.         34.       8       51       1.51       98.       22       130       3.         35.       9       146       1.12       99.       22       131       5.         36.       10       12       0.93       100.       23       32       1.         37.       10       23       0.58       101.       23       58       0.         38.       10       33       0.99       103.       23       115       0.         39.       10       34       0.48       104.       24       46       0.         40.       10       56       0.17       105.       24       83       0.         41.       10       59       0.05       106.       25       62       0.         42.       10       74       0.27       107.       25       69       5.									21		1.96
32. 8 16/156 1.39 96. 22 104 5.  33. 8 14 2.25 97. 22 133 1.  34. 8 51 1.51 98. 22 130 3.  35. 9 146 1.12 99. 22 131 5.  36. 10 12 0.93 100. 23 32 1.  37. 10 23 0.58 101. 23 58 0.  38. 10 33 0.99 102. 23 110 2.  39. 10 34 0.48 104. 24 46 0.4  40. 10 56 0.17 105. 24 83 0.  41. 10 59 0.05 106. 25 62 0.4  42. 10 74 0.27 107. 25 69 5.  43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0.  44. 10 108 1.72 109. 26 82 0.  44. 10 108 1.72 109. 26 82 0.  45. 10 89 0.26 111. 27 29 3.  46. 10 112 7,57 112 27 43 0.  47. 12 2 2.79 113. 27 55 11.  48. 12 17 3.07 115. 27 95 7.  49. 12 19 5.25 116. 27 31 11.  50 12 38 0.19 118. 27 76 1.  51. 12 40 0.35 119. 27 76 1.  52. 12 44 1.30 120. 27 94 4.  53 12 50 0.44 1.22 7 76 1.  54. 13 49 0.33 12. 27 76 1.  55. 13 77 0.23 122 27 7 76 1.  56. 14 111 2.07 122. 27 77 4.  58. 10 28 48 0.  56. 14 111 2.07 122. 28 48 0.											6.98
33, 8 14 2.25 97. 22 133 1.  34, 8 51 1.51 98. 22 130 3.  35, 9 146 1.12 99. 22 131 5.  36, 10 12 0.93 100. 23 32 1.  37, 10 23 0.58 102. 23 110 2.  38, 10 33 0.99 103. 23 115 0.  39, 10 34 0.48 104. 24 46 0.4  40, 10 56 0.17 105. 24 83 0.  41, 10 59 0.05 106. 25 62 0.4  42, 10 74 0.27 107. 25 69 5.  43, 10 150/1 2.96 108, 26 88 0.  44, 10 108 1.72 109, 26 88 0.  44, 10 108 1.72 109, 26 88 0.  44, 10 108 1.72 109, 26 82 0.  45, 10 89 0.26 110, 27 28 2.  46, 10 112 7,57 112 27 28 2.  47, 12 2 2.79 113, 27 28 2.  48, 12 17 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 116, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 116, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 116, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 3.07 115, 27 95 7.  49, 12 19 5.25 117, 27 95 7.  40, 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12	•							96.	22		5.83
34. 8 51 1.51 98. 22 130 3. 35. 9 146 1.12 99. 22 131 5. 36. 10 12 0.93 100. 23 32 1. 37. 10 23 0.58 102. 23 110 2. 38. 10 33 0.99 103. 23 115 0. 39. 10 34 0.48 104. 24 46 0. 40. 10 56 0.17 105. 24 83 0. 41. 10 59 0.05 106. 25 62 0. 42. 10 74 0.27 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 108 1.72 109. 26 82 0. 44. 10 108 1.72 109. 26 82 0. 45. 10 89 0.26 110. 27 28 2. 45. 10 89 0.26 110. 27 28 2. 46. 10 112 7,57 112 27 43 0. 47. 12 2 2.79 113. 27 28 2. 48. 12 17 3.07 115. 27 95 7. 49. 12 19 5.25 116. 27 95 7. 49. 12 19 5.25 117, 70 2. 50 12 38 0.19 118. 27 55 1. 50 12 38 0.19 118. 27 55 1. 51. 12 40 0.35 119. 27 76 1. 52. 12 44 1.30 120. 27 94 4. 53 12 50 0.44 1.20 2.7 76 1. 54. 13 49 0.35 119. 27 76 1. 55. 13 77 0.23 124. 28 48 0. 56. 14 111 2.07 125. 28 48 0.											1.92
35. 9 146 1.12 99. 22 131 5. 36. 10 12 0.93 100. 23 32 1. 37, 10 23 0.58 102. 23 110 2. 38. 10 33 0.99 103. 23 115 0. 39, 10 34 0.48 104. 24 46 0.4 40, 10 56 0.17 105. 24 83 0. 41. 10 59 0.05 106. 25 62 0.4 42. 10 74 0.27 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 108 1.72 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 108 1.72 110. 27 28 2. 45. 10 89 0.26 111. 27 29 3. 46. 10 112 7.57 112. 27 43 0. 47. 12 2 2.79 113. 27 43 0. 48. 12 17 3.07 115. 27 95 7. 49. 12 19 5.25 116. 27 31 11. 50 12 48 0.99 118. 27 76 7. 51 12 40 0.35 116. 27 31 117. 27 55 1. 51 12 40 0.35 117. 27 55 1. 51 12 44 1.30 120 27 94 4. 53 12 50 0.44 1.30 120. 27 94 4. 53 12 50 0.44 1.30 120. 27 94 4. 55. 13 77 0.23 122. 27 7 4. 54. 13 49 0.33 123. 27 94 48. 55. 13 77 0.23 124. 28 48 0. 56. 14 111 2.07 125. 28 117 0.							•			130	3.39
36.       10       12       0.93       100.       23       32       1.         37.       10       23       0.58       101.       23       58       0.         38.       10       33       0.99       103.       23       115       0.         39.       10       34       0.48       104.       24       46       0.         40.       10       56       0.17       105.       24       83       0.         41.       10       59       0.05       106.       25       62       0.         42.       10       74       0.27       107.       25       69       5.         43.       10       150/1       2.96       108.       26       88       0.         44.       10       108       1.72       110.       27       28       2.         45.       10       89       0.26       111.       27       29       3.         46.       10       112       7.57       112.       27       43       0.         47.       12       2       2.79       113.       27       54       1.											5.98
36. 10 12 0.58  37. 10 23 0.58  38. 10 33 0.99  39. 10 34 0.48  101. 23 58  102. 23 110 2.  38. 10 34 0.48  104. 24 46  0.4  40. 10 56 0.17  105. 24 83  0.  41. 10 59 0.05  106. 25 62  0.4  42. 10 74 0.27  107. 25 69  5.  43. 10 150/1 2.96  108. 26 88  0.  44. 10 108 1.72  109. 26 82  0.  45. 10 89 0.26  111. 27 29 3.  46. 10 112 7.57  112. 27 43  0.  47. 12 2 2.79  113. 27 54  1.  48. 12 17 3.07  114. 27 70  2.  48. 12 17 3.07  115. 27 95  7.  49. 12 19 5.25  116. 27 31  1.  50 12 38 0.19  117. 27 55  118. 27 67  0.  51. 12 40 0.35  119. 27 76  119. 28. 48  119. 28. 48  28. 48  29. 48  20.							-				1.36
38. 10 33 0.99 103. 23 110 2. 33 115 0. 39, 10 34 0.48 104. 24 46 0.4 40. 10 56 0.17 105. 24 83 0. 41. 10 59 0.05 106. 25 62 0. 42. 10 74 0.27 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 108 1.72 109. 26 82 0. 45. 10 89 0.26 111. 27 29 3. 46. 10 112 7.57 112. 2 2.79 113. 27 43 0. 47. 12 2 2.79 113. 27 43 0. 47. 12 19 5.25 116. 27 43 0. 48. 12 17 3.07 115. 27 95 7. 49. 12 19 5.25 116. 27 31 11. 50 12 38 0.19 118. 27 67 0. 51 12 40 0.35 12 38 0.19 118. 27 67 0. 52 12 44 1.30 120. 27 76 1. 52 12 44 1.30 120. 27 79 4. 53 12 50 0.44 122 27 7 7 4. 55 1. 50 12 38 0.19 118. 27 67 0. 55 1. 50 12 38 0.19 118. 27 67 0. 55 1. 50 12 38 0.19 118. 27 67 0. 55 1. 50 12 38 0.19 118. 27 67 0. 55 1. 50 0.44 1. 53 12 50 0.44 1. 53 12 50 0.44 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 55 1. 50 0. 51 19 0. 57 77 76 1. 50 12 0.							•		23	58	0.18
38. 10 33 0.99 103. 23 115 0.48 39. 10 34 0.48 104. 24 46 0.4 40. 10 56 0.17 105. 24 83 0. 41. 10 59 0.05 106. 25 62 0.4 42. 10 74 0.27 107. 25 69 5. 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 108 1.72 109. 26 82 0. 45. 10 89 0.26 110. 27 28 2. 45. 10 89 0.26 111. 27 29 3. 46. 10 112 7.57 112 27 43 0. 47. 12 2 2.79 113. 27 54 1. 48. 12 17 3.07 115. 27 95 7. 49. 12 19 5.25 116. 27 31 1. 50 12 38 0.19 118. 27 67 0. 51. 12 40 0.35 119 118. 27 67 0. 52. 12 44 1.30 120. 27 79 4. 53 12 50 0.44 1.30 120. 27 79 4. 54. 13 49 0.33 120. 27 79 4. 55. 13 77 0.23 124. 28 48 0. 56. 14 111 2.07 126. 28 47 0.								102.			2.71
40, 10 56 0.17 105. 24 83 0. 41 10 59 0.05 106. 25 62 0.4 42, 10 74 0.27 107. 25 69 5.4 43. 10 150/1 2.96 108. 26 88 0. 44. 10 108 1.72 109. 26 82 0. 45. 10 89 0.26 111. 27 28 2.4 46. 10 112 7.57 112. 27 43 0.4 47. 12 2 2.79 113. 27 54 1. 48. 12 17 3.07 115. 27 95 7. 49. 12 19 5.25 116. 27 31 1. 50 12 38 0.19 117. 27 55 1. 51 12 40 0.35 119. 27 76 1. 52. 12 44 1.30 120. 27 94 4. 53 12 50 0.44 122. 27 76 1. 54. 13 49 0.33 123. 27 42 0.55 13 77 0.23 124. 28 48 0.55 13 77 0.23 124. 28 48 0.55 13 77 0.23 124. 28 48 0.55 117 0.56 12 13 77 0.23 124. 28 48 0.56 14 111 2.07 126. 28 47 0.56 127 0.57 126. 28 47 0.56 12 126. 28 47 0.56 127 0.57 126. 28 47 0.56 12 125. 28 117 0.56 12 125. 28 117 0.56 12 125. 28 117 0.56 125. 28 117 0.56 125. 28 117 0.56 125. 28 117 0.56 125. 28 117 0.56 125. 28 117 0.56 125. 28 117 0.56 126. 28 47 0.66 126. 28 126. 28 126. 28 12								103.			0.35
41.       10       59       0.05       106.       25       62       0.0         42.       10       74       0.27       107.       25       69       5         43.       10       150/1       2.96       108.       26       88       0         44.       10       108       1.72       109.       26       82       0         45.       10       89       0.26       110.       27       28       2         46.       10       112       7.57       112.       27       43       0         47.       12       2       2.79       113.       27       54       1         48.       12       17       3.07       115.       27       95       7.         49.       12       19       5.25       116.       27       31       1         50       12       38       0.19       117.       27       55       1.         51.       12       40       0.35       119.       27       76       1         52.       12       44       1.30       120.       27       94       4 </td <td>•</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td>0.66</td>	•										0.66
42, 10       74       0.27       107. 25       69       5         43. 10       150/1       2.96       108. 26       88       0         44. 10       108       1.72       109. 26       82       0         45. 10       89       0.26       110. 27       28       2         46. 10       112       7.57       112. 27       43       0         47. 12       2       2.79       113. 27       54       1         48. 12       17       3.07       115. 27       70       2         49. 12       19       5.25       116. 27       31       1         50 12       38       0.19       117. 27       55       1         51. 12       40       0.35       117. 27       55       1         52. 12       44       1.30       120. 27       74       4         53       12       50       0.44       121. 27       109       5         54. 13       49       0.33       123. 27       42       0         55. 13       77       0.23       124. 28       48       0         56. 11       11       11<											0.12
43.       10       150/1       2.96       108.       26       88       0.         44.       10       108       1.72       109.       26       82       0.         45.       10       89       0.26       110.       27       28       2.         46.       10       112       7.57       112.       27       43       0.         47.       12       2       2.79       113.       27       54       1.         48.       12       17       3.07       115.       27       95       7.         49.       12       19       5.25       116.       27       31       1.         50       12       38       0.19       117.       27       55       1.         51.       12       40       0.35       118.       27       67       0.         52.       12       44       1.30       120.       27       94       4.         53       12       50       0.44       121.       27       109       5.         54.       13       49       0.33       123.       27       42       0         <											0.08
44.       10       108       1.72       109.       26       82       0         45.       10       89       0.26       110.       27       28       2         46.       10       112       7.57       112.       27       43       0         47.       12       2       2.79       113.       27       54       1         48.       12       17       3.07       115.       27       95       7         49.       12       19       5.25       116.       27       31       1         50       12       38       0.19       117.       27       55       1         51.       12       40       0.35       118.       27       67       0         51.       12       40       0.35       119.       27       76       1         52.       12       44       1.30       120.       27       94       4         53       12       50       0.44       121.       27       109       5         54.       13       49       0.33       123.       27       42       0 <td></td> <td>5.50</td>											5.50
44.       10       108       1.72       109.       26       82       0         45.       10       89       0.26       110.       27       28       2         46.       10       112       7.57       112.       27       43       0         47.       12       2       2.79       113.       27       54       1         48.       12       17       3.07       115.       27       95       7.         49.       12       19       5.25       116.       27       31       1         50       12       38       0.19       117.       27       55       1         51.       12       40       0.35       118.       27       67       0         51.       12       40       0.35       119.       27       76       1         52.       12       44       1.30       120.       27       94       4         53       12       50       0.44       121.       27       7       4         54.       13       49       0.33       123.       27       42       0 <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td>2.96</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td>0.17</td>						2.96					0.17
45.       10       89       0.26       110.       27       29       3.         46.       10       112       7.57       112.       27       43       0.         47.       12       2       2.79       113.       27       54       1.         48.       12       17       3.07       115.       27       95       7.         49.       12       19       5.25       116.       27       31       1.         50       12       38       0.19       117.       27       55       1.         51.       12       40       0.35       118.       27       67       0.         52.       12       44       1.30       120.       27       94       4.         53       12       50       0.44       121.       27       70       4.         54.       13       49       0.33       123.       27       42       0.         55.       13       77       0.23       124.       28       48       0         56.       14       111       2.07       126.       28       47       0			44.	10	108			109.		82	0.34
46.       10       112       7,57       112.       27       43       0.         47.       12       2       2,79       113.       27       54       1.         48.       12       17       3,07       115.       27       95       7.         49.       12       19       5,25       116.       27       31       1.         50       12       38       0,19       117.       27       55       1.         51.       12       40       0,35       119.       27       76       1.         52.       12       44       1,30       120.       27       94       4.         53       12       50       0,44       121.       27       70       4.         54.       13       49       0,33       123.       27       42       0         55.       13       77       0,23       124.       28       48       0         56.       14       111       2,07       126.       28       47       0			45.	10	89			110. 111.	27	46 29	2.65
47.       12       2       2.79       113.       27       54       1.7         48.       12       17       3.07       115.       27       70       2.4         49.       12       19       5.25       116.       27       31       1.         50       12       38       0.19       117.       27       55       1.         51.       12       40       0.35       119.       27       76       1.         52.       12       44       1.30       120.       27       94       4.         53       12       50       0.44       121.       27       109       5.         54.       13       49       0.33       122.       27       7       4.         55.       13       77       0.23       124.       28       48       0         56.       14       111       2.07       126.       28       47       0			46.					112.	27	43	0.43
48.       12       17       3.07       115, 27       95       7.         49.       12       19       5.25       116, 27       31       1.         50       12       38       0.19       117, 27       55       1.         51.       12       40       0.35       118, 27       67       0.         52.       12       44       1.30       120, 27       94       4.         53       12       50       0.44       121, 27       109       5.         54.       13       49       0.33       122, 27       7       4.         55.       13       77       0.23       124, 28       48       0         56.       14       111       2.07       126, 28       47       0								113.	27	54	1.57
49.       12       19       5.25       116.       27       31       1.         50       12       38       0.19       117.       27       55       1.         51.       12       40       0.35       118.       27       67       0.         52.       12       44       1.30       120.       27       94       4.         53       12       50       0.44       121.       27       109       5.         54.       13       49       0.33       122.       27       7       4.         55.       13       77       0.23       124.       28       48       0         56.       14       111       2.07       126.       28       47       0							1	114, 115		7U 04	2.65
51.     12     40     0.35     118.     27     67     0.35       52.     12     44     1.30     120.     27     94     4.30       53     12     50     0.44     121.     27     109     5.30       54.     13     49     0.33     123.     27     42     0.30       55.     13     77     0.23     124.     28     48     0       56.     14     111     2.07     126.     28     47     0								116.	27	31	1.56
51.     12     40     0.35     118.     27     67     0.35       52.     12     44     1.30     120.     27     94     4.30       53     12     50     0.44     121.     27     109     5.30       54.     13     49     0.33     123.     27     42     0.30       55.     13     77     0.23     124.     28     48     0       56.     14     111     2.07     126.     28     47     0	•							117.	27	55	1.18
52.     12     44     1.30     120.     27     94     4.       53     12     50     0.44     121.     27     109     5.       54.     13     49     0.33     123.     27     42     0.       55.     13     77     0.23     124.     28     48     0       56.     14     111     2.07     125.     28     117     0       126.     28     47     0								118	27	67	0.50
53     12     50     0.44     121. 27 109 5.1       54. 13     49     0.33     123. 27 42 0.1       55. 13     77     0.23     124. 28 48 0.1       56. 14     111     2.07     125. 28 117 0.1       126. 28     47     0.23								1 (9, 120	27 27	/6 9.4	1.64
54. 13 49 0.33 123. 27 42 0: 55. 13 77 0.23 124. 28 48 0: 56. 14 111 2.07 126. 28 47 0:								121.	27	109	5.72
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$								122,	27	7	4.81
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$								123.	27	42	0 20
126. 28 47 . 4								124. 125	28 28	48 117	0 33
57. 14 113 1.51 127. 28 80 v 0.1								126.	28	47	<b>0</b> .19 <b>0</b> .31
	•		57.	14	113	1.51		127.	28	80 ,	0.13

ge :C	<b>h</b> hugan	Tahsi!	;Nandapur	( <b>P</b> otting	) Dist : Koraput Koraput	1	<u> </u>	3	4	<b>-</b> 5	6
	Serial	Khata			Boundary		31,		179	1.22	N-Self S-Kupuli
1		No	No. — 4	0(acres) - 5	 6		32.	•	189	0 52	N-Sibakhora S-Pani Nala
	- <del></del>	<sup>-</sup> ' -			N-Suigo Khora		33.		i 94	0 50	N-Self
	2.		167		S-Sība Khora N-Sība Muduli		34.		199	1.38	S-Siba Khora N-Self
		12			S-Khalpadi N-Siba Khora		35.		152	5.90	S-Tibu Damb N-Nadi
	3.	12	206		S-Kupuli		36,		139	2.73	S-Budu Dami N-Kupuli
	4,		138		N~Kupuli S–Tibo Damba		37.		155		S-Sadasiba K N-Self
	5.	14	131		N–Potîta S–Kupuli						S-Self
	6.		145	0.77	N-Nadí S-Self		38.		142	3.62	N-Pahada S-Govt, land
	7.		144	4.79	N-Mulia Muduli S-Sadasiba Dora		39,		147	0.10	N-Self S-Mulia Mud
	8.	14	135	9 37	N-Self	•	40,		181	6.43	N-Siba Khor
	9,	15	166	2.88	S-Kupuli N-Kupuli		41.		149	1.60	S-Tibu Damb N-Mulia Mu
	10.	20	178	8.21	S-Khalpadi N-Pani Nala		42.		150	0.55	S-Budu Dom N-Self
	11,		200	1.66	S-Dhania Naik N-Self						S-Mulia Mud
	12.		201	1 3	S–Self 16 N–Self		43.		151		N-Naidi S-Self
	13.		137		S-Sadasiba Khora  0 N-Ghasi Pangi		44.		162		N-Self S-Sukura Jan
	14.	21		0.30	S-Self		45.		154	0 06	N-Pahada S-Bisu Jadah
					S-Gonia Dhonia		46.	67	1,77	0.15	N-Sukura K badi
	15.	23			S-Pahada						S-Sukura K badi
	16.	32	173	3.60	) N-Jibu Dhonu S-Dhabulu Paraja		47.		207	1.22	N-Self S-Kupuli
	17.	33	208	1.00	N-Sada Khora S-Kupuli		48.		143	6.51	N-Chandal
	18.	38	141	0.64	N–Kupuli S–Patita						Gouda S-Jholla
	19.	41	186	0 33	N- Jhola S-Samora Naik		49.		202	1.37	N-Tibu Dam 8-Self
	20.	42	214	0.80	N-Basti		50.		184	1.08	N-Self S-Badul Dan
	21.		215	3 90	S-Self N-Sadasiba Khora		51.	67	185	8.64	N-Paida S-Guruma K
					S-Sukura Khilo Budu		52.		188	2 61	
	2 2.		156	1 52	N-Samara Naik S-Self		53.		160	2 20	S-Patia N-Budu Dar
	23.		161	6 00	N-Self S-Kupuli						S-Samara N
	24.	45	126	0.13	N-Nadi S-Self		54.		192		N-Self S-Nadibeda
	25.		127	0.11	N-Self S-Self		55.		196		N-Patita S-Gunia Dhe
	26.		128	5 52	N-Rever		56.		204	2.47	NPatita SGhasi Pari
	27.	56	190	0.54	S-Pahada N-Self		57.		132	0 44	N-Nadi S-Pahada
	28.		148	4.37	S–Siba Khora N–Self		58.		133	0.33	N-Nadi S-Self
	29.	56	146	7.11	S-Samara Naik N-Samara Naik		59.	72	172	0.94	N-Kupuli
	30.	66	183		S–Self N–Siba Khora		60.	76	180	2.15	S-Kupuli N-Kupuli
	ų.	00	103	J. <b>2</b> 0	S-Pani Nala			, . ,		_ , 10	S-Kupuli

			_	
1	.)	3	1	5
	61.	164	2 60	N-Samara Naik S-Jada Paraja
	62.	209	0 49	N -Dhabula Paraja <del>S</del> -kapuli
	63.	212	0.26	N–Siba Khora S–Patita ,
	64	176	1.14	N-Siba Khorn S-Kupuli
	65.	216	0 13	N-Budu Dambo S-Siba Khora
	66. 180	210	0 34	Bijastali
		J A. CH	•	io 8/37/81-Met IV] IURY, Director

# ऊर्जी मंत्रालय

# (पेट्रॉलियम विभाग)

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1982

का० आ० 289 — यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लाकहित में यह व्यायणाक है कि उत्तर प्रदेश में मध्रा से जलस्थर (पजाब) कि पेट्रालियम पदार्थों के परिवदन के लिए पाईप लाईन इंडियन मध्य कार्योरेणन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर या यह पतात होता है कि ऐसी लाईनों का बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्र्यावद्य धनुसूची में अजित भूमि में उपयोग का ध्रिधनार धर्जित करना प्रावस्थक है।

श्रन श्रव पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (मूमि में उपयोग के श्रिकार का श्रवैंग) प्रक्षितियम 1962 (1962 का 50) को श्राम 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रकल शक्तियों का प्रयोग कटते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिकार श्रविंत करने का अगना श्रामय ए.स्ट्राया श्रीयन किया है।

बणने कि उनने भूमि में हित्यह होई व्यक्ति, उस भूमि के नीने पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयत कार्पोरेणन लिमिटेड, मथुरा जनस्वर पाईप लाईन प्रोजेक्ट 2008/1, अर्बेनईस्टेट गुडमांव (हरियाणा) को इस प्रश्लिमकना की नारीख से 21 दिना के भीतर कर, सबैगा।

स्रीर ऐसा स्राक्षेप करते बाता इर वर्षका बिर्कादक्ट यह भी कथन करेगा कि क्या बट चाउठ, दें ि उत्तर सुत्या व्यक्तिया हो या किसी विधि व्यवसायी की साफीत

	_
अमर	7 <b>7</b> 1

यहमील पार्नः	पन जि	- -∰1 a	ੰਜੀ।ਅੰ -—	र.	 त्य हरियाणा
नाम ग्राम	खभरा नंऽ	∯.o Å	रेहरू ए०	वर्गमी०	क्षेत्रफल जो पूर्व प्रकाणित हो चुका है।
1	2	 კ	4	5	6
— मेहराना	25/7 मित	0	1)	37	009 36
हु०न० 29	25/14 मिन	0	0.8	35	00 203
	25/17 मिन	O	06	82	•
	25/24 मिम	0	0.2	53	
	3 । / 1 2 मिन	0	12	14	00 531
	५ <i>2 </i> 1/3 मिन	<b>T</b> ()	0.9	11	
पानीपन	- 5609/1690 म <u>ि</u>	<b>ተ</b> በ	14	67	
तरफ इन्सार	- 5610/1691 मि	ਰ ()	0.6	0.7	
ह न०।2	5615/1693 भि	न ।	04	81	
	1721 मिन	0	0.0	<b>,2</b> 5	
	1722 भिन	υ	0.2	5 3	

[कमाक 0-12016/6३/82 - प्रो**०**]

#### MINISTRY OF ENERGY

(Deptt. of Petroleum)

# New Delhi, the 13th December, 1982

.SO. 289.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the aport of pearetum products from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pip lines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declars its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the Jaying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Mathura-Jullundur Pineline, 2008/4 Urban Estate, Gurgaon-122001 (Harvana).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Tehsil: P	anipat	– – – District	· K	rnal	State Haryana		
Name village	Khasra No.	Area H	Α	Sq. M.	Area al fie		Noti-
- 1	2	3	4	5		6	-
Mehrana	25/7 Min		10	 37	0	09	36
H No. 29	25/14 Min	0	08	35	0	02	02
	25/17 Min	0	06	82			
	25/24 Min	0	02	53			
	31/12 Min	0	12	14	0	05	31
	92/1/3 Min	0	09	11			
Panipat	5609/1690 Min	0	14	67			
Taraf	5610/1691 Mia	n 0	06	07			
Insar	5615/1692 Mi	n ()	04	81	•		
	1721 Min .	0	00	25			
	1722 Min	0	02	53			
		-	[N)	. <b>G</b> I	<u>2</u> 216/63	82-Pr	11.]

का० ग्रा० 290--पर प्रेट्रानियम ग्रीट खितिज पाईम करीन (सृमि में उपयोग के प्रशिकार (श्रानंत) अधिनियम 1962 (1962 का 50 का) की म्रारा 3 की उपयोग (1) के प्रयोग भारत सरकार के उन्नी संवालय (पेट्रोलियम विभाग) का प्रतिस्थान का० या० यं० 2639 दिनाक 24-7-82 द्वारा केल्यों सरकार ने उन प्रशिक्षणना से सनम श्रुप्तूची में विनिविष्ट प्रतिशों के उपयोग के प्रयोजन के निर्माण करने का प्रशिक्षण के प्रयोजन के निर्माणित करने का प्रशिक्षण के प्रयोजन के निर्माणित करने का प्रशिक्षण के प्रयोजन के

भौर यह जातर राशिकारों से उसा क्रोशियत का बारा 6 क. उपकार (३) के प्रकोन सरकार को निर्धित दे ही है।

भीर भ्रागे यन केन्द्रोय सरकार से उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के प्रवाद श्रुविसूचना से सलग्न प्रानुकों से बिलिन्टिंग् भूमियों के उपराग का स्थिकार स्रुचिन करने का निक्चप किया है।

श्रत्र श्राप्त अक्षत श्रिवित्यम को बारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रवेदन एक्तियाँ का प्रयोग करने हुए केन्द्राय सरकार एतद्ह्राण घोषिक करती है कि इस अधिसूचना में संलक्ष्त अनुसूची में विशिवित्य उदल भूभयों में उपयोग का अधिकार पार्डपलाईन बिछाने के प्रयोगन के निए श्रिजित किया जाता है। मीर प्रापे उस आरा की उपधास (4) द्वारा प्रदरन भिन्नभी का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देता है कि उनत भूभिया में उपयोग का श्रिष्ठकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने की बनाय इंडियन आयल कार्यारणन लिं॰ में सभा बाधायों से मुख्य रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

अनुपूची कुरक्षेत राज्य : हरियाणा तहसील: थानेसर जिसा नाम ग्राम खारा न० क्षेत्रफल नगं मी० ĝο ऐ० 2 5 1 3 76 मसाना ह० न० 96 42/16 मिन 0.0 0 42/25 मिन 58 0 06 12 51/5 मिन n 10 51/6 मिन 10 12 51/15 मि। 10 12 25 52/21 मिन 0.0 55/1 मिन 0.5 0.1 55/10 मिन 0.9 11

[सबसा के-12020/6/82-मो०)

S.O. 290.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum)' S.O. 2639 dated 24-7-1982 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of Uter in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And Further: in exercise of the power conferred by Subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of verting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian (a) Corporation Limited free from all encumbrances.

# SCHEDULE

Tehsil ∢ Thanesar	Distt: Kurukshe- tra	State : Haryana			
Name of Village,	Khesra No.	H.	Α	Sq.M.	
1	2	3	4	5	
MASANA H. No. 96	42/16 Min	·- o ·	00	76	
INTERNATION OF THE PARTY OF THE	42/25 Min	0	06	58	
	51/5 Min	0	10	12	
	51/6 Min	0	10	12 12	
	51/15 Min	0	10	12	
	52/21 Min	0	00	25	
	55/1 Min	0	04	05	
	55/10 Min	0	09	11	
		1202	1///02	D 41	

[No. O-12020/6/82-Prod]

का जा 291. — न्यतः पेट्रोलियम भीर खलिज पाईपलाइन (भूमि में जायोग के प्रक्षिकार ता अर्थन) प्रक्षितियम, 1962 (1962, का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के ऊर्जा संवालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रक्षियुवना वा का प्रांत के 57, विनाक 3-1-1981 द्वारा के कीय नरकार में उस प्रक्षिय नरकार में उस प्रक्षिय नरकार में उस प्रक्षिय के प्रधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोग के लिए प्रतिन करने का प्रांत्र वा विवित्त कर दिया था।

ज़ीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त क्राधिनियम को घारा 6 की उप-धारा (1) के प्रधीन सरकार को रिगोर्ट देदी है।

भीर गागे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् श्रधसूचता से सलान अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का निश्वय किया है।

ग्रम ग्रतः उक्त शिधिनियम की घारा 6 को उपधारा (1) हारा प्रवक्त मिक्सों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनवृद्धारः घोषित करती है कि इस प्रशिक्षना में सल्पन अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त मूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विद्याने के प्रयोजन के लिए मिलित विया जाता है ।

धीर ग्रामे उस धारा की उपधारा (4) क्षान प्रदत मितियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग मा श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की यजाय इंडियन श्रायक कार्पोरेशन लि० में सभी बाधाओं से मुक्ते कप मे घोषणा के श्रकाशन की इस तार्राख को निश्चित होगा।

अनुसूची

 तहसीत पानीपत	গি	लाः भारताल	राज्य . हरियाणा		π	
— — <del>-</del> भाग ग्राम	खतरा नं०		क्षेत्रफल			
			₹∘	ऐ० वर्ग	मी०	
 पानोपत तरफ	2374	भिमं ०	0	00	5 1	
क्रमार इस्मार	2375	1)	0	02	02	
	2376	,,	, 0	01	26	
है्० नं० 12	2378	IJ	0	02	53	

[सं ०]O-12020/19/80-प्रो०] एल ० एम ० गोयस, निदेशक

S.O. 291.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S. O. No. 57, dated the 3rd January, 1981, under Sub-ection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And where's the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further the Central Government has after condering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said fands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further, in exercise of the powers conferred by Subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Tehsil: Panipat	District; Karnal	State:Haryana Area			
Name of Village	e Khasra No.				
-		Н	Α	Sq,M.	
Panipat Taraf Insar				•	
H. No. 12	2374 Min	0	00	51	
	2375 Min	0	02	02	
	2376 Min	0	01	2	
	2378 Min	0	02	53	

[No. O-12020/19/80-Prod.] L.M. Goyal, Director

# (कोवला विभाग)

मई दिल्ली, 14 अन्तुबर, 1982

काठ आठ 292 .— केन्द्रीय संरक्षार ने, कोयला बारक केल (अर्जन कीर विकास) क्रियमियम, 1957 (1957 का 20) की क्षारा 4 की उपधारा (1) के अधीम, भारत के राजपल भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीखा 3 मई, 1980 में प्रकाशित भारत संस्कार के भूतपूर्व क्सात, खाम और कोयला मलास्य, (कायला जिसार) को अध्युजना से काठ आठ 1250, तारीखा 18 अभीन, 1980 द्वारा उप अधिमूचना से सीलान अनुमूची में विनिर्विष्ट परिकेश में 4950.00 एक इं (लगनग) मा 2003.17 हैक्टर (लगनग) भूमि में कोयला का पूर्वेक्षण करने के अपने आगय की सूचना वी थी ,

ग्रीप उपरोक्त भूमि की बाग्रत उक्त प्रधिनियम की भारा 7 की उप-धारा (1) के प्रधीन कोई सूचना नहीं दी गई है।

भत केन्द्रीय सभ्कार, उक्त प्रधिनियम की धान 7 की उपप्राना (1) हारा प्रयक्त णक्तियों का प्रयोग कन्ते हुए, 3 मई, 1982 से प्रारम होने वाली एक वर्ष की भीर धर्नध को एसा भर्मध के रूप में निहिर्दिष्ट करती है, जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूम या ऐमी भूमि में या उस पर किन्हीं भक्षिकारों को अजित करने के प्राने याक्ष्म का मूनना वे सकेगी।

रेखांक सं०रा० 85/79 ता: 24-11-79

अनुसूची नढोनिया क्लास डालटनगंज कोयला केंद्रेत पलासू (बिहार)

कमसं० ग्राम का नाम	याना र	थाना सं ०	जितः क्षेत्रक	त डिप्यामक।
1 2	3	4		6
1. <b>सरै</b> या	पाटम	180	—— ——— पर्नाम्	—.—— भाग
2. सोबा	**	186	"	17
3. नौडीहा	"	187	"	"
4. हुण्हंसा	***	188	"	n
<b>ड. गोलहं</b> ना	#7	189	"	"
6. <b>विज</b> रा	"	190	"	पूर्व
7. स <b>चुना</b>	12	191	**	भाग
8. सब्	"	192	11	पूर्ग

1 4	3	4	5	6
9 पलहे खुर्द	पाटन	<del></del>	पशाम्	 पूर्ण
10 सीका	,,	194	17	भाग
11. गरेपिया	"	195	11	11
12. लो <b>हो</b> रा	"	199	,,	11
13 गा <b>डीखा</b> स	n	200	n	11
14. कठौ(सया	11	201	11	पूर्ण
15. क <b>ज</b> री	11	202	17	भाग
16. अतसारा	11	203	n	11

कुल क्षेत्र 4950,00 एकड्ड (लगभग) या 2003,17 हैक्टर (लगनग)

सीमा वर्णन:

क-ख रेखा गारीखास ग्राम में रेल लाइन की पूर्वी सीना के साथ-साथ जाती है।

िक्क-म रेखा मजरी ग्राम में सड़क की पूर्वी सोमा के साथ साथ जाती है। ंग ज रेखा कजरो, बनसारा, सखुमा और गोलहना ग्रामों में से होच्छर जाती है। कै

च-क रेखा गोलहना, हुव्हसा, भ्रोर नीडोहा ग्रामों में नाले के वाहिने शिनारे के भाग के साथ साथ जाती है।

ड-च रेखा नीडीहा सांडा में से होभार पतहे बुर्द मीर गोमहेंआई ग्रामों की सामान्य सीमा के माय साथ पतहे बुर्द भीर सरैया प्रामों की ग्राणिक सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है।

ब-छ-त्र रेखा सरैया प्राम में से होकर जाती है।

जन्म रेखा पनहे चुर्व और नरैया ग्रामों की ग्रांशिक सामान्य सीमा के साथ सीका और गरिएमा डीह ग्रामों से होकर जाती है।

ृक्ष-क रेखा गडरिया डीह, लोहीरा प्रामों में से होकर [जो कोयला श्रक्षितियम की धारा 4(1) के श्रश्रीन पहले से प्रश्नित्त लोहरी ब्लाक की श्रोकिक सामान्य सीमा की है] फिर गारी खास और पंडया प्रामो की श्राक्षिक सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है और ग्रांशिक बेक्टु "क" पर मिलती है।

> [फा० सं० 19/6/82-संब्रिस०] प्री०सरकार, निवेशक

# (Department of Coal)

New Delhi, the 14th October, 1982

S.O. 292.—Whereas by the notification of the Government of India, in the late Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Coal), No. S.O. 1250, dated the 18th April, 1980, Published in the Gazette of India, Part II-Section 3-Subsection (ii) dated the 3rd May, 1980, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Deveopment) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 4950.00 acres (approximately) or 2003.17 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule annexed to that Notification;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) of section, 7, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 3rd, May, 1982, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

Drg. No. Rev/85/79 dated 24-11-79

# Schedule Kathautia Block Daltanganj Coalfield Palamau (Bihar)

SI. No.		Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1.	Saraiya	Patan	180	Palamau		Part
2.	Sanda	,,	186	**		,,
3,	Naudiha	,,	187	17		**
4.	Huruhansa	21	188	111		11
5.	Golhana	",	189	**		**
6.	Bijra	"	190	**		Full
7.	Sakhua	.,	191	**		Part
8.	Sakhu	**	192	,,		Full
9.	Palhe Khur	d ,,	193	,,		11
10.	Sika	,,	194	**		Part
11.	Gareriadih	,,	195	,,		,,
12.	Lohanxa	**	199	,,		11
13.	Garikhas	"	200	٠,		17
14.	Kathautia	,,	201	••		Full
15.	. Kajri	,,	202	,,		Part
16.	. Batsara	"	203	,,		"

Total area: 4950.00 acres (approximately) or 2003.17 hectares (approximately)

# Boundary Description:

- A-B line passes along the eastern boundary of Railway line in village Garikhas .
- B-C line passes along the eastern boundary of road in village Kairi.
- C-D line passes through villages Kajri, Batsara, Sakhua and
- D-E line passes along the part right bank of Jinjoi Nala in villages Golhana, Huruhansa and Naudiha.
- E-F line passes through villages Naudhia, Sanda along common boundary of villages Palhe Khurd and Gomhethai along part common boundary of villages Palhe Khurd and Saraiya.

F-GH line passes through village Saraiya.

- H-I line passes along part common boundary of villages Palheckhurd and Saraiya through villages Sika and Gareriadhi,
- I-A line passes through villages Gareriadih Lohanra (which is also part common boundary of Lohri Block already notified u/s 4(1) of the Coal Act) then along part common boundary of villages Garikhas and Pandwa and meets at starting point 'A'.

[No. 19/6/82-CL.] P. SARKAR, Director

# स्वास्थ्य कौर परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई क्लिली, 27 नवम्बर, 1982

का॰ घा॰ 29 3.--यत: दंत चिकित्सा श्रिधिनियम, 1948 (1948 का श्रीधिनियम 16) की घारा 3 के खण्ड (घ) के ग्रनुसरण में इन्दौर विश्वविद्यालय परिषद के सदस्यों ने डा० वाई० एन० सक्सेना, लेक्चगर, दंत चिकित्सा कालेज, इन्दौर को 29 मार्च, 1982 से डा० ए० के० दास के स्थान पर भारतीय दन्त परिषद का सदस्य निर्वाचित किया गया है।

ग्रतः ग्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 3 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतब्द्धारा भारत सरकार के स्वास्थ्य ग्रीर परि-वार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) को 9 फरवरी, 1978 की ग्रधिसूचना मं० का० ग्रा० 533 में पुनः प्रकाणित भारत सरकार के पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 12 ग्रप्रैल, 1949 की ग्रधिसूचना संख्या 10-10/48-एम०-1 में निम्न-लिखित ग्रीर संगोधन करती है, ग्रथीत्:—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 के खण्ड (घ) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अन्तर्गत ऋम संख्या 12 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थातृ:—--

"12. डा० भाई० एन० सन्सेना, इन्दौर विश्वविद्यालय लेक्चरार, 29-3-1982" दंत चिकिरसा कालेज,

इस्दोर ।

[संख्या बी०-12013/4/82-पी० एम० एस०] MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

> (Department of Health) New Delbi, the 27th November, 1982

S.O. 293.—Whereas in pursuance of clause (d) of section 3 of The Dentists Act, 1948 (Act 16 of 1948) Dr. Y. N. Saxena, Lecturer, Colege of Dentistry, Indore, has been elected to be a member of the Dental Council of India by the members of the Council of University of Indore in place Dr. A. K. Dass with effect from 29-3-1982.

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 10-10/48-MI, dated the 12th April, 1949, as republished by the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. S.O. 533, dated the 9th February, 1978, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (d) of section 3", for serial number 12 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—, "12. Dr. Y. N. Saxena,

Lecturer,
College of Dentistry,
Indore.
Indore University 29-3-82."

[No. V. 12013|4|82-PMS]

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1982

का० मा० 294.—संविधान के मनुच्छेष 306 के परम्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय मनुसंधान संस्थान, कसौली (समूह "ग" भौर समूह "घ" पद) भर्ती नियम, 1965 में म्रागे भौर परिवर्नन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, म्रथान:—

 (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, क्मीली (सनूह "ग" श्रीर सनूह "व" पद) भ्नी (संगोधन) नियम, 1982 है।

- (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त हो जायेंगे।
- 2. केन्द्रीय अनुसंघात संस्थात, कतौली (सपूह "य" श्रौर सनूह "घ" पद) भर्ती, नियम, 1965 के :—
  - (क) पहले और दूसरे निश्म में आग शब्ब और अक्षर श्रीर समूह "घ" निकाल दिये जाएं।
  - (ख) श्रनुसूची में कम संख्या 17 से 38 श्रोर उनसे सम्बद्ध प्रविष्टियों को निकाल विपा जाए।

[सं०ए० 12018/2/79-जी०] एस० पी० पाठक, अवर सचिव

# New Delhi, the 29th November, 1982

- S.O. 294.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Research Institute, Kasauli (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1965, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Central Research Institute, Kasauli (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Central Research Institute, Kasauli (Group C and Group D posts) Recruitments Rules, 1965,—
  - (a) the words and letter "and Group D" occurring in rule 1 and rule 2 shall be ommitted;
  - (b) in the Schedule, serial numbers 17 to 38 and the entries relating thereto shall be omitted.

[No. A. 12018|2|79-G.] S. P. PATHAK, Under Secy.

# नई दिल्लो, 17 विसम्बर, 1982

का० भा० 295.—यतः भारतीय श्रायुविज्ञान परिषद श्रीधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के भ्रनुसरण में केग्द्रीय सरकार ने राजस्थान सरकार के परामर्श से डा० एस० श्रार० मेहना, श्रोफेसर, एवं भध्यक्ष, काय-चिकित्सा विभाग, एस० एम० एस० मेडिकल कालेज, जयपुर को डा० जी० सी० शर्मा के स्थान पर भारतीय श्रायुविज्ञानन परिषद का (इस श्रिधसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से ) सदस्य मनोनीत किया है।

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 3 की उपवारा (1) के उपवंधों का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंद्रालय की 9 जनवरी, 1960 की श्रिधि- भूचना सं० का० श्रा० 138 में निम्नलिखित श्रीण संशोधन करती है, श्रिथीत

उपत प्रधिसूचना में धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के प्रधीन मनोनीत "शीर्ष के ग्रन्तगैत कम सं०

4 श्रीर उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित का संख्या श्रीर प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, श्रथांत्ः--

"4. डा० एस० आर० मेहता, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, काय-चिकित्सा विनाग एस० एम० एस० मेडिकल कालेज, जनपूर।"

[संख्या बी॰ 11013/13/82-एम॰ ई॰ (पी॰)]

New Delhi, the 17th December, 1982

S.O. 295.—Whereas the Central Government in pursuance of clause (a) of sub-section (I) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1965 (102 of 1956), in consultation with the Government of Rajasthan, have nominated Dr. S. R. Mehta, Professor and Head of Department of medicine, SMS Medical College, Jaipur, to be a member of the Medical Council of India vice Dr. G. C. Sharma (with effect from the date of publication of this notification).

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the late Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3, for serial number 4 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted namely:—

"4. Dr. S. R. Mehta, Professor and Head of the Department of Medicine, S.M.S. Medical College, Jaipur."

[No. V-11013/13/82-M.E. (Policy)]

# नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1982

का० थ्रा० 296.—यतः भारतीय श्रायुविश्वान परिषद श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (खं उपबंध का पालन करते हुए शिवाजी विश्वविद्यालय की सोनेट ने 30 श्रवतूबर, 1982 को हुई श्रपनी बैठक में डा० डी० के० गोसाबी को भारतीय श्रायुविशान परिषद का सदस्य गिर्वाचित किया है,

ातः श्रव जनत श्रधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतदृद्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य गंदालय, की 9 जनवरी, 1930 की श्रविसूचना संख्या 5-13/59-मए-1 में निम्तिनिश्चत संगोधन करती है श्रयात्:— .

उक्त अधिसूचना की "धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के श्रधीन निर्वाचित "शीर्ष के अन्तर्गत कम र्मांच्या 32 फोर उन्नी लंबीबन पिकिन्टरी के स्थान पराधान:-रिलेखन अन्न संख्या श्रीर प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, अन्ति:---

' छा० ४८० केव गोसाबी, इतोरारे प्रदाद प्रस्त्राल, मिगज, जिला स्रांगली, ' महाराष्ट्र ।

> [नि॰ बा॰ 11013/15/82-एम॰ ई॰ (पी॰)] रिवन्दरात्य विवारी, उप सचिय

New Delhi, the 16th December, 1982

5.0. 296 --Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. D. K. Gosavi has been etected by the Senate of Shivaji University to be a member of the Medical Council of India, in its meeting held on 30th October, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for serial number 32 and entries relating theerto, the following serial number and entries shall be substituted, namely:—

"32. Dr. D. K. Gosavi, Ashvini Prasad Hospital, Miraj, District Shangli, Maharashtra."

ANNEX LEGISLA DE SERVILLA FOR THE SERVICE SERVICES

[No. V 11013/15/82 ME(P)] R. N. TEWARI, Dy. Secy.

कृषि दं प्रालय

(कृषि और सहफारिता विभाग)

नई दिल्ली, 12 नवम्य, 1982

फा० भा० 297—केन्द्रीय सरकार, राजगाषा (संध के भासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) निजम, 1976 के निजम, 10 के जनतियम (4) के अनुसरण मंकृषि संज्ञालय (कृषि और तहकारिता जिसांग) के निमानिखित कार्यालयों का प्रायक्ष्मीय करनो है, जिले कर्पचरियों ने हिंदी का कार्यक्षावर ज्ञान प्राप्त कर लिया है.—

- (1) इत्पेड्या फारमर्स फटिनाइजर नीमापरेटिन मिथि-डेड, 31, नेहरू प्लेष, नई विल्ली-110019
- (2) जुबक मारती, कोमार्रिटय लिपिटेड, रेडरोज हाडा, 19-50, नेहर प्लेस, नई दिल्ली-110019
- (3) कृषे मूल्य आयोग, शास्त्री भयन, नई दिल्ली [उं० 3-11/78 हि० नी०] राजेन्द्र प्रगुद गुप्त, निदेशक (राजनाया)

# MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agri & Coopn)

New Delhi, the 12th November, 1982

10.787 To previous of aborate (4) of rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the

Union) Rules 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation), the staff of which have acquired working knowledge of Hindi:—

- Indian Farmers Fertiliser Cooperative Ltd., 34, Nehru Place, New Delhi-110019.
- Krishak Bharati Cooperative Ltd., Red Rose House, 49-50, Nehru Place, New Delhi-110019.
- 3. Agricultural Prices Commission, Shastri Bhavan, New Delhi.

[No. 3 11/78-Hindi Neeti]
R. P. GUPTA, Director
(Official Language)

श्रम तथा पुनर्शस मंद्रालय

नई दिल्ली, 8 श्रास्तुत्रर, 1982

का० था० 298.— केम्ब्रीय सरगर की राय है कि इससे उपावड़ अनुसूची में विलिदिष्ट विषय के बारे में भारतीय खाद्य निगन, हुरनून के प्रक्ष्यतन्त्र से उम्बद्ध एक श्रीद्योगिक विवाद नियोगन का श्रीर उक्के कर्मकारों के बोच विद्यमान है।

प्रीर केप्ट्रीय रारकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के विष् विर्देशित करना बांछनीय समझती हैं,

• धतः केश्मीय सरकार श्रीयोगिक विवाद श्रीधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क श्रीर धारा 10 की उप-प्रादा (1) के खंड (य) धारा प्रदल सिनायों का प्रयोग करते हुए एउ श्रीयोगिक श्रीधकरण गठित करती है जिसके पंठालीन श्रीधकारी श्री एरा॰ बो॰ रामना रेड्डी होंगे जिसका नुख्यालग हैदराबाद में होगा श्रीर उक्त विवाद को उना श्रीधकरण की न्यानिर्मित के विष् निर्देशित करती है।

# भ**ुस्**ची

भारतीय खाद्म निगम भुरनूस ने प्रवधतंत्र की श्रीमती पाफवा निवाद बार पान्द्रमा तया मेकामा सफाई कर्मचारियों का जून, 1978 में मेवा को समाप्त करने तथा तत्वश्वात् उन्हें ठेकेदार के माध्यम से वियोजित करने की कार्यवाही न्योगिवत है? यदि नहीं तो संबोधा कर्मकार किस अनुनाय के हकदार हैं?

[सब्बा एल०-42011(11)/82-एफ० सी० श्राई०/डी०-IV (ए०) टा० वार्वेक्ष सर्वकारी]

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

New Delhi, the 8th October, 1982

S.O. 293.— Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, kurnool and the workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, who eas the Contral Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10,

of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S. V. Ramana Reddy shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and ricers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDUI E

Whether the action of the management of Food Corporation of India, Kurnool in terminating the services of Shrimati Papamma, Silar Bee, Pakuramma and Shekamma, Sweepers, with effect from June, 1978, and thereafter, employing them through a contractor is justified? If not, 10 what telief are the concerned workmen entitled?

[No L-42011(11)/82-FCI/D. IV(A)] T. B. SITARAMAN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 22 विसम्बर, 1982

का० था० 299.— उत्प्रवास अधिनियम 1922 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त गिवनयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय रसकार श्री एग० श्रीर०पुन, अनुभाग अधिकारी श्रम मंदालय को तेणह दियम्बर 1982 के पूर्वाह्न से उत्प्रवामी संरक्षी दिल्ली के रूप में नियुक्त करती हैं।

[डी०-र्जा एल० डब्ल्यू० 11017/1/81-ई० एम० श्राई० जी०] रमेन्द्र कुमार दाख, अवर सचिव

# New Delhi, the 22nd December, 1982

S.O. 299.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Fmigration Act, 1922 (7 of 1922), the Central Government hereby appoints Shri N. R. Punj, Section Officer, Ministry of Labour to be the Protector of Emignants, Delhi with effect from the fore-noon of 13th December, 1982.

[No. DGLW. 11017(1)/81-EMIG] R. K. DAS, Under Secy.

# नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1982

कार कार अ 300—केन्द्रीय सरकार ने यह सनाधान हो जाने पर कि लोकहिन में ऐसा करना अनेक्षित या श्रीयां-निक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखंड (4) के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्राला की अधिसूचना कार श्रार 2270, तारीख 7 जून, 1982 द्वारा सिक्यूरिटी पेगर मिल, होणगाबाद को उनत श्रिधिनियम के प्रयोजनों के लिए 18 जून, 1982 से छः भास की कालायिध के लिए लोक उप-यानों सेवा प्रत्यान किया था;

थार केन्द्रीय राष्ट्रनार की राय है कि लाकहि। में उना कानवाथ का छ: भारा को श्रीर कालायिय के लिए बहाना जाता अपेक्षित है,

धनः, भन्न, भीद्योगिक निवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (3) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गिक्नियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय

सरकार उक्त उद्योग को उक्त ध्रिधिनियम के प्रयोजनों के जिए 18 विसम्बर, 1982 से छः मास की घीए कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस० -11017/10/81-डी०-1(ए०)]

# New Delhi, the 18th December, 1982

S.O. 300.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest as required had, in pursuence of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2270 dated the 7th June, 1982 the Security paper mill, Hoshangabad, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 18th June, 1982

And whereas, the Central Government îs of opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 18th December, 1982.

[F. No S-11017/10/81-D-1(A)]

# ग्राहेश

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1982

का॰ आ॰ 301—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की श्रधिसूचना संख्या का॰ आ॰ 456 तारीख 5 फरवरी 1963 द्वारा गठिन श्रम न्यायालय, मुख्यालय हैदराबाद के पीठामीन श्रधिकारी का पद रिक्त हुआ है.

अतः अब औं बोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उनवंधों के अनुसरण में केंन्द्रीय सरकार श्री रूपेन्द्र प्रसाद सहगल को योक्त गठित श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एस० 11020/4/81- डी०-1(ए०)] एल० के० नारायणन, श्रवर सचिव

#### ORDER

# New Delhi, the 20th December, 1982

S.O. 301.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Labour Court with headquarttra at Hyderabad constituted by the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 456 dated 5th February, 1963;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shrl Rupender Pershad Sehgal as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[F. No. S-11020|4|81-D.I(A)] T. K. NARAYANAN, Under Secy.

# New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 302.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, Gondia Branch and their workman, which was received by the Central Government on the 26-11-82.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

### PRESENT:

Justice M. D. Kambli Esqr., Presiding Officer.
Reference No. CGIT-33 of 1981

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India

### AND

Their Workman.

# APPEARANCES:

For the Employer—Mr. A. A. Khan, Officer-in-Charge Disciplinary Cell.

For the workman-Mr. S. P. Chaudharv, Vice President, State Bank Workers' Organisation.

INDUSTRY · Banking

STATE: Maharastra CAMP. Nagpur.

Nagpur, dated the 20th day of October, 1982

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-12012/13/81-D.  $\Pi(A)$  dated 19th December, 1981, in exercise of the powers conferred by clause (d) of subsection (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, and their workman in respect of the matters mentioned in the schedule given below

# SCHEDULE

"Whether the action of the management of State Bank of India, Gondia Branch in terminating the services of Shri A. A. Hirani, Clerk, with effect from 9-9-1972 is justified? If not, to what relief is he entitled?"

- 2. The workman A. A. Hirani was employed by the State Bank of India (hereinafter referred to as the "Bank") at its Gondia Branch on 18-11-1971 as a Clerk. The appointment order of that date was issued for a period of one month and by a further order dated 19-12-1971 the period of employment was extended upto 31-12-1971. Even thereafter the workman was given breaks and was asked to work for an intermittent period without any regular orders of appointment or termination. Lastly, he worked from 29-8-1972 to 9-9-1972. For this period also there was no order of appointment or termination.
- 3. The case of State Bank Workers' Organisation (hereinafter referred to as the "Organisation") which represent the workman is that Hirani was employed in a permanent vacancy in place of one Mr. C. J. Pendhari, who was transferred from Gondia to Achalpur branch. It is also alleged that during the period of his employment the workman worked on other permanent counters and that the nature of his work was of a permanent nature. It is alleged that the workman was in continuous service from 18-11-1971 to 9-9-1972, including the interrupted service, which was beyond his control. The period of total employment of the workman, according to the Organisation aggregated to 297 days. During the period of the employment of the work-

man some more temporary employees were also engaged by the Bank not only at Gondia branch but at other branches also. Many such employees were junior to the workman, but they were continued in supersession of the seniality of the workman. It is pointed out in the statement of claim that on 9-9-1972 Mr. Patel and Mr. Sahasrabuddhe, temporary cashier and clerk respectively at Gondia branch, who were junior to the workman were continued in supersession of semority of the workman. It was obligatory on the Bank in accordance with paragraph 493 of Sastry Award and paragraph 14.10 of Desai Award read with rule 77 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, to prepare a list of seniority of employees for the purpose of effecting retrenchment. It is alleged in the statement of claim that the Bank did not adhere to the principles of 'last come first go" while the terminating the services of the workman and continuing in employment the workmen junior to him. It is therefore alleged that the action of the Bank in terminating the services of the workman with effect from 9-9-1972 is in contravention of the provisions of Section 25-F an 25-G of the Industrial Displaces Act, 1947. It was therefore prayed that this Tribunal be pleased to declare the action dated 9-9-1972 of the Bank in tempinating the services of the workman as illegal and to reinstate the workman with back

- 4. The Bank in its written statement pleaded as follows, not be said that he was employed in a permanent vacancy. His appointment being of a purely temporary nature it could not be said that he was employed in a permanent vacancy. The services of the workman were terminated at intermittent periods as there was no vacancy on which he could be employed. The workman had not put in 240 days of work in a calendar year and that therefore he is not entitled to the benefits provided under Section 25-F of the Industrial Disputes Act. Sarvashri Sahastrabudhe, Patel, D. Y. Wadekar and J. M. Rathod were appointed temporarily; but since all these four persons had completed nine months' temporary service as on 31-12-1973, their names were recommended for special text for permanent absorption. There was no any infringement of any statisticity provision in not offering a permanent employment to the workman. For all these reasons, it was pleaded on behalf of the Bank that the workman was not entitled to any relief prayed for.
- 5. The first question that arises for consideration is whether there is contravention of the provisions in Section 25-F of the Industrial Disputes Act. It is the case of the workman that he was in continuous service of the Bank from 18-11-1971 to 9-9-1972, including the interrupted service which was beyond his control and not due to any fault on his part. The period of his total employment aggregates to 297 days. It is alleged that the workman therefore entered into the channel of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. According to the workman, the provisions in Section 25-F of the Industrial Disputes Act had not been complied with. The termination of his services is therefore illegal and void.
- 6. The workman has given a tabulation statement at annexure 'E' to the statement of claim showing the number of days on which he worked from time to time from 18-11-1971 to 9-9-1972. He has shown the number of days for which he suffered the breaks. It is contended for the workman that under the provisions in para 522.4 of the Sastry Award an employee in the Bank other than permanent employee or probationer is entitled to 14 days notice for the termination of his services. No such notice was given to the workman when his services were terminated on various occasions. It is, therefore, submitted that when no 14 days notice is given, the break of 14 days or the break of lesser period than 14 days till the next appointment should be added to the days on which the workman actually worked for the purpose of finding out whether there is compliance with the provisional in Section 25-F of the Industrial Disputes Act. For example, this workman was for the first time appointed on 18-11-1971. His services were terminated on 31-12-1971. Fresh appointment was given to him on 3-1-1972. There was thus a break of two days on 1-1-1972 and 2-1 1972. No notice of 14 days was given before this break was effected. It is argued for the workman that the two days of break should therefore be added to the actual number of days on which the workman worked. If the days of break are thus added to 212 days on which the workman actually worked, he

would be in continuous service for one year. It is submitted that he put in actual work for 212 days and if the days of break without notice which aggregate to 45 days are added to this period the total period of work will come to 257 days. He should therefore be deemed to be in continuous service for a period of one year as per the provisions in Section 25-B of the Industrial Disputes Act.

- 7. It is contended for the Bank that the notice of 14 days is not necessary if the workman is appointed for a fixed period. It is further contended that the days of break cannot be added to the actual days on which the workman has worked for the purpose of Section 25 B of the Industrial Disputes Act. It was contended for the workman that artificial breaks were given to the workman so as to prevent him from having the benefits of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. These breaks were not due to any fault on the part of the workman. The days of break therefore ahould be added for finding out for what period the workman was in continuous service. Reliance is placed upon the provisions in Section 25-B(1) of the Industrial Disputes Act. However, it is submitted for the Bank that the expression "which is not due to any fault on the part of the workman" governs lock-out or a cession of work affected by the employer. I think, there is some substance in this contention.
- 8. It does appear that during the period from 18-11-1971 to 9-9-1972 the services of the workman were terminated by giving breaks on atlenst five times. Sometimes the breaks were of two or four days. There is much substance in the contention of the workman that these breaks were given in order to deprive the workman of the benefit of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, or similar provisions. It appears that after giving breaks appointment was again made orally on some occasion and the service was also subsequently terminated orally. Even then it would not, in my opinion, be possible to add the days of break to the actual days on which the workman worked for the purpose of finding out whether there is contravention of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. Assuming for the sake of argument that before giving a break, notice of 14 days was necessary; the workman may at the most be able to claim wages for the period of notice. It would not, however, in my opinion, he possible to add the days of break to the actual number of days on which the workman worked to find out whether he was in continuous service for one year within the meaning of Section 25-F 1end with Section 25-B of the Industrial Disputes Act. The workman in this case has actually worked for 212 days only. Technically, therefore, there is no breach of Section 25-F of the Industrial Disputes Act:
- 9. The next auestion is whether there is brench of the provisions in Section 25-G of the Industrial Disputes Act. Section 25-G of the Industrial Disputes Act is in the following terms:—
  - "25-G. Procedure of retrenchment.—Where any workman in an industrial establishment, who is a citizen of India, is to be retrenched and he belongs to a particular enterpry of workmen in that establishment in the absence of any agreement between the employer and the workman in this behalf, the employer shall ordinarily retrench the workman who was the last person to be employed in that category, unless for reasons to be recorded the employer retrenches any other workman."

The workman Hirani was first appointed in this Bank for a period of one month on 18-11-1971. Then there were intermittent breaks in his service five times. Lastly, he was appointed under an oral order on 29-8-1972 and his service were terminated by an oral order on 9-9-1972. One Mr. Patel and one Mr. Sahasrabuddhe, temporary cashier and clerk respectively in the same Branch at Gondia, who were juntor to him were continued in supersession of his seniority. The workman has stated in his deposition recorded on 19-10-1982 that the two persons were working in the same enterpory and they were not retrenched when his services were terminated on 9-9-1972. There is no cross examination of the workman on this point by the representative of the Bank. In reply to the averment in the statement of claim

In this behalf what was stated by the Bank in para 11 of its written statement was :--

"As already submitted by this workman in reply to the Aestt. Labour Commissioner, Nagour, vide letter dated 22-10-1980. Sarvashri Sahastrabudhe, Patel and also one D. Y. Wadekar and J. M. Rathod whose names have not been mentioned by the workman were appointed temporarily but since all these four persons had completed 9 months temporary service as on 31-12 1973, their names were recommended for special test for permanent absorption. No grievance could be made by the workman about the absorption of these 4 persons."

This is no reply to me averment of the workman in para 11 of his statement of claim. What is alleged by the workman is that when his services were terminated on 9-9-72 some persons who were junior to him were continued in supersession of his seniority. What is stated in para 11 of the written statement and which is quoted above is that the two persons mentioned by the workman in his statement of claim and two other persons had completed nine months temporary service as on 31-12-1973 and their names were therefore recommended for special test for permanent absorption. It is not denied that these person<sub>3</sub> were juniors to the workman Hirani. If the workman Hirani would have continued in service upto 31-12-1772 without giving artificial breaks he too could have completed nine months' temporary service on 31-12-73. The Bank has not alleged nor proved that these four employees were not junior to the workman. The order of termination of the workman on 9-9 1972 was oral. It does not give any reasonn for retrenchment of this workman while his juniors were retained in service. Ordinarily, rule of retrenchment in the fields covered by industrial law is "last come, first go" and where other things are equal, this rule has to be followed by the employer in effecting retrenchment of a workman, as it is intended to afford a very healthy safeguard that in the matter of retrenchment the managaement should commence with the latest recruit. This statutory provision contained in Section 25-G of the Industrial Disputes Act, restricts the employer's common law right to decide which of his employees he should retrench. management of an establishment has to act fairly to the employees. It is true that for a valid and sufficient reacons an employer may depar from the rule "last come, first go". However, when the rule in question has been devarted from the employer has to satisfy the Tribunal that the departure was justified. The employer has to be record the reasons why he followed the course of retrenching a senior employee. If such reasons are not given and proved the Tribumal will be justified in holding that the action of the mangaement was not bonafide. Wherever the rule in queston has not been followed the employer has to satisfy the Industrial Tribural that the departure was justified. Failure to comply with the rule "last come, first go", the reasons for such departure not being recorded would make the retrenchment invalid. It is observed by the Supreme Court in the case of workman of Subong Tea Estate v. Subong Tea Fstate (1964 I I L J. p 333):—

"Though the right of the menagement to effect retrenchment cannot normally be questioned, when a dispute arises before an industrial court in regard to the validity of any retrenchment, it would be necessary for industrial adjudication to consider whether the impunged retrenchment was jurtified for proper reasons"

In the above case the Supreme Court held that as the impunged retrenchment was not shown to have been effected for valid reasons, the concerned workman would be entitled to reinstatement with continuity of service and full back wages.

10. I hold that the termination of the services of the workman in this case on 2-9-1972 under oral orders of the Bank was invalid for violation of the provisions in S 25-G. The workman therefore will be entitled to reinstatement with continuity of service. I have already pointed out how the services of the workman were terminated between 18-11-1971 to 9-9-1972 by giving him breaks on five occasions, on some of these occasions there were breaks of two days only. The termination of the services and fresh appointments were under oral orders on some occasions.

- 11. The next question is about the back wages. Normally, I would have granted full back wages. However, it appears that the workman approached the Regional Labour Commissioner late to seek the redressal of his grievence. He approached him on 28-8-1980. His services were teaminated on 9-9-1972. It appears that in the mean while he was involved in long correspondence with the Bank. Taking the long lag of time, I think the ends of justice would meet if the workman is given half the back wages only, but with continuity of service.
  - 12. My award accordingly. No cider as to costs.

M. D. KAMBLI, Presiding Officer [No. 1-12012/13/81-D.II(A]

New Delhi, the 21st December, 1982

S.O. 303.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur (M.P.) in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank, Berasia Road, Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-12-82.

BEFORF JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.)
PRESIDING OFFICFR, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABAI PUR (M.P.)

Case No. CGIT/IC(R) (15) of 1981

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of Punjab National Bank, Berasia Road, Rhopal and their workman Shri S P. Dubey, Clerk, Raipur represented through the Madhya Pradesh Bank Employees' Association, Parvana Bhavan, Aminpura, Near Shita Mandir, Raipur (M.P.)

# APPEARANCES:

For Workmen-Shri L. N Malhotra, Advocate

For Managemet-Shri P. S. Nair, Advocate

INDUSTRY : Bank

DISTRICT : Raipur (M.P.)

## AWARD

# Dated: December 7, 1982

By Notification No. L-12012(52)/80-D.HA dated 2nd April, 1981 and subsequent Corrigendum/Notification dated 19th June, 1981, Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication:—

- "Whether the action of the management of the Punjab National Bank, Berasia Road, Bhopal is justified in suspending the services of Shri S. P. Dubey, Clerk, Raipun Branch with effect from 2-5-77? If not, to what-relief is the worker concerned entitled?"
- 2. Briefly stated the facts giving rise to this reference are these. Shri S. P. Dubey, hereinafter referred to as the workman, was employed as a Clerk in the Raipur Branch of the Punjab National Bank in 1977. The Bank's management hereinafter referred to as the management, suspended him from service on 2-5-1977 vide Branch Manager's Order dated 2-5-1977. The workman's Union felt that the aforesaid order of suspension was in violation of Clause 19(12)(b) of the Bipartite Settlement and was therefore illegal. A dispute was accordingly raised by the Union before the Assistant Labour Commissioner (Central) Raipur but in the conciliation proceedings before him no settlement could be arrived at. Because of the failure of the conciliation proceedings the Central Government have referred the aforesaid dispute to this Tribunal for adjudication.

- 3. The claim of the workman's Union, hereinafter referred to as the Union, is that while the workman was working as a Clerk in the Raipur office the Branch Manager suspended him by the aforesaid order dated 2-5-77. Such a suspension order could not have been passed except with the due compliance of para 19(12)(b) of the Bipartite Settlement according to which a suspension order could be passed only after a charge-sheet was given to the workman if some disciplinary action was proposed or taken against him. Further according to the said para some procedure had to be followed before the suspension order could be issued against any workman. Accordingly on the ground of the alleged non-compliance of the aforesaid provisions of the Bipartite Settlement the suspension order was illegal, void and inoperative. A prayer is accordingly made that from the date of suspension till the workman was reinstated on 13-4-1979 the workman should be allowed full wages and other allowances which otherwise would have been payable to him.
- 4 The management does not dispute the facts alleged by the workman. It is, however, contended that before the suspension order was issued on 2-5-1977 the Branch Manager had come to know of some serious irregularities allegedly comitted by the workman; that the matter was investigated by the Investigator and when it was found that the Bank had probably suffered substantial losses on account of the acts of omission and commission by the workman a chargesheet was served on 24-3-1977 and that only subsequent to this service of the charge-sheet the workman was suspended on 24-5-1977. It is also alleged that another detailed chargesheet was served on the workman on 26-8-1978 and that lastly the workman was reinstated after being duly warned for his acts of omission and commission.
- 5. Rejoinder was filed by the Union in which it is stated that what was served on the workman on 24-3-1977 was only a Memo calling for his comments/remarks on certain matters; that it was not a charge-sheet as contemplated by the foresaid para of the Bipartite Settlement; that without the service of a detailed charge-sheet no order of suspension in term or otherwise could have been passed and that on these grounds the suspension order passed on 2-5-1977 cannot be said to be proper.
  - 6. No rejoinder was filed on behalf of the management.
- 7. On these rival contentions of both the parties the following issues were tramed:--

# **ISSUES**

- Whether the management of Punjab National Bank was justified in suspending Shri S. P. Dubev with effect from 2-5-1977?
  - 2. To what relief are the parties entitled to?
- 8. Neither party led any oral evidence in support of its contentions and relied upon documents only which were not disputed.
- 9. I have considered the pleadings of the parties and the documents relied upon by them. My findings on the aforesaid issues are as under .—
  - Issue No. 1.—The management of the Punjab National Bank was not justified in suspending Shri S. P. Dubey with effect from 2-5-1977. However, the suspension order dated 2-5-1977 shall be deemed to be effective from 26-8-1978.
  - Issue No. 2.—In view of the findings on Issue No. 1 the workman is entitled to his full wages and allowances from 2-5-1977 to 26-8-1978 minus the suspension allowance which may have ben paid to him.

Reasons for the above findings :-

10. Issue No. 1.—According to the management Ex. M/2 (Annexure Λ to the statement of the management dated 24-3-1977 is the first charge-sheet served on the workman as contemplated by para 19(12)(b) of the Bipartite Settlement. A bare reading of this will show that it is not a

chare-sheet served on a workman in respect of any improper or illegal acts of omission and commission committed by him while discharging his duties as an employee of the management. It is a letter addressed to the workman by which he was intimated that the management has observed certain irregularities committed by him in preparing certain schedules, credit vouchers and maintenance of other accounts. It specifies the names of 12 Constituents of the Bank, the accounts of which were said to be irregularly maintained by the workman. By the same letter Branch Manager called upon the workman to submit his comments/remarks within 7 days failing which the management was to take necessary action in the matter.

- 11. The question is 2s to whether this letter can be construed as a charge-sheet. In my pinion, it cannot be so construed as contended by the management,
- 12. Ex. M/2 letter/memo addressed to the workman only brings it to the notice of the workmar, that certain irregularities, the details of which are not specified in the memo, have been observed by the management to have been com-mitted by the workman. What those ir egularities were and in what manner they were treated as irregular and the necessary details of these alleged irregularities were not specified in this so called charge-sheet Ex. M/2 cannot be gaid to he a charge-sheet as contemplated by para 19(12)(b) of the Biparatte Sectlement. It was precisely for this reason that a detailed charge-sheet Ex. M/3 was subsequently served by the management on 26-3-1978. Though in this detailed charge sheet the management has stated that the charge-sheet was served on the workman on 24-3-1977 and the reply dated 30-3-1977 given by the workman was vague, incomplete and unsatiafactory, but it was this charge-sheet which the management was required to serve upon the workman because the management itself felt that what was served earlier on 24-3-1977 was not what was contemplated by the Bipartite Settlement. In Ex. M/3 the necessary details of the alleged irregularities, malpractices etc. committed by the workman were given. If according to the management a charge-sheet as contemplated by the Bipartite Settlement has alreedy been served on the workman on 24-3-1977 then where was the necessity to serve another charge-sheet on 26-8-1978. In my opinion, therefore, it has to be concluded that the memo/letter dated 24-3-1977 was neither on facts nor in law the charge-sheet served upon the workman and that the charge-sheet both on facts as well as in law was served only on 26-8-1978 on the workman.
- 13. It is not dispute that the Bipartite Settlement is binding on both he parties. The provisions of para 19 (12) (a) & (b) are as under—
  - "19.12(a)—An employee against whom disciplinary action is proposed or likely to be taken shall be given a charge-sheet clearly setting forth the circumstance, appearing against him and a date shall be fixed for enquity, sufficient time being given to him to enable him to prepare and give his explanation so also to produce any evidence that he may wish to tender in his defence. He shall be permitted to appear before the Officer conducting the enquiry to cross examine any witness on whose evidence the charge rests and to examine witness and protuce other evidence in his defence..."
  - "19.12(b).—Pending such enquiry he may be suspended, but if on the conclusion of the enquiry it is decided to take no action against him he shall be deemed to have been on duty and shall be entitled to all the full waters and allowances and to all other privileges for the period of suspension and if some punishment other than dismissal is inflicted the whole or part of the period of suspension may, at the discretion of the management, be treated as or duty with the right to a corresponding portion of the wages, allowance, etc."
- 14. The aforesaid provisions of para 19(12(b) are relevant in this matter. It clearly provides that a suspension order can be passed only pending the enquiry provided by para 1912(b) as reproduced above. An encuriry cannot be said to be pending unless a proper and regular charge sheet is served on the workman.

- 15. In this case, as already held above, a charge-sheet both on facts as well as in law was served on the workman only by Ex. M/3 and not by Ex. M/2 date 1 24-3-1977. Accordingly a suspension order could not precede. The management could issue a suspension order against a workman either after service of a charge-sheet or along with the charge-sheet itself but not earlier than the service of a charge-sheet. If suspension order has been passed before the service of the charge-sheet it must be treated as violative of the settlement between the parties.
- 16. Accordingly in the light of the view that I have taken above the suspension order dated 24-3-1977 cannot be treated as legally effective from that date.
- 17. The next question that arises is as to whether after the service of the charge-sheet the suspension order can be treated as effective. Admittedly the suspension order was issued on 2-5-1977 and the charge-sheet was served on 26-8-1978. Once the management issued the charge-sheet on 26-8-1978 the suspension order can be said to be effective only from that date and not from a date earlier than the service of the charge-sheet. Consequently, once the workman was served with the charge-sheet, the propriety, legality of which has not been challenged in these proceedings the suspension of der though issued earlier would become effective from the date of service of the charge-sheet. Accordingly I hold that the suspension order dated 2-5-1977 (Ex.M/4) could be effective form 26-8-1978 for the leasons given above. Issued No 1 is accordingly answered
- 18. Issue No. 2;—In view of the findings on Issue No. 1 the workman will be entitled to his full wages and allowances from 2-5-1977 till the date on which the detailed charge-sheet dated 26-8-1978 v. 18 served upon the workman by the management.
- 19. The management will accordingly pay him full wages and allowances of the post held by the workman from 2-5-1977 upto 26-8-1978 or upto a later date if the detailed charge-sheet Fx. M/3 was served upon the workman on a later date. This payment shall be inclusive of the suspension allowance. This payment shall be inclusive of the suspension allowance to the workman during the aforesaid period. In the circumstances of the case there will be no order as to costs Award is made accordingly

S. R. VYAS, Presiding Office" [No 1-12012(52)/80-D.IIA]

S.O. 304—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2. Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Tokyo Limited, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th December, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT:

Shri M. A. Deshpande. Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/41 of 1982

PARTIES:

Employer in relation to the Management of Bank of Tokyo Limited, Bombay.

# AND

Their workmen

APPEARANCES:

For the Employer—Shri V. V. Pai, Advocate. For the Workmen—Shri J. G. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY: Banking. STATE: Maharasht:a.

Bombay, dated the 2nd December, 1982

#### AWARD

By their order No. L-12012/95/82-D.II(A) dated 22nd September. 1982 the Central Government have referred the following dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947;—

"Whether the action of the management of Bank of Tokyo Limited, Bombay in not allowing Shri L. S. Bengera, driver, to report for duty from 10th Pebruary, 1982, is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

--- <u>\_\_\_</u> --<del>\_\_</del>

- 2. Now the facts as they appear from the statement of claim as well as written statement in reply to the claim statement in brief are that according to the Union who is espousing the cause of the workman Shri L. S. Bengera who was serving with the Bank of Tokyo, on 10th February, 1982 the Driver was orally told by the management not to tepoit for duty any longer. Now the grievance of the Union is that this oral action on the part of the management in inhibiting the Driver from attending the Driver's duty is illegal and he is entitled to relief at the hands of this Tribunal.
- 3. In reply to this contention it is uiged on behalf of the Bank that subsequent to 10th February, 1982 which is the cause of action for which the reference has been made, on 3rd June, 1982 the Bank terminated the services of the concerned workman by paying three months' pay and allowance in lieu of three months' notice and also on payment of retrenchment compensation amounting to Rs. 8000 and odd. It is alleged that because of this termination which according to the Bank was done validly, now the employee cannot be said to be any longer in the service of the Bank. In paragraph 17 it is further stated that as directed by the Assistant I abour Commissioner—Conciliation the Bank did maintain the status-quo by paying the concerned workman all his wages from 1st February, 1982 till the closing hours of 3rd June, 1982 and there is a further averment that pay and allowances equal to three months have been paid on 3rd June, 1982 and further retrenchment compensation had also been paid.
- 4. Now, if we refer to the cause of the dispute which has been referred for adjudication of the Tribunal, as seen from the reference itself, it is whether the action of the management of Bank of Tokyo Limited, Bombay in not allowing Shii L. S. Bengara Driver, to report for duty from 10th February, 1982 is justified. Now as the alleged facts stand, it seems that the Driver in question was orally told not to report for duty. In all probability might be on realising the error in which the Bank fell at that time by the subsequent notice duted 3rd June, 1982 termination has been brought about Here I am not concerned with whether the subsequent termination is valid or not because it requires another reference. Here there is a clear admission that they have paid the wages to the workman concerned till 3rd June, 1982 thereby meaning, though they do not admit it that the alleged action in not allowing Shri Bengera, Driver not to report for duty from 10th February, 1982 was not justified.
- 5. The reference has to be decided and the powers of the Tribunal arose for the said purpose from the order of reference itself and if by any subsequent event which cannot be of the workman was that the action of the management dated 10th February, 1982 itself amounted to termination of service. It was further unged that because there was no subsequent dated 10th of the management dated 10th february in 1982 itself amounted to termination of service. It was further unged that because there was no subsequent older of termination before 3ct there was no subsequent older of termination of the service of the serv quent order of reinstatement before 3rd June, 1982, if any subsequent action was taken by the management that would be non est and as such shall have to be ignored, In this connection the reference has arisen because of the contention of the Union that the oral direction by the management itself is against the Bipartite Settlement as well as against the provisions of the Industrial Disputes Act. Really speaking we are not called upon to determine whether it was a termination or not. Had it been a termination certainly this question would have been gone into but the management itself having said that the termination occured on 3rd June, 1982, the contention that the termination occured on 10th February, 1982 as tried to be pleaded at one stage would not be enter-tainable at all. Similarly the question whether the subsequent termination would be non est would not arise for the determination of the present reference as the scope of the present reference is whether the action of the management in not allowing the Driver to report for duty from 10th February, 1982 is justified or not, and if the finding is "not justified" whether the workman is entitled to any relief. Since the alleged action of 10th February, 1982 shall be deemed to have been affected by the notice of termination dated 3rd June,

1982 and since whether relief was permissible namely payment of wages till the workman was deemed to be in service is already given the reference as it stands does not survive. It may be that the said termination may not be liked by the workman or the Union and they may challenge the same but that demand will have no bearing on the present reference the scope of which as it stands is limited and on any subsequent development no finding one way or other on the part of the Tribunal is called for.

6. At this stage my attention is drawn to the attempt made by the Union to refer the issue of termination dated 3rd June. 1982 which has been turned down by the Government. This was done in the context of the present reference. Since I have held that because of the subsequent development the reference does not survive, the question whether the subsequent termination dated 3rd June, 1982 is valid or not would still be open and the parties would be at liberty to vantilate and get redressed the grievance through proper channel.

The reference therefore fails. No order as to costs.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer [No. L-12012/95/82-D.II(A)]

S.O. 305.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the Industrial dispute between the employers in relation to the Union Bink of India, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th December, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT .

Shii M. A. Deshpande, Presiding Officer. Reference No. CGIT-2/23 of 1982

PARTIES:

Employer in relation to the Management of Union Bank of India, Bombay.

### AND

# Their workmen.

APPEARANCES:

For the Employer-Shri F D. Damania, Advocate.

For the workmen—Shir J. G. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY · Banking. STATE : Maharashtra. Bombay, the 1st December, 1982

# AWARD

By their order No. L-12011/46/81-D.H(A) dated 26th March, 1982 the Central Government have referred the following dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 and everything depends upon as to what were the terms and conditions between the Belgaum Bank Ltd. on one side and the Union Bank of India on the other by which the merger and the resultant liability would be governed:—

"Whether the action of the management of Union Bank of India, in relation to its Bombay Branch, in not paying ex-gratia amount in lieu of bonus @ 4 per cent wages together with 12 per cent interest, for the year 1975 to its workmen who were taken over from the Belgaum Bank Limited, after its merger with the Union Bank of India, Bombay with effect from 1st December, 1975 is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

2. Without referring to the pleadings in detail succinctly it can be said that by virtue of the agreement reached between these two banks the Belgaum Bank was taken over by the Union Bank of India with effect from 1st December, 1975. The employees whose cause is espoused by the Union, were admittedly prior to 1st December, 1975 in the service of the

Belgaum Bank Ltd. Now because of the understanding between the two banks as well as the employees, these employees were accemed to have resigned from the solvice of the Belgaum Bank Ltd. and entered into tresh service with the Umon Bank of India. This has happened on 1st December, 19/3. However because of directive from the Reserve Bank of india a question of payment of bonus arose at the rate of 4 per cent and this has given rise to the dispute that to who is mable to discharge the said burden, whether the Belgaum Bank Ltd. with whom they were serving from 1st January, 19/5 to 30th November, 1975 or from the Union Bank of India in whose service they entered on 1st December, 1975. The conjention of the Union is that it is the Union Bank of 4 per cent and this has given rise to the dispute that to who ther the money comes from the pocket of one bank or another, the only concern being actual payment. It may be menuoned here that the Belgaum Bank has deposited a sum of Rs. 1,70,000 with the State Bank of India, Belgaum on 8th July, 1978 in order to meet out the estimated hability of payment of bonus of their employees. So far as payment by the Belgaum Bank is concerned in view of the deposit the same is clearly assured. However, the Liquidator, who is now looking after the affairs of the said Bank, pleads that despite this deposit, since the entire business income of the Belgaum Bank Ltd. for the period from 1st January, 1975 to 30th November, 1975 was taken over by the Union Bank though the merger occurred on 1st December, 1975, the liabirty to pay bonus dependant upon the income derived shall pass on to the new Bank that is the transferee Bank and would not rest with the first mentioned bank.

- 3. Before turning to the determination of the issue involved in the matter, since the Union Bank is denying the liability, the grounds on which the same is being denied will have to be taken in order to decide the same. In the first place by their written statement it is stated that the reference is grossly belated and therefore the workmen are not entitlel to any relief. It is further alleged that these employees having been treated as fresh recruits with effect from 1st December, 1975, any liability which arose in the said year cannot be passed on to the transferee or assignce Bank. It is further stated that in fact during the year 1975, the Government of India promulgated an ordinance excluding commercial banks from the applicability of Payment of Bonus Act, 1965 and as such legally no bonus is payable to the employees by any of these banks at the same time it is conceded that the Reserve Bank of India by directive had directed the payment of ex-gratia payment in lieu of bonus to the employees who were eligible to the same as defined under Section 2(13) of the Payment of Bonus Act, an amount equivalent to 4 per cent of the wages carned by the workmen in the said year. Since these workmen, it is alleged, joined the Bank namely the Union Bank of India on 1st December, 1975, they having not worked for 30 working days in the accounting year, it is contended that they would not be governed by the requisite circular, working 30 days in a particular year being the condition precedent to become eligible for bonus. They therefore say that the liability if at all there be shall be of Belgaum Bank and not of the successor Bank and therefore the Union Bank should be exempted from the payment of the same. I have already referred to the claim made by the Union and also the request advanced by the Liquidator of as the Bank having gone in liquidation, requiring no fresh reference.
- 4. On the strength of these pleadings the following issues arise for consideration and my findings thereon are :-Issues Findings
  - 1. At the time of transfer whether the Entire business inentire business income for the period come and not selefrom 1-1-1975 to 30-11-1975 was ted assets as contaken over by the Union Bank of India tended by the Union or only the selected assets as contend- Bank. cd by the Bank?
  - 2. Whether there was to be continuity of No, but this quesservice after joining the Union Bank tion pales in insiof India as contended by the Union? gnificance.

- 3.Or whether the services of the ex-employees of Belgaum Bank Limited was to be fresh service from 1-12-1975
- 4. Whether the Belgaum Bank Ltd had Yes deposited a sum of Rs. 1,70,000/-with the State Bank of India to meet the Bank's estimated liability for payment of bonus to their employees, on 8-7-
- 5. If, yes whether the bonus liability should be met from the said amount?
- 6. Whether the Union Bank of India Yes, but nothing can be termed as successor to the turns on this. Belgaum Bank Ltd. ?
- Whether the Union cannot demand. Can demand. bonus because the agreement between the parties is silent on this ground?
- 8. If the ex-employees of Belgaum Bank They are entitled Ltd are recruited as fresh recruits of 1-12-1975, are they entitled for exgratia payment by way of bonus for the relevant year even though they did not work for 30 working days during the year 1975?
- 9. Whether the workmen can claim as of right the ex-gratia amount in lieu of bonus?
- 10. If not whether this Court can order payment under the present reference
- 11. Whether the calim is grossly belated and therefore cannot be granted?
- 12. Who is responsible for payment of ex-gratia amount by way of bonus whether erstwhile Belgaum Bank Ltd or the Liquidators or the Union Bank of India?
- 13. What relief

As per award,

others,

14. What Award

# RLASONS

5. Though as a sort of deference alleged delay in making the demand is pleaded in answer to the claim made by the employees, there is no substance in the said averment and it should not detain us for long. The directive of the Reserve Bank of India to pay bonus is dated 27-10-1976 as seen from Fx. 17/M and whereafter the liability seems to have arisen and when the proceedings were started which ultimately resulted in the present reference, the workmen or the Union can never be said to have committed any latches to deprive them of the right to claim bonus. Now the Reserve Bank has cast the responsibility to pay 4% of salary as ex-gratia payment in lieu of bonus for the accounting year 1975 and the ordinance reference to for the year 1975 would be also of no use and since it is a directive from the Reserve Bank, the payment will have to be made, the only question being which Bank is liable to pay. The Reserve Bank of India has laid down ex-gratia payment at the rate of 4% of the salary or wages and has also laid down the minimum as well as the ceilings for the purpose of determination of the liability. It is further stated that this laibility would arise provided that a particular employee has worked in the Bank for not less than 30 working days in the year 1975. The Union Bank contends that these employees being fresh recruits from 1-12-1975, shall not be deemed to have worked for 30 working days or more in the year 1975, having regard that in December there are 31 days

and the matter itself revolves not on whether they worked 30 working days or not.

The Union Bank of India and

but the working days would be less than 30. There is some force in this argument and though it is tried to be urged on behalf of the employees for determining the working days the holidays cannot be considered, but the lest merely does not state that he has worked in the Bank but it is further qualified by saying for not less than 30 working days For this purpose that he might have worked in the bank for a particular number of days since he continues in the service even on the holidays but when reference to 30 working days is made and not merely 30 days, those holidays will have to be excluded and it the matter turns on this clause alone there would not have been any difficulty in discharging the Union Bank from the hability. However, the Liquidator has brought on record at Ex. 2/L, a copy of letter sent by the Manager, Central Accounts of the Union Bank of India addressed to the Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax, Belgaum Range. Belgaum where certain assertions have been made. It is immaterial whether it is addressed to the Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax or somebody else but since the profit and income was involved the said authority was directly concerned with the income earned in the year 1975 and for that purpose whether income earned by the Belgaum Bank prior to the merger should be considered as also the income of the Union Bank. it was stated in the said letter that the Union Bank has taken over the selected assets and liabilities of the Belgaum Bank Ltd. outstanding and valued as per the audited balance sheet of the said bank as on 31st December, 1974 and further stated that also its entire banking business with all the accounts of income and expenditure for the period from 1st January, 1975 to 30th November, 1975 and the banking business done by the Belgaum Bank Ltd. during this period has been done "on our account and not on its own account".

It is, therefore, evident that the understanding between the two Banks was that for doing the business during the relevant year that is during the year 1975 prior to 1st December, 1975 that is from 1st January, 1975 to 30th November, 1975 the Belgaum Bank Ltd. shall be functioning for and on behalf of the Union Bank of India. Therefore, though the employees of Belgaum Bank continued to be the employees of that bank and though by virtue of the agreement between these two Banks these employees resigned from the Belgaum Bank and joined the new Bank on 1st December. 1975, still the income and business having been taken over from 1st January, 1975, the hability if there be any to pay bonus to the employees shall rest not with the Belgaum Bank but solely with the Union Bank of India from whom the said claim is being claimed. In view of this specific admission and the assertion to an authority who ultimately was to determine the income and business for the said purpose in the year 1975, now the Union Bank of India cannot avoid any payment of bonus at the rates stated by the Reserve Bank of India for the year 1975. In my view the liability rests with the Union Bank of India and not with Belgaum Bank I td. which is now gone in hquidation, although during the relevant period 1st January, 1975 to 30th November, 1975 the employees were in the service of the said Bank and though the fresh service started with the Union Bank of India Irom Ist December, 1975. The payment shall be made therefore by the Union Bank of India as per the directive of the Reserve Bank of India with all the stipulation stated therein.

No order as to costs.

Dated: 6-12-82.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer(
[No. L-12011/46/81-D.H(A)]
N. K. VERMA, Desk Officer.

New Delhi, the 21st December, 1982

S.O. 306.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Benedih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagath, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th December, 1982,

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD REFERENCE NO. 13|80

PRESENT:

Shri J. N. Singh, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Benedih Colliery of M/s, Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Nawagarh, Distt. Dhanbad.

#### AND

Their workman

#### APPEARANCES:

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate, For the Workman—Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S.

INDUSTRY: Coal. STATE: Bihar.

Dated, the 10th December, 1982

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them u.s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012|142|79-D.HI(A), dated the 3rd March, 1980.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of the workman of Benedih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Nawagarh, Distt. Dhanbad that Shri Lalan Choudhury sould be taken back in service with effect from the 8th March, 1976 is justified? If so, to what relief 13 the said workman entitled?"

- 2. The case of the workman is that prior to take over of coal mines various nature of jobs in the coal mining industries were done through contractors which continued for some time even after take over of the management of coal mining industry by the Central Government and even after their nationalisation. Thereafter contract system was abolished gradually and persons employed through the contractors were regularised as employees of the respective collieries under the Central Government.
- 3. It is stated that Benedih Colliery is one of those non-coking coal mines the management of which was taken by the Central Government with effect from 31-1-1973 and it was nationalised with effect from 1-5-1973. The workman concerned Sri Lalan Choudhury was employed in the capacity of Tub Repairing Mazdoor in this colliery through contractor and when the contract system was abolished he and other workmen of the said contractor were absorbed as employees of Bharat Coking Coal Ltd., in the same colliery.
- 4. It is submitted that the workman concerned after regularisation was performing his duty peacefully and the management never asked him to establish his genuineness or otherwise as a workman of the contractor at the time of his legularisation. But all on a sudden he was stopped from his duties by the Scnior Manager., Benedih Colliery vide his letter dated 6th|8th March '76 mentioning that it had come to the notice of the management that he was an imposter and not a genuine worker. No explanation was ever asked from him nor any chargesheet was issued against him. The concerned workman for this illegal stoppage of work approached the management and thereafter he raised an industrial dispute before the A.L.C. in 1979 and after the conciliation ended in failure the present reference was made. It is submitted that the action of the management is illegal and arbitrary and hence the workman is entitled to be reinstated in service with full back wages.
- 5. The management has contested the claim of the concerned workman and the defence is that the workman has no case and the present Reference is not maintainable. It

is, however, stated that prior to take over the tub repairing and tub making jobs were under contract system and this system was abolished in the month of July 1974. Four persons viz Tulsi Neula, Kedar Nunia Shib Prasad Nunia and I alal Choudhuary were given employment by the present management after the abolition of the contract system on the consideration that hey were engaged on the job of tub making and repairing under contract system prior to 1974. Accordingly one Lalan Choudhury was appointed by a letter dated 18-7-1974 as a temporary tub repairing mazdoor and he was son of Ramdhani Chaudhary of village Mandra, in the District of Gazipur, but the concerned workman surreptitiously impersonated himself as said Lalan Choudhary and entered into the service through back-door methods with the connivence of some colliery staff. It is stated that the concerned workman is the son of Hiraman Chaudhary of Village Badki Naimjore, District Arra Bhojpur. It is submitted that as the concerned workman was an inductee and as such he had no right to get employment in the colliery and as his impersonation was established he was stopped from his duties. It is also submitted that the concerned workman is not the same Lalan Choudhary who was appointed by the management and who worked under the contractor and hence he is not entitled to any relief.

6. The point for consideration is as to whether the demand of the concerned workman that he should be taken back in service with effect from 8-3-1976 is justified. If 60, to what relief he is entitled.

7. The concerned workman has examined himself as WW-1 and has stated that he worked under the contractor and thereafter he was regularised by the management but he was illegally stopped from service on the basis of a letter issued by the management. According to the management, however, the concerned workman is an imposter and there was another Lulan Choudhary having different parentage and residence who was appointed to work as a tub repairer. Thus the very identity of the concerned workman has been denied on behalf of the management. Ext. W-2 is a letter dated 6th/8th Maich, 1976 addressed to Lalan Choudary by the Senier Manager, Banedth Colliery informing him that it had come to the notice of the management that he was an imposter and not a genuine worker and therefore he was stopped work with immediate effect. It is not denied that the concerned workman worked as Lalan Choudhary even offer nationalisation till his work was stopped. This is also proved from his pay sheet Ext. W-1. It, however, appears that as late as in 1979 an industrial dispute was raised on behalf of the concerned workman though he was stopped service in the year 1976. The union pressed for employment of the concerned workman and a meeting between the . management and the representatives of the R.C.M.S., of which the concerned workman claim to be a member was held on 5-8-80. Ext. M-1 is the record notes of the said meeting. Item No 20 of this Agenda relate to the case of the concerned workman Lolan Choudhary, After mutual agreement it was decided that Lalan Choudhary should be allowed to resume his duty provisionally pending enquity regarding his genuineness. On the basis of this meeting the concerned workman was allowed to resume duty by a letter dated 22-9-80 (Fxt. M-2) that is during the pendency of the present Reference. In the mean time the enquiry regarding the identity of Lalan Choughary was given to Shri P. N. Chaturvedi, the Chief Security Officer and along with the said direction the certificate granted to Lalan Choudhary by the Mukhiya was also forwarded. The Chief Security Officer made enquiry into the matter and he reported that the concerned workmen Lalan Choudhary was a resident of village Barki Nainjore, P.S. Berhampur, Dist. Bhojpur and he was son of Hiraman Choudhary and he does not belong to village Mandra, P.S. Sadiabud, Dist. Gazipur (UP) vide his letter 1-xt, M-4 dated 13-11-80. Thus it was established after proper enquiry that the concerned workman was a resident of the District of Bhojpur and father's name was Hiraman Choudhary. The concernedworkman has also given his same name and parentage. After the said enquiry the Personal Manager reported the matter to the General Manager informing that from the report of the Chief Secerity Officer it was established that the concerned workman was actually on imposter and as it was decided during the meeting with the untoil that he should be allowed to continue work till final enquire is completed hence the matter may be decided as to whether

stated that prior to take over the tub repairing the work of Lalan Choudhary should be stopped or not. The final decision is still pending with the management as the abolished in the month of July 1974. Four

8. MW-1 is Sri S.P. Singh, Deputy Personnel Manager. He has proved a declaration Ext.M-3 which was filled by four workmen who worked under the contractor and who were regularised as workmen of the colliery after aboition of the contract system. It bears the name of Tulsi Numa, Kedar Numia Shib Prashad Numa and Lalan Choudhary. All the four workmen have put their thumb impression on it. In this declaration form Lalan Choudhary has been shown as son of Ramdham Choudhary of village Mandra, P.S. Sadiyabad. District Gazipur. According to the management on the basis of this declaration Lalan Choudhary of the District, of Gazipur was appointed and not this workman and as this workman is a resident of Dist. Bhojpur having a different parentage he is not a genuine worker and is an imposter. It is also proved from the report of the Chief Security Officer that he is a resident of Dist. Bhojpur and is son of Hiraman Choudhary. Thus it is proved that the concerned workman who was regularised by the management and who worked under the contractor prior to the abolition of the contract system. In this view of the matter the concerned workman is not entitled to be taken back in service as claimed by him as he is proved to be an imposter.

- 9. Thus on consideration of all the evidence on the record, I hold that the concerned workman is not the same Lalan Choudhary who was regularised by the management and as such in law or on facts he is not entitled to any relief.
- 10. It may however be mentioned that the concerned workman has been given provisional employment by the management and considering the problem of non-employment the management may consider the desirability of continuing him in service if they so like.
  - 11. I give my award accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer.
[No. I-20012/142/79-D III(A)]

New Delhi, the 22nd December, 1982

S.O. 307.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Godhur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th December, 1982.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 35 of 1980

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of Godhur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda, Dist. Dhanbad.

# AND

Their Workmen.

#### PRESENT.

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.), Presiding Officer. APPEARANCES:

For the Employers-Shti B. Joshi, Advocate.

For the Workmen-Shri S. Rose, Secretary Raphtriva Colliery Mazdoor Sangh.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal.

Dhanbad, the 14th December, 1982

#### AWARD

No. L-20012(134)/80-D.III(A) dated the November, 1980 of the Central Government in the Ministry of Labour the following dispute has been referred to this Pribunal for adjudication in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the industrial Disputes Act, 1947.

- "Keeping in view the categorisation done by the management of Bharat Coking Coal Limited in respect of persons doing the same type of jobs in Bararee Coke Plant, whether the demand of the workmen of Godhur Colliery of Messrs Bhatat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda, District Dhonbad that Sarvashir Chandrika Dusadh, Ramadhan Koiri, Banharilal Koiri and Kayan Bhuia should be naid Cate. harilal Koiri and Kayru Bhuia should be paid Calegory-V wages is justified? If so, to what relief are the said workmen entitled?"
- 2 The concerned workmen are admittedly permenent employees performing duties in the hard coke ovens in Godhur colliery which was taken over by the Central Government with effect from 17-10-1971 and nationalised with effect from 1-5-1972 when its ownership, management and control vested in M/s, Bharat Coking Coul Limited, Baratee Coke Plant is also vested in M/s. Bharat Coking Coal Limited consequent upon its nationalisation with effect from 1-5-1972.
- 3. Now it is the case of the concerned workmen that though they are performing three to four different types of jobs the they are performing three to four different types of Jobs the management is paying them wages of lower Category-IV whereas for similar type of job singly done by different persons in Bararee Coke Plant they are paid Category-IV and Category-V rate of wages and thus the concerned workmen are denied their ligitimate wages of Category-V though they are performing higher degree of duty than the workmen of Bararee Coke Plant who are paid Category-IV wages, The matter way raised before the management by the Union of the workmen, but, when it could not be resolved the Union the workmen, but, when it could not be resolved, the Union represented the matter before the Assit. Labour Commissioner (C), Dhanbad, who arranged local inspection regarding the nature of job performed by the concerned workmen and deputed Shri S. N. Pathak, Labour Enforcement Officer (C), Dhanbad who conducted the enquiry on 14-7-79 and submitted his report dated 25-7-79 (EM, W-1) to the Asstt. Labour Commissioner (C) but in spite of the findings of the Labout Enforcement Officer (C) the management refused to change its stand with the result that the conciliation proceedings ended in failure leading to the present reference by the Central Government for adjudication by this Tribunal. The contention of the concerned workmen, therefore, is that since they are performing duties involving higher degree of responsibility and skill they are entitled to higher rate of wages of Category-V with effect from the date of nation disation on 1-5-1972.
- 4. On the other hand, the case of the management is that the concerned workmen are operators of machines installed on the surface which are used for crushing coal for feeding into coke ovens. The power requirement of such machines is less than 75 H.P. The operators of machines of 75 H.P. and below have been put in Category-III under Coal Wage Board recommendations, and, therefore, normally the con-cerned workmen would have been placed in Category-III instead of Category-IV. Keeping in view the recommendations of the Coal Wage Board and National Coal Wage Agreement, applicable to the entire coal industry the operators of crushers and elevators have been fitted either in Category-III or Category-IV at different collienes of M/s. Bhatat Coking Coal Limited. In exceptional cases a few drivers of crushers and elevators might have been promoted to Category-V considering their merit and seniority. The Bararee Coke Plant is completely an independent establishment exclusively manufacturing hard coke besides various bye-product. The coke plants of different collieries are however parts and parcels of coal mines and no tve-product is manufactured there. The Bararce Coke Plant had fixed certain wage structures in respect of certain employees which was higher than normally

applicable to employees of coke plants of colliery management as the rate of profit in Baraice Coke Plant was more as it was able to produce bye-products also which cannot be done in the coke plants of collieries. Wherever the workmen were getting more, the same had to be protected even after nationalisation but this will not entitle the workmen of other establishment to claim wages beyond that prescribed under the Coal Wage Board recommendations and National Coal Wage Agreement. The contention of the management, therefore, is that the concerned workmen have been properly fixed in Category-IV and they are not entitled to claim Category-V wages.

- 5. Only one witness has been examined on behalf of the concerned workmen, namely, Ramadhar Koiti (WW-1) who is one of the concerned workmen, and only one document has been exhibited on their behalf, namely, the report dated 25-7-79 (Ext. W-1) of the Labour Enforcement Officer (C), Dhanbad, detailed the job performed by the concerned workmen. On behalf of the management also only one witness, namely, N. Mukhenee (MW-1). Dy. Personnel Manager of Kusunda Area in which Godhur Colliery is situate, has been examined and no document has been exhibited on its behalf.
- 6. The Labour Enforcement Officer (C), Dhanbad in his report dated 25-9-79 (Ext. W-1) had reported that the concerned workmen do the following work:
  - "(1) Operation of switch board in switch room for on and off.
  - (2) Elevator Roller Crusher 30 H.P. starting, greasing, oiling, removal of coal jamming in roller crusher and repairing ot broken strap.
  - (3) Staring Elevator, stopping elevator and oiling. In the gear oiling on the top, coupling motor of 10 h.p. which is fitted on the top is stopped by them in case the coupling bolt is broken to renew or repair. If elevator chain breaks or opened is repaired by them.
  - (4) Coal grinding crusher of 5 h.p. is being operated by them and also greasing of bearing, repairing of bru-ken strap or emoval of coal jamming etc.

In case elevator crusher breakes or free wheel teeth breakes then only Mistry is called to ropai; or replace as required.

- 7. The concerned workman, Ramadhar Koiri (WW-1), has stated that he and other concerned workmen operate crusher and elevator machines in Godhur Colliery which ere fitted with engine of 30 h.p. and, though fitted with different motors, work simultaneously and automatically by putting on electric switches, and it is their duty to see that the elevators and crushers function properly and it in course of their functioning any belt breaks or snaps it is also their duty to mend the same, and in case some oil is needed in some part of the machine to put oil there, but if there is any break down in the machine then some mistry has to be called According to him, he and other concerned workmen also operate coal grinding crusher of 50 H.P. He has also stated that the designation of the concerned workmen is Crusher Khalasi.
- 8. Under Coal Wage Board recommendations, which have been accepted by the Central Government in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) by Resolution No. WB-16(5)/666 dated 21st July, 1967, crusher khalasis, whose job description is given as 'workmen who stop or start the engine driving the mill or crusher and who stop or start the engine driving the mill or crusher and who help in feeding materials to be crushed or pulverised into the machino" have been placed in Item No. 26 of Category-II (Semi Skilled labour) at page 44 of Vol-II of the Coal Wage Board recommendations. According to the evidence of the concerned workman, Ramadhar Koiri (WW-1), before nationalisation he was in Categoryadnar Koiri (ww-1), pelore nauonaisation ne was in Category-III but after nationalisation. M/s. Bharat Coking Conl Ltd. gave him one higher category, namely, Category-IV about 5 to 6 years back and the other concerned workmen are also getting Category-IV wages. Hence the concerned workmen, who are crusher khalasis and who would have ordinarily got Category-II according to Coal Wage Board recommendations. should have no grievance when they have already been given two lifts and have been placed in higher Category-IV by the management.
- 9. In the present reference the claim of the concerned workmen to get a higher Category-V is based on comparison with the workmen of Bararee Coke Plant doing the same type of jobs as are being done by the concerned workmen

in Godhur Colliery. There is, however, practically no evidence on the record to show that workmen of Baratee Coke Plant doing the same type of job as are being done by the concerned workmen in Godhur Colliery are getting Category-V wages. On this point the evidence of the concerned workman Ramadhar Koiri (WW-1) is that he had not enquired as to the wages of which category the workmen of Bararec Coke Plant are getting and so far as the elevator operators of Bararce Coke Plant are concerned they are getting wages of Category-IV or V about which he is not sure. On the other hand, there is the definite evidence of N. Mukherjee (MW-1), Dy. Personnel Manager, that in Bararce Coke Plant also the workmen who operate crusher, elevators etc. in Coke Plant are placed in Category-IV. Thus, on the evidence on record, it is not possible to hold that the workmen in Bararec Coke Plant who are doing job, similar to the one done by the concerned workmen in Godhur Colliery have been placed in Category-V so as to sustain the claim of the concerned workmen to get higher Category-V by comparison.

- 10. In their written statement the concerned workmen have, in their written datement the concerned workmen haven to doubt, also tried to make out a case that the different types of work enumerated in the report dated 25-7-79 (Ext. W-1) of the Labour Enforcement Officer (C), which the concerned workmen are doing singly are being done in Bararee Coke Plant by different workmen who are paid Category-IV wages, and hence they should get one higher category, namely also probably the concerned to the contraction of the contractio Category-V wages; but that is also not substantiated in evidence as it is the evidence of Ramadhar Koiri (WW-1) that he had not enquired as to the wages of which category the aforesaid workmen of Bararee Coke Plant are getting. Therefor, the concerned workmen are not entitled to Category-V wages on that score also.
- 11. Moreover, there could be no justifiable comparison between Godhur Colliciy and Bararee Coke Plant as Ram adhar Koiri (WW-1) has admitted in his cross-examination the case of the management that in coke oven of Godhur Colliery only hard coke is prepared but in Bararee Coke Plant hard coke is prepared besides bye-products, like coaltar etc., and that Bararee Coke Plant is bigger than the coke plant of Godhur Colliery. There could be a comparison between the operators of crushers and elevators in coke plant tween the operators of crushers and elevators in coke plant of Godhur Colliery and operators of crushers and elevators of coke plants of other collieries of M/s. Bharat Coking Coal Limited, but the evidence of N. Mukherjee (MW-1), who is presently working as Dy. Personnel Manager in Kusunda Area in which Godhur Colliery is situate and was formerly working as Dy. Personnel Manager in Kustore Area, is that M/s. Bharat Coking Coal Ltd, have got coke plants in different areas of Kusunda Area as well as Kusture Area and the workmen who work as operators of crushers and elevators in those coke plants are in Category-IV. in those coke plants are in Category-HI or Category-IV, and this has not been challenged in his cross-examination.
- 12. Moreover, under Sec. 17(1) of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 wherever the workmen were being paid more by the out-going owners before nationalisation of coking coal mines or coke oven plants, that had to be protected even after nationalisation, notwithstanding that it was higher than what has been recommended in the Coal Wage Board recommendations; but the same cannot be a ground for increasing the wages of the same class of workers doing the same type of job in other collieries who have already been placed in a category much higher than the one recommended by the Coal Wage Board and accepted by the Government.
- 13. In no view of the matter, therefore, the concerned workmen are entitled to Category-V wages. The reference is answered and the award is made accordingly. There will be no order as to cost.

M \NORANJAN PRASAD, Presiding Officer. No. 1-20012/134/80-D.IU(A)] A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 18th December, 1982

S.O. 308.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Girmnt Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th December, 1982.

### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 21 of 1982

### PARTIES:

Employers in relation to the management of Girimint Colliery of Messrs Eastern Coalfields Ltd,

AND

Their Workmen.

#### PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh--Presiding Officer.

#### APPEARANCES:

On behalf of Employers-Mr. M. N. Kar, Advocate. On behalf of Workmen -Absent.

STATE - West Bengal

INDUSTRY: Coal

#### AWARD

By Order No. L-19012(44)/82-D,IV(B), dated 15th June, 1982 the Government of India, Ministry of Labour, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the Agent, Girmint Colhery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Charanpur, District Burdwan in superannuating Sri Arjun Bhuiya, Timber Mistry with effect from 1-9-1980 is justified? If not, to what relief is the workmen entitled?"
- 2. In my opinion the reference has to be answered in the 2. In my opinion the reference has to be answered in the affirmative. There are ample evidence on record to show that Arjun Bhuiya was born in the year 1920. It has so been recorded in the B form Register of which the relevant entry is No. 1182, Ext. M-1. This entry bears the LTI of Arjun Bhuiya. In the increment llst of the crstwhile company bearing No. 24590 also his year of birth is recorded as 1920, vide Ext. M-2. It appears that a notice dated 28th January, 1980 (Ext. M-3) was issued to him by the management stating that he was to retire with effect from 1st July, 1980. He then raised a dispute regarding his recorded age. Then a Medical Board was constituted to assess his age. He was asked to appear before it on 1st October, corded age. Then a Medical Board was constituted to assess his age. He was asked to appear before it on 1st October, 1980 by notice dated September 29, 1980, Ext M-7. He appeared before the Board on that day in the Area Office, Sripur Area. The Medical Board found his age to be above 60 years. Ext. M-9 which is an office order of Sri S. C. Malhk, Deputy Chief Personnel Officer of Sripur Area dated 12/21 October, 1980 clearly shows it. This office order of Sri Mallik was followed by the office order of the Manager, Ext. M-10 dated 11th November, 1980 and this also shows that the Medical Board had assessed his age to be above 60 that the Medical Board had assessed his age to be above 60 years. The matter regarding his age was communicated to him by letter dated 11-11-80.
- 3. The concerned workman did not turn up for duty from 5th September, 1980. His wages upto 4th September, 1980 had already been paid to him vide Ext. M-11 which is an entry in the wagesheet. The concerned workman retired from service with effect from 11-11-80 when the matter was companied to him but he wage sheart from municated to him but he was absent from duty from 5th September, 1980. MW-1 Sri S. C. Sahajwani has proved all the aforesaid documents. He was not cross-examined because none appeared on behalf of the workman, He is the Manager of Girimunt Colliery and there being nothing against him on record I find no reason to disbelieve him. The documentary evidence above mentioned clearly shows that the workman was rightly retired from service with effect from 11th November, 1980.
- 4. In view of above, my concluded award is that the action of the Agent, Girimint Colliery of Messrs Eastern Coalfields I imited in superannuating the concerned workman Arjun Bhuiya, a Timber Mistry, with effect from 1st September 1980 (appears to be a mistake for 5-9-80 or 11-11-1980) is justified. It follows that the concerned workman is not entitled to any relief.

Dated, Calcutta, The 2nd December, 1982.

M. P. SINGH, Presiding Officer [No. L-19012(44)/82-D.IV(B)]

## New Delhi, the 22nd December, 1982

SO, 309—In pursuance of section 1/ of the Indu trial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Certial Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutt, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sodepur Colliery of Massis Fastern Conffields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th December, 1982

#### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRUBUNAL CALCUTIA

Reference No. 54 of 1980

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of Sodepur Colliery of MIs F C Lul, PO Sunderchal. Distt Burdwan;

AND

Their Workman

PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh, Presiding Officer

APPEARANCES.

On behalf of Employer-Mr. B N. Lala, Advocate with Mr. P. N. Goswami, Senior Personal Officer

On behalf of workman-+M1 Tarap da Rajwar, an authorised representative

West Bengal STATE

TOTAL P

#### AWARD

The following dispute was referred to this Tribunal for adjudication by the Government of India, Ministry of Labour, vide Order No 1-19012(19)/80-D.IV(B) dated 8th Tuly, 1980

"Whether the action of the management Sudepur Colliery of Messes Fastern Coalfields Limited, Post Office Sunderchag, District Burdwan in refusing employment to Shri Rampada Majhi Tyndal with effect from 5th Murch, 1978 is instiffed? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. When the case was called our for heating, a petition of compromise was filed by both the partie A prayer has been made for an award in terms of the said compromise I have gone through the compromise and I find the terms are reasonable and fair. therefore accept the same and pass an award in terms thereof which will form part of this Award as Annexure "A".

Date, Calcutta,

The 10th December, 1982.

#### ANNEXURE A

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,

#### CALCUTTA

In the matter of Reference No. 54 of 1980

#### PARTIES:

Find Find the Francisco Fr trict Burdwan

1116 GI/82- 8

#### AND

Then Work nin.

### JOINT PLUITION OF COMPROMISE

Both the parties most respectfully beg to submit as under

- 1 That the above matter is pending adjudication before the Hon'ble fribunal.
- 2. That the hearing of the above matter has not yet concluded
- 3 That in the meantime the parties negotiated the matter mutually and have come to a settlement on the following terms .---
  - (1) That the management shall allow the concerned workman, Shri Rampada Majhi to resume duty in his substantive post of Tyndal within 3 days from the date this settlement is accepted by the Hon'ble Tribunal
  - (ii) That the occord of non-employment of the workman comparand as arising out of this reference and upto the date of his resumption of duty as clause (i) above shall be treated as leave without pay with continuity of service.
- (ni) That the concerned workman shall have no claim whatsoever for any back wages arising out of the present dispute for the period of his non-employment as raid in part (II) above.
- (iv) That the management agrees to pay a sum Rs. 1000/- (Rupes One Thousand only) to the concerned workman towards his cost for the present proceedings and the said payment will be made within 15 days from the date this settle-ment is accorded by the Hon'ble Tribunal.
- 4 Both the parties pray that the Hon'ble Tribunal would be pleased to accept this settlement and pass an award in terms thereof

Dated this the 9th day of December, 1982.

For and on behalf of the Workman.

9-12-92

Authorised Representative of the workman

For and on behalf of the Fmplovers. Paresh Nath Goswami 9-12-82 Senior Personnel Officer  $\mathbf{E}.\mathbf{C}$ M P SINGH, Presiding Officer. [No L-19012(19) /80-D IV(B)]

S.O 310—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial disputbetween the employers in relation to the management of Dishergarh Area of Eastern Coalfields Limited, Borachak House, Post Office Sitarampur, Burdwan, and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th December 1982 December, 1982.

## CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL. CALCUTTA

Reference No. 64 of 1980

PARTIES -

Employers in relation to the management of Dishergarh Area of ECL, Boruchak House, PO. Sitarampur. Buidwan.

## AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice M P. Singh, Presiding Officer

## APPEARANCES:

- On behalf of Employers --- Mr. S. N. Ram, Deputy Personnel Manager.
- On behalf of Workmen-Mr. S. K. Chakraborty, Vice-President of the Union.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Coal.

#### AWARD

Two Telephone Operators, namely, S/Shri Sudip Chattaraj and Tarit Banerjee, working in the establishment of the General Manager's office, Borachak House at Dishergarh Area of ECL rused a dispute with regard to the non-payment of over-time wages to them beyond 39 hours per week. This dispute was sponsored by the Coal Mines Employees Union (briefly the Union). At their instance the Central Government in the Ministry of Labour, by Order No. I-19012(5)/80-D. IV(B) dated 22nd Iuly, 1980 referred the following dispute to this tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the management of Dishergarh Area of Eastern Coalfields Limited, Post Office Sitarampur, District Burdwan in denying the overtime wages beyond 39 hours per week to S/Shri Sudip Chattaraj and Tarit Banerjee, Telephone Operators is justified? If not, what relief are the concerned workmen entitled?"
- 2. A preliminary objection has been raised by the management that the reference is invalid and unsustainable inasmuch as neither the concerned workmen nor a substantial section of the workmen of the establishment nor the Trade Union by any resolution of its Executive Committee or by any resolution in any general meeting has espoused the cause of the concerned workmen. It is urged that the union has no following whatsoever from amongst the employees of the Dishergath Area office which employees about 184 workmen.
- 3. One witness has been examined on behalf of the Union. He is WW-1, Sudip Chattaraj, one of the two concerned workmen. He has proved the Membership register (Ext W-1) in order to show that he is a member of the said union and his Serial No. is 249. The witness has also filed receipts and counter-foil receipts (Exts W-6, W-7 and W-8) in order to show that annual subscription was paid by the concerned workman. The witness has also filed the resolution of the Executive Committee (Ext W-9) dated 30 September 1979. On the basis of these documents and on the basis of the oral evidence of WW-1 Sudip Chattaraj it is contended that the union has locus standi to espouse the cause of the concerned workmen who are its members.
- 4. The management, on the other hand, has contended that it has not been proved as to when Sudip Chattaraj became a member of the union, that neither in his evidence he can say it nor there is anything in the membership register to prove it. In my opinion the fact that Sudip Chattaraj is a member of the union is established by the membership register of 1968 (Ext. W-1) I co not see any good reason to disbelieve it. However, there are two broad facts on account of which I think the union has no locus standi to represent the concerned workmen.
- 5. The first thing to be noticed is that not a single member of the Executive Committee of the aforesaid union has come forward to say that the Executive Committee was authorised by the general body of the workers to represent the cause of the two concerned workmen. The resolution of the Executive Committee (Fxt W-9) no doubt shows that the Executive Committee in a meeting decided to support the cause of the concerned workmen on the ground that the General Secretary had been authorised in the general meeting dated 8-4-1979. The General Secretary has not been exaffined. That is not all When the competitive of the union to represent the concerned workman is challenged it is necessary for the union to produce all the relevant and material evidence in the case in order to show that they have locus standi to represent the concerned workman. The resolution Ext W-9, mentions about the minutes of the meeting of the general body of workers dated 8 April 1979, but that has not been produced. It is by wirther of the resolution of the general body of workmen that the Executive Committee claims that the General Secretary was authorised to represent the two concerned workmen.

No paper has been filed by the union to show that the members of the Executive Committee were anthorised to take up the cause of the concerned two workmen. From agenda 2 of the Ext W-9 it is clear that it was the General Secretary who reported to take up the cause of two concerned workmen along with other cases and that the General Secretary was authorised in the general meeting dated 8-4-1979 to do to. From the evidence of WW-1 it appears that there were more than 60 members in his union. In absence of the minutes of the meeting of the general body of workers dated 8 April 1979 coupled with the fact that none of the members of the Executive Committee is coming forward to support the case of the concerned workmen, I am inclined to hold that the union lacked representative capacity to represent the two concerned workmen. As per evidence of WW-1 Sudip Chattaraj it seems that three telephone operators were members of the union out of whom the two aforesaid raised the distance of the union out of whom the two aforesaid raised the distance of the union out of whom the two aforesaid raised the distance of the union of the uni pute with the management. That is immaterial. In the present case it is not the concerned workmen nor any group of workmen of that establishment who raised the industrial dispute. It is the union which raised the industrial dispute. In such a situation it was necessary for the union to prove that the situation it was necessary for the union to prove that the Executive Committee of the union was duly authorised by a resolution of the general body of the workers to represent the two concerned workmen. That has not been done as stated above. Relying upon the case of Tata Chemicals v. Workmen, 1978 II LLJ 22, it is argued on behalf of the union that even a minor union of workmen of the establishment can validly raise an industrial dispute within Section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947. That decision has no application to the facts of the present case. It may be mentioned that the management has filed before this Tribunal points of argument on preliminary objection but it is not points of argument on preliminary objection but it is not necessary to deal with each and every point mentioned therein as several minor matters have been stated there.

6. For the reasons given above it must be held that the union has no locus standi and it lacks authority to represent the two concerned workmen. If so, it must further be held that there was no industrial dispute which could be referred to this tribunal for adjudication I accordingly hold that the reference is bad in law and invalid. Hence it will not be right to pass any award in terms of the Schedule to the Reference aforesaid.

Dated, Calcutta,

The 9th December, 1982.

M. P. SINGH, Presiding Officer [No. L-19012(5)/80-IV(B)] S. S. MEHTA, Desk Officer

## New Delhi, the 24th December, 1982

S.O. 311.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No 2, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of India Security Press, Nasik Road, Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 21-12-82.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/38 of 1980

#### PARTIES:

Employers in relation to the Management of India Security Press, Nasik Road, Maharashtra.

AND

Their Workmen.

## APPEARANCES:

For the Employers-Shri B. M. Masurkar, Advocate.

For the Workmen-Shri S. H. Deshpande (workman in person).

INDUSTRY: Security Press. STATE: Maharashira.

No

No

Yes

## Bombay, the 22nd October, 1982 AWARD

## (Dictated in the Open Court)

By their order No. L-42012(53)/79-D.II(B) dated 22-7-1980 the Central Government have referred the following dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947:—

"Whether the action of the management of India Security Press, Nasik Road, Maharashtia, in terminating the services of Shri Sharad Hari Deshpande, Office Peon, vide Office Order No. Adm. 89/M dated the 18-9-1978 is justified and legal? If not, to what relief the workman is entitled?"

- 2. The nature of dispute itself indicates, it is arising out of the termination of the services of Shri S. H. Deshpade Office peon who was employed by order dated 24-10-1975 and who the contention of the management is, was appointed on probation for two years and the order of appointment itself laid down that it was purely temporary and was liable for termination forthwith without assigning any reason under Rule 5 of the Central Civil Service (Temporary service) Rules, 1965. The plea of the workman however is that he had completed the period of probation for who were which period completed the period of probation for wto years, which period clapsed on 20-10-1977 and therefore any is that he having completed the period of probation for two years, which period deemed to be permanent since the vacancy which was there was an existing vacancy and was not a temporary one. However on 18-9-1978 according to the workman to his surprise his services were terminated forthwith and it was directed that he would be paid a sum equivalent to one months wages in heu of the period of notice. On receipt of ' order, representations were made but all of them were turned down. It is alleged that this order of termination itself amounts to order of termination for misconduct and therefore amounts to retrenchment and since according to the workmen the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act were not followed, the retrenchment is bad in law and the workman is entitled to be reinstated with all reliefs.
- 3. The management have filed two written statements one at Ex. 8/M and another additional Written statement at Lx. 4/M. Now the contention of the management is that the appointment of the workman was purely on temporary basis and his services were hable to be terminated worthwith without assigning any reason, So far as the contention of the workman that on satisfactory completion of the pro-bation period he shall be deemed to have been confirmed, the management in reply have said the work of the employee was not satisfactory and he was continued in the employment in the hope that he would improve himself but since there was no improvement in the discharge of his duties and the employee being purely a temporary employee, his services were terminated in accordance with the Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules 1965. It is alleged that these special rules which are statutory in characher will overrids the provisions of the Industrial Disputes Act or any other law for the time being in force including the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1948 and therefore any termination which was made under those rules cannot be challenged.

4. By additional written statement Ex. 4/M attempt was made to suggest that since the workman was not sponsored by the Employment Exchange the initial appointment itself is bad and cannot be any relationship of employer-employee, It is further contended that on making a misrepresentation that the workman belonged to the category of mentorious sportsman, the services were secured by him and as such when the fraud was detected, there cannot be any relationship of employer-employee on this ground also and if the workman cannot be deemed to be an employee of the Security Press, he cannot claim any relief under the Industrial Disputes Act.

5. On the above pleadings the following issues arise for determination and my findings thereon are:--

## ISSUES

Finding

No

1. Whether the Security Press establihes that the Workman had secured employment by practising mis-representation or Frand? If ves, what is its effect on the employer-employee relationship?

1(A) Was it incumbent on employee to apply only when sponsored by employment ex-

- change? If yes, whather the appointment was without such sponsoring
- 1(B) Whether the appointment or Shri Deshpande was illegal on this count from inception?
- 1(C) Whether the action taken in exercise of the powers under Rule 5 of the Central civil Services (Temporary) Rules 1965 can be a matter for adjudication in a reference under Section 10 (1) (d) of the Industrial Disputes Act?

 If yes whether the termination of service of Shri S.H. Deshpande was valid and legal?

3. Does it amount to retrenchment?

4. If yes is it valid and legal without following the procedure an contemplated undersection 25F etc.?

5. to what relief the workman is entitled? As per Award REASONS

6. It was tried to be established that the workman secured the employment by mistepreentaion of he facts and by fraud and for that purpose dual contentions are raised viz. In the first place since he was not sponsored by the Employment Exchange, the appronument itself is bad and secondly on account of mistepresentation regarding the meritorious sportsmanship, if the management was misled, any order of appointment made is also bad and on this ground there will be no relationship of employer-employee. In this connection may attention has been drawn to the rules regarding the Employment Exchange (Compulsory Notification of Vacancies) Act, 1959 (Act No. 31 of 1959) on going through which I find no where that if any appointment is made in contravention of the said Act the appointment becomes illegal. No doubt Section 7 speaks that on such appiontment the employer is liable to be punished but the relationship of employer-employee is not declared to be illegal and therefore it is continued and whether Shi Deshpande was sponsored by the Employment Exchange on that occasion or not, he having served the Security Press almost for more than two years, benefits if otherwise available by his service conditions will have to be extended to him.

7. The application seeking the appointment was read over to me but nowhere I find any misrepresentation on the part of the employee namely his claim to be belonging to the category of meritorious Sportsman and thus securing the service. Therefore the plea that fraud was played or mistepresentation was made to secure the job carries no force.

8. Once we hold accordingly, the only conclusion possible is that the appointment of Shri Deshpande cannot be said to be illegal from the inception. Now it is true that even the statement of claim and the order also speaks that the appointment would be on probation for two years in the first instance and that the appointment was purely on temporary basis. Now the record speaks that he was allowed to complete the period of two years of probation. But what harpened subsequently has got material bearing and for that purpose what is pleaded on behalf of the workman is that on completion of the period of probation of two years he shall deemed to be permanent against which the contention of the employer is that he continued to be a purely temporary employee. Nowhere the management pleaded that even after the completion of the period of two years, since there was no confirmation by an order in writing, the workman continued to be on probation. Had there been such pleading, since a probationer has no right to the post and since the very order of appointment speaks that the services are liable for bermination without assigning any reason, the employee would not have been entitled to any relief. It is now a settled law that so far as the provisions of Section 25F are concerned, they are applicable to the employees whether they are permanent or confirmed or temporary. Therefore by merely pleading that the workman continued to be on purely temporary basis, no inference can be drawn that the management wanted to contend that he continued to be on probation till he was confirmed though had there been such pleading there would not have been any difficulty in accepting the same.

9. In order to overcome the difficulties created by Section 25F which enjoins upon the management to follow certain procedure, it was contended that the workman is governed by Central Civil Service (Temporary Service) Rules 1965 and those rules shall have overriding effect and therefore whatever might have been laid down under Section 25F of the Industrial Disputes Act, so far as the workman is concerned he cannot invoke the provisions of Section 25F or such

other provisions of the Industrial Disputes Act. In this connection it is pertinent to note that Section 25J which falls oncer Chapter—Section 25F is failing in the very chapter—shall have effect notwithstanding anything inconsistent therewish contained in any other law including standing Orders made under the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1746 and shall have overliding effect, and on the contrary when the dispute is governed by the Industrial Disputes Act, and there being an industry and employee-being a workman, the only question to be determined is whether the provisions of Section 25F have been followed or not. In this connection I may refer to the Judgement of Kerala High Court in the case Bhaskaran Vs. Sub-Divisional Officer, reported in 1982, (II) LLJ, page 248, which deals with all the points raised in this case and ultimately held that the provisions of Sections 25F, 256 and 25H govern the case of the workman in that case and not any other rules.

10 Respectfully following the ratio of the said case and further having round that the pleas-inal the work can confinued to be on probation is conspicuously absent and further whether temporary or confirmed, the provisions of section 251 ocing applicable the only question to be determined is whether those provisions have been complied with or not. since the management wanted to torminate the service purely by way of discharge simplicator in exercise of the powers, any such termination which is not based on the misconduct, would amount to retrenchment under Section 2(op) of the Industrial Disputes Act and in view of the decision of the Supreme Court in L. Robert D. Souza Vs. Executive Engineer, couchern Ranway and another, reported in 1982, (1), LLJ, 330 and since Section 25F of the Act has not been followed admicedly, the termination has to be declared as bad. Normally the workman would have been entitled to reinstatement but having regard to the fact that services are to be in the Secu-11ty press and further having regard to the fact that management had lost confidence as is evident from the correspondence produced on record, in my view he shall not be entitled to this relief. The workman shall be entitled to wages. In this connection Shri Deshpande informs that he is gainfully employed from May, 1980. Therefore he shall be entitled to wages from the date of termination till May, 1980, that is 20 months from September 1979 to the and of 1980 that is 20 months from September, 1978 to the end of April, 1980 at the rate at which he was drawing his wages at the time of his termination. He shall be also entitled to rottenchment compensation for the period of service put in at the rate of 15 days average pay for every completed year of continuous service or any part hereof in excess of six months under the provisions of Section 25F of the Act. The workman was offered notice pay but he declined to accept it that nosice pay also be paid to him.

11. I am also ordering reinstatement because I find that the workman has succeeded on technical ground of absence of the plea that he continues on probation in the absence of order of confirmation. Had there been such a plea there would not have been any difficulty at all in holding that he was still on probation there being no order of confirmation and in that case since he would not have any right to the post vested in him, the service contract would have governed his case, that is his services were hable to be terminated without assigning any reason. However as already observed since there was no such plea the proceeding has taken another course.

Award accordingly..

No order as to costs.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUTNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/38 of 1980

Employers in Relation to the Management of India Security Press, Nasik Road, Maharash'ra.

#### AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the employers—Sh.i B. M. Masurkar, Advocate,

For the Workman-Shri S. M. Dharap, Advocate.

INDUSTRY; Security Press.

STATE: Maharashtra.

## Bombay, the 7th December, 1982 AWARD PART II

(Dictated in the Open Court)

In this connection Award, which is being treated as Part I, was passed on 22-10-1982, which order was reviewed by another order dated 4-11-1982 and the workman was granted chance to lead evidence so far as the nature of employment, the quantum of salary earned and the period of employment which now he has done. White calculating the wages as per Part I Award therefore for the resultant hability of the Security Press to make good the loss, the wages earned by the workman during the period of his employment shall have to be considered.

- 2. It was however, urged on behalf of the workman by Shir Dharap, learned Advocate that since the new salary which the work was getting or is getting in something less than what he was drawing whide in the service of the Press, there was no gain as such and therefore since he cannot be said to be gainfully employed whatever was carned during the course of re-employment cannot be deducted from the wages to which the workman would be entitled in view of the earner order. Since the term 'gainfully' is used not in the sense of gain or profit or loss but has been used in order to see the amount earned by such subsequent employment meaning thereby whether he has earned anything or not, the contenuon that the subsequent salary was less than earlier one and there being no gain as such the salary cannot be ordered to be deducted carries no force. While giving relief if by virtue of the subsequent service, the workman has gained anything, while the hability is determined, the salary so earned by the workman from the subsequent employment will have to be deducted.
- 3. It was also urged that the older of termination is void abinitio and therefore even if the workman has earned anything that cannot be taken into account, in this connection I have noted in my earlier judgment that the management having failed to observe the conditions as laid down under Section 25F of the I.D. Act, the termination is bad and therefore certain reliefs tollow. Now the reliefs which were oldered to be given are that the workman would be entitled to certain wages. While doing so therefore the employee cannot be an employee at both the places as such it becomes necessary to deduct those wages which he has earned in the employment of the new employer.
- 4. It was also tried to be urged that in the light of my finding the temstatement was a must and for that purpose my attention has been drawn to the rollings reported in 1981 (I), LLI, page 386, 1981 (II), LLI, page 700 and also the Juagment reported in 45 F.L.R. page 280. However this argument is no longer open to the workman the reasons for not ordering reinstatement having been given by me and further by my subsequent order on application for review scope having been made limited, if the workman is not satisfied with these orders his remedy lies etsewhere and not in the Tribungs!
- 5. In the light of the evidence adduced while calculating the wages and the resultant responsibility on the Security Press, the wages earned by the workman shall be deducted. He has stated that after the termination of his service by order dated 18-9-1977 he temained unemployed for a period of two years. He further stated that from 25-5-1980 he was employed for a period of nine months on monthly salary of Rs. 200. Then he has stated that from February, 1981 he started getting Rs. 280 per month and that he continued to get the same till today. Barring the breaks of 3 days initially and 2 or 3 days in the subsequent period from 25-8-1980 the workman was employed and whatever he has earned shall have to be deducted while fixing the wages for the arrears of salary. In case any dispute would arise, that would the settled in a proceeding under Section 88C(2) of the Act. The Security Pres shall calculate the liability accordingly in the light of these observations and shall effect payment within a period of one month. The question of application under Section 33C(2) of the I.D. Act would only arise if the calculations so made by the Security press are not acceptable to the workman.

Award accordingly. No order as to costs.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer [No. L-42012 (53)/79-D. II (B)] S. S. PRASHER, Desk Officer

## नई (दल्ली, 26 नपम्बर, 1983

कां० आ० 312 - मैगां इण्यित सामित्रत लिमिटेड लाल बहादूर शास्ता मां, झाटकोपार पश्चिम, बस्पई-९६ (महा/1172), झपने पशीक्कत कार्यालय झानसाजन हाउन पा०-- 34 तरात क्रू रोष्ट्र कलकता-700053 सहित (जिसे इससे इसके पश्चात् उपत स्थापा कहा गया है) न वामंत्रारा धित्य निति और प्रकार्ण उपबन्ध झांधितियम 195' (1952का 19) (जिसे इससे इसके पश्चात् उक्त प्रधीतयन अहा गया है) की यारा 17की उपधारा (2क) के अधन्त कृट दिए जाने के लि! झांबेदन किया है,

भीर केन्द्रीय मरकार का सनायण हो गया है कि उना स्थापन के कर्म-चारी किसी पृथक मिन्द्राय या प्रीमियम का मकाय किए बिना ही, 1र्काय जेवन बीमा निगम की मामूहिक बीमा स्कीम के अवीन जीवन विभा के रूप में कायवे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदा से मिश्रक अनुकूल हैं जो कर्मचारि निक्षेप महसद व मास्कीम, 1976 (जिसे दमसे इसके परवात् उत्तर स्कीम कहा गया है) के समिन उन्हें अनुनेय हैं,

श्रात केन्द्राय सरकार, उसत या श्रीनयन का धारा 17 की अनवारा (2 क) द्वारा प्रदक्त प्राम्तियां का प्रयोग करत हुए और इसमें उक्त बद्ध प्रमुक्ती में विनिदिष्ट भर्ती के श्रधान रहते हुए उक्षत स्थापन को तील वर्ष की प्रविधि के लिए उक्षत स्कीम के सभी उपजन्मा क प्रवर्तन से छूट वैता है।

## अनुसूची

- 1 उनन स्थापन के सम्बद्ध में नियोजक प्रावेशिक प्रविष्य निर्धि भागुक्त, महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विवरणिया भेजेगा क भीर ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाए प्रदान करेगा तो केखीय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- टे नियोग ह, ऐसे निरोक्षण प्रमानों हा प्रत्येक माम की समानित के 15 दिन के भीतर संक्षय करना जा केन्द्रीय सरकार, उनत प्रश्चितियम की धारा 17 की उपधार। (3क) के खंद्र (क) के प्रश्न समय-समय पर निक्टिट करें।
- 3. सामूहिक बोमा रूकीम के प्रशासन में जिसके प्रनानि लेखामों का रखा जाना, निवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखामों का प्रन्तरण, निरोक्षण प्रभारों का सवाय श्रावि भी है, होने बाले सभी रुपयों का बहन नियोजक द्वारा किया नायेगा।
- 1 नियोजक, केन्द्रीय संस्थार द्वारा यथा धनुमादित सामूहिक बीमा स्कोम के नियमों की एक प्रति, और जब धमा उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचान्यों की बहुमच्या की भाषा में उसकी मुख्य भातों का धनुवाद, स्थापन के सूथना-गृह पर प्रवर्णित सरगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मवारियों, जो कर्मवारी इतिच्य निधि का या उकत अधिनियम के ब्रधान कूट प्राप्त कियों स्थापन की निवास निधि का पाएले हैं, निवास है, उसके स्थापन में नियोंजित किया जाता है सी, नियोंजिक मामूहिक मीमा स्कीम के सदस्य के का में उसका नाम नुरस्त दर्ज करेगा भीर उपकी बावत प्रावस्थक प्रीमियम भारताय जीवन बीमा निगम को सदस करेगा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के प्रधीत कर्मनारियों को उपनध्य फायदे नक्षण, जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक निभा स्कीम के अर्धीत कर्मनारियों को उपलब्ध कायद्रों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि वर्भनारियों के लिये सामूछिक निमा स्कीम के अर्धन उपलब्ध कायदे जा कायदे से अधिक अनुकृत हो, जा उन्त स्काम के अञ्चल अनुकृत हो, जा उन्त स्काम के अञ्चल अनुकृत हो,

- 7. सामूहिक बामा स्कीम में जिसो बात के होते हुए भी, यदि किसी वर्नचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के ग्राधीन सदेय कम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी की उस दशी में सदेय होती, जैन वह उक्त स्कोम के ग्राधीन हाता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारियानामनिर्देणिती का प्रतिकर के क्या में दाना रकमा के ग्रन्तर के बरायर रक्तम का सदाय परणा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में काई था संशोधन, प्रादेशिक निवाद निधि धायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व प्रतुमीदन के विना नहीं किया आएगा धार जहां किसी संशोधन से कर्मवानियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़न की सभावना हो, वहां प्रादेशिक पविषय निधि सायुक्त, प्रपना धनुमीदन देने से पूर्व कर्मवारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवसर देशा।
- 9. यदि किसी कारणवाम, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले श्रपना चुका है श्रधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के श्रधीन कर्मचारिया की प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जात हैं, तो यह कूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणाया, नियोजक उस नियत साराख के भीतर, जो भारतीय जीवन बामा नियम नियत करे, प्रीमियम का सर्वाप करने में असफल रहता है, भीर पालिसी की व्यपणत हो जाने दिया जाता है हो, छूट रह की जा सकता है।
- 11. नियोजक द्वारा श्रीमियन के सदाय में फिए गए किसी ध्यतिक्रम का दिया में उन मृत सदस्या के नामनिर्दीणितियो या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती ता उक्त स्काम के अन्तर्गत होते, बीमा कायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उपल स्थापन के सबध म नियोजक, इस स्कीम के प्रधान प्राने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियों/ विधिक बारिसों को बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से भीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिष्टित करेगा।

[सब्रा एस-35014/344/82-पो०एफ-3]

## New Delhi, the 26th November, 1982

S.O. 312—Whereas Messrs Indian Oxygen Limited, Lal Bahadui Shastri Marg, Ghatkopar West, Bombay-86, (MH/1172), including its registered office at Oxygen House, P-34, Taratola Rond, Calcutta-700053, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinatter referred to as the said Act;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund

Commissioner, Mahatashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be bione by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said. Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol-him as a member of the Group Insurance. Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insutance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Mahatashtia (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not temain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs expitted for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. S-35014]344]82-PF-II]

का॰ आ॰ 313--मैमर्स टाटा हाईक्रे-इनैक्ट्रिक पायर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड, बम्बई हाउस, होमी मोदी स्ट्रीट, बम्बई-23 (मेड्रा/

- 9080) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् उक्त स्थापन कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निश्चि छोर प्रकीण उपबन्ध प्रक्षिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के घंधीन छूट विए जाने के लिए धावेदन किया है;
- ्रिशीर केल्द्रीय सरकार का समाधात हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक प्रभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उवन स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें प्रमुक्तेय हैं;

श्रतः केन्द्रीय गरकार, उक्त श्रिधितयम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवरंत्र शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपान्यस्न अनुसूची में वितिदिष्ट गर्तों के श्रिधीन २,हने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के मभी उपनन्धी के प्रवर्तन में छूट देती है।

## अनुसू*ची*

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध मे नियोजक प्रादेशिक भविष्यं निधि
  प्रायुक्त, महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विवरणिया भेजेगा श्रीर ऐसे लेखा
  रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुत्रिधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय
  सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्य के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केस्ट्रीय सरकार, उन्त प्रश्चिनियस की छारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन नमय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रवासन मे, जिसके प्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रम्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाम, लेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रमारों का मंदाय प्रावि भी है, हो बाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केरिय मरकार द्वारा यथा घनुमोदिन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, घीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसख्या की भाषी में उसकी मुख्य बातों का धनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदिशांत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उपन श्रिधिनियम के अधीन कूट प्राप्त कि स्थापन की भविष्य निधि का पहने ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप मे उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबन श्रावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदरत करेगा।
- 6. यदि उनत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन फायदे से श्रविक अमुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुनेय हैं।
- 7. सामृतिक बीमा स्योम में किमी बात के होने हुए, भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीत संदेश रकम उस रकत से कम है, जो कर्मचारी की उस वशा में सवेय होती, जब वह उनत

स्क्रीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मधारी के विधिक वारिस / नाम-निर्देणियों को प्रतिकर के रूप में दोना रुक्मों के प्रस्तर के बराबर राज्य का मदाय करेंगा।

- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेणिक भविष्य निश्चि भायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व भ्रमुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मजारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सभावता हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि भायुक्त, अपना अनुमौदन देने से पूर्व कर्मजारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुक्तिसुक्त भवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणबाग, स्थापन के कर्मनारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के. जिसे स्थापन पहले प्रपना सुका है प्रक्षीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के घष्ठीन कर्मनारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह खूट रहू की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियंत्र नारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करें, प्रीमियम का संदाय करने में समफल रहता है, सौर पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जान। है तो, खुट रहे की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वार। प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दण, में उन मृत सदस्यों के नामनिर्वेणितियों या विधिक वारिसों को जो सबि यह खूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के भ्रन्तर्गत होते, बीमा पायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देणितियों / विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से ग्रीर प्रत्येक वणा में भारतीय जीवन वीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के साल विन के भीतर मुनिष्चित करेगा।

[संख्या एस- 35014 / 345 / 82- पी० एफ-11]

S.O. 313.—Whereas Messrs The Tata Hydro-Electric Power Supply Company Limited, Bombay House, Homi-Mody Street Bombay-23, (MH/9080), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra (Bombay) maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every nonth.

- 3. All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the tules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said. Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Irsurance. Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the memium etc within the duc date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assure? to the nomineellegal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sun assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(345)/82-PP-TH

कार आ॰ 314 -- मैसमें वेलकम गृप मी-रॉक, लेण्ड्स इन्छ, बाम्बा, बम्बई-50, (महाराष्ट्र-18236).

(जिसे इसके पण्चान् उक्षा स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी प्रविध्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की बारा 17 की उपधारा (2क्त) के प्रधीन कृट दिए जाने के लिए प्रधिदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का सप्ताधान हो गया है कि उक्त स्थापस के कर्मचारी, किसी पृथक श्रीमदाय या प्रीमियम कासंवाय किए बिना ही, भारते य जोवन बोमा निगम को सामूहिक बोम. स्कीम के अधन ज बन बामा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मनारियों के लिए ये कायदे उन कायदां में अधिक अनुकूल है जो कर्मनारी निशेष महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अर्थान उन्हें अनुजेय हैं,

श्चन, केन्द्राय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्ता के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन का तीन वर्ष की अवीध के लिए उक्त स्कीम के मभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देनी है।

## अनुसुभी

- 1 उकत स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादीशक भविष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विवर्णाया भेजेगा श्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रचान करेगा जो केन्द्रिय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2 नियाजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाध्य के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रिय सरकार, उक्त-अधिनियम की झारा 17 की उपधार्स (3क) के खण्ड (क) के अवान समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3 सामूहिक बाना स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रस्तांत लेखाओं का रखा जाता विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रतिमयम का मदाय, लेखाओं का क्रूं प्रस्तरण, निरंक्षण प्रभाग का मदाय प्राटि मी है, होने बाले मधी -दायों का बहन नियाल त हारा किया जालना।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमा का एक प्रति, भौर जब वभी उनमें सणाधन विया जाए, तब उस सणाधन का प्रति तथा कर्मचारिया का बहुसख्या का भाषा में उसकी मृत्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करना।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मनारी जो वर्षचारी भविष्य निधि का या उकत अधिनयम के अधान छूट प्राप्त कियी स्थापन के भविष्य निधि का पहले हा सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित निभा ताल। है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के नदस्य के रूप स उसके नाम तृत्तन दर्ज करेगा और उसकी बाबन आवश्यक प्रोमियम भारतीय न वन बामा निगम को मंदन करेगा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के गय न कर्मचितियों को उपलब्ध फायदे बढाए जाने हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अर्थन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में ममुचित रूप से बृद्धि के अने की व्यवस्था करेगा, जिमसे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्वीम कि अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक भनुकूल हो, जो उन्हों ने के अधीन भनुक्रेय हैं।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस दक्षा में सदेय होती, जब वह उकत स्कीम के अबीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के कथ में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सदाय करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भित्रिष्य निधि अध्युक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसा संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रग्नान गड़न का समावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना

श्रनुशोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को स्रपना दिष्टिकोण स्पष्ट करने का गुनियुक्त स्रवस्य देशा ।

- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निश्म की उस सामृहिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चका है अधा नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन वर्मचारियों को प्रास्त होने वाले फायदे सिक्ष रंकि से क्या हो जाते है, तो यह कुट रह को जस्सकती है।
- 10 यदि किमी क.रणवण नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने मे असफल रहता है, और पालिमी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रह की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिन कम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अक्तर्गत होते. बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगात
- 12 उकत स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के ग्रधीन माने बाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसो की बीमाइन्त रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतिय जीवन बीमा नियम में दीमाइन रकम प्राप्त होने के सात दिल के भीतर सनिश्चित करेगा।

[सन्या गम---35014/346/82--पी0 एफर -II]

SO. 314.—Whereas Messrs Welcome Group Lends End, Bandra, Bombay-50, (MH/18236), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied' that the Employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

- 1 The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra (Bombay) maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3 All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including main enance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishmen, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee who is already a member of the Fmployees' Provident Fund or the Provident Fund of an exhibiting a countred under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits, admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance. Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. S-35014(346)/82-PF-III

का० आ० 315.--मैसर्स व्यैय लेबोटरीज लिमिटेड, प्रपीजय हाउस दिनिया वाचा रोड, पोस्ट बक्स नं० 11056, बम्बई 20 (महाराष्ट्र 6714) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबन्ध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रिपदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीना निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन् कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्षेय हैं;

धतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 17 की उपवारा (2क) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबढ़ धनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के ग्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

## अनुस्ची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि श्रामुक्त
  महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा
  तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार,
  समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्ष ण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके ग्रन्तगैत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले, सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधय की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की मावा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदिशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक गामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के ग्रधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के ग्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के ग्रन्तर के बराबर रैकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुभोदक के बिना नहीं किया जाएगा श्रीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, श्रपना अनुमोदक देने से पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुद्त श्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश्च, स्थापन के कर्मवारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मेच।रियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणविशा, निजोयक उस निया तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहत. है, और पालर्स को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11 निजोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बारिसों को जो

1116 GI/82-9

धित यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उत्क स्थापन के संबंध में निजोजक, इस स्कीम के अधीर आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवय बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होड्डे के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

· [संख्या एस०-35014/347/82-पी०एफ० II]

S.O. 315.—Whereas Messrs Wyeth Laboratories Limited, Apeejay House, Dinshaw Wacha Road, Post Box No. 11056, Bombay-20 (MH/6714), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra (Bambay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits avaiable to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(347)/82-PF-II]

का० आ० 316--मसर्स वालचन्दनगर इण्डस्ट्रिज लिमिटेड (सिविल एण्ड ट्रामलाईन), डाकधर वालचन्दनगर, जिला प्ना (महाराष्ट्र राज्य) (महाराष्ट्र/9922), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमंचारी मविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्ध धिधिनयक, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के मधीन छूट दिए जाने के लिए धारीबत किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मंचारी, किसी पृथक अभिदाय वा प्रीमियम का संदाय किए दिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिअनुकूल हैं जो कर्मचारी - निक्षेप सहब्रह बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें अनुक्रेय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घारा 17 की उपश्वारा (2क) द्वारा प्रदत्त अक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावक अनुसूची में विनिर्विष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अविधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विवरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीम सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

- 2. तियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाध्ति के 16 (दन के मीसर सदाय भरेगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (१४) के खण्ड (क) के खड़ीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. यामूहिक वंद्या नर्क म के प्रशासन में, जिसके प्रशासि लेखाओं का रखाः जाना विवर्णियों का प्रस्तृत किया जाना वीमा प्रीमियम का संदाय, रोखाओं का प्रनारण, निर्देशण प्रभारों का सवाय प्राप्ति भी है, होने विकास विवर्ण का का कहा निर्देशण प्रभारों का सवाय प्राप्ति भी है, होने विकास विवर्ण का का का का का का विवर्ण का व्यक्त का का का का का का विवर्ण का वास का विवर्ण का वास का विवर्ण का वास क
- 4 नियालक, केन्द्रीय रारकार द्वारा यथा प्रमुमोदित सामृहिक भीमा स्काम के नियमों का एक प्रति, भीर जब कभी उनमे संशोधन किया जाए, वब उम संबोधन की प्रति तथा कर्मजारियों की बहुसंख्या की माथा मे उसकी मुख्य बाता का धनुबाद, स्थापन के मुचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा वैसेवारी, जो वर्धचारी भविष्य निधि का या जक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहिने ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजित पाश्रीहक कीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरक्त वर्ज परेगा और उसकी बावन बाबक्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगम की सदस्त करेगा।
- 6 यदि उक्त रकीम के प्रजीत कार्मचारियों को उपलब्ध फायद बक्षाए जाते हैं हो, तियोज त पासूहिक बीमा स्कीम के प्रद्यीत कार्मचारियों को उपलब्ध फायवों से समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्थ। करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीत उपनब्ध फायदे उन काय्यों से अधिक अनुभूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीत अनुक्रंय हैं।
- 7. तामूहिक बीमा म्कीम में (कसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कमेंचारी की मृत्य पर इस म्कीम के मदीन सन्देय रक्षन उस रक्षम ते कम है, जा कमेंबारी का उस द्या में सदेय होती, जब यह उमत स्कीम के मधीन होता तो नियोजक कमेंबारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रित्तर थे रूप में दोनो श्वामों के प्रस्तर में बनावर रक्षम का सवाय करेगा।
- 8. याम्हिक कीमा स्कीम हे उपवन्धों में काई भी संबोधन प्रावेशिक मिकिया निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना ही किया जाएगा और जहां कियी संबोधन में कर्मचिरियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव एक्ने की सभावना हो, वहां प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों का अपनी दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त श्रवसर देगा।
- 4 तिंद जिती कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय अधिन वीमा निगय की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले मपना जुना है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के त्रसीन कर्मनारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रिशित से कम हो जाते है, तो यह छूट रह्ूकी जा मकती है।
- 10. यदि फिली कारणवर्ष, नियांजन उम नियत तारीख के भीतर, जो भा तीय जीवन बीमा नियम नियन यदे प्रीमियम का संदाय सरने में असफल स्हुता है, और पालिसो को व्यवगत हो जाने दिया जाता सो, छुट स्टू की जो सकती है।
- 11. नियानक द्वारा प्रोमियम के सराय में किए गए किसी क्यक्ति-भम को यम में उन नृष् अदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक ना-सा की जा या यह एट र दी गई होती तो उक्त स्क्रीम के प्रम्तानीत होती, सीमा फायदी के मंदाय का उस्तरदायित्य मियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के श्वीत काने बादे किसी विद्या की मृत्यु होने पर उतके हकदार नाम विद्योगनियो

विधिक वारिसो की शीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रस्येक दणा मे भारतीय जीवन श्रीमा निगम से श्रीमाकृत रक्षम प्राप्त होने के क सात विन के भीतर सुनिश्चिस करेगा।

[संख्या एस-35014 /350/82-यो ० एफ०-रें।]

5.3. 316.—Whereas Messis Walchandnagar Industries Limited (Civil and Tramline), Post Office Walchandnagar, District Pune, (Maharashtia State), (MH/9122), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed bereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Pegional Provident Fund Commissioner Maharashtra (Bombay) maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be brone by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insutance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admittible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Instruce Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Mcharachtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval,

give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fulls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(350)/82-PF-II]

का० भा० 317.—मैसर्स वाल बन्दनगर इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (आई० एम० डिबीजन) पोस्ट आफिस वाल बन्दनगर, जिला पूणे (महाराष्ट्र राज्य), (महाराष्ट्र/9125), (जिसे इसमें इसके पण्डात् उक्व स्थापन कहा गथा है) ने कर्मचारी भनिष्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्त्र प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पण्डात् उक्व प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) ने अधीन छूट दिए जाने के लिए भावेदन किया है;

भौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के, कर्मचारी, किसी पृथक भ्रानिदाय या प्रीमियम का सदाय किए जिना ही शारतीय जीवन बीमा निगम की मामूहिक बीमा स्कीम के प्रयोग जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं जौर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निजेप महबस बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्वात् उक्त स्कीम कहा गय। है) हे मधीन उन्हें भनुन्नेन हैं;

भतः, केन्द्रीय सरकार, उकन मधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावक अनुसूची में विनिधिष्ट णतौं के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन मर्प की प्रविधि के लिए उक्त स्कीम ने सभी उपवन्धों के प्रवर्तन से छ्ट देती है।

## धमुसुची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोज ह प्रादेशिक अधिष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र (यम्बई) की ऐसी विवरणियां मेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिश्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रश्येक मास की समाप्ति के 15 बिन के भीतर संवाय यरेगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त प्रधिवियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के भवीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रोमियम का संवाय, लेखाओं का फ्रन्सरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय भावि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा!

- 4 नियोजक, केन्द्रीय संरकार द्वारा यया ध्रनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, श्रीर जब कभी उनमें संबोधन किया जाए तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की प्रत्या में, उसकी मुख्य बातो का धनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मजारी, जो वर्मजारी प्रविध्य निधि काया उस्त ध्रिधिनियम के ध्रिधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की अविध्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक नामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम नुरुग दर्ज करेगा भीर उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम प्रार्शीय जीवन बीमा निगम को सप्तत करेगा!
- 6. यदि उक्त स्कीम के ध्रधीन कर्मचारियां को उपलब्ध फायदे बकाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के घ्रधीन कर्माचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि को जाने को व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रयोग उपलब्ध फायदे उन फायदों से मधिक अनुकृत हों, जो उक्त स्कीम के ध्रधीन अनुकेष हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन मन्त्रेय रकम कम से कम है जो कर्मचारी को उस वश में संदेय होती, जब वह उस्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारो दे विधिक वारिम/नामनिर्देशिन को प्रतिकर के इप में दोनों रकमों के अस्तर के बराबर रकम का सदाय करेगा।
- 8. सामूहिक कीमा स्कोम के उपबंधों में कोई भी संगोधन, प्रावेशिक अविध्य निधि ध्रायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व मनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा ग्रीर जहां किसी संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक मविष्य निधि ध्रायुक्त, ध्रमना ध्रमुमोदन से देने से पूर्व कर्मचारियों को मपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त ध्रवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवा, स्थापन के कर्म वारी, भारतीय प्रीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना कुका है अप्रीन नहीं रह जाते हैं, या देंस स्कीम के अप्रीन कर्मवारियों को प्राप्त होने वाल कायदे किसी रेशित से कम हो जाने हैं, तो यह सूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत नारीख के भीतर, जी भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, त्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, भीर पालिसी की व्यगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रदद की जा सकती है।
- 11. तियोजक द्वारा प्रीमियम के सवाय में किए गए किर्मा व्यक्तिकम की वशा में उन मृत सदस्यों के नामनिवेषितियों या विधिक नारिसों की जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के घन्नांत होने, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उन्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन धाने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हंकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक बारसों की बीमाकुन रकम का संबंध तत्परता से धौर प्रभ्येक देशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकुन रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिशिवत करेगा।

[संख्या एस > - 35014/351/82-पी । एक - H]

S.O. 317.—Whereas Messis Walchandnagai Industries Limted (I.M. Division), Post Office Walchandnagar, District Pune, (Maharashtra State), (MH/9125), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bambay) maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any rea on, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Lif's Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(351)/82-PF-U]

का० आ० 318.—मैसर्स घालचन्दनगर इण्डस्ट्रीज लिमिटेड ('लाटिक लाण्ट) उपकार यालचन्दनगर, जिला पूणे (महाराष्ट्र राज्य) (महाराष्ट्र/9127), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी विषय निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधितियम, 1952 (1952 का 19) जिमे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधितियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के ब्रधीन छूट दिए जाने के लिए बावेबन किया है,

ग्रीर केन्द्रीय गरकार का समाधान हा गया है कि उन्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्री धाय या श्रीमियम का सत्ताय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा की क्ष में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारिया के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पपचान उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुकेप हैं,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाश्व अनुसूची में विनिर्विष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धीं के प्रवर्तन से छूट देती है।

## अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक अविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विवर्णायां भेजेगा घोर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाल प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की ममाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त घिधिनियम की धारा 17 की उपधारा (अक) के खण्ड (क) के श्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में. जिसके प्रस्तान लेखायों का रखा जाना विवर्षणयों का प्रस्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखायों का प्रस्तरण, निरीक्षण प्रभारों ना संदाय भावि भी है, होने बाले सभी व्ययों का जहन नियोजक डाग किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केंन्द्रीय सरकार द्वारा यथा धनुमोदिन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, श्रीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की सामा मे उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मूजना-पटट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भिवष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्वापन की भिवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक मामृहिक बीमा स्वीम के सदस्य के कप में उसका नाम तुरन्न

दर्ज करेगा और उसकी बाबत ग्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदस्त करेगा।

- 6 याद उक्त स्कीम के अर्थान कमचारिया को उपलब्ध काथदे बढाए जाते हैं तो, निगोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अर्धान कर्मचारायो बतो उपलब्ध फ यदा में समुद्रित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारिया के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अर्धान उपलब्ध फायदे उन फायदा से अप्रिक अनुकून हो जा उक्त स्काम के अर्धन अनुक्रेय ही।
- 7 समूहिन बना र्म्काम मे फिसी बात के हात हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अक्षीन सन्देय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस दश मे सदेय होती, जब वह उपन स्कीम के अक्षान होता तो, नियोजिक कमचारा के विधिक वारिस/तामनिर्देशिती का प्रक्रिय के रूप प दोनो रकमा के अन्तर ने बराबर रकम का सदान करेगा।
- 8 सामूहिक बामा स्काम क उपवन्तों म काई भी संशोधन, प्रादेशिक विषय निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा आर जहां किसी संशाधन से कर्मचारीयों के हित पर प्रतिकृत प्रकाब पड़ने की सावना हो, वहां प्रानेशिक विषय निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कम शारिशों का अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवमर देना।
- 9 यदि किस कारणवश, स्थान के वर्भवारी, भारतीय जावन बामा निगम का उस सामूहिक यीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना नुका है अधीन नहीं रह जाने हैं या इस स्कीम के अधीन वर्भवारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की की आ सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीम। निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असकन रहता है, और पालिमा को व्यपगन हो जाने दिया जाना हैत। छूट रद्द की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियन के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृन गदस्यों के नामनिर्देशितिया या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दा गई होतों तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत हात, वीमा फायदों के सदाय का उन्तरदायित्य नियोजक पर होगा।

[सङ्या एम०-35014/352/82-पा० एफ०-II]

S O. 318—Wheresa Messrs Walchandnagar Industries Limited, (Plastic Plant), Post Office Walchandnagar, District Pune, (Maharashtra Sate), (MH/9127) thereign of referred to as the said establishment) have are at the said establishment) have are at the said establishment) for the limited of the said establishment of the said establ

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Groun Insurance Scheme of the Line Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme),

Now, therefore, m exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conducens specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

- 1 The employer in relation to the said establishment shall salenit such returns to the Regional Provident Fund commissioner Maharashtra, (Bombay) maintain such accounts and provide such facilities for inspect on, as the Central Government may direct from time to time
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under cluse (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month
- 3 All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including main enance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer
- 4 The employer shall disolay on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient reatures thereof in the language of the majority of the employees
- 5 Whereas an employee who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits avaiable to the employees under the Group Insurance Scheme, appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7 Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtia and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view
- 9 Where, for my reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled
- 11 In case of default, f any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of a surance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominces/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Co poration of India

[No S-35014(352)/82-PT-II]

कार आर 319- मैनर्स भागनबन्दनगर इण्डस्ट्रीज सिमिटेड, (मुगर फेक्ट्री) पोस्ट धाफिस, नानबन्दनगर, (जला पूणे (महाराष्ट्र/944), (जिसे इसमें इसके पण्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्में बारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चान उक्त प्रधिनियम कहा गया है (की धारा 17 की उपधारा (2क) के घयोन पूट दिए जाने के लिए धायेदन किया है.

भीर वेन्द्रीय भरकार हा समाजान हो गया है कि उक्त न्यान के कर्मचारी, कियी पूथक प्रभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की मामूहिक बीमा स्कीम के खबीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकृत हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इपके प्रथात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें अनुक्षेय हैं;

यतः रेज्बीय गण्कार, उनन प्रधिनियम का धारा 17 की उपधारा (2क) धारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, श्रोर इससे उपाध्य भनुसूची मे विनिर्विष्ट सनी के प्रधीन एहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्क्षीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट वेती है।

## अनुसृची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध से नियोजक प्रविधिक भविष्य निधि
  प्रायुक्त महाराष्ट्र (अम्बर्ध) को ऐसी निवरणिया भेजेंग। भीर ऐसे लेखा
  रखेंगा नथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय
  सरकार, समय-समय पर निर्दिग्ट कर।
- 2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक साम की समाध्ति के 15 दिन के मीक्षर संदाय करेगा जो केर्द्धाय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीम। स्कीम के प्रणासन में, जिसके प्रश्तांत लेखायों का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का भरतरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय प्रादि भी है, होने काले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजम, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रमुमोदित मामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, भौर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रमुखाद, स्थापन के सुखना-पट्ट पर प्रदिशित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की मविष्य निश्चि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक दीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक पीमियम भारतीय जीवन दीमा निगम की संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अर्धान कर्मचारियो को उपलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के मधीन कर्मचारियो को उपलब्ध फायवों में समुजित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा

- ि एवं रारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीय के घड़िन उपलब्ध कायदे जा फायदों से प्रक्षिक धनुकल हों, भी उक्त रकीया के धर्झण धनुक्षेय है।
- 7. सामूहिक बीमा स्काम में कियी जात में होते हुए भी, यदि कियी कर्म क्यान स्वीय रकम उस रक्षा क्यान सदिय रकम उस रक्षा के माने हैं, जी कर्म जारे की उस देशा के तदिय हैं जी, कब तह बबत स्कीम के मानी होता तो, तियोजय कर्म चारी के विश्विक चारिस/नाम निर्देशिती की प्रिकर के रूप में शैंनी राज्यों में परतर है चायर रक्ष्म का सदाय करेगा।
- 8 मामूहिक बीमा स्कीम के उपवन्धी म कोई गी संशोधन, प्रदेशिक मिल्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र (वस्थरी) के पूर्व प्रमुमीयन के बिना नहीं (श्या जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की मंसाबना हो, वहां प्रादेशिक मिल्य निधि, प्रायुक्त, प्रपता प्रमुमीयन यने से पूर्व कर्मचारियों का ध्राना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त ध्रवसर वेगा।
- 9 यदि किसी कारणवण, स्थ,पन ह कर्मवारी, भारताय जीवन बीमा निराम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिमे स्थापन पहले भपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, यो इस स्कीम के अधीन मर्मचारियों को प्राप्त होने बाल फायवे किसी रोति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रहू की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारण-1य, नियाजक उस नियत तारीख के मोतर जो भारतीय जीवन बीमा निजम नियत करें, प्रोमियम का सदाय करने में घसकल रहता है, और पालिमी को व्यवस्त हो जाने दिया जाना है तो छूट रहू की जा मकती हैं।
- 11. नियोजक हारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों, या विधिक नारिमों को जो यदि यह छूट न दी गई होनी तो उक्त स्कीन के प्रस्तर्गत होते, बोम। कालदों के संदाय का उत्तरखायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबक्ष में नियोजक, इस स्कीम के प्रधान क्याने साले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्वेशितियों/विधिक श्रारिसो की बीमाकृत रकम का मदाय सत्परता से प्रीर प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा नियम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सक्या एम~ 35014/ 353/ 82-पी० एफ-[1]

S.O. 319.—Whereas Messes Walchandnagar Industries Limited, (Sugar Factory), Post Office, Walchandnagar, District Pune, (MH/944), (Maharashtra State), (heremafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme tor a period of three years.

#### SCHEDULE

1 The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund

Commissioner Maharashtra (Bombay) maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be brone by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Cotporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/naminee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Iosurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(353)]82-PF II]

नई दिल्ली, 6 विसम्बर, 1982

का॰ भा॰ 320-----मैसर्स श्री वेंकटेसा मिल्स लिमिटेड, पिलानी रोड, बेंकटेसा मिल्स पोस्टं- 642128, उदमजरेट, (निमनराडु/51), जिसे इसमें इयके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमे इसके परचात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए श्राबेदन किया है,

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रीभवाय या श्रीमियम का संवाय किए किना ही. भारतीय सीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायवे उठा रहे हैं श्रीर एमे कर्मचारियों के लिए ये फायवे उन फायवे से श्रधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चाम उनत स्कीम कहा गया है ) के श्रधीन उन्हें श्रमुक्तेय है ,

भतः, केन्द्रीय सरकार, उवत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायक अनुभूची में विभिविष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवक्तों के प्रयर्तन से छूट देती है।

## धन्*स्*ची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोगंक 'प्रादेशिक भविष्य निधि भायुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेंगा श्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. निर्माजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्ष ग्राधिनियम भी धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के ग्राधीन ननय-ममय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके प्रस्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, जियरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, तेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय प्रादि भी है, होने वाले सभी अपयों का बहुत नियोजक कारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुमोदित सामुहिय भीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, भीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तत उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्यबातो का प्रमुखाद, स्थापन के सुचना प्यट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कमचारी, जो कमें नारी भविष्य निधिकाया उक्स अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरक वर्ज करेगा और उसकी बावेल आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उनत स्कीम के श्रवीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे यदाए जाते हैं, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के श्रवीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से युद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के श्रवीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से श्रधिक श्रमुक्त हों, जो उनन स्कीम के प्रवीन श्रमुक्तेय है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृध्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्तेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी की उस दक्षा में सदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्वेणिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।

- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भिष्य निधि आयुक्त तमिलनाडू के पूर्व अनुमोदन के बिका नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मवारियों के हित पर प्रतिकृत प्रमांव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निप्रि आयुक्त, अपना अबुमोधन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिस्कत अवसर देगा।
- 9. यदि किसी पाइ एणवण, स्थापन के कर्मचारी, सारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, सा इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीसिसे कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यथि किसी कारणवंश, नियाजक उस निवन तारीख के भीसर, जो भारतीय जीवन भीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहना है, और पालिसी को अपनात हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. निवोजक द्वारा प्रीमियम के खंदाय में किए गए किसी व्यक्तिक म की दशा में 34 भूत शहरवों के त्यानिवृश्वित्यों या विधिक व्यक्ति को जी यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के मन्दर्गत होती, बीमा कायदों के संदाय का उत्तरवाधिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हतदार नाम निर्वेशितियों / विधिक वारिसों की बीमाकृत रक्षम का संवाय तत्परता से भौर प्रत्यक इसामें भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रक्षम प्राप्त होने के सान कि के भीतर स्निधिकत करेगा।

[संबंधा एस- 35014/400/82-पी॰ एफ॰-II]

New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 320.—Whereas Messrs Sri Venkatesa Mills Limited. Pilani Road, Venkatesa Mills Post-642128, Udamalpet, (TN/51), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule appexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Tamil Nada, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Covernment may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 1116 GI/82 -- 10

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits avaiable to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(400)/82-PF.II1

का० आ० 321.—मैंनसं मध्य प्रदेश स्टैट कमोडिएटील ट्रेडिंग पारपोरेणन लि०, 16, मालवीय नगर, भोपाल-162003, (मध्य प्रदेश/ 2810), (जिसे इनमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है ) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रजीर्ण उपजन्म प्रिधिनियम 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त क्रिधिनियम कहा गया है) की सारा 17 की उपधारा (२क) के स्थीन छूट दिए जाने के लिए पारेवन किया

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मधारी, किसी पृथक धीमदाय या प्रीमियम का मंदाय किए बिना ही भारतीय जीवन कीसा निगम की सामृहिक बीमा रकीम के प्रधीन जीवन बीमा के स्पर्म के प्रधीन जीवन बीमा के स्पर्म के प्रधीन जीवन बीमा के स्पर्म कायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मधारियों के लिए ये कायदे उन फायदे ते साम्

1976 (जिसे इसमें इसके पंज्ञात् उकत स्कीम कहा गया है के अधीत उन्हें अनुहोय है।

मतः, केन्द्राय सरकार, उक्त श्रीधनियम की घारा 17 की उपधारा (क) बारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायद शनुसूर्ण में विनिधिष्ट शतों के शर्धन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन को श्रवध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्षन से छूट वेती है।

## अनुसूची

- उक्न स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायकत मध्य प्रवेश को ऐसी विवर्णियां मेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निर्देशिण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिल के भीतर संदाय करेगां जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन प्रमद-समय पर मिक्टि करे।
- 3. संस्मृहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके प्रकार्गत लेखामों का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखामों का प्रस्तरण, निरोक्षण प्रभारों का संवाय भादि भी है, होने वाले सभी कायों का वहन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा धनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, घीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मकारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य आतों का धनुबाद, स्थापन के सुखना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मवारी भविष्य निधि या या उकता श्रिधिनियम के अर्थन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमितम क्यारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करेगा।
- 6 यदि उन्त स्कीम के धारीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायवे बढ़ाए । जाने हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के छाड़ीन कर्मचारियों को उपनब्ध फायवों में समुचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के छाड़ीन उपलब्ध फायवे उन फायवों से अधिक धनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के छाड़ीन अनुजेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में फिसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संवेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी की उस दशा में संवेय होती, जब वह उकत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक अधिन।मनिर्देशिती को प्रक्रिकर के रूप में दोमों रकमों के अस्तर के बरावर रकम का संवाय करेगा।
- 8 सामृहिक की मा स्कीम के प्रवासों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भिद्य तिथि प्रायक्त मध्य प्रवेश के पूर्व अनुमौदन के बिना नहीं किया आएगा भीर जहां किसी संशोधन से कर्मजीरियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभाजना हो, वहां, प्रावेशिक मिक्कि निधि प्रायक्त, प्रपना अनुमौदन देने से पूर्व कर्मचारियों की हापना दिन्होंण स्पष्ट करने का सुनस्यक्त अवसर देशा।
- अ्थि किसी कारणवंश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन वीमा भगम की उस समृहिक वीम। स्कीम के, ।जसे स्थापन पहले प्रपता चुका है अकीन मही दह असे हैं, या इस स्वर्णम के अधीम कर्मचानियों की प्राप्त

हों ने बाले फायवे किसी रेशित से कम हो आते हैं, तो यह छूटी रह की का सकती है।

- 10. यदि किसी कारणक्या, नियोजक उस नियत कारीख के चौतर, जो मान्तीय जीवन बीश नियम नियत करों, प्रीवियम का संदाय करने में प्रमक्तन रहता है, भीर पालिसी को व्यवन्त हो जाने दिना जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक हारा प्रीमियम के संदाय मैं फिए पए किसी व्यक्तिकन की दणा में उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशिक्षियों या निधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उपत स्कीम के प्रकारत होते, बीमा कायदों के संदाय का उत्तरदायिख नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के मधीन छ।ने वाल किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसने हरूदार माम निर्वेणितियों /विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय सत्यरना से भीर प्रत्येक ध्या में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सास दिन के भीरत सुनिधिकत करेगा ।

[संख्या एस-35014/381/83-निः एफ०-II]

S.O. 321.—Whereas Messrs Madhya Pradesh State Commodities Trading Corporation Limited, 16, Malviya Nagar, Bhopal-462003, (MP/2810) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule amiexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commission.r Madhya Pradesh, memtain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Cen ral Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Ast, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involve in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5 Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol

him as a member of the Group Insurance. Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Lile Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the paior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendmen is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for may reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomnee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(381)/82-PF.II]

कां आ 322 - मैसर्स सुरेश सालपानी एण्ड थुम्पनी, बीं शि शिं संगम मोटेल कम्पलैनस, कुमारापतानम, जिला धारपाइ, (कर्नाटक/3967). (जिसे इसमें इसके पश्चात जनत स्थापन कहा गया है) ने कर्मजारी मिलिश निधि भीर प्रकीण उपताय प्रक्षितियम, 1952 (1957 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात जनत अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की जपधारा (2क) के प्रकीन छूट दिए जाने के जिए धावेयन किया है;

गीर केन्द्रीय सरकार का समाधाम हो गया है कि उक्त स्थापन के एमंचारी, किसी पृथक ग्रिश्वाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के ग्रावीन बीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिश्रनुकृत है जो कर्मचारी निक्षेप सहयक्ष बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के ग्राधीन उन्हें कृत्तेय है;

मतः, केन्द्रीय सरकार उक्त मधिनियम की घारा 17 की उपघारा (2क) द्वारा प्रदत्त गाक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपावद मन्यूची में यिमिर्दिण्ट शर्तों के मधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीम यय की मधिम के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

## अनुसुद्धी

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेगिक प्रविध्य निधि धायुक्त कर्नाटक को ऐसी वियरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निराक्षण प्रधारों का प्रस्थेक मास की समाप्ति के 15 दिन के मीतर संवाय करेगा जी केन्द्राय सरकार, उक्त भीधिनिक्कम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के भ्रधीन समय-सभय पर निर्विष्ट करे ।
- 3. सामूहिक बीना स्कीम के प्रवासन में, जिसके घरणांग लेखामों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्राप्तियम का संवाय, लेखामों का धरतरण, निरंक्षण प्रभारों का संवाय धार भा है, हीने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रांय सरकार द्वारा यथा प्रमुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रौर जब कको उनमें संगोधी किया जाए, तब उस संगोधन का प्रति संया कर्मकारियों की बहुसंख्या की धामा में उसकी मुक्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुन्ता-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि होई ऐसा कर्मवारी, जो कर्मवारी पृष्टिम्य निश्चि का या उक्त प्रशिक्षियम के प्रधीन जूट प्राप्त किसी स्थापन की प्रविष्य निश्चि का पहें वहंस हैं। सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सपस्य के घर में उसका पाम दुरन्त वर्ज करेगा प्रीर उसकी बायन आवश्यक प्रतिमयम भारतीय जीवन बोमा निगम को संबक्त करेगा ।
- 6. यदि उपस स्कीम के महीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायने सकूछ जात हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से बृद्धि की जान की क्यायस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधान उपलब्ध फायदे उन फायदों से मधिक प्रमुक्त हों, जो उस्त स्कीम के प्रधान प्रमुक्त हों,
- 7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मकारी की मूल्य पर इस स्कीम के प्रकीत मन्देय रकम उम रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उकत स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस /नामनिर्वेशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रस्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवन्त्रों में कोई मी संशोधन, प्रोवेशिक भविष्य निश्चि आयुक्त कर्नाटक के पूर्व भनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किसी संशोधन से कर्मकारियों के हित पर प्रतिकृत प्रधाय पड़ने की संशाबना हो, वहीं प्रावेशिक भविष्य निश्चि प्रायुक्त, अपना धनुमोवन देने से पूर्व कर्मकारियों को धनना वृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भ्रयसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्यापन के कर्नवारो, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिन बीमा स्कीम के, जिते स्थापन पहले धनना चुका है धन्नीन नहीं रह जाते हैं, या इन स्कीम के अधीन कर्मवारिय की प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छुट रप्र की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारी आ के भीता जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कारें, प्रीमियम को संदाय कर में असकल रहता है, भीर पालिसी को व्यपात हो जाने दिया जाता तो, खुट रदद की जा सकती है।

- 11. नियोजिक द्वारा प्रीमिथम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निवेशितियों या विधिक वारिसों की जो सवि यह छूट न वी गई होती तो उनत स्कीन के मन्तर्गत स्रोते, कीमा फायदां के सवाय का उत्तरवादित्व नियोजिक पर होगा।
- 12. उ.त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के धंधीन क्रियाने वाले किसा सदस्य की मृत्यु द्वीन पर उसक हकदार नामान्यीयत। विधिक वारिसां वीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से घीर प्रत्येक व्यक्त में भारताय जावन वामा निगम से बामाकृत रकम प्राप्त होने के सास दिन के भीतर सुनिष्धित करेगा।

[सब्बा एस-35014/382/82-वा० एक-II]

S.O. 322.—Whereas Messrs Suresh Malpani and Company, B.O. Sangam Motel Complex, Kumaranatnam. District Dharwad, (KN/3967) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (herematter reterred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme tor a period of three years.

## **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from tune to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of retuins, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be come by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are

- more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain inter point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life insurance Corporation of India, and the policy in allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member concerned under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receips of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(382)/82-PF.II]

का० आ० 323.—मैसर्स वि मिलिंग ट्रेडिंग सम्पती (प्राईबेट) जिमिटेंड, 3-विन्या नाचा रोड, धपीजय हाऊस, वर्षगेट रिक्लेमेशन, धन्वई-20 (महाराष्ट्र/4422), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्वापन कहा गया है) ने कर्मचारी भीष्य निधि और और प्रकीर्ण उपबच्ध धिमियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए धारोवन किया है;

भौर केल्बीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक धिकवाय या प्रीमियम का संवाय किए बिन्स ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन कामवी निकीप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चास उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रवीन उन्हें समुजीय हैं;

.मतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदक्त गवितयों का प्रयोग करते हुए गौर इससे उपावद भनुसूची में विनिर्विष्ट गर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की शबधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से खूट वेती है।

## अमुसणी

1. उक्त स्थापन कि सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक शिवण निधि भायुक्त महाराष्ट्र की ऐसी विजयिनां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुधिखाएं प्रवास करेगा जो केन्द्रीय सरकार. समय-समय पर निर्विष्ट करें।

- 2. नियोजन, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की खारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीम समय-समय पर लिखिक करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके घन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत विश्वा जाना, बामा प्रीमयम का संदाय सिखाओं का मन्तरण, निरीक्षण प्रशारों का संदाय धादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया आयेगा।
- 4. नियोजना, केन्द्रीय सरकार धारा यथा अनुमोबित सामृहित नीमा स्नाम के नियमों का एक प्रति, घौर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचनान स्ट पर प्रविशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या जवत प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की सिवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृष्टिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ष करेगा और उसकी बाबत आज्ञयक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवस्त करेगा।
- 6. यदि उनस स्कीभ के श्राधीन मर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियाजक सामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों की उपलब्ध पायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाने की ध्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से श्रिष्ठक श्रानुकूल हों, जो उनत स्कीम के अधीन श्रमुक्किय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए, सी, यदि किसी कर्माचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देय रक्तम उस रक्तम से कम है, जो कर्मचारी की उस वक्षा में संवेय होती, जब वह उक्स स्कीम के अधीन हीता तो, नियोजक कर्मकारी के विधिक वारिस/नामिनिर्देशिती की प्रतिकर के क्य में योगों रक्तमों के अन्तर के बराबर रक्तम का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा क्लीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक शिक्य निधि भायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिनानहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन से वार्यचारियों के हित पर प्रतिकृष प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन वेने से पूर्व कर्मचारियों को अपना युष्टिकीण स्पष्ट करने का युष्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश, स्थापन के कर्मकारी, भारतीय जीवन बीभा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के , जिसे स्थापन पहले अपना कुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मकारियों को प्राप्त होने बाले कायवे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रव्य की का सकती है।
- 10. यदि किसी नारणवत्ता, नियोजना उस पियत तारीचा के भीसर, की भारतीय जीवन बीमा पिगम नियस करों, प्रीमियम का संदाय करने में प्रसक्त एहता है, भीर पालिसी की व्यपगत ही जाने दिया जाता है तो छट एवंच की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए, गए किसी व्यक्षिकम की वक्षा में उम मृत सबस्यों के नामनिर्देशिसियों या विधिक वारिसों की जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के झन्तर्गत होते, बीमा कायवीं के संदाय का उत्तरसायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्वापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्तपार नाम निर्वेणितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रक्तम का संबाब तत्यरता से धीर प्रत्येक दशा में

भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइन्त रकम ज्ञाप्त दोने के सात दिन के भीतर समिक्तित करेगा।

[संस्था एस०-35014/390/82-थी० एफ०-11].

8.0. 323.—Whereas Messrs. The Milling Trading Company (Private) Limited, 3. Dinsha Vachha Road. Appeejay House, Churchgate Reclamation, Bombay-20 (MH/4422) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra maintain such accounts and provide such facilities for inspecting, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salien features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrohim as a member of the Group Insurance Scheme and par necessary premium in respect of hun to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefit available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the enployees under the said Scheme are enhanced, so that i benefits available under the Group Insurance Scheme amore favourable to the employers than the benefits admissil under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Grc Insurance Scheme, if on the death of an employee amount payable under this scheme be less than the amount would be payable had employee been covered un the said Scheme, the employer shall pay the difference the legal heir/nominee of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group I rance Scheme shall be made without the prior approva the Regional Provident Fund Commissioner, Maharas and where any amendment is likely to affect adversely

interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of assurance benefits who would have been covered under the 3 Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(390)/82-PF. II]

का लगा 324-- में सर्वे झाटोले क इण्डस्ट्रोण (प्राइवेट) लिसिटेड, झम्बासूरे इण्डस्ट्रियल एस्टेट, मद्रास - 58 तिललाडु / 5647) (जिसे इसमें पश्चात् उनत स्वापन कहा गाया है ) ने कर्नेचारी अदिष्य निषि धौर प्रकीण उपवन्य झिलियम 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चास् उनत झिलियम कहा गया है की धारा 17 की झारा (2क) के झिली इट विए जाने के लिए झावेदन किया है ;

भीर केलीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पूथक अभिदाय या प्रीमियम का स्वाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुभूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहयक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुनेय है;

श्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रविनियम की धारा 17 की उपधार। (2क) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए धीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में विनिदिष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीत वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

## अनुसू की

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक अविद्या निश्च प्रायुक्त तमिलनाडु को ऐसी विवरणिया प्रेजेगा प्रीर ऐसे सेखा रखेगा, तथा मिरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केस्त्रीय सरकार समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय कड़ेगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपध.र. (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय समय पर निर्दिश्य करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रथासम में, जिसके घन्तांत लेखाओं का रखा जीन। विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का दिया, लेखाओं का घन्तरण , निर्धकाण प्रशारों का संवाय घावि भी , होने वाल सबी व्ययों का बहुन नियोजन द्वारा किया जायेगा ।

- 4. तियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमीवित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, भी जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस समाधन के प्रति तबा कर्मवारियों की बहुसंक्या की साथा में उसकी मुख्य बातों का प्रतुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रवर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्नच री मां कर्नचारी भविष्य निधि का या उनत प्रधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसा स्थापन की निधिष्य निधि का पहले हो। सवस्य है, उस्कू स्थापन से नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक वीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका साम तुरस्त प्रज करेगा और उसकी खाबत आवष्यक प्रीमियम शास्तीय जीवन बीमा निगम की संवत्त करेगा।
- 6. यदि उन्त स्कीम के मधीन कर्मचारियों को उपलम्ध फायवे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बेंग्मा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों में समृजित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के मबीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से मधिक धनुकूल हों। जो उक्त स्कीम के मधीन मनक्षेय हैं।
- 7. सामृहिक बीका रकीन म किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कार्मेचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदेव रकम उस रकाम से कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उकत स्कीम के मधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस /नामनिवेंशिती को प्रतिकर के रूप में बीनों रकतों के प्रत्यर के बराबर रक्स को संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगीधन, प्रावेशिक प्रविच्य निधि धायुक्त तिमलनाजु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन से कर्मवारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संशोधना हो, वहां प्रावेशिक विषय निधि धायुक्त ध्यना धनुमोदन वेते से पूर्व कर्मवारियों को धनना बृज्दिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त धनसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन कीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रथमा चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इन स्कीप के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रहव की जा सकतों है।
- 10. यदि किसी कारणविष, नियोजक तस नियत तारीख के भीतर, जो वारतीय जीजन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में घसफल रहता है, बीर पालिसी की व्यपतगत हो जाने विया जाता है तो, जूट रहूद की जा सकती है।
- 11. नियोणक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मूल सबस्यों के नामनिर्देशितियों या विश्विक वारिसों को जो यदि यह छूट न वी गई होती सो उक्त स्कीम के ब्रान्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होंगा।
- 12. उसत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आते वालें किसी सवस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवारनाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमा क्रत रकमा का संवाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में वारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[संख्या एस-35014/391/82-पी० एफ०-1]]

S.O. 324.—Whereas Messrs Autolec Industries (Private) Limited, Ambattur Industrial Estate, Madras-58. (TN/5647) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide such fecilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and where amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol frim as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the soid establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 19. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy in allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of

deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(391)/82-PF, III

कार आ० 325—भैसर्स रिन्दुस्तान मधीन ट्रहम लिमिटेड, मधीन ट्रहस डिबीजन, रिजस्टर्ड घाफिरा 3.0, किशवस रोड, बंगलीर-52, (कर्नाटक/873), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) में कर्मचारी घविष्य निधि और प्रकृष जिपकार प्रधिनियम, 1952 (1952 को 19) (जिसे इसने इसके पश्चान उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (२६) में अधीन छूट विए जाने के लिए धावेदम किया है;

धीर कैन्द्रीय सरकार का समाधान ो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृषक शिमदात्र या प्रीसियम का संदाय किए दिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्ट्रित जीवा स्कीम के द्र्यांन जीवन बीमा निगम की सामृष्ट्रित जीवा स्कीम के द्र्यांन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं ग्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए बे फायदे उन कारवों से प्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबंद बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्लान उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें अनुजेंय हैं।

भत केन्द्रीय सरकार, उन्हा ग्राविनियम की खारा 17 की उपछारा (2क) द्वारा प्रदत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए धीर इससे उपायत भनुसूची मे विनिर्दिष्ट शर्तों के ध्रधीन रहते हुए, उन्हा स्थापन को तीन वर्षे की भविध के लिए उन्हा स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से खूद देती है।

#### अमुसुर्खाः

- उन्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक मितिब्य भिनित्व आयुक्त कर्नाटक को एसी दिवरणिया भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेशा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाध्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उनत भीतियम की आरा 17 की उपवारा (3क) के खण्डा (क) के भयीन समय-समय पर निर्विष्ट करें!
- 3. सामहिक बीमा स्कीम के प्रयासन में, जिंपके भ्रम्तगंत लेखाओं का रखा जाना विधरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सवाय, लेखाओं का घन्सरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय शादि भी है होने बालें सभी व्ययों का बहुन नियोजक हारा किया जायेगा।
- 4. नियोजल केन्द्रिय सरकार द्वारा यथा प्रमुमोबित सामृहिफ बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, धौर जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, एवं उस संबोधन की प्रति तथा कर्मजारियों की बहुसंख्या की भावा में उसकी मुख्य बातों का प्रमुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रवशित करेगा।
- 5. यवि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या जनस अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य सिधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन से नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा बीमा निगम को संदल्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्क्रांम के घडीम कमैंबारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक र्वांग स्क्रीम के घडीम कमैंबारियों को उपलब्ध फायदों में समुचिन रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा

जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के सधीन उपलब्ध कायबे उन कायबों के प्रधिक अनुकल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन धनुक्रेय हैं।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए, भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन सन्देय रकम उस रकम से कस है, जो कर्मचारी को उस दशा में संबेय होती, जब यह उक्ट स्कीम के ध्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्वेशिती को प्रतिकर के इप में बोनों रक्तमों के ध्रश्तर के बराबर रकम का संबाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपजन्धों में कोई मी संशोधन प्रावेशिक भविष्य निधि मायुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोवन के बिना नहीं किया आएगा भीर जहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिए पर प्रतिकृष प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, यहा प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोवन चेने से पूर्व कर्मचारियों को भवना वृष्टिकोण स्पष्ट करने फा मुक्तियुक्त भवसर वेगा।
- 9. यदि फिसी कारणवता, स्थापन के कर्में चारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रधन: चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्में चारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीवि से कम् हो जाते हैं, तो यह छूट रह् की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस मियस तारीख के घीतर, को भारतीय जीवम बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने में बसफल रहता है, भीर पालिसी को ध्यपंगत हो जाने दिया जाता है तो, खट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक हारा प्रीमियम के मंदाय में किए एए किसी व्यतिकम की बगा में उन मृष्ठ सदस्यों के नामिन्देंशिसियों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के धन्तर्गत होते, बीमा कायदों के संदाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन भाने वाले वाले किस सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से धीर प्रत्येक बधा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात विभ के भीतर सुनिध्यत करेगा।

[संख्या एस-35014 /392 /82 पी॰ एपा॰ II]

S.O. 325.—Whereas Messrs Hindustan Machine Tools Limited, Machine Tools Division, Registered Office 36, Cunningham Road, Bangalore-52 (KN/873) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and where amended, alongwith a translation of the sallent features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employers than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the pricr approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy in allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(392)/82-PF, II]

कां आ 326.— मैंसमें सिवानन्धा स्टील्म लिमिटेड, प्लाट मं 18,19,20, इबस्ट्रियल एस्टेंट, प्रम्मान्त्र, मद्रास-58, (निमलनाड्/6361) (जिसे इसमें इमके पश्चात् उका रथापन कहा गया है) ते कर्मचारी भविष्य तिथि ग्रीर प्रकीणें उपवश्य प्रथिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उका ग्रिथित्यम कहा गया है) की खारा 17 की उपधारा (2क) के ग्रिथीन छूट विष् जाने के लिए ग्रावेदन किया है; भीर केलीय सरकार का सभाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी प्रक श्रीमदाय या श्रीमियम को मंदाय किए बिना ही भारतीय जीवन देशमा निश्म की मामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन विमा के स्था में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रीक श्रमुक्त हैं जो कमचारी निश्नेष महत्व बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रमुक्तेय हैं;

मनः, केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त मिलनयों का प्रयोग करने हुए भीर इससे उपावस भनुसूची में विनिर्दिष्ट शतों के प्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भविधि के लिये उक्त स्कीम के सभी उपत्रन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

## भनुसूची

- 1. जक्ष्म स्थापन के सस्यन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निष्ठि धास्त्रम, तिमलनाष्टु को ऐसी दिवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर भिदिष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रश्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय भरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के ग्रधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके क्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना दिवरणियों का क्रम्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का क्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय प्रावि भी है, होने वाले सभी ब्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार हारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, धौर अब कभी उनमें मंगोधन विद्या जाए, इब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बासों का प्रमुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यित कोई ऐसा कर्म नारी, जो नार्म नारी भविष्य निधि का या जनत प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की मविष्य निधि का पहले हैं। सदस्य है, उनके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक कीमा स्कीम के सवस्य के स्था में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा सौर उसकी बाबन छावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निशम को संदत्त करेगा
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कार्मवारियों को उपलब्ध फायवे बढ़ाए जाते है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायवों में समृजित रूप से वृद्धि की जाने की ब्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायवे उन फायवों से अधिक अनुकुल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजेय हैं।
- 7. साम्हिक बीमा स्कीम में फिसी बान के होते हुए भी, अदि किसी कमंचारी की मृत्य पर इस स्कीम के प्राचीत संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कमंचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उसन स्कीम के प्रधीत होता तो, नियोजक कमंचारी के विधिक वारिम/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रत्तर के बरावर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भिष्ठिय निधि आपुक्त निश्च नाड़, के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगां भीर जहां किसी संशोधन से कर्मजारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभाधना हो, यहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मजारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिगुक्त अवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणवधा, स्थापन के कर्मकारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना खुका है प्रशीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले कायदे किसी रीति से कम हो जाले हैं. तो यह छूट रह की जा सफती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत लारीख के मीतर, जो भारतीय जिवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का मंदाय करने में भाक्कल रहता है, भीर पालिसी को व्यवमत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकप्र की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देणिनियो या विधिक वारिमों को जो यदि यह छूटन दी गई होती तो उक्त स्कीम के प्रत्नगैत होने बीम। फायवों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के मंबा में नियोजक, इस स्कीम के अधीन भाने जाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकतार नाम निर्देशितियों विधिक वारिसों को बीमाक्कत रक्तम का संवाय करपरता से भीर प्रवेक दशा/ में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाक्कत रक्तम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस- 35014/393/82-पी० एफ०-II] ए० के० भट्टराई, अवर सचिव

S.O. 326.—Whereas Messrs Sivanandha Steels Llmited, Plot Nos. 18, 19, 20, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58 (TN/6361) (hercinittei referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government 18 satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees then the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insutance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately curol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. \$-35014(393)/82-PF. II]

का० आ० 327--मैसर्स एक० एम० एम० लिमिटेक, 26 में न रोड किल्यान गार्वेन्स, बंगलीर, (कर्नाटक/8666), (जिसे इसमें इसके पश्चास उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्में बारी मिविष्य विधि भौर प्रकीर्ण उपबन्ध मिविष्य, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भिविष्य कहा गया है) की बारा 17 की उपधारा (2क) के ध्रवीन कूट पिए जाने के लिए ध्रानेटक किया है;

बौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, बारतीय जीवन बीमा निगम की सागृहिक बीमा स्कीम से अबीन जीवन बीमा कि रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन फायदों से अधिक अनुकृत हैं जो कर्मचारी विश्वेप सहबद्ध बीधा स्कीम, 1978 (जिसे इसमें इसके पत्रचात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्रेय हैं।

भतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रक्षितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए धौर इससे उपावद्व प्रभृत्या में वितिविष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन धर्व की प्रविध के सिए अक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से खूट देती है

## धनुम्यो

- 1 उक्त स्थापन के सबंघ में नियोजक प्रादेशिक प्रविश्व निधि प्रायुक्त कर्नाटक को ऐरी विवर्णियां मेजैशा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निविद्य करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्ति के 15 विन के भीत्तर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त माधिनयम को घारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-गम-पर निरिष्ट करे।
- 3 सीम्हिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके प्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाता, बीमा प्रीमियम का सवाय, सेखाओं का प्रस्तृत किया जाता, बीमा प्रीमियम का सवाय, सेखाओं का प्रस्तरण, निरीक्षण प्रधारों का सवाय प्रादि भी है. होने वाले सभी व्ययों का बहा नियोजक हार। किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुसोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, भीर जब कभी उनमें संघोधन किया जाए, तब उस समीधन की प्रीत तथा कर्मवारियों की बहुसक्य। की भाषा मे उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवणित करेगा।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मणारी, जो कर्रभारी प्रविष्य निश्चि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की प्रविष्य निश्चि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियंजिन किया जाशा हैता, नियोजक सामूहिक बीमा स्थीय के सदस्य के रूप में उसका नाम गुण्यत वर्ज करेगा भीर उसकी बावत प्रावश्यक पीमियम भाग्यीय जीवन बीमा निगम को सदस करेगा।
- 6 यवि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदों में समृजित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मजारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमृक्ल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रमृ कीय है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कमंबारी की मृत्यु पर इस स्कीम के ध्रधीन सल्येय रकम उस रकम से कम है, जो कमंबारी की उस दवा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीमा के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिवें किती मितकर के रूप में दोनों रकनो के अम्बर के बराबर रकम वा सदाय करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपवर्णों में काई भी संगोधन, प्रावेशिक मिल्य निधि ध्रायुक्त कर्नाटक के पूर्व ध्रमुमोदन क विना नहीं किया जाएगा और जहां विसी संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभात पड़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक भिज्ञ निधि ध्रायुक्त, प्रपना ध्रनुमोदन हेने से पूर्व कर्मचारियों को ध्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट भरने का युक्तियुक्त प्रमार पेगा।
- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निशम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कार्यवे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की आ सकती है।
- 10. यदि किसी कारणक्या, नियांत्रक इस नियत तार्याचा के भीक्तर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवात करने मे इसकल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है, तो इन्ट एड की जा सकती है।

- 11 निषीजक दारा प्रीमियम के संदाय में किए पर किसी वात केत को देशा में जन मृत सदस्यों के गामानवींशातियों या विविक वर्गरसों का जो यदि यह छूट ने दो गई होती ती उक्त स्कीम के अन्तर्ग होते, बीमा फायदों के संदाय का उक्तरदायित्व नियोजन पर हाना।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियंजिक, इस स्कीम के प्रधीत काले वाले किसी सदस्य की पृत्मु होने पर उसके हरूदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसों की बीमानृत रकम का संबाध तत्ररता से और प्रधीत क्या में भारतीय कीचन बीमा नियम से बीमानृत रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीक्षर सुनिधिका करेगा।

[संख्या एम-- 35014/394/82-- पंत एफ०-- II]

S.O. 327.—Whereas Messrs H.M.M. Limited, 26th Main Road, Wilson Gardens, Bangalore, (KN/6666) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Karnataka, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity of the employee to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption is liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(394)/82-PF. II]

का॰ वा॰ 328.--भैससं सनिक्षक एशियां लिमिटेड, अस्वर्र-पूना रोड, पूना-411012 (महाराष्ट्र/5949) तया इसकी बस्वई, अंगलीर, अलकत्ता, नई दिल्ली धौर महास स्थित शाखाएं जो कि इसी कोड नम्बर के अन्तर्गत आती हैं, (जिसे इसमें इसके पश्चात उन्त स्थापन कहा गया है) ने कमेंचारी स्थिय्य निधि धौर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त अलिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आयेदन किया है;

न्नीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक घडि: दाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के घडीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं घौर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक घनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीत उन्हें अनुसेय हैं;

मतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावंध भनुसूची में विनिर्दिष्ट वार्ती के भवीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूठ देती है।

## जनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक अविष्य निधि धायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेंगा धीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्मिष्ट करे।

- 2. नियोजक, ऐसे निर्देशण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उनत प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के भ्रधान समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके मन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवर्णायों का प्रस्तुत किया जाना, बामा प्रभियम का सदाय, लेखाओं का अन्तरण, निर्धक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक बारा किया जायेगा।
- 4. नियंगिक, केन्द्राय मरकार द्वारा यया प्रनुमेंदित सामृहिक बीभा स्कीम के नियमों का एक प्रति, धौर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुवना-पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचार जो कर्मचार भिष्य निधि का या उसत प्राधिनियम के अध न छूट प्राप्त किसी स्थापन की तिष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक ब मा स्काम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रामियम भारताय जावन बीमा निगम को संदक्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मनारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं ता, नियाजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मनारियों को उपलब्ध फायदों में समुक्ति रूप से मृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मनारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रमुक्तेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मेवारी का मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मवारा को उस दणा में संदेय हाती, जब बहु उक्त स्कीम के अवान हाता ता नियानक कर्मवारा के विधिक वास्मि/नामनिर्देशिती की प्रतिकरके रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. नामूहिक बीमा स्कीम के उपबधों में कोई भी संशोधन, प्रावेणिक स्विव्य तिथि प्रायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व प्रमुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा श्रीर जहां किया संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक स्विष्य निधि प्रायुक्त, भपना श्रमुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रयना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिस्पुक्त श्रवसर वेगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मजारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है प्राक्षेत नही रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधान कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकतो है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियन तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियन नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में प्रसक्त रहना है, ग्रीर पालिता की व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए फिसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्थों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों की जो यदि यह छूट न दी गई होती ती उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के घंधीन भ्राने जाने किनो सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाइन रकम का संदाय सत्परता से भौर प्रत्येक देशा में भारताय जीवन वीमा नियम से बीमाइन रकम प्राप्त होने के साल दिन के भीतर सुनिध्वित करेगा।

[संख्या एस-35014/251/82-पी॰एफ-II]

S.O. 328.—Whereas Messrs Sandvik Asia Limited, Bombay-Poona Road, Poona-411012 including its branches at Bombay, Bangalore. Calcutta, New Delhi and Madras which are centrally covered under Code No. MH/5949 (heremafter referred to as the said establishment) have apputed for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making my separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India' in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subjet to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such neturns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtia (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to tinte.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall cusure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(251)/82-PF, II]

का० आ० 329 -- मैसर्न श्रीराम फर्टीन ई.न ए ग्रु हिन रण कंभेन तंग विल्हा, 18, ब.राखम्भा रोड, नई दिल्ला ।, (दिल्ले /5319) (जिसे इसमें इसके पद्यत्त उपत स्थापन कह गरा है) ने कर्मचारा शिवला विलिध और प्रकोण उपवन्त प्रवितिसम, 1952 (१९32 क. 19) (जिसे इसमें इसके पप्रवाद उक्त श्रीवित्रम कड़ा गरा है) की धारा 17 दो उपवारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए श्रीवेदन किया है,

ग्रीर केलीय गरकार का समाधान ही गया है कि उक्त स्थापन के कर्मपारि, किसी पृथक ग्रानिदाय या प्रीक्षियम का सद्ध्य किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक जीवा स्कोम के यथीय जीवन बीमा के एवं में फायदे उका रहे हैं भीए है। कर्मवास्थिं के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रथिक अनुगूल हैं जो कर्मवास निश्ची नृह्य बीमा स्कीम, 1976 (असे इसमें इनके पश्चात् उन्त स्कीम कहा गरा है) के अधीन उन्हें अनुनेय हैं;

भनः, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रथितियम की घार। 17 हा उपार। (2क) द्वारा प्रवत्त सन्तियों का प्रयोग करने हुए और इनने उपानदा भनुमूची में विनिद्दिष्ट सतीं के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि से लिए उक्त स्कीम के सभी उपान्यों के प्रवर्त से छूट भेती है।

## अमुसू धो

- गुन्त स्थापन के सम्बन्ध में सिरोजक प्रावेशिक अभिष्य निश्चि सायुक्त नर्फ दिल्ली को ऐसी जिल्लाणियां भेजेगा और ऐसे लेका रहेगा सथा निरोक्षण के निष्णियी सुविकार्ष प्रदान करेगा को केरबोर सरकार, समय समय पर निरिध्द करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का घरपेक मान की समाप्ति के 15 बिन के भीतर संदाय करें। जा कंपोर गरकार, उन्न अस्ति। मन का धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निविष्ट करें।
- 3. सामूब्रिक बीमा स्कीम के प्रतासत में, जिनके प्रस्तांन के अधी का रखा जान, विधरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, नेखायों का जन्तरण, रिशिक्षण प्रभारों का लंदाय प्राप्ति भी है, होने वाले सर्वा कार्या का बहुत नियाजक द्वारा किया जाएता।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार हारा यया मन्तोधित सामृहिण बीका स्कीम के नियनों का एक प्रति, प्रीर जब कभी जाउँ प्रशीधन किया लग्न तब उस संगोधा की प्रति तया कर्षचारियों की बहुतंब्या की शाम में उनकी नृष्य नातों का भना द, स्थान के भूता, प्राप्त नार्याह करता ।

- 5. यदि काँ पैना कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन क्षूत्र प्राप्त किमी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही नारका है, उनके स्थानन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिन बीमा स्कीम के सदस्य के स्था में उसका नाम नुरस्त वर्ज करेगा और उसकी बाजत श्रायक्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदक्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अक्षीन कर्मचारियों की उपलब्ज कायदे बढ़ाग़ जाते हैं तो, नियोजक सामृद्धिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मच रियों का उपलब्ध फायदों में समृश्वित रूप से वृद्धि की जाने को व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृद्धिक बीमा स्कीम के अबीन उपनब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुनेव हैं।
- 7 सामूहिण बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए थी, बादे किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देन रक्षम उस रक्षम से कम है, जो कर्मचारी को उस दक्षा में संदेव होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारीयो के विधिक यारिय/नामनिर्वेशितों को प्रितिकर के रूप में दोनों राज्यों के अन्तर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामृद्रिक बीम। स्कीम के उन्तरधों में कोई मी संशोधन, प्रावेशिक भिवटा निधि प्राप्तुक्त नई दिस्ती के पूर्व प्रनुमोदन के जिन। नहीं किया जाएगा श्रीर जहां कि ही संशोधन से कर्मवारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक भिविध निधि प्राप्तुक प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक भिविध निधि प्राप्तुक प्राप्ता प्रमुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्राप्ता दृष्टिकोण स्पष्ट करने का प्राप्तियुक्त ग्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणविषा, स्थापन के कर्मचार, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका हे धर्धन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकते हैं।
- 10. यदि किसी कारणध्या, नियोजक उस नियन तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन भीमा नियम नियत करें, प्रीमिश्म का संवाय करने में असक स रहता है, भीर पानिसी को काशनत हो जाने दिया जाता है जी, छुट रह की जा सकती है।
- 11. नियंजिक इत्य प्रीमियम हे संदाय में किए गए किनी व्यक्तिक्रम की द्या में उन मृत सदस्त्रों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के श्रनांत होते, बोमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजिक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्क्रीम के अक्षेत आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होते पर उसके हरूदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसों की बीमाकुत रक्षम का संदाय तत्परत से धीर प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकुत रक्षन प्राप्त हता के साम दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सस्या एस-35014/386/82/पो०एफः II]

S.O. 329.—Whereas Messrs Shrijam Fortilisers and Chemicals, Kan henjunga Building, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1, (DL/5819) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Luc Insurance Corporation of India in the nature of Life

Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, New Delhi, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No a nendment of the provisions of the Group Insurance Scherce shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, New Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishmen do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(386)/82-PF. II]

कां आ 330. मिन में में दल स्केर देंड कारोरेणा लिमिटेंड, 225-एफ, धाषार्य जगदीण बीच रोड, कतकता-20 (पिश्विम धनाल/12526), (जिसे इसमें इसके पण्चात् उनल स्थापन कहा गया है) ने वर्मणारी भविष्य निधि धीर प्रकार्ण उपबन्ध प्रिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उना मिनियम कहा गया है) का धारा 17 की उपधारा (2क) के धनीन छूट दिए जाने के लिए धानेदन किया है,

ष्रीर केरदीय सरकार को समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मकारी, किसी पृथक श्रिकाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक दीमा स्कोम के श्रधीन जीवन दीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए मे कायदे उस फायदों से श्रीयक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहस्रद्ध दीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के धर्मात उन्हें अनुक्रेय है;

ग्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपावद भनुसूची मे विनिद्धिष्ट मती के भधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीम वर्ष की भवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

## अनुसूर्खः?

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्राविशिक निविष्य निधि धायुक्त पश्चिम संगाल को ऐसी विवरणियां मेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदाव करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भातर संदाब करेगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपघारा (3क) के आप्त (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3 मामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके घरतर्गत लेखाओं का रखा जाना, बीमा प्रीमियम का मदाय, रेखाओं का घन्तरण, निरोक्षण प्रमारों का संदाय प्रावि भी है, होने बाले सभी ब्ययों का बहुन नियोजंक द्वारा किया अधिया।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा ग्रजुमोदित सामूहिक बीमा स्काम के नियमों का एक प्रति, न्नीर जब कभी उनमें सशोधन किया जाए, तब उम संबोधन की प्रति तथा कर्मवारियों की बनुसंख्या की माण में उसकी मुख्य बातों का ग्रनुवाद, स्वापन के सूबना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मनारी, जो कर्मनारी प्रविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छुट प्राप्त किसी स्वापन को प्रविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन से नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम पुरन्त बर्ज करेगा और उसकी बाबत प्रायश्यक प्रीपियम पान्तीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीत कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मवारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक ग्रनुकूल हों. जो उक्त क्कीम के ग्रधीन घनुकेय हैं।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मेचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के ग्रधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मेचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के श्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देणिसी को प्रतिकार के रूप में बोनों रकमों के श्रन्वर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- हः सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक धिविष्य निधि ध्रायुक्त पश्चिम बंगाल के पूर्व भ्रतुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भौर जहां किसी संशोधन से कर्मजारियों के हिन पर प्रतिकृष प्रभाव पढ़ने की संभावना हों, वहां प्रावेशिक भविष्य निधि भ्रायुक्त, भ्रयना भ्रतुमोदन देने से पूर्व कर्मजारियों को प्रश्ना दृष्टिकोण स्पष्ट भरने का युक्तियुक्त भवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणविश, स्थापन के कर्मनारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपत्ता चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचाि स्थों को प्राप्त होने वाले फायबे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह छूट रख्व की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियाजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में भसकत रहता है, भीर पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वार। प्रीमियम के सदाय में किए गए ब्यक्तिकम की दशा में उन मृत भवस्यों के नामनिर्देशितयों या विश्विक वारिसीं को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के ब्रन्तगंत होने, बीमा कायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उनन स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन शाने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकुत रकन का संदाय तत्परना से और प्रत्येक दला में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकुत रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/396/82-पी० एफ-]]]

S.O. 330.—Whereas Messrs Metal Scrap Trade Corporation Limited, 225-F, Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta-20 (WB/12526) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Covernment may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3 Alt expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, nayment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the catablishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this wheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominces fleral heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

बा ब्ह्रा ३३१.--मैसर्वे धपोलो ट्यूब्स निपिटेड, प्लाइ ४० ५, सिवकोट **एण्ड**स्ट्रियस कम्पलेश्स रागीपेट-632403 (तमिल नाड), (नामिल नाड/10118), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी मिष्य निधि घौर प्रकीर्ग उपबन्ध अधिनियम, 1952(1952 का 19) जिसे इसमें इसके परचात् उका प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट विर जाने के लिए प्राविवन क्षिया है;

भौर केन्द्रीय सरफार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अल्विदाय या श्रीमियम का संदाय किए जिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की नामृहिक कीमा स्कीम के ऋबीन जीवत बीमा के कप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मजारियों के लिए ये भायदे उन कायदों से प्रश्चिक प्रनुकुल हैं जो वर्मण। री निक्षेप सहबद भीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पायात् उनत स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें प्रनुशेय 🖔 ,

मातः, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रिविधन की धारा 17 की उपजारा (2क्) द्वारा प्रदत्त गिम्लयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायद **धन्**सुची में विनिर्दिष्ट गतौँ के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट वैती है।

## असुमुची

- 1. उनत स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि मायुम्ल तमिल नाडू को ऐसी विवरणियां मंजेगा मीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान फरेगा जी केन्द्रीय सरकार, समध-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मान की निमाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के ग्रधीन समय-धमय पर मिर्दिष्ट करे।
- सामृहिक बीमा स्कीम के प्रणायन में, जिमके पन्तर्गंत लेखाओं को रखा जाता विवरणियो का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सवाय धावि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन मियोजक द्वारा किया जायेगा।
- नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यत्रा अनुमोक्त साम्हिक बीमा स्कीम की नियमों की एक प्रति, धौर जब कभी उसे लंबोधन किया जाए तब उस मंशोधन की प्रति नया कर्जनारियों की बहुसख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का घतुबाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शिन करेगा ।
- यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो अमंचारी मिथव्य निधि का गा उक्त भाषितियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापत की भाषण निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियािंग किया जाता है सी, नियोजक साम्हिय बीया स्कीम के सबस्य के रूप में उपक, नाम तुरन्त वर्ज करेगा भीर जसकी बाबत प्रावध्यक प्रीमियन भारतीय जीवन बीमा भिगम को संबत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रजीन कर्षेन (रियों को उपलब्ध फायदे बहाए जाते हैं तो, नियोजक गामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन फर्नचारियों को उपलब्ध फायधों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदो से शिक्षिक अनुसूत हो, जो उपत स्कीम के अधीन भनुज्ञेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हुंग्ले हुए भी, यवि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन सम्य एक म उप एकम से कम है, जो वर्मचारी को उस वया। में संवेध होती, जब वह उक्त स्कीन के प्रधीन होता तो नियोजक कर्मधारी के विधिक वारिस)नामनिवैधिती

- को प्रशिकर के रूप में दोनों एकानों के प्रस्तर के बराबर रकाम का संवाय करेगा।
- साग्हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी अंशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त सिम्ल नाबु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया ज(एगा भौर जहा किसी । समंबन से कर्मचारियो के हिल पर प्रतिकृत प्रभाज पडने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक भनिष्य निधि श्रायुक्त, ध्रपना भतुमोदन देने से पूर्व कर्मचा∫रयो को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिसुक्त भावसर देगा।
- 9. यदि किसी का णवस, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्(हक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले सपना चका है अधीन नहीं एक जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मवाधीं को प्राप्त होने वाले फाय्दे किसी रीति से यम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा मकती है।
- 10. यदि किसी कारण तम, नियोजक उस नियत तारीख के मीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमिश्रम का संदाय करने में असकान रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विना जान है तो **छ**ः **रह** को जा सकते है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबाय में किए गए किनी व्यक्तिकम की धणा में उन मन सदस्यों के नामनिर्वेशितियों या निधिक वारिसों की यदि यह छूट न दी गई। होती तो उक्त स्कीम के प्रन्तर्गत हाते धीना फायदों कं संवाय का उत्तरवायत्व नियोजक पर होगा।
- 12. उका स्थापन को सबाब में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उन्नके हरुदार नाम निर्देशिक्यों/ विधिष्ठ आरिनों का र्वानाका रहन का संदार्य तलरता से और प्रत्येक दशा में भारतोय जोयन जीमा निगम से कीमाक्षत रक्तम प्राप्त होते के ॥त दिन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[नंबन: एप-35014/395/32-गी ॰एक॰-]]]

S.O. 331.—Whereas Messrs Appollo Tubes Plot No. 5, Sipcot Industrial Complex, Ranipet-632403 (Tamil Nadu), (TN/10118) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insufance Corporation of India.

INo. S-35014(395)/82-PF, III

## नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1982

का. था. 332.—मैंसर्स इण्डियन अवैक्सीजन लिमिटेड, तुमकुर रोड, डाकघर गंधवन्तपूर, बंगलौर-560022 (कर्ना-टक/858), (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी शिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम,

1952 (1952 का 19) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त अधि-नियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का ममाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदो से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप महनद्ध बीमा स्कीम, 1978 (जिसे इसमें इसके एक्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्षेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उका अधिनियम की थारा 17 की उप-धारा (2-क) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते द्वुए, और इसमे उपाबद्ध अनुम्ची में विनिर्दिष्ट शतों के अधीन रहते द्वुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अधिध के लिए उक्त स्थापन को सम के सभी उपाबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

## अनुसुची

- 1. उक्त स्थापन के मम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भिष्ट्य निध् आयुक्त, कर्नाटक (बंगलीर) को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-ममय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उकत अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के सण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्वीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का मंदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का मंदाय आदि भी है, होने वाले मभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यहि कोई ऐसा कर्मजारी, जो कर्मजारी भिवष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियो-जित किया जाता है तो, नियोजक, गामृहिक बीमा स्क्रीम के सदस्य के रूप में उसका नाम त्रन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मशारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम द अधीन कर्मशारियों को उपलब्ध फायदों में समृद्धित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मशारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों जिधक अन्कृत हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अन्जेय हैं।

1116 GI/82---14

- राम्हिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यूपर इस स्कीम के अधीन संदेय रकग उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपवन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक (अंगलौर) के पर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन सं कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-य्क्त अवसर देगा ।
- यदि किसी कारणवष्ट, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना जुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस रकीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियक करे, प्रीमियम का मंदाय करने में असफल रहता है, जो पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्व की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिकाम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिमों को जो, यदि यह छूट न दो गई होती तो उकत स्कीम के अन्तर्गत होते, वीमा फायदों के संदाय का उत्तर-दायित्य नियोजक पर होगा ।
- 12. उवत स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक दारिसों को बीमाकत रकम का संदाय तरपुरता से और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिध्यत करेगा।

[संख्या एस-35014/421/82-पी. एफ.-2]

S.O. 332.—Whereas Messrs Indian Oxygen Limited, Tum-kur Road, Post Office Yeshwanthpur, Bangalore-560022 (KN/ 868) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka (Bangalne), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that benefits available under the Group Insurance Scheme more favourable to the employees then the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable undr this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation,
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka Bangalore) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9 Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INO. S-35014(421)/82-PF. IIJ

का. डा. 333 — मैसर्स कोठारी हैटोकीमिकल्म (इन्टर-नेशनरा), नं. 766, अन्ता नगर, मदुराई-625020, (तिमल नाहु 10578), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उधत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिवष्य निध्व और प्रकीर्ण उपधन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उधत अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामू हिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे उसमें इसके एक्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुहोय हैं,

अत केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2-क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इसमे उपाबद अनुसूची में विनिदिष्ट शतों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन धर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

## अम्स्ची

- 1. उवतस्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्ण्य निधि आयुक्त, मद्रास को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारो का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उकत अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड (क) के बधीन समय-समय पर निदि<sup>4</sup>ष्ट करे।
- 3 मामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विधरणियों का प्रस्त किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. िन्योजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोधित मामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुसाद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मधारी भविष्य निधि का या उक्षत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापैन की भिवष्य दिधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियो- जित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम त्रन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत वावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मणरियों को उपलब्ध फायदे बढाए जाते है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मणरियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मणरियों के लिए

- साम् हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदो से अधिक अन्कूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रय है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यिष किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनो रकमों के अन्तर के बरावर रकम का सदाय करेगा।
- 8. सामू हिक बीमा स्कीम के उपयन्थों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मद्रास के पूर्व अनुभोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन में कर्म बारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की सम्भावना हो वहा, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्म धारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रवद की जा सकती हैं।
- 10 यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, जो पालिमी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है। \*
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्वेशितियों या विधिक वारिसों को जो, यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के मंदाय का उत्तर-दायित्ह नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निर्माधातियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संवाय उत्प्रता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संस्या एस-35014/420/82-पी . एफ . -2]

S.O 333.—Whereas Messrs Kothari Phytochemicals (International) No. 766, Anna Nagar, Madurai-625020. (TN/10578) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more ravourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madras, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accourts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the sald Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employee; than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madras and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable the opportunity to the employees to expplain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment  $d_0$  not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(420)/82-PF.II]

का. आ. 334 .— मैरार्स बुक्को उल्फ नई इण्डिया इंजी-नियरिंग अवर्स लिमिटेड, पिम्परी, पिम्परी-पूणे-411018, (म्हा-राष्ट्/1887), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिवष्य गिष्धि और अकीर्ण उपजन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय, सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1978 (जिस इममें इसके एक्चावा उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभय है;

जत. केन्द्रीय मरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में बिनिदिष्ट शतों के लघीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविध के लिए उक्त स्थीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छट देती है।

# अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के सम्बन्ध म नियोजक प्रादेशिक भिष्ठिय निधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेंगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उप-भारा (3-क) के सण्ड (क) के अभीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का मंदाय जावि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अन्मोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संघोधन किया जाए, तब उस संघोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में. उनकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियो-जित किया जाता है तो, नियोजक, सामूह्कि बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम त्रन्त वर्ज करेगा और उसकी

बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को मंदत्त करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मशारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक मामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदो से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजय हैं।
- राम् हिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिग/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों के अन्तर कं बराबर रकम का संदाय करेगा।
- ताम्बिक बीमा स्कीम के उपवन्धों में कोई भी संशोधन, भविष्य निधि बायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-गमत अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणविश्व, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन भीमा निगम की उस मामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्क्रीम के अधीत कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसीरी तसे कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारील के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की, जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निदे शिक्तियों या विधिक वारिसों को जो, यदि यह छूट न दी गई होती तो रुपत स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तर-दायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का सदाय नस्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सृनिद्धित करेगा ।

[संख्या एस-35014/409/82-पी एफ -2]

S.O. 334.—Whereas Messrs Buckau Wolf new India Engineering Works Limited, Pimpri-Pune-411018 (MH/1887) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act)

And whereas, the Cetral Government is satisfied that the imployees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insuranc Corporation of India in the nature of Life Insusance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to is the said

Now, therefore, in exercise of the powers conferred sub-section (2A) of section 17 of the said Act and surbject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accouts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as when amended, alongwith a transaction of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately entol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits availabe to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Schemo more favourable to the employees, then the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

1116 GI/15-15

- 10. Where, for any teason, the employer tails to pay the premium etc within the due date. 35 fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, it any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7-days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

[No S-35014(409)/82 PF II]

का. का. 335 — मैंसर्स थेरमेंबस (इण्डिया) (प्राइबेट), लिमिटेड, डी-13, एम आई डी मी इण्डिस्ट्रियल एरिया, जिल्लाबाड़, पृणे-19 (महाराष्ट्र/1599), (जिसे इसमें इसके परकात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अभिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इममें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवे-दन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथका अभिदाय या प्रीमियम का मंदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की मामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे अर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में अधिक अन्कूल है जो कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम 1978 (जिस इसमें इसके प्रचात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अन्जय है

अन केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2-क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविध के लिए उक्त स्थीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छट देनी है।

## अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन क सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्स, महाराष्ट्र (शम्बई) की ऐसी विदरिणया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिश्य करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारो का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उस्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय गर निर्दिष्ट करें।
- 3 साम्हिक वीमा स्कीम क प्रशासन मा, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक हाथा किया जाएगा।
- नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, और जब कभी उनमें

- संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की यहुसंस्था की भाषा में उसकी मूल्य भानों का अनुष्यंद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोर्जित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के एप मा उसका नाम स्र्न्त वर्ज करेगा और उसकी शबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदल करेगा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मकारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोज्क सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों म गमृजित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिलसे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन इनजय है।
- ए सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात वे होत हुए भी, यदि किमी कर्मचारी की मृत्य पर इस , स्कीम के अधीन संदेय रक्षण उस रकम में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेय होती जब वह उक्त रकीस के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिय/नाम निर्देशिती को प्रिकिट के रूप में दोनों क जन्मर के बराकर रकम का मंदाय करेगा ।
- 8 साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी क्षणोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र (बम्बई) के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां फिसी संशोधन में कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहा, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, उपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति- यक्त अवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवस, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, सो यह छट रव्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत नारील के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में अस्फल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाना है तो, छुट रखद की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीभियम क मदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निदेशितियों या विधिक वारिमों को जो, यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदी के मंदाय का उत्तर-दायिक नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के सम्बन्ध म नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवेशितियो/विधिक बारिसो को बीमार्कृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमार्कृत रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीतर सनिध्यित करेगा ।

S.O. 335.—Whereas Messis Thermax (India) (Private) Limited, D-13, M.L.D.C. Industrial Area, Chinchwad, Poona-19 (MH/1509)

(hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) or section 1/ of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1932) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme. 1976 thereinafter referred to as the said Scheme:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three year.

#### SCHEDULF

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection, charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the judes of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immeiately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Croup Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provi-

dent Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, it any made by the employer in payment of piemium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(330)/82-PF.H]

का. आ. 336 — मैंसर्स के. एम. बी. पम्प लिमिटेड, (फाउण्ड्री डिविजन) पोस्ट वाम्बोरी, ताल्क राहुरी, जिला अहमदावाद (बम्बई), (महाराष्ट्र/15920), (जिसे इसमें इसके परभात् उवत स्थापन कहा गया है) ने कर्मवारी भविषय निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परभात् उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है:

और केन्द्रीय भरकार का समाधान हो गया है कि उक्त रणापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सदान किए विना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की नामृहिक बीमा न्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं जीर ऐसे कर्मचारियों के लिए य फायद उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निकंप महबद बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें उसके व्यव्वात् इक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजेय हैं;

अतः केन्द्रीय भरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-भारा (2-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाबद्ध अन्सूची में विनिदिष्ट शतों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविध के निए उक्त स्थीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छट देती है।

## अन्स्ची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भिष्धय गिधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरिणधां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी यिथाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उंवत अभिनियम की खारा 17 की. उप-धारा (3-क) के मण्ड (य) के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुसाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भिष्ठिय निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियो-जिए किया जाता है तो, नियोजक, सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सूरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबक्त करेगा।
- 6. यदि उन्नत स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्वीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृषित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- ग. सामृष्टिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब यह उदा स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती की प्रतिकर के रूप में बोनों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक मिनिया निधि आंपुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि झायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-यक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चूका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, सो यह छूट रद्व की जा सकती हैं।
- 10. यदि किमी कारणबंश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाना है तो, छूट रद्द की, जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किमी क्यूनिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निदेशितियों या बिश्विक वारिसों को जो, यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तगत होते, बीमा पायशों के संदाय का उन्तर दायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवेंशितियों/विधिक बारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्स्यता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सूनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/399/82-पी. एफ.-2]

S.O. 336.—Whereas Messrs K.S.B. Pump Limited, (Foundary Division) Post Vambori, Taluka-Rahuri, District Ahmednagar (Bombay), (MH/15920) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And wherens, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinniter referred to as the said Scheme;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and surbject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Coural Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident' Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately efford him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less then the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employee shall pay the difference to the legal beir/nominee of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtta (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any teason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manual, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.
- 11. In case of detault, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

[No, S-35014(399)/82-PF.II]

# গুৱি দল

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1982

का. आ. 337.—भारत के राजपष्ट दिनाक 18 जनवरी, 1982 को भाग 2, सण्ड 3, उप-सण्ड (2) को पृष्ठ 57 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 23 (अ) दिनांक 16 जनवरी, 1982 की पंक्ति 8 मं ''अटबोली'' के स्थान पर ''अटोली'' पढ़िए।

[संख्या एस-38013/35/81-एक . आई . ]

ए. के भट्टराई, अवर मिव

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd December, 1982

S.O. 337.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S.O. 23 (E), dated the 16th January, 1982 published in the Gazettee of India, Part II, Section 3. Sub-section (ii) dated 16th January. 1982 at page 58 in line 9 for "Atcholi" read Atholi".

[No. S. 38013|35|81-HI]

A. K. BHATTARAI, Under Sccy.

## वित्त मंत्रालय

# द्याधिक कार्य विभाग (वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 1982

कार आर्थ 338:-प्रादेशिक सामीण वैक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदर्भ अनियो ना प्रयोग करते, हुए, केन्द्राय संरकार, भारतीय रिजर्स बैंक ग्रीर बैंक आफ इण्डिया के परामर्श से निम्नलिखिन नियम बनाती है, ग्रथित :--

- ा संक्षिप्त नाम श्रार प्रारम्भ
- (1) इन नियमों का नाम निमाड़ क्षेत्रीय ग्रामीण बँक (बीर्ड के ग्रिधवेशन) नियम 1982 हैं।
- (2) ये राजपत में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगें।
- परिभाषा . इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से भन्यया भ्रषेक्षित न हो
- (क) "श्रधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक श्रधिनियम 1976 (1976 का 21) श्रभिप्रेत है।
  - (ख) ''बैंक'' से निमाड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक श्रिभिन्नेत हैं।
  - (ग) ऐसे शब्दों स्रोर पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त है स्रोर परिभाषित नहीं हैं किन्तु स्रिधिनियम में परिभाषित है वहीं स्रयं है जो उनके स्रिधिनियम में है।
  - 3. बोर्ड के श्रिधिवैशनों की न्यूनतम संख्या :- एक वर्ष

में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा ।

- अधिवेशनों का संयोजन अधिवेशनों का संयोजन बार्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा ।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :- वोर्ड के अधिवेशन बैक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगें जिसे बोर्ड विनिध्चित करें।
- 6. श्रिधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची:—
  (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
  श्रध्यक्ष द्वारा विनिधिचन किया जायेगा। (खः) बोर्ड के ग्रिधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को श्रिधवेशन की तारीख
  से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी गायेगी
  ग्रीर प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमिन
  विनिधिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) श्रिधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कार-बार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए प्रधिवेशन बुलाया गया है कोई ग्रन्य कारबार प्रधिवेशन के श्रध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में श्रध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखिन सुबना नहीं दे दं। गयी है।

- (2) यदि बोर्ड का भाषात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम-से-कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर बोर्ड का अधिवेशन बुलाएगा।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए प्रधिवेशन बुलाने की प्रपेक्षा की गई है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जाएगा।
- बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदंशकों की कुल, संख्या के एक-तिहाई या चार की इनमें से जी अधिक हो, होगी।
- परन्तु जहा इस प्रधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के जनबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के श्रधिबेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अबना मन देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होंगी।
- 9. गणपूर्ति न हाने के कारण श्रधिबेशन का स्थगन— यदि बोर्ड का श्रधिबेशन गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो श्रधिबेशन, श्रगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, श्रथवा यदि वह दिन सार्वजनिक श्रवकाश दिन हो, तो उससे श्रगले दिन, जो सार्वजनिक श्रवकाश दिन न हो उसी समय, श्रीर उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहा गणपूर्ति न होने के कारण स्थिगित अधियेशन में कोई निदेशक अनुपरिथत रहा हो वहां अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थिगत हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधियेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार:— (1) यदि भ्रध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कादबार जिसे उपनियम (1) के अन्तगत परि चालित किया गया हो और उन निर्देणकों के बहुमत द्वारा सेखबढ़ किये हो, उसी प्रकार प्रभावी और आबढ़कार होगा मानों ऐसा कारबार आधिवेशन में उपस्थित निर्देशकों के बहुमत. द्वारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन हारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख, को पारित किया गया माना आएगा जिस तारीख, को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किए हों।
- (4) यदि काई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिष्मम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रकृत पर किए गए गुभी निर्णयों को अभिलेख, के लिए अगले अभिवेशन में एखा जाएगा ।

- 11. कारबार के अभिलेख :-(1) (क) बोर्ड के अधि-वेशनों के कार्यवृत्तीं को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्ता कहा गया हो) में रिवा जायेगा ।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थित श्रध्यक्ष श्रथवा निर्देशक जिसमें श्रिधवेशन की श्रध्यक्षता की हो, द्वारा श्रासक्षारित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक श्रीधवेशन की कार्यवाहियों के श्रीभलेख के श्रन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक प्रधिवेशन की समान्ति के पश्चात यथाशीझ इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जार्येगी।
- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन हारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के क्रिभिलेख की क्रध्यक्ष हारा हस्ताक्षरित किया जाएगा क्रीर कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविध्टि की जाएगी।
- (4) प्रत्येक प्रविवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये धागले प्रधिवेशन में रखे जायेंगे ।
- (5) प्रधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपवंधों के प्रमुखार रखे जायेंगे, उनमे श्राभिलिखित कार्य-वाहियों का साध्य होंगे ।

[सं० एफ० 12-5/81-म्नार० म्नार० बी० (1)] दिनेश चंद्र निदेशक

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

- S.O. 338.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Bank of India hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Nimar Kashetriya Gramin Bank (Meeting of Board) Rules, 1982.
- (2) They shall come into torce on the date of their publication in the Official Gazette.
- Delinition.—In these rules, unless the context otherwise requires—
  - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
  - (b) "bank" means the Nimar Kashetriya Gramin Bank.
  - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be hold at the field office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a). The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board
  - (b) A notice of not less than fitteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
  - (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice
  - (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call ut, urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director
  - 7 Special meeting of the Board:
    - (1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
    - (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
    - (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

19. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place.

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned, for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation :
  - (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, he referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
  - (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitutes quotum for a meeting of the Board who have recorded their view in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting
  - (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
  - (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors
  - (5) All decisions in a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business.
  - (1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
    - (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed of signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
  - (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
  - (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
  - (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
  - (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/81-RRB(I)] DINESH CHANDRA, Director.